IAS GS World PCS

Committed To Excellence

UPPCS Pre. 2023

Crash Course

भारतीय इतिहास

माइंड मैप पर आधारित

With Previous Year Questions (2015 - 2022)

सामान्य अध्ययन के लिए सर्वश्रेष्ठ संस्थान, जिसका लक्ष्य आपको सफलता दिलाना है...

IAS GS World PCS

Committed To Excellence

पत्राचार पाठ्यक्रम

Distance Learning Programme

उच्चस्तरीय एवं विश्वसनीय अध्ययन सामग्री...

- सिविल सेवा परीक्षा एक ऐसी परीक्षा है, जिसमें सभी वर्ग, सभी क्षेत्रों, सभी एकेडमिक बैकग्राउंड के अभ्यर्थी प्रतिस्पर्धा करते हैं। ऐसे में इस परीक्षा में सफलता पाने हेतु एक बेहतर अध्ययन सामग्री तथा सटीक, गुणवत्तापूर्ण एवं व्यापक मार्गदर्शन की हमेशा ही इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रही है। GS WORLD सिविल सेवा के क्षेत्र में व्यापक, गुणवत्तापूर्ण एवं सटीक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए बनाई गई एक संस्था है।
- GS WORLD ने स्तरीय शिक्षा का एक मानक स्थापित किया है। संघीय एवं राज्य सेवा परीक्षा में इसके निर्देशन में सैकड़ों अभ्यर्थी सफल हुए हैं। वर्तमान में भारत के सुप्रसिद्ध अनुभवी अध्यापक एवं शिक्षाविद् GS WORLD के साथ संबद्ध है।
- अगर आप किसी कारणवश हमारे नियमित कक्षा कार्यक्रम से जुड़ पाने में असमर्थ हैं, तो हमारे पत्राचार पाठ्यक्रम से जुड़ सकते हैं तथा यह आपकी तैयारी को एक मजबूत आधार प्रदान करेगा।

हमारी प्रमुख पुस्तकें

& many more...

Distance Learning Programme पुस्तकों की विशेषताएँ...

- आयोग के नवीनतम पैटर्न पर आधारित सामग्री।
- पैराग्राफ, बुलेट फार्म में सारणी, फ्लोचार्ट तथा मानचित्र का उपयुक्त समावेश।
- विषयवस्तु की सरलता, प्रमाणिकता तथा परीक्षा की दृष्टि से उपयोगिता पर विशेष ध्यान।
- क्विक रिवीजन हेतु प्रत्येक अध्याय में महत्वपूर्ण तथ्यों का संकलन।
- प्रत्येक अध्याय के अंत में विगत् वर्षों में पूछे गए एवं संभावित प्रश्नों का समावेश।

₹ 5000/- COMPLETE PRINTED BOOKLETS FOR PRELIMS

₹ 7500/- COMPLETE PRINTED BOOKLETS FOR MAINS

facebook.com/gsworld1 | GS World IAS Institute | t.me/GSWorldIAS | gsworldias@gmail.com

UP PCS Pre. के GS पेपर में विभिन्न वर्षों में पूछे गए इतिहास प्रश्नों का ट्रेंड एनालिसिस

प्राचीन भारत/कला एवं संस्कृति	2022	2021	2020	2019	2018	2017	2016	2015 (I)	2015 (II)
स्थापत्य/मूर्तियां/नृत्य आदि	1	0	1	1	1	0	0	0	0
हड़प्पा सभ्यता	1	1	2	0	2	0	0	0	0
वैदिक सभ्यता	0	0	0	0	1	1	0	0	1
सामाजिक आर्थिक जीवन	1	0	1	0	0	0	0	0	0
मौर्यवंश/शुंगवंश/कुषाणवंश	2	0	2	0	0	0	1	2	3
गुप्तकाल	3	0	0	0	1	0	1	2	1
अभिलेख/रचनाएं	1	0	0	0	1	0	0	0	2
बौद्ध/जैन धर्म	0	0	0	0	0	6	1	0	0
पाषाणकालीन स्थल	0	0	1	0	0	0	2	0	0
दक्षिण/पश्चिम भारतीय राजवंश	0	1	1	0	0	0	0	0	1
मध्यकालीन भारत									
विदेशी पर्यटक/यात्री	0	0	1	0	0	1	0	0	0
मुगलकाल एवं प्रशासन/स्थापत्य	4	2	2	4	3	1	4	3	3
दिल्ली सल्तनत एवं प्रशासन/स्थापत्य	2	0	1	2	2	0	1	1	0
भक्तिकाल	0	1	1	1	0	0	0	1	0
पुस्तकें	0	2	1	2	1	0	0	0	0
संगीत	0	0	0	0	1	0	0	0	0
युद्ध	1	0	0	0	0	0	0	0	0
दक्षिण भारतीय राजवंश	0	0	0	0	2	1	1	1	0
मराठा प्रशासन	0	0	0	0	1	0	0	0	0
आधुनिक भारत									
प्रमुख युद्ध	0	0	2	0	0	0	1	0	0
पुस्तकें/लेखक	1	0	1	1	0	0	0	0	0
गर्वनर जनरल	0	0	2	0	1	2	2	0	2
सम्मेलन	0	0	2	0	0	0	0	0	0
आंदोलन/स्वतंत्रता संग्राम	2	3	0	6	3	2	6	5	7
गांधी	0	0	0	1	0	0	0	0	0
अंग्रेजी नीतियां/प्रभाव	0	0	0	1	1	2	1	0	0
प्रमुख व्यक्ति	2	5	0	1	0	0	0	0	0
संस्था/काँग्रेस	2	3	0	0	3	0	0	6	1
समाज सुधार	3	0	0	0	0	1	1	2	1
एक्ट	0	1	0	1	0	0	0	1	0
कुल	**26**	**19**	**21**	**21**	**24**	**17**	**22**	**24**	**22**

INDEX

- यूपीपीसीएस प्री. ट्रेंड एनालिसीस

क्रम स.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1. प्राचीन भारत		**1-43**
–	प्रागैतिहासिक काल	1-3
–	सिंधु सभ्यता	4-8
–	वैदिक सभ्यता	9-13
–	महाजनपद काल	14-16
–	बौद्ध एवं जैन धर्म	17-19
–	मगध एवं समकालीन साम्राज्य	20-24
–	हिन्द-यवन	25-26
–	शैव धर्म एवं अन्य संप्रदाय	27-28
–	गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल	29-36
–	दक्षिण भारतीय राजवंश	37-40
–	प्रमुख रचनाएं	41-43
2. मध्यकालीन भारत		**44-72**
–	महमूद गजनवी का आक्रमण	44
–	दिल्ली सल्तनत	45-55
–	विजयनगर साम्राज्य	56
–	बहमनी राज्य एवं धार्मिक आंदोलन	57-59
–	मुगल साम्राज्य	60-69
–	मराठा राज्य	70-72
3. आधुनिक भारत		**73-135**
–	पुर्तगाली शासन	73
–	डच, डेनिश, फ्रांसीसी	74
–	अंग्रेजी साम्राज्य की शुरूआत	75-84
–	श्रमिक आंदोलन एवं प्रेस	84-85
–	अंग्रेजी शिक्षा	86-88
–	स्वतंत्रता आंदोलन	89-115
–	गवर्नर जनरल एवं वायसराय	116-135
	• यूपीपीसीएस (प्री) में विगत वर्षों में पूछे गए प्रश्न	136-158

प्रागैतिहासिक काल (Prehistory)

विशेषताएं

- कोई लिखित साक्ष्य उपलब्ध नहीं
- पुरातात्विक अवशेष देशभर से प्रचुर मात्रा में प्राप्त
- प्राप्त सामान- पत्थर के औजार, मिट्टी के बर्तन, कलाकृतियां, धातु के उपकरण

विभाजन

पुरापाषाणकाल [Paleolithic Period] (2 Million BC to 10,000 BC)

- **भोजन-** शिकार (बड़े जानवर) एवं कंद-मूल
- भाषा एवं संचार के बारे में बहुत कम जानकारी
- 1863 में पलवरम् (मद्रास) से **रॉबर्ट ब्रूस फुट** को पुरापाषाणकालीन हस्तकुठार प्राप्त हुआ था।
  - **आग की खोज**
- **प्रमुख स्थल**
  - उत्तर पश्चिम भारत में सोन (Soan) घाटी और पोटवार पठार
  - शिवालिक पहाड़ियां
  - भीमबेटका (मध्यप्रदेश)
  - आदमगढ़ पहाड़ी (नर्मदा घाटी)

मध्यपाषाणकाल [Mesolithic Period] (10,000 BC to 6,000 BC)

- **भोजन-** शिकार (छोटे जानवर एवं मछली) एवं कंद-मूल
- तीर-धनुष का प्रयोग शुरु, फलक उपकरण (क्वार्टजाइट पत्थर से निर्मित) जैसे- अस्थि निर्मित उपकरण (सरायनाहर राय, महदहा)
- पशुओं को पालतु बनाना, बागवानी, **आद्य कृषि की शुरुआत**। जैसे- पशुपालन (आदमगढ़, बागोर)
- गुजरात, यू.पी, एम. पी, राजस्थान, बिहार से साक्ष्य मिले

नवपाषाणकाल [Neolithic Period] (6,000 BC to 4,000 BC)

- **कृषि (सर्वप्रथम अन्न उत्पादन)**, पशुपालन सुचारु रूप से होने लगे। चावल की खेती पूर्वी भारत में। वहीं **'आग का उपयोग शुरू'** महत्वपूर्ण उपलब्धि।
- खेती एवं परिवहन में जानवरों का प्रयोग
- कपास और ऊन के कपड़ों का उपयोग
- **प्राप्त साक्ष्य**
  - **-चावल** (9,000-7000ई.पू) का प्राचीनतम साक्ष्य **लहुरादेव** से
  - **-गेहूं** (7000ई.पू.) का प्राचीनतम साक्ष्य **मेहरगढ़ से**
  - -कृषि एवं पशुपालन **गुफकराल** से

ताम्रपाषाणकाल [Chalcolithic Period] (4,000 BC to 1,500 BC)

- **तांबे और कांसे का प्रयोग शुरू।** धातु अयस्क को गलाना और धातु की कलाकृति को तैयार करने की तकनीक
- सामान्यत: नदियों के किनारे यह संस्कृति विकसित हुई
- दक्षिण भारत में गोदावरी, कृष्णा, तुंगभद्रा नदियों के किनारे कृषि समुदाय स्थापित हुए
- **पेयमपल्ली (तमिलनाडु)** से इस काल की कई वस्तुएं प्राप्त हुई हैं

नोट: हड़प्पा संस्कृति ताम्रपाषाणिक संस्कृति का एक हिस्सा मानी जाती है।

लौहयुग [Iron Age] (1,500 BC to 200 BC)

- इस काल में **'आर्यों का आगमन'** हुआ।
- **उत्तर वैदिककाल में 'लोहे की खोज'** हुई।
- 'महाजनपदों' का संबंध इसी काल से है।
- कई **'महापाषाण समाधियां'** दक्षिण भारत में मास्की, नागार्जुनकोंडा आदि में पायी गई हैं।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
IAS GS World PCS

मध्यपाषाणकाल से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- मध्यपाषाणकाल के औजारों को **'सूक्ष्म पाषाण औजार'** भी कहा गया है।
- भारत में सर्वप्रथम अस्थिपंजर के साक्ष्यों की प्राप्ति इसी समय हुई
- अन्य नाम **'फलक संस्कृति'**
- भारत में मध्यपाषाणकाल के विषय में सर्वप्रथम 1867-68 ई. में पता चला था।
- **लहुरादेव** (चावल का प्राचीनतम साक्ष्य) के बाद **कोलडिहवा** से चावल की भूसी के प्रमाण मिले हैं।

इतिहास
लिखित साक्ष्यों के आधार पर

- ऐतिहासिक काल
- आद्य-ऐतिहासिक काल
- प्रागैतिहासिक काल

भारतीय पुरातत्व संबंधी तथ्य

- 1861 में **अलेक्जेंडर कनिंघम** भारत का पुरातत्व सर्वेक्षक नियुक्त
- 1871 में **पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग** का गठन
- 'राष्ट्रीय मानव संग्रहालय' **भोपाल** में है।
- 1901 में **लार्ड कर्जन** के समय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को 'भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण' में तब्दील कर दिया गया तथा इसके पहले महानिदेशक **जॉन मार्शल** बने।

परीक्षापयोगी अन्य जानकारियां

- **मेहरगढ़** से **प्राचीनतम स्थायी जीवन के प्रमाण** के अलावा पाषाण संस्कृति से लेकर सिंधु सभ्यता के अवशेष भी मिले हैं।
- **भारत में मानव का सर्वप्रथम साक्ष्य हथनौरा (नर्मदापुरम या होशंगाबाद) से** मिला है।
- होमोसैपियंस की उपस्थिति प्रागैतिहासिक काल में ही तीस से चालीस हजार वर्ष पूर्व थी।
- मनुष्य ने **'सर्वप्रथम तांबा का प्रयोग'** किया। वहीं प्रथम बनाया गया हथियार 'कुल्हाड़ी' था।
- भारत का **'प्राचीनतम नगर' मोहनजोदड़ो** (मृतकों का टीला) को माना जाता है।

खोजकर्ता

- बुर्जहोम की खोज डी.टेरा एवं पीटरसन ने की
- भीमबेटका की खोज 1957-58 में विष्णु श्रीधर वाकणकर ने की

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

ताम्रपाषाणिक संस्कृति

- मालवा संस्कृति
- जोरवे संस्कृति
- कायथा संस्कृति
- अहाड संस्कृति

ताम्रपाषाण व्यवस्था के क्षेत्र

दक्षिण-पूर्वी राजस्थान
- अहाड
- गिलुण्द
- ओजियाना
- बालाथल
- बागोर

बनास घाटी में स्थित होने के कारण बनास संस्कृति नामकरण

दक्षिण-पूर्वी भारत
- पूर्वी भारत- बिहार (चिरांद, सेनुवार, सोनपुर, ताराडीह)
- पूर्वी यू.पी.- खैराडीह, नरहन
- अन्य- महिषदल, पांडु राजर ढिबि

पश्चिमी महाराष्ट्र
- अहमदनगर
- पुणे

पश्चिमी मध्यप्रदेश
- मालवा
- कायथा
- नवदाटोली
- एरण

एरण: किलेबंद बस्तियों के प्रमाण मिले हैं

मालवा संस्कृति

- **मालवा मृदभांड ताम्रपाषाण मृदभाण्डों में सर्वोत्तम**
- **यहां से चरखा और तकलियों के प्रमाण मिले हैं**
- **नवदाटोली**
  - –एच.डी.संकालिया द्वारा उत्खनित
  - –सर्वाधिक फसल के साक्ष्य
  - –सबसे बड़ा उत्खनित ग्रामीण स्थल
  - –चौकोर और वृत्ताकार घरों के साक्ष्य

जोरवे संस्कृति

- **ग्रामीण संस्कृति**
- **सबसे बड़ा शहर दैमाबाद** — तांबे की वस्तुएं, तांबे का रथ चलाता मनुष्य तथा सांड, गैंडा एवं हाथी की आकृति प्राप्त हुई है
- **प्रमुख स्थल**
  - दैमाबाद
  - नेवासा (पटसन का साक्ष्य)
  - जोरवे
  - → अहमदनगर → पुणे → चंदोली, सोनगाँव, इनामगाँव
- **कुछ बस्तियां जैसे दैमाबाद एवं इनामगांव में नगरीकरण की प्रक्रिया देखने को मिलती है**
- **इनामगांव- किलाबंद और खाई से घिरा हुआ था। यहां से मातृदेवी की प्रतिमा, 5 कमरों का एक मकान मिला है।**

कायथा संस्कृति

- **कायथा मृदभांडों पर प्राक् हडप्पन, हडप्पन और हडप्पोत्तर संस्कृति का प्रभाव**
- **कायथा से स्टेटाइट और कॉर्नेलियन पत्थरों के हार प्राप्त हुए हैं**

अहाड संस्कृति

- **तांबे की कुल्हाडियां, चूडियां एवं चादरें प्राप्त**
- **प्राचीन नाम ताम्बावती**
- **पत्थर के घर**
- **गिलुण्द प्रमुख केंद्र था** → **प्रस्तर फलक उद्योग के अवशेष**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

सिंधु सभ्यता (2400–1750 ई.पू.)

प्रमुख तथ्य

- सिंधु सभ्यता के **खोजकर्ता- दयाराम साहनी**
- सिंधु सभ्यता **प्राक् ऐतिहासिक** या **कांस्य युग** में रखी जाती है।
- सर्वाधिक स्थल (गुजरात में)
- **मूल निवासी**- द्रविड एवं भूमध्यसागर
- **नगरीय सभ्यता** थी, व्यापार मुख्य पेशा था
- **बंदरगाह**-लोथल, सुरकोटदा
- **शासन**-वणिक वर्ग के हाथों में

सिंधु सभ्यता की सीमाएं

- मांदा (जम्मू एवं कश्मीर) चिनाब नदी
- सुतकागेण्डोर (ब्लूचिस्तान) दाश्क नदी
- आलमगीरपुर (मेरठ, यू.पी.) हिण्डन नदी
- दैमाबाद (महाराष्ट्र) गोदावरी नदी

पतन के संदर्भ में विद्वानों के मत

विद्वान	मत
जॉन मार्शल, मैके एवं एस आर राव	बाढ़
गार्डन चाइल्ड एवं ह्वीलर	बाह्य एवं आर्यों के आक्रमण
ओरल स्टाइन, ए एन घोष	जलवायु परिवर्तन
एम आर साहनी	भूगर्भिक परिवर्तन
जॉन मार्शल	प्रशासनिक शिथिलता
के यू आर कनेडी	प्राकृतिक आपदा

भारत स्थित सबसे बड़ा पूर्व हड़प्पा स्थल : राखीगढ़ी

सिंधु सभ्यता के तीन चरण

1. प्रारंभिक: 3300 ई.पू. – 2600 ई. पू.
2. परिपक्व: 2600 – 1900 ई.पू.
3. उत्तर हड़प्पाई: 1900 – 1300 ई.पू.

सैन्धव सभ्यता का व्यापार

आयातित वस्तुएँ	स्थल/क्षेत्र
सोना	अफगानिस्तान, फारस, कर्नाटक
चाँदी	ईरान, अफगानिस्तान, मेसोपोटामिया
ताँबा	खेतड़ी (राजस्थान), ब्लूचिस्तान
टिन	ईरान, अफगानिस्तान
सेलखड़ी	ब्लूचिस्तान, राजस्थान, गुजरात
हरित मणि	दक्षिण भारत
शंख एवं कौड़ियाँ	सौराष्ट्र (गुजरात), दक्षिण भारत
नील-रत्न	बदख्शाँ (अफगानिस्तान)
शिलाजीत	हिमालयी क्षेत्र
फिरोजा	ईरान
लाजवर्द	बदख्शाँ, मेसोपोटामिया
गोमेद	सौराष्ट्र (गुजरात)
स्टेटाइट	ईरान
स्फटिक	दक्कन पठार, उड़ीसा, बिहार
स्लेट	काँगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
सीसा	ईरान, राजस्थान, अफगानिस्तान, दक्षिण भारत

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

आर्थिक स्थिति

कृषि

प्रमुख विशेषताएं
- दो फसली खेती
- हल का प्रयोग
- फसलों की विविधता

-**नौ फसलों की खेती**- गेहूं, जौ, राई, मटर, तिल, सरसों, चावल, कपास एवं अनाज
-कृषि कार्य हेतु प्रस्तर (पत्थर) एवं कांसे के औजारों का प्रयोग
-कोई फावड़ा या फाल नहीं मिला है। संभवत: **लकड़ी के हलों का प्रयोग** करते थे।

पशुपालन

-**पालतू जानवर**: बैल, भैंस, गाय, भेंड़, कुत्ते, खच्चर
-**हाथी** को पालतु बना लिया गया था।
-**कूबड़ वाला बैल** सबसे प्रिय पशु था। वहीं ऊँट की अस्थियां कालीबंगा से प्राप्त।
-सुरकोटड़ा में घोड़े के अवशेषों के मिलने की रिपोर्ट (पहचान संदेहग्रस्त)
नोट: हड़प्पा संस्कृति में न तो घोड़े की हड्डियाँ न ही उसके प्रारूप मिले हैं।

वाणिज्य एवं व्यापार

-**व्यापार विनिमय प्रणाली** पर आधारित था।
-हड़प्पा, मोहनजोदडों तथा लोथल में **अनाज के बड़े गोदाम** मिले हैं।
-देशी व्यापार के **परिवहन साधन** बैलगाड़ी एवं पशु जबकि विदेशी व्यापार मुख्यत: जल परिवहन से।
-**बंदरगाह से जुड़े शहर**- बालाकोट, डाबरकोट, सुत्कागेण्डोर, सोटकाकोट, मुण्डीगाक, मालवान, भगतराव तथा प्रभासपाटन।
-**विदेशी क्षेत्र** जिनसे व्यापार होता था- दिल्मुन (आधुनिक बहरीन), मनका (ओमान)
-मेसोपोटामियाई अभिलेखों में **'मेलुहा' शब्द सिंधु क्षेत्र के लिए** प्रयुक्त

मापतौल

-तौल की इकाई 16 के आवर्तकों में। जैसे- 16, 64
-सैंधव लोग मापना भी जानते थे। उदाहरण- लोथल से हाथी दांत से निर्मित पैमाना मिला है।
-दशमलव पद्धति पर आधारित मापतौल प्रणाली।

उद्योग एवं शिल्प कला

-मोहनजोदड़ों से ईंट के भट्टो के अवशेष मिले हैं।
-हड़प्पाई लोगों को **लोहे का ज्ञान नहीं** था।
-वे तांबा में टिन मिलाकर कांसा बनाते थे।
-नाव बनाने के साक्ष्य (लोथल से मिट्टी के नाव) मिले हैं।
-लघु धातु मूर्ति - **मोम-साँचा विधि**
-**प्रमुख उद्योग** - सूती वस्त्र निर्माण
-**चांदी सर्वप्रथम सिंधु सभ्यता** में पाई गई है।
-कांस्य कला, मृण्मूर्तियां, मनका-निर्माण तथा मुहर निर्माण की कला प्रचलित थी।

प्रमुख कलाकृतियां
-मोहनजोदड़ों से प्राप्त 'नृत्य की मुद्रा' में नग्न स्त्री की कांस्य प्रतिमा
-हड़प्पा एवं चान्हुदड़ो से प्राप्त **कांसे की गाड़ियाँ**
-मोहनजोदड़ों से प्राप्त **दाढ़ी वाले सिर** की पत्थर की मूर्ति (संभवत:पुजारी)
-**स्वास्तिक चित्र**

बर्तन
-मिट्टी के बर्तनों में एकरूपता, बर्तन सादे हैं, पक्की मिट्टी की मृण्मूर्तियां मिली हैं।
-बर्तनों पर लाल पट्टी के साथ काले रंग की चित्रकारी
-बर्तनों पर वनस्पति का चित्रांकन पशुओं की अपेक्षा ज्यादा।
- बर्तनों पर मुद्रा के निशान भी हैं।

मुहरें

-ये हड़प्पा सभ्यता की सर्वोत्तम कलाकृति हैं। [आकृति- चौकोर (अधिकांश), बेलनाकार, वृत्ताकार, आयताकार]
-अधिकांश मुहरें मोहनजोदड़ों से
-मुहरों पर सर्वाधिक चित्र **एक सींग** वाले **सांड (वृषभ)** का है।
-मुहरों पर **चित्रित पशु** - गैंडा, भैंसा, हाथी, बाघ, हिरण
- अधिकांश मुहरें **सेलखड़ी की** बनी होती थी।

लिपि

-**लिपि भाव चित्रात्मक** है जो क्रमश: **दाईं ओर से बाईं तथा बाईं ओर से दाईं ओर** लिखी जाती थी। इस पद्धति को 'बोस्ट्रोफीदोन' कहा जाता था। (सामान्यत: दाईं से बाईं)
-**हड़प्पा लिखावट अभी तक पढ़ी नहीं जा सकी है।**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

राजनीतिक स्थिति

-शासन संभवत: **वणिक वर्ग के हाथों में**
-**हण्टर** के अनुसार, यहां की शासन व्यवस्था जनतांत्रिक पद्धति से चलती थी
-**स्टुअर्ट पिग्गट** ने इस सभ्यता की **जुड़वा राजधानियां हड़प्पा और मोहनजोदडों** को बताया था

धार्मिक स्थिति

-मातृदेवी की **उपासना**, पशुपति शिव, लिंग एवं योनि पूजा, नाग पूजा, वृक्ष पूजा, पशु पूजा, अग्नि पूजा आदि का प्रचलन था।
-**धार्मिक दृष्टिकोण** का आधार इहलौकिक एवं व्यावहारिक था।
-भूत-प्रेत, तंत्र-मंत्र आदि में विश्वास।
-यज्ञ से परिचित थे तथा पुनर्जन्म में विश्वास करते थे।
-कालीबंगा से अग्निवेदिका का साक्ष्य प्राप्त हुआ है।
-मंदिर के अवशेष नहीं
-मोहनजोदड़ो से **पशुपति शिव** की पद्मासन मुद्रा में बैठे पुरूष की एक मुहर मिली है। वहीं हड़प्पा से प्राप्त एक मूर्ति में स्त्री के गर्भ से निकलता पौधा दिखाया गया है।

सामाजिक स्थिति

-**परंपरागत इकाई:** परिवार
-सैंधव **समाज संभवत: मातृसतात्मक** (स्त्री मृणमूर्तियाँ)
-समाज अनेक वर्गों जैसे- पुरोहित, व्यापारी, अधिकारी, शिल्पी, जुलाहे एवं श्रमिक में विभाजित थे। इनमें व्यापारी सबसे प्रभावी थे।
-योद्धा वर्ग के अस्तित्व का कोई साक्ष्य नहीं
-संभवत: **दास प्रथा प्रचलित** थी।
-सैंधव लोग **शाकाहारी एवं मांसाहारी** दोनों थे।
-आभूषणों का प्रयोग पुरूष एवं महिला दोनों करते थे।

प्रमुख साक्ष्य स्थल

- **कालीबंगा** (राजस्थान) (जोते हुए खेत, नक्काशीदार ईंट), अग्निकुंड
- **मोहनजोदड़ो** - स्नानागार (सबसे बड़ी सैंधवकालीन ईमारत), पशुपति, नर्तकी मूर्ति
- **लोथल** - अग्निकुंड, मनके का कारखाना
- **हड़प्पा** - मोहर (अधिकांश मुहरों पर एक श्रृंगी पशु का अंकन)
- **चंहुदड़ो** - मनका कारखाना
- **कृषि** - मुख्य फसल (गेंहू, जौ), कपास सबसे पहले सिंधु सभ्यता में उगाया गया।
- **बनावली** - मिट्टी के हल
- नगरों एवं घरों के विन्यास में **ग्रीक पद्धति** का उपयोग
- सूती एवं ऊनी वस्त्र प्रयोग होता था
- **टेराकोटा** (आग में पकी मिट्टी)-काले रंग से डिजाइन लाल मिट्टी के बर्तन
- **मनोरंजन** - मछली पकड़ना, शिकार, पशु-पक्षी लड़ाई, चौपड़ एवं पासा खेलना
- **धौलावीरा से जलसंग्रह** हेतु बांधों के निर्माण का साक्ष्य
- **स्वास्तिक** (सूर्यपूजा) के साक्ष्य
- **मंदिर अवशेष नहीं तथा मातृदेवी की उपासना सर्वाधिक होती थी**
- **कूबड़ वाला बैल विशेष पूजनीय**
- **घोडे की अस्थियां** - सुरकोटदा, कालीबंगा, लोथल
- **यातायात** - दो पहियों या चार पहियों वाली बैलगाड़ी या भैंसगाड़ी
- तलवार से परिचय नहीं
- पर्दा प्रथा एवं वेश्यावृति का प्रचलन था
- **दाह संस्कार विधि** [युग्म समाधी - लोथल एवं कालीबंगा]
- शव जलाना (मोहनजोदडो) एवं गाड़ना (हड़प्पा)

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

हड़प्पाई स्थल

वर्ष 1924 में, जॉन मार्शल (तत्कालीन ASI महानिदेशक) ने सिंधु सभ्यता की खोज की घोषणा की थी।

स्थल	भौगोलिक अवस्थिति	खोजकर्ता/खुदाई	प्राप्त साक्ष्य
हड़प्पा	**रावी नदी, (बायें तट पर)** मोण्टगोमरी, पाकिस्तान	दयाराम साहनी, 1921	श्रमिक निवास, सोलह भट्टियाँ, छः अन्नागार, कब्रिस्तान R-37, शंख का बना बैल, काँसे का एक्का एवं दर्पण, मंजूषा, बर्तन पर मछुआरे का चित्र, **उर्वरता की देवी का चित्र**
मोहनजोदड़ो	**सिंधु नदी (दायें तट)** लरकाना, पाकिस्तान	राखलदास बनर्जी, 1922	मृतकों का टीला, विशान स्नानागार, अन्नागार, काँसे की नग्न नर्तकी, कुम्हार के छः भट्टे, सूती कपड़ा, शतरंज की गोटियाँ, दाढ़ी वाला साधु, हाथी का कपाल खंड, पशुपति के अंकन की मुहर। घोड़े के दांत, अभिलेख युक्त सर्वाधिक
सुत्कागेण्डोर	**दाश्क नदी**, बलूचिस्तान, पाकिस्तान	औरेल स्टाइल, 1929 एवं जॉर्ज डेल्स	नदी की तटीय व्यापारिक चौकी, राख से भरा बर्तन, तांबे की कुल्हाड़ी, मिट्टी की चूड़ियाँ।
आमरी	सिन्धु नदी, सिंध, पाकिस्तान	एन जी मजूमदार, 1935 जॉर्ज एफ, डेल्स 1963/79	पूर्व हड़प्पा सभ्यता के चिन्ह तथा परिवर्ती परिवर्तन के चरणों की पहचान हुई। बारहसिंगा का नमूना।
चन्हूदड़ो	सिंधु नदी, सिंध पाकिस्तान	एन जी मजूमदार, 1931	मुहर उत्पाद केन्द्र, औद्योगिक शहर, मिट्टी की बनी बैलगाड़ी, काँसे की खिलौना गाड़ी, दवात, दुर्ग का अभाव, लिपिस्टिक का साक्ष्य, मनके का कारखाना
कालीबंगा	घग्गर नदी, राजस्थान	अमलानन्द घोष, 1953/60	अर्थ-काले रंग की चूड़ी, हल द्वारा जोते खेत, बेलनाकार मुहर, पक्की मिट्टी का हल, सबसे पहले ज्ञात भूकंप का साक्ष्य, अग्निकुंड, ऊँट की हड्डियाँ, कच्ची एवं अलंकृत ईंट
कोटदीजी	सिंधु नदी, सिंध पाकिस्तान	फजल अहमद, 1953-54	पूर्व हड़प्पा, मिश्रित स्तर, पत्थर की नींव वाले घर, पत्ती के आकार का वाणाग्र, गर्तावास, गहनों का जखीरा। चाक पर निर्मित मृद्भाण्ड।
रोपड़	सतलज नदी, पंजाब	यज्ञदत्त शर्मा, 1953-54	ताँबे की कुल्हाड़ी, शंख की चूड़ियाँ, कुत्ते को मालिक के साथ दफनाने का साक्ष्य।
रंगपुर	मादर नदी तट, गुजरात	रंगनाथ राव, 1953-54	धान की भूसी, घोड़े की मृणमूर्ति, कच्ची ईंटों का दुर्ग, पत्थर के फलक

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

सुरकोटदा	कच्छ, गुजरात	जे०पी० जोशी, 1954	घोड़े की हड्डियाँ, बर्तन में शवाधान।
लोथल	भोगवा नदी, अहमदाबाद, गुजरात	रंगनाथ राव, 1957	अन्नागार, सुमेरियन मूल से संबंधित अक्षीय नलिका सहित सोने के मनके, मनका कारखाना गोदीवाड़ा (बंदरगाह), युग्म शवाधान, धान की खेती।
आलमगीरपुर	हिंडन नदी, उत्तर प्रदेश	यज्ञदत्त शर्मा, 1958	रोटी बेलने की चौकी, कटोरे के टुकड़े, मिट्टी के बर्तन, गंगा-यमुना दोआब का पहला उत्खनित स्थल।
धौलावीरा (2021 में यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज घोषित)	कच्छ, गुजरात धौलावीरा पांचवा बड़ा हड़प्पा स्थल)	जगतपति जोशी (1967), आर.एस बिष्ट (1990-91)	धौलावीरा का शाब्दिक अर्थ- सफेद कुआं, तीन भागों में विभाजित एकमात्र शहर, नागरिक उपयोग के लिए सबसे बड़ा अभिलेख, खेल का मैदान, एक संपूर्ण जल प्रणाली के अवशेष
राखीगढ़ी	घग्गर नदी, हिसार जिला, हरियाणा	सूरजभान, 1963 1997 में अमरेंद्रनाथ द्वारा खुदाई	प्राक्हड़प्पा एवं परिपक्व हड़प्पा के साक्ष्य, भारत में स्थित इस सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल।
मिताथल	हरियाणा	सूरजभान, 1963	ताँबे की कुल्हाड़ी, संस्कृति के तीनों स्तर
बनवाली	सरस्वती नदी, हिसार हरियाणा	आर०एस० बिष्ट, 1973	**पूर्व-हड़प्पा तथा उत्तर-नगरीय**, मिट्टी के मनके, ताँबे की बनी मछली पकड़ने की बंसी, मिट्टी से बने हल का प्रतिरूप, वास्तविक हल के कुछ टुकड़े, प्रतिरक्षा दीवार के बाहर गहरी और चौड़ी खाई, मिट्टी के चक्के के प्रतिरूप
बालाकोट	अरब सागर, बलूचिस्तान, पाकिस्तान	आर०एस० बिष्ट 1973/74	**पूर्व हड़प्पा के अवशेष**, भवन निर्माण के लिए कच्ची ईंटों का प्रयोग, सींपों की कार्यशाला।
भगवानपुरा	सरस्वती नदी, कुरूक्षेत्र हरियाणा	जी.पी. जोशी, 1975/76	सफेद, काली एवं आसमानी रंग की चूड़ियाँ, ताँबे की चूड़ियाँ।
कुणाल	सरस्वती नदी, फतेहाबाद, हरियाणा	एम०आर० राव, 1994	पूर्व-हडप्पा स्थल, चाँदी के दो मुकुट।

नोट : बजट 2020-21 में राखीगढ़ी, हस्तिनापुर, शिवसागर, धौलावीरा, चेनैल्लूर आदि को 'आइकॉनिक स्थल' के रूप में विकसित किए जाने की घोषणा हुई थी।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
GS World Committed To Excellence

वैदिक संस्कृति

वेद → आर्यों को जानने का मुख्य स्रोत

भाषा–संस्कृत

वेद शब्द से वैदिक बना है।

वेद का अर्थ **'ज्ञान'**

आर्य का अर्थ उत्तम, श्रेष्ठ

वैदिक सभ्यता को **'आर्य सभ्यता'** भी कहते हैं।

ऋग्वैदिक काल (1500–1000 ई.पू.)

▪1400 ई.पू. **बोगजकोई (एशिया माइनर)** के अभिलेख में ऋग्वैदिक काल के देवताओं (इन्द्र, वरूण, मित्र तथा नासत्य) का उल्लेख।

▪**सप्त सैंधव प्रदेश (ऋग्वेद में वर्णन):**– यह सात नदियों– सिंधु (सुवासा), सतलज (शतुद्रि), व्यास (विपाशा), रावी (पुरूष्णी), चेनाब (आस्किनी), झेलम (वितस्ता), घग्घर (सुषामा) से घिरा क्षेत्र था।

▪ऋग्वेद में **अफगानिस्तान की चार नदियों** कुभा (काबुल), क्रुमु (कुर्रम), गोमती (गोमल), और सुवस्तु (स्वात) का उल्लेख है।

▪ऋग्वेद के नदी सूक्त में 21 नदियों का वर्णन है (सिंधु का सर्वाधिक)

- ➢**सरस्वती–** सबसे पवित्र नदी (अन्य नाम– मातेतमा, नदीतमा, देवीतमा)
- ➢नदी सूक्त में **विपाशा नदी** का कोई उल्लेख नहीं
- ➢ऋग्वेद में **चार समुद्रों का उल्लेख** है।
- ➢ऋग्वेद में **हिमालय पर्वत** एवं इसकी एक चोटी मुजवंत का उल्लेख।

▪ऋग्वैदिक पुरातात्विक साक्ष्य के मुख्यत: तीन प्रकार :–

➢काले एवं लाल मृदभांड ➢ताम्र पुंज ➢गेरूवर्णी मृदभांड़

राजनीतिक स्थिति

सबसे छोटी इकाई–कुल/परिवार → प्रधान=कुलुप

ग्राम, विश और **जन** उच्चतर इकाईयां थी

- ➢ग्राम कई परिवारों का समूह (**ग्रामणी** इसका प्रधान था)।
- ➢विश कई गाँवों का समूह (**प्रधान–विषयपति**)
- ➢विश समूह = **जन (प्रधान–राजा/जनपति)**
- ➢जनों का प्रधान–**राजन**

▪प्रशासन मुख्यत: **कबीलाई**

▪सैनिक भावना प्रमुख

उत्तरवैदिक काल (1000–600 ई.पू.)

▪**शतपथ ब्राह्मण** से आर्यों के प्रसार की जानकारी

▪आर्य विंध्याचल के उत्तर के संपूर्ण क्षेत्र में पहुँचने में सफल रहे

▪**स्रोत** – सामवेद, यजुर्वेद, अथर्ववेद, ब्राह्मण ग्रंथ

▪आर्यों के जीवन में स्थायित्व (कृषि का महत्व बढ़ने से)

▪हिमालय एवं विंध्याचंल के मध्य क्षेत्र का नाम **'मध्य देश'**

▪गंगा–यमुना दोआब का नाम **'ब्रह्मर्षि देश'**

राजनीतिक स्थिति

पहली बार **राज्यों का उदय**

उदाहरण– पुरू एवं भरत मिलकर 'कुरू' बने

(कुरूओं की राजधानी– आसंदीवत्, हस्तिनापुर)

पांचाल
- सर्वाधिक विकसित राज्य
- प्रसिद्ध शासक **प्रवाहण**
- राजधानी **काम्पिल्य**
- वैदिक सभ्यता में **पांचाल** को **'वैदिक सभ्यता का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि'** कहा गया है।

▪**'जनपद' का अस्तित्व आया**, 'राष्ट्र' शब्द का प्रयोग

▪**'राज्य की उत्पत्ति का सिद्धांत'** सर्वप्रथम **ऐतरेय ब्राह्मण में**

राजा

क्षेत्र	राज्य नाम	राजा का नाम
पूर्व	साम्राज्य	**सम्राट**
पश्चिम	स्वराज्य	**स्वराट**
उत्तर	वैराज्य	**विराट**
दक्षिण	भोज्य	**भोज**
मध्य प्रदेश	राज्य	**राजा**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
IAS GS World PCS

▪राजा के अन्य नाम- जनस्यगोपा, पुरभेत्ता, विशपति, गणपति, गोपति

▪**प्रमुख अधिकारी- पुरोहित (सबसे प्रमुख)**, सेनानी, ग्रामीण

सभा
- वृद्ध जनों एवं कुलीन व्यक्तियों की संस्था
- स्त्रियां शामिल
- ऋग्वेद में 8 बार उल्लेख
- सदस्य 'सुजान' कहलाते थे

समिति
- प्रमुख- ईशान
- कबीलों की आमसभा या सामान्य जनता का प्रतिनिधित्व
- स्त्रियां नहीं

▪**विदथ** - आर्यों की प्रारंभिक संस्था (कार्य-आर्थिक, सैन्य, धार्मिक, सामाजिक)

▪**रत्नी** - सूत, रथकार तथा कम्मादि आदि कुल 12 अधिकारी थे।

▪**व्रजपति** - गोचर भूमि अधिकारी

▪ऋग्वेद में न्यायाधिकारी का उल्लेख नहीं

▪युद्ध हेतु **'गविष्टि'** शब्द।

▪राजा **स्थायी सेना नहीं** रखता था।

▪सुदास के पुरोहित 'वशिष्ठ' तथा दस जनों के संघ के 'विश्वामित्र' थे।

दसराज्ञ युद्ध
- ऋग्वेद के 7वें मंडल में उल्लेख
- पुरूष्णी (रावी) के तट पर लड़ा गया
- सुदास एवं दस जनों के बीच (सुदास विजयी)

5 आर्य कबीले
- पुरू
- यदु
- तुर्वस
- द्रुहु
- अनु

5 अनार्य कबीले
- अकीन्न
- पक्थ
- भलानश
- विषाणी
- शिवि

सामाजिक स्थिति

▪ऋग्वैदिक **समाज चार वर्णों में विभक्त** था- ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। (व्यवसाय पर आधारित) [ऋग्वेद के 10वें मंडल के पुरूष सूक्त में चार वर्णों की उत्पत्ति का वर्णन]

▪**समाज पितृसत्तात्मक**, संयुक्त परिवार प्रथा

▪समाज की **सबसे छोटी इकाई-परिवार या कुल** [मुखिया-पिता (कुलुप)]

▪ऋग्वैद में **दास प्रथा का उल्लेख** भी है।

12 उच्च कोटि के अधिकारी (रत्नि)
शतपथ ब्राह्मण में उल्लेख

▪**पुरोहित** (धार्मिक कार्य)
▪**सेनानी** (सेनापति)
▪**सूत** (राजा का सारथी)
▪**ग्रामणी** (ग्राम का प्रधान)
▪**भागदुध** (कर संग्रहकर्ता)
▪**संगृहित्री** (कोषाध्यक्ष)
▪**अक्षावाप** (पासे के खेल में राजा का सहयोगी)
▪**रथकार** (रथ निर्माता)
▪**गोविकर्त्तन** (जंगल विभाग का प्रधान)
▪**महिषी** (मुख्य रानी)
▪**पालागल** (विदुषक, दूत, मित्र)
▪**युवराज** (राजकुमार)

प्रमुख तथ्य

▪**सबसे प्राचीन संस्था विदथ** उत्तरवैदिक काल में समाप्त

▪राजा पर सभा और समिति का नियंत्रण समाप्त

▪अथर्ववेद में **सभा एवं समिति** को **प्रजापति की दो पुत्रियाँ** कहा गया

▪राजतंत्र ही शासन का आधार, कहीं-कहीं गणतंत्र भी

▪स्थायी सेना नहीं थी

▪राजा न्याय का सर्वोच्च अधिकारी

▪उत्तरवैदिक काल में नियमित **कर वसूली** शुरू हुई जिसे **बलि, शुल्क या भाग** कहा गया। (मात्रा 1/16)

सामाजिक स्थिति

▪केवल वैश्य समुदाय कर देते थे।

▪ऋग्वैदिक की अपेक्षा **उत्तरवैदिक में महिला स्थिति गिरी** (ऐतरेय ब्राह्मण में पुत्र को 'परिवार का रक्षक' तथा **पुत्री को 'दुखों का स्रोत'** कहा गया है।)

▪**जाबालोपनिषद में चार आश्रमों (ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ संन्यास) का उल्लेख**

▪चावल, नमक, मछली, हाथी तथा बाघ आदि का ज्ञान हुआ जो कि ऋग्वैदिक में ज्ञात नहीं था (हाथी पालतु बनाने के साक्ष्य)

▪यज्ञ अनुष्ठान बढ़ने से **ब्राह्मणों की शक्ति में वृद्धि**

▪**वर्णाश्रम व्यवस्था प्रमुख आधार (ऐतरेय ब्राह्मण में चारों वर्णों के कर्तव्य उल्लेखित)**

▪**वर्ण व्यवस्था में कठोरता शुरू**

शब्द	वर्ग
ऐहि	ब्रह्माण्ड
आगच्छ	क्षत्रिय

शब्द	वर्ग
आद्रव	वैश्व
आधव	शूद्र

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

चार वर्ण

- ब्राह्मण (मुख से उत्पत्ति)
- क्षत्रिय (भुजा से उत्पत्ति)
- वैश्य (जंघा से उत्पत्ति)
- शुद्र (पैर से उत्पत्ति)

विवाह : यह एक पवित्र संस्कार था

विवाह के प्रकार

- अनुलोम विवाह – उच्च वर्ण पुरूष एवं निम्न वर्ण की स्त्री
- प्रतिलोम विवाह – उच्च वर्ण स्त्री और निम्न वर्ण का पुरूष

स्त्रियां (ऋग्वैदिक काल)

▪**पर्दाप्रथा एवं सती प्रथा प्रचलित नहीं**
▪स्थिति अच्छी, शिक्षा ग्रहण
▪कन्याओं का उपनयन
▪पुनर्विवाह, नियोगप्रथा एवं बहुपति विवाह प्रचलित
▪अमाजू– अविवाहित महिलाएं
▪बाल विवाह नहीं
▪**प्रमुख विदुषी– लोपामुद्रा, घोषा, सिक्ता, गार्गी, विश्वधारा, अपाला आदि।**
▪**ऋग्वेद– 'पत्नी ही गृह है' (जायदस्तम)**

आर्थिक स्थिति

▪प्रारंभिक जीवन अस्थायी (मूलतः ग्रामीण)
▪पशुपालन मुख्य पेशा, (कृषि गौण)
▪**गाय सर्वाधिक महत्वपूर्ण** (ऋग्वेद में 176 बार उल्लेख)
▪ऋग्वेद में बढ़ई, रथकार, बुनकर, चर्मकार, कुम्हार आदि शिल्पियों का उल्लेख

धार्मिक स्थिति

▪आर्य बहुदेववादी होते हुए भी एकेश्वरवाद में विश्वास करते थे।
▪प्रकृति का मानवीकरण कर उसकी पूजा शुरू।
▪**मुख्यतः प्रकृति पूजक**
▪आर्यों के देवताओं की श्रेणियां
  ➢**आकाश का देवता**– वरूण, मित्र, पूषन, विष्णु, सूर्य, आदित्य, उषा, अश्विन आदि।
  ➢**अंतरिक्ष के देवता**– इन्द्र, रूद्र, वायु, मरूत आदि।
  ➢**पृथ्वी के देवता**– अग्नि, सोम, पृथ्वी, बृहस्पति, सरस्वती आदि।
▪**इन्द्र**– सर्वाधिक प्रतापी एंव लोकप्रिय देवता (आर्यों का युद्ध नेता)
▪**अग्नि**– ऋग्वेद के 5वें मंडल में अग्नि सूक्त, (दूसरे महत्वपूर्ण देवता।)
▪**वरूण**– तीसरा प्रमुख देवता, जल का देवता, अन्य नाम– **ऋतस्य गोपा**
▪**घौरू**– सबसे प्राचीन ऋग्वैदिक देवता

द्विज

- ब्राह्मण
- क्षत्रिय
- वैश्य

▪इनका **उपयन संस्कार** होता था। **शूद्रों का नहीं** होता था।

आर्थिक स्थिति

▪**कृषि मुख्य पेशा**, पशुपालन गौण
▪**लोहे के उपकरणों** से कृषि में वृद्धि
▪शतपथ ब्राह्मण में कृषि क्रियाओं का उल्लेख
▪अथर्ववेद में सिंचाई साधनों–**वर्णाकूप एवं नहर (कुल्पा)** का उल्लेख
▪**सीता– हल की नाली।**
▪**मुख्य फसल– धान, गेहूँ।**
▪चार प्रकार के **मृदभांड** की जानकारी– लाल, काले, चित्रित धूसर, काले पॉलिशदार।
▪**तैत्तिरीय ब्राह्मण** में नगर की चर्चा हालांकि शुरूआती नगर ही स्थापित (हस्तिनापुर/कौशांबी जैसे Proto-urban site)
▪**श्रेष्ठिन/श्रेष्ठय**– व्यापारी थे।
▪शतपथ ब्राह्मण में **महाजनी प्रथा का उल्लेख** (**कुसीदिन**–सूदखोर)
▪**समुद्र का ज्ञान था** (वैदिक ग्रंथों में समुद्र चर्चा), सिक्का प्रचलित नहीं हुआ था।
▪उत्तरवैदिक ग्रंथों में कपास का जिक्र नहीं, बुनाई/कढ़ाई होती थी।

महत्त्वपूर्ण शब्दावली	
ब्रीहि	धान
यव	जौ
गोधूम	गेहूँ

महत्त्वपूर्ण शब्दावली	
माण	उडद
मुद्ग	मूंग

धार्मिक स्थिति

▪धर्म एवं ऋतु की संकल्पना
▪प्रत्येक वेद के अपने पुरोहित हो गए।
▪**यज्ञ** – सोमयज्ञ, अश्वमेघयज्ञ, वाजपेय यज्ञ, राजसूय यज्ञ (शक्ति प्रदर्शन)
▪रूद्र, विष्णु इस काल के अन्य देवता
▪इन्द्र के बदले **प्रजापति (सृजन देवता)** को सर्वोच्चता
▪**मृत्यु की चर्चा** शतपथ ब्राह्मण, मोक्ष की उपनिषद में, पुनर्जन्म की वृहदराण्यक उपनिषद में, **निष्काम कर्म सिद्धांत ईशोपनिषद में**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

महत्त्वपूर्ण शब्दावली	
पणि	व्यापारी
बेकनाट	सुदखोर

महत्त्वपूर्ण शब्दावली	
गवयतु	दूरी की माप
हिरण्य	सोना

ऋग्वेद में पशुओं का उल्लेख

▪घोड़ा, बैल, भैंस, भेड़, बकरी, ऊँट का उल्लेख

▪बाघ, हाथी का उल्लेख **नहीं**

कृषि संबंधी शब्दावली	
उर्वरा	जूते खेत
लांगल	हल
करिषु	गोबर खाद
अवट	कुआँ

कृषि संबंधी शब्दावली	
सीता	हल के निशान
कुल्पा	नहर
खिल्य	चारागाह

गायंत्री मंत्र (सूर्य को समर्पित)

↓

रचनाकार - विश्वामित्र

↓

ऋग्वेद के **तीसरे मंडल** में उल्लेखित

▪**नोट:** ऋग्वैदिक काल में उपासना का दृष्टिकोण भौतिकवादी, पुनर्जन्म की अवधारणा नहीं, यज्ञ की तुलना में प्रार्थना अधिक

वेद	पुरोहित
ऋग्वेद	**होता**
सामवेद	**उद्गाता**

वेद	पुरोहित
यजुर्वेद	**अध्वर्यु**
अथर्ववेद	**ब्रह्मा**

अन्य प्रथा

▪**त्रिवर्ग**- धर्म, अर्थ, काम

▪**पुरूषार्थ**- धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष

▪**उपाध्याय**- वेदों के अध्यापक

ऋग्वेद (10 मंडल)	रचयिता
प्रथम	मेघातिथि, मधुच्छम्दा
द्वितीय	गृत्समद
तृतीय	विश्वामित्र
चतुर्थ	वामदेव
पंचम्	अत्रि
षष्ठम्	भारद्वाज
सप्तम्	वशिष्ठ
आष्टम्	कण्व एवं अंगिरस
नवम्	सोम देवता एवं अन्य
दशम्	विमदा, इंद्र, शची

उपनिषद/वेदांत

उपनिषद्/वेदांत

अर्थ- समीप बैठना

▪**'श्वेताश्वर'** में मोक्ष का उल्लेख

▪**'वृहदारण्यक'** में याज्ञवल्क्य एवं गार्गी संवाद

▪वैदिक साहित्य के अंतिम भाग, इसलिए 'वेदांत' कहते है।

▪कुल संख्या 108

▪**मुण्डकोउपनिषद् से 'सत्यमेव जयते'**

▪नचिकेता एवं यम संवाद **'कठोपनिषद'** से

▪**'छान्दोग्य उपनिषद'** में ब्रह्मचर्य, गृहस्थ तथा वानप्रस्थ आश्रम का उल्लेख

आरण्यक

▪दार्शनिक एवं रहस्यात्मक विषयों का वर्णन

▪वन में पढ़ाने के चलते 'आरण्यक' कहलाए

▪**अथर्ववेद का कोई आरण्यक नहीं**

ब्राह्मण ग्रंथ

▪वैदिक संहिताओं की गद्यात्मक व्याख्या

▪**यज्ञों एवं कर्मकांडो को समझने हेतु रचित**

ऋग्वैदिक देवता	
मरूत	आंधी-तूफान के
यम	मृत्यु के
मित्र	शपथ एवं प्रतिज्ञा के
अश्विन	चिकित्सा के
अरण्यानी	जंगल की देवी
सरस्वती	नदी की देवी (विद्या की भी)
पर्जन्य	वर्षा के

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

वैदिक साहित्य

वेद	ब्राह्मण	उपनिषद्	उपवेद	प्रमुख तथ्य
ऋग्वेद	ऐतरेय, कौषितकी	ऐतरेयोपनिषद, कौषितकी	**आयुर्वेद**	10 मंडलों में विभक्त, जिसमें 2-7 प्राचीन, 1028 सूक्त, (भाषा पद्यात्मक), 'असतों मा सद्गमय' ऋग्वेद से लिया गया, 'गायत्री मंत्र' तीसरे मंडल में,
यजुर्वेद –शुक्ल यजुर्वेद→ –कृष्ण यजुर्वेद→	 शतपथ तैतरीय	ईशोपनिषद, वृहदारण्य कठोपनिषद, मैत्रायणी, श्वेताश्वतरोपनिषद्	**धनुर्वेद**	यज्ञों की विधियों का उल्लेख, गद्य और पद्य दोनों में, राजसूय/वाजपेय का उल्लेख, शुक्ल यजुर्वेद को 'वाजसनेयी संहिता' भी कहते हैं, मंत्रों के उच्चारण का काम 'अध्वर्यु' नामक पुरोहित द्वारा
सामवेद	पंचविश, षडविश जैमिनीय	वान्छोग्योपनिषद, कैनोपनिषद	**गन्धर्ववेद**	साम (गान), इसके मंत्र देवताओं की स्तुति में गाये गए, 1875 रचनाएं (75 ऋग्वेद से लिए गए), भारतीय संगीत के विकास में सहायक
अथर्ववेद दो शाखाएं	गोपथ पिप्पलाद शौनक	मुंडकोपनिषद, माण्डुक्योपनिषद	**शिल्पवेद**	अथर्वा ऋषि के नाम पर अथर्ववेद, कुल 20 मंडल, 731 सूक्त, प्रमुख विषय- तंत्र-मंत्र, ब्रह्मज्ञान, औषधि प्रयोग, मगध एवं अंग महाजनपदों का उल्लेख, सभा एवं समिति प्रजापति की दो पुत्रियां।

हिन्दू धर्म ग्रंथ

वेदार्थ ज्ञान में सहायक शास्त्र को वेदांग कहा जाता है।

वेदांग

6 वेदांग

- **शिक्षा** → प्रति शाख्य ग्रंथ
- **निरूक्त** → निगंठु ग्रंथ
- **व्याकरण** → पाणिनी का अष्टाध्यायी
- **ज्योतिष** → मागधमुनि का वेदांग
- **छन्द** → वैदिक साहित्य के मंत्रों के लिये प्रयुक्त किये गये विभिन्न छंदों का उल्लेख छंद नामक वेदांग में हुआ है। [संबंधित ग्रंथ- **पिंगलमुनि का छंद सूत्र**]
- **कल्प** → इसे **सूत्र साहित्य** भी कहते हैं।
  - इसके चार भाग हैं।
    - धर्म सूत्र
    - शुल्व सूत्र
    - गृह सूत्र
    - श्रौत सूत्र
  - यह भारतीय ज्यामिती का प्राचीनतम ग्रंथ है।
  - इसमें वैदिक यज्ञों के निर्माण की विधि बताई गई है।

महाजनपद

- वैदिक काल के दौरान उभरे (छठी शताब्दी ई.पू. 16 महाजनपद)
- 6वीं शताब्दी तक आते-आते सिर्फ चार शक्तिशाली राज्य रह गए:-
  1. मगध
  2. अवंती
  3. कौशल
  4. वत्स
- वैदिक काल में जनपद महत्त्वपूर्ण राज्य थे, जिनके प्रमुख 'जन' कहलाते थे।
- सामाजिक आर्थिक विकास मुख्यत:- कृषि और सेना में लोहे के औजारों के उपयोग के साथ-साथ धार्मिक और राजनीतिक विकास के कारण महाजनपदों का उदय हुआ।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

महाजनपदों का उदय

महाजनपद	राजधानी	क्षेत्र (आधुनिक स्थान)
अंग	चंपा	भागलपुर, मुंगेर (**बिहार**)
मगध	गिरिव्रज/राजगृह	पटना, गया (**बिहार**)
काशी	वाराणसी	वाराणसी के आस-पास (**उत्तर प्रदेश**)
वत्स	कौशाम्बी	इलाहाबाद के आस-पास (**उत्तर प्रदेश**)
वज्जि	वैशाली	मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा के आस-पास का क्षेत्र (**बिहार**)
कोशल	श्रावस्ती	फैजाबाद (**उत्तर प्रदेश**)
अवन्ति	उज्जैन/ महिष्मती	मालवा (**मध्य प्रदेश**)
मल्ल	कुशीनारा	देवरिया (**उत्तर प्रदेश**)
पंचाल	अहिच्छत्र, कम्पिल्य	बरेली, बदायूँ, फर्रूखाबाद (**उत्तर प्रदेश**)
चेदि	शक्तिमती	बुंदेलखंड (**उत्तर प्रदेश**)
कुरू	इन्द्रप्रस्थ	आधुनिक **दिल्ली, मेरठ एवं हरियाणा** के कुछ क्षेत्र
मत्स्य	विराटनगर	जयपुर (**राजस्थान**) के आस-पास के क्षेत्र
कम्बोज	हाटक	राजोरी एवं हजारा क्षेत्र (**उत्तर प्रदेश**)
शूरसेन	मथुरा	मथुरा (**उत्तर प्रदेश**)
अश्मक	पोटली/पोतन	गोदावरी नदी क्षेत्र (**दक्षिण भारत का एक मात्र जनपद**)
गंधार	तक्षशिला	रावलपिंडी एवं पेशावर (**पाकिस्तान**)

संस्कार

संस्कार का अर्थ है- परिष्कार या शुद्धिकरण।

गृह्य सूत्र में निम्न 16 प्रकार के संस्कारों की मान्यता है।

1. **गर्भाधान** संस्कार
2. **पुंसवन** संस्कार
3. **सीमान्तोन्यन** संस्कार
4. **जातकर्म** संस्कार
5. **नामकरण** संस्कार
6. **निष्क्रमण** संस्कार
7. **अन्नप्राशन** संस्कार
8. **चूड़ाकर्म** संस्कार
9. **कर्णवेधन** संस्कार
10. **विद्यारंभ** संस्कार
11. **उपनयन** संस्कार
12. **वेदारंभ** संस्कार
13. **केशांत** संस्कार
14. **समावर्तन** संस्कार
15. **विवाह** संस्कार
16. **अन्त्येष्टि** संस्कार

GS World Committed To Excellence

6वीं ई. पू. के धार्मिक आंदोलन

जैन धर्म | बौद्ध धर्म | शैव धर्म | भागवत धर्म

जैन धर्म

▪जैन साहित्य को **'आगम सिद्धांत'** कहा जाता है।
▪'जिन' शब्द से जैन बना (**अर्थ- विजेता**)
▪निर्ग्रंथ यानी जैन साधु
▪**उदय का कारण**- हिन्दूओं में रूढ़िवादी कर्मकांड एवं ब्राह्मणों का वर्चस्व
▪संस्थापक-तीर्थंकर
▪प्रथम तीर्थंकर - ऋषभदेव
▪ऋषभदेव और अरिष्टनेमि तीर्थंकर का नाम ऋग्वेद में उल्लेखित
▪**ऋषभदेव**- इक्ष्वांकु वंश से संबंधित थे।

ऋषभदेव
अन्य नाम
▪आदिनाथ, आदिश्वरा, युगादिदेव, प्रथमराजेश्वर
▪जन्म- अयोध्या
▪पुत्र - भरत, बाहुबली

त्रिरत्न
▪सम्यक् दर्शन
▪सम्यक् ज्ञान
▪सम्यक् आचरण

महाव्रत
▪ब्रह्मचर्य
▪अहिंसा
▪अस्तेय
▪अपरिग्रह
▪अमृषा

▪इन महाव्रतों को 'अणुव्रत' भी कहा जाता है।
▪ब्रह्मचर्य को महावीर ने बाद में जोड़ा। बाकी चार का प्रतिपादन पार्श्वनाथ ने किया था।
▪**श्वेतांबर**- (स्थूलभद्र)- श्वेत वस्त्र धारण करने वाले
▪**दिगंबर**- (भद्रबाहु)- नग्न रहने वाले

संथारा
▪जैन धर्म का हिस्सा
▪श्वेतांबर इसे 'संथारा' कहते है।
▪दिगंबर **'संलेखना'** कहते हैं।
▪आमरण अनशन की अनुष्ठान विधि

जैन धर्म के शाही संरक्षक

उत्तर भारत में	दक्षिण भारत में
▪बिंबसार	▪कदम्ब राजवंश
▪अजातशत्रु	▪गंग राजवंश
▪चंद्रगुप्त मौर्य	▪अमोघवर्ष
▪बिंदुसार	▪कुमारपाल (चालुक्य शासक)
▪हर्षवर्द्धन	
▪बिंदुसार	
▪खारवेल	

▪**स्यादवाद/ अनेकातंवाद** और **प्रंभजी सिद्धांत** जैन धर्म से जुड़े हैं।
▪**जैन संघ का प्रथम अध्यक्ष**- सुधर्मन
▪**'आजीवक संप्रदाय'** के संस्थापक- **मक्खलिगोसाल**
▪जैनधर्म के आध्यात्मिक विचार 'सांख्य दर्शन' से प्रभावित थे।
▪महामस्तकाभिषेक उत्सव श्रवणबेलगोला (विंध्यगिरी पहाड़ी पर), (हासन, कर्नाटक) में 12 वर्ष के अंतराल पर आयोजित
▪भगवान बाहुबली की (57 फुट ऊँची) मूर्ति की पूजा होती है
▪यह समारोह 981 ई. में गंगा वंश के दौरान शुरु हुआ था

जैन धर्म की मुख्य शिक्षाएं
▪संसार को दु:ख मूलक माना गया है।
▪दु:ख का मूल कारण- तृष्णा
▪ईश्वर में विश्वास लेकिन ईश्वर के अस्तित्व को 'जिन' से नीचे रखा है।
▪वर्ण व्यवस्था की निंदा नहीं की, बल्कि सुधार का प्रयास किया।
▪आत्मा के स्थानांतरगमन और कर्म सिद्धांत में विश्वास
▪जैन धर्म में अजीव (निर्जीव सत्ता) का विभाजन पाँच भागों (**पुद्गल, काल, आकाश, धर्म तथा अधर्म**) में किया गया है।
▪जैन धर्म में **पुनर्जन्म, कर्मवाद, मोक्ष एवं सत्ता को स्वीकारा** गया है।
▪यह वेद की अपौरूषेयता तथा ईश्वर के अस्तित्व को अस्वीकारता है।
▪जैन मत के अनुसार विश्व शाश्वत है तथा केवल संघ सदस्यों हेतु **'कैवल्य'** का विधान है।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

प्रमुख जैन तीर्थंकर और उनके प्रतीक चिन्ह

नाम	प्रतीक चिन्ह	नाम	प्रतीक चिन्ह
ऋषभदेव	वृषभ	विमलनाथ	वाराह
अजितनाथ	गज	**अनन्तनाथ**	श्येन
संभवनाथ	अश्व	धर्मनाथ	वज्र
अभिनन्दन नाथ	कपि	**शांतिनाथ**	मृग
सुमतिनाथ	कौंच	कुंथुनाथ	अज
पद्मप्रभु	पद्मम	अरनाथ	मीन
सुपार्श्वनाथ	स्वास्तिक	मल्लिनाथ	कलश
चन्द्रप्रभु	चन्द्र	मुनिसुव्रत	कूर्म
सुविधिनाथ	मगर	**नेमिनाथ**	नीलकमल
शीतलनाथ	कल्पवृक्ष	**अरिष्टनेमि**	शंख
श्रेयांसनाथ	गेण्डा	**पार्श्वनाथ**	सर्प
पूज्यनाथ	महिष	**महावीर**	सिंह

जैन संगीतियां

वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	मुख्य बातें
प्रथम (332-298 ई.पू.)	**पाटलिपुत्र**	**स्थूलभद्र**	12 अंगों का संकलन
द्वितीय (6वीं शताब्दी)	**वल्लभी**	**क्षमाश्रण**	12 अंगों को लिपिबद्ध किया गया

महावीर स्वामी (वर्द्धमान)

- 540 ई. पूर्व में **जन्म**
- **जन्मस्थान**- कुंडग्राम या कुंडलपुर (वैशाली) बिहार
- पिता- सिद्धार्थ **(ज्ञातृक कुल)**
- माता- **त्रिशला** (लिच्छवी राजा चेतक की बहन)
- **पत्नी**- यशोदा
- **पुत्री**- अणोज्या प्रियदर्शनी
- **दामाद**- जमालि
- **मृत्यु** 468 ई.पू. पावापुरी
- 30 वर्ष की उम्र में **संन्यास जीवन**- 12 वर्ष की तपस्या के बाद साल वृक्ष के नीचे (ऋजुपालिका नदी के तट पर, जृम्भिकग्राम के नजदीक) ज्ञान की प्राप्ति (कैवल्य)
- **कैवल्य प्राप्ति के बाद महावीर कहलाए:-** 1. जिन (विजेता) 2. अंहत (पूजा) 3. निर्ग्रंथ (बंधनहीन)
- मल्लराजा **सृस्तिपाल** के राजप्रसाद में महावीर स्वामी को **'निर्वाण'** प्राप्त हुआ।
- **अनेकांतवाद/स्यादवाद** का प्रतिपादन
- पाँचवें व्रत **'ब्रह्मचर्य'** को जोड़ा
- **24वें तीर्थंकर (बौद्ध धर्म के वास्तविक संस्थापक)**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
IAS GS World PCS

बौद्ध धर्म

संस्थापक गौतम बुद्ध

त्रिरत्न
- बुद्ध
- धम्म
- संघ

त्रिपिटक
- **विनयपिटक** (संघ संबंधी नियम)
- **सुत्तपिटक** (बुद्ध के उपदेश)
- **अभिधम्म पिटक** (दार्शनिक सिद्धांत)
- त्रिपिटक की **भाषा पालि** है।

दस शील
- ▪अहिंसा
- ▪सत्य
- ▪अस्तेय (चोरी न करना)
- ▪अपरिग्रह (धन संचय न करना)
- ▪ब्रह्मचर्य
- ▪असमय भोजन न करना
- ▪व्यभिचार न करना
- ▪मद्य सेवन न करना
- ▪आरामदायक शय्या का त्याग
- ▪आभूषणों का त्याग

अष्टांगिक मार्ग
- **प्रज्ञा**
  - सम्यक दृष्टि
  - सम्यक संकल्प
- **शील**
  - सम्यक वाक्
  - सम्यक कर्मांत
  - सम्यक् अजीव
- **समाधि**
  - सम्यक् स्मृति
  - सम्यक् व्यायाम
  - सम्यक् समाधि

चार आर्य सत्य
- दु:ख
- दु:ख समुदाय
- दु:ख निरोध
- दु:ख निरोध-गमिनी प्रतिपदा

संप्रदाय
हीनयान के उपसंप्रदाय
- वैभाषिक
- सौत्रान्तिक
- समित्या
- सर्वास्तिवादी
- स्थाविरवादी

महायान के भाग
- **शून्यवाद** या माध्यमिका या सापेक्षवाद
- **विज्ञानवाद** या योगाचार
- बोधिसत्व
- **वज्रयान** इसका एक उपसमुच्चय है

धर्मचक्रप्रवर्तन
सारनाथ (ऋषिपतनम्) में प्रथम उपदेश

महाभिनिष्क्रमण
सिद्धार्थ द्वारा 29 वर्ष की आयु में गृह-त्याग

महापरिनिर्वाण
80 वर्ष आयु में कुशीनगर में मृत्यु

बौद्ध धर्म की प्रमुख विशेषताएँ
- मूलतः अनीश्वरवादी, आत्मा की परिकल्पना नहीं
- बौद्ध धर्म के अनुसार, मनुष्य के जीवन का परम लक्ष्य निर्वाण प्राप्ति है।
- पुनर्जन्म की मान्यता है
- **'प्रतीत्यसमुदत्पाद'** बुद्ध के उपदेशों का सार एवं उनकी संपूर्ण शिक्षाओं का आधार है। इसमें ही **'क्षणभंगवाद'** और **'नैरात्मवाद'** आदि समाहित हैं।

प्रमुख शब्दावली
- **स्तूप** निर्माण मृतक की चिता के ऊपर अथवा मृतक की चुनी अस्थियों को रखने हेतु
- **चैत्य एवं विहार** — भिक्षुओं के उपासना एवं आवास स्थल
- **उपसंपदा** — बौद्ध संघ में प्रवेश
- **भिक्षु एवं उपासक** — बौद्ध धर्म के अनुयायी

प्रमुख बोधिसत्व
- अवलोकितेश्वर
- मंजुश्री
- बज्रपाणी
- क्षितिगृह
- मैत्रेय (भावी बुद्ध)
- अभिताभ

बौद्ध ग्रंथ
- **मिलिन्दपन्हो**
- **दीपवंश**
- **महावंश**
- **महावस्तु**
- **अश्वघोष (लेखक)** — बुद्धचरित्र, सौन्दरानंद, सारिपुत्र, प्रकरण, सूत्रालंकार, वज्रसूची

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

गौतम बुद्धः परिचय

- **जन्म** – 563 ई.पू.
- **जन्म स्थान** – लुम्बिनी (कपिलवस्तु के निकट नेपाल की तराई में)
- **बचपन का नाम** – सिद्धार्थ (गोत्रीय अभिधान–गौतम)
- **पिता का नाम** – शुद्धोधन (कपिलवस्तु के शाक्य गण के प्रधान)
- **माता का नाम** – माया देवी अथवा महामाया (कोलिय गणराज्य की कन्या)
- **पालन पोषण** – मौसी महाप्रजापति गौतमी द्वारा
- **पत्नी का नाम** – यशोधरा (अन्य नाम–गोपा, बिम्बा, भद्रकच्छा)
- **मृत्यु** – 483 ई. पू. (मल्लों की राजधानी कुशीनगर में)
- **सारथी का नाम** – छन्न
- **घोड़े के नाम** – कन्थक
- **पुत्र का नाम** – राहुल

बौद्ध संगीतियाँ

संगीत	स्थान	समय	शासक	अध्यक्ष	कार्य
प्रथम	**सप्तपर्णी गुफा** (राजगृह)	483 ई.पू.	**अजातशत्रु**	**महाकश्यप**	बुद्ध के उपदेशों का सुत्तपिटक तथा विनयपिटक में संकलन
द्वितीय	**वैशाली**	383 ई.पू.	**कालाशोक**	**साबकमीर (सर्वकामनी)**	स्थविर एवं महासंघिक में विभाजन
तृतीय	**पाटलिपुत्र**	250 ई.पू.	**अशोक**	**मोग्गलिपुत्त तिस्स**	अभिधम्मपिटक का संकलन
चतुर्थ	**कुण्डलवन** (कश्मीर)	72 ई.	**कनिष्क**	**वसुमित्र**	संघ का हीनयान एवं महायान संप्रदायों में विभाजन

हीनयान एवं महायान में अंतर

हीनयान
- **बुद्ध एक महापुरुष**
- व्यक्तिवादी धर्म सभी को अपने प्रयत्नों से मोक्ष प्राप्त करना चाहिए।
- मूर्ति पूजा एवं भक्ति में विश्वास नहीं।
- साधन पद्धति अत्यंत कठोर, भिक्षु जीवन का हिमायती
- आदर्श 'अर्हत' पद को प्राप्त करना।
- **साहित्य– पाली भाषा में**

महायान
- **बुद्ध देवता के रूप में**
- उद्देश्य– मानव कल्याण।
- मूर्ति पूजा का विधान, मोक्ष के लिए बुद्ध की कृपा।
- सिद्धांत सरल एवं सुलभ, **'भिक्षुओं'** तथा **'उपासकों'** को भी महत्त्व।
- **आदर्श 'बोधिसत्व' है।**
- **साहित्य– संस्कृत भाषा**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय	संस्थापक	अवस्थित
नालन्दा	कुमारगुप्त प्रथम	बिहार
ओदन्तपुरी	गोपाल	बिहार
विक्रमशिला	धर्मपाल	बिहार
सोमापुरी	धर्मपाल	बंगाल
बल्लभी	भट्टारक	गुजरात

बौद्ध एवं जैन मतों में तुलना

समानता

- संस्थापक- क्षत्रिय कुल
- वेदों की प्रमाणिकता के प्रति अनास्था
- कर्मकाण्डों के फली-भूत होने का निषेध। कर्म व पुनर्जन्म को मान्यता
- शूद्रों व महिलाओं के द्वारा मोक्ष प्राप्ति की संभावना का विरोध

असमानता

- बौद्ध 'निर्वाण' इसी जीवन में संभव मानते हैं, जबकि जैन शरीर से मुक्ति के पश्चात् ही इसे संभव मानते हैं।
- बौद्ध मत मुक्ति हेतु 'मध्यम मार्ग' का उपदेश देता है, जबकि जैन कठोर साधना पर बल देता है।
- बुद्ध ने जाति प्रथा की कठोर निन्दा की हैं, जबकि महावीर ने नहीं।
- महावीर ने बुद्ध की अपेक्षा अंहिसा व अपरिग्रह पर अधिक बल दिया है।

संप्रदाय	संस्थापक	मुख्य विचार
भौतिकवादी	**अजित-केसकम्बलिन**	अच्छे या बुरे कर्मो का कोई फल नहीं होता, अधिकतम सुख प्राप्त करना चाहिए।
अक्रियावादी	**पूरण कश्यप**	'न तो कर्म होता है और न पुनर्जन्म'
आजीवक, नियतिवादी	**मक्खलि गोशाल**	आत्मा को अनेकानेक पुनर्जन्मों के पूर्व निर्धारित अटल चक्र से गुजरना पड़ता है।
नित्यवादी	**पकुध कच्चायन**	सब कुछ पूर्व से ही निश्चित है।
अनिश्चियवादी	**संजय वेलट्‌पुत्त**	न तो यह कहा जा सकता है कि स्वर्ग या नरक है या फिर नहीं है।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

मगध साम्राज्य एवं समकालीन राजनीति

हर्यक वंश (544–412) ई.पू.

- **संस्थापक बिम्बिसार** (544 ई.पू. गद्दी पर बैठा)
- **वैवाहिक संबंधों द्वारा** साम्राज्य विस्तार
- बिंबिसार का राजवैध – जीवक

'पितृहंता वंश' कहलाया

बिंबिसार के वैवाहिक संबंध

- **चेटक** (लिच्छवी शासक) की बेटी **'चेलना'** से
- कोशल नरेश **प्रसेनजित** की बहन **'महाकोशल'** से
- **मद्रदेश की 'क्षेमा'** से

अजातशत्रु (492–460 ई.पू.)

- 'कुणिक' उपनाम
- **प्रथम बौद्ध संगीति** का आयोजन
- शासनकाल के **8वें वर्ष बुद्ध को निर्वाण** प्राप्त हुआ
- काशी, बज्जि संघ को हराया, लिच्छिवियों में फूट डलवायी

उदयिन (460–444 ई.)

- **पाटलिपुत्र** (कुसुमपुरा) की स्थापना
- **राजधानी** को **राजगृह से पाटलिपुत्र स्थापित** किया
- जैन धर्मावलंबी
- **'श्रेणिक'** उपनाम

शिशुनाग वंश (412–344) ई.पू.

शिशुनाग

- **जनता द्वारा चयनित शासक कहलाया**
- अंतिम शासक नन्दिवर्द्धन (महानंदिन)
- वत्स पर अधिकार
- इसके समय मगध की सीमा मालवा तक विस्तारित हो गई। (मालवा दूसरी राजधानी)

कालाशोक

- दिव्यावदान में **'काकवर्ण'** कहा गया
- राजधानी पुन: पाटलीपुत्र ले गया
- **'द्वितीय बौद्ध संगीति' आयोजित** कराई

नंदवंश (344–322) ई.पू.

महापदमनंद (संस्थापक)

- **'एकराट' शासक**
- शूद्र शासक
- **'सर्वक्षत्रान्तक'** कहलाया (क्षत्रियों का नाशक)
- 'कालि का अंश' उपनाम
- इसके कलिंग विजय का वर्णन **खारवेल के 'हाथीगुफा अभिलेख'** में दिया गया है।
- महाबोधि वंश में 'उग्रसेन' नाम
- **'पाणिनी'** इसके मित्र थे
- **भार्गव (पशुराम का अवतार)** कहते हैं।

घनानंद

- इसके जैन अमात्य शकटाल तथा स्थलूभद्र थे।
- इसका **सेनापति भद्दशाल** था।
- **सिंकदर का समकालीन**, सिंकदर ने 326 ई.पू. में आक्रमण किया, सिंकदर ने **'निकैया और बउकेफला'** नगर स्थापित किए
- यूनानी ग्रंथों में **'अग्रमीज'** कहा गया है।
- चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य की सहायता से धनानंद की हत्या कराई।

मौर्य काल 321–185 ई. पू.

पहली बार अखिल भारतीय सम्राज्य का निर्माण

प्रमुख शासक

- **चंद्रगुप्त मौर्य (संस्थापक)**
- बिंदुसार
- अशोक
- वृहद्रथ (अंतिम शासक)

स्रोत:-

- कौटिल्य का अर्थशास्त्र
- जैन साहित्य
- दीपवंश एवं महावंश
- **मुद्राराक्षस (विशाखदत्त)**
- यूनानी लेखकों **नियार्कस, मेगास्थनीज (इंडिका)** आदि का विवरण

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

मगध साम्राज्य एवं समकालीन राजनीति

मौर्य काल 321–185 ई. पू.

चंद्रगुप्त मौर्य

- जस्टिन ने **'सैंड्राकोट्स'** और सिकंदर की भेंट का उल्लेख किया है।
- **सैंड्राकोट्स** (जस्टिन, स्ट्रेबो, एरियन ने कहा है।)

- **सेल्यूकस निकेटर** (305 ई.पू.) को पराजित किया (ऐप्पियानस द्वारा उल्लेख)
- **सेल्यूकल्स की बेटी (कार्नेलिया)** हेलेना से विवाह और **कंधार, हेरात, काबुल** और **मकरान** प्रांत की प्राप्ति।

- **प्लूटार्क** के अनुसार चन्द्रगुप्त ने संपूर्ण भारत को रौंद डाला था

- **एण्ड्रोकोट्स** (एप्पियॉनस एवं प्लूटार्क ने कहा)
- विलियम जोंस ने **'सैण्ड्रोकोट्स'** को चंद्रगुप्त मौर्य से पहचाना
- महिला अंगरक्षक होती थी।

- जैन धर्म में दीक्षा **भद्रबाहु** से
- **सेहगौरा ताम्रपत्र** तथा **महास्थान अभिलेख** चंदगुप्त से संबंधित हैं (अकाल राहत का जिक्र)
- **मृत्यु-श्रवणबेलगौला (कर्नाटक), संलेखना** विधि से
- महाबोधिवंश के अनुसार राजकुल से संबंधित था, वहीं कथासारितसागर तथा वृहत्कथामंजारी में शूद्र उत्पत्ति मानी गयी है।

बिंदुसार

- इसने तक्षशिला में हुए दो विद्रोह को दबाने हेतु **सुसीम** और **अशोक** को भेजा
- **तारानाथ (बौद्ध विद्वान)** ने बिंदुसार को '16 राज्यों का विजेता' कहा है।

- यूनानी लेखों में **'अमित्रोचेट्स'** या **'अमित्रोकेडीज' (शत्रुनाशक)** कहा गया है।
- **अन्य नाम**– अमित्रघात, भद्रसार (वायुपुराण), तथा **सिंहसेन (जैन ग्रंथ)**

- **आजीवक संप्रदाय** का अनुयायी
- सीरियाई राजदूत **'डाइमेकस'** आया था

- **एंटिओकस** से दार्शनिक, सूखी अंजीर तथा मीठी मदिरा की मांग

अशोक

- **निग्रोध द्वारा अशोक को बौद्ध धर्म में दीक्षित करने का वर्णन** दीपवंश, महावंश में है।
- **उपगुप्त से बौद्ध दीक्षा** प्राप्त की (दिव्यावदान में वर्णन)

- बिंदुसार के शासनकाल में अशोक अवंति (उज्जयिनी) का उपराजा था।
- **269ई.पू. राज्याभिषेक,** 273 ई.पू. में राजा बना।
- **पुराणों में 'अशोकवर्द्धन'** कहा गया

- अभिषेक के **8वें वर्ष कलिंग** (राजधानी–तोसली) पर **आक्रमण (13वां शिलालेख में वर्णन)**
- मिस्त्र राजा **फिलाडेल्फस (टालमी-II)** ने **डियानीसियस** को अशोक के दरबार में भेजा।

- **बराबर की पहाड़ियों** में 'कर्ण, चोपार, सुदामा तथ विश्व झोपड़ी' का निर्माण (आजीविकों हेतु) वहीं **'नागार्जुन गुफा'** दशरथ ने दी थी।
- अशोक के 7वें अभिलेख में आजीविकों का उल्लेख
- अपने **पुत्र महेन्द्र एवं पुत्री संघमित्रा** को श्रीलंका भेजा (बौद्ध धर्म के प्रचार हेतु)
- 84,000 स्तूपों का निर्माता (बौद्ध परंपरा के अनुसार)

- **भारत में शिलालिखों की शुरूआत** की
- अशोक के अभिलेख 1837 में सर्वप्रथम **जेम्स प्रिंसेप** ने पढ़े।
- मास्की, गुर्जरा, नेत्तूर तथा उड्गेोलम के लेखों में **अशोक का नाम** मिलता है।

GS World Committed To Excellence

मौर्य काल 321–185 ई. पू.

अशोक

अशोक के अभिलेख

शिलालेख

- 14 विभिन्न लेखों का समूह 8 स्थानों से प्राप्त
- शिलालेखों में **ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक** एवं **अरमाइक लिपि का प्रयोग,**
- **सहगौरा ताम्रपत्र (गोरखपुर)** तथा **महास्थान अभिलेख** (बोगरा बांग्लादेश) प्राकृत भाषा, ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं।
- **शिलालेख की खोज 1750 में टी. फेन्थैलर द्वारा**

अशोक के स्तंभ लेख (7)
केवल ब्राह्मी लिपि में (छः अलग स्थानों से प्राप्त)

1. **प्रयाग स्तंभ लेख** (कौशाम्बी से अकबर ने इलाहाबाद के किले में स्थापित कराया)
2. **दिल्ली टोपरा** (फिरोज शाह तुगलक द्वारा टोपरा से दिल्ली लाया गया)
3. **दिल्ली मेरठ** (फिरोजशाह दिल्ली लाया)
4. **रामपुरवा** (चंपारण बिहार, खोज–कारलायल द्वारा)
5. **लौरिया अरेराज** – पूर्वी चंपारण
6. **लौरिया नंदनगढ़** – पश्चिमी चंपारण

- **ग्रीक एवं अरमाइक लिपि** (अफगानिस्तान)
- **खरोष्ठी लिपि** (उत्तर–पश्चिम पाकिस्तान)
- **ब्राह्मी लिपि** (शेषभारत)
- **खरोष्ठी लिपि दायीं से बायी लिखी** जाती थी।

परीक्षापयोगी तथ्य

- **रानी का अभिलेख**– कौशाम्बी अभिलेख
- **रूम्मिनदेई अभिलेख**– अशोककालीन सबसे छोटा स्तंभलेख जिसमें भू-राजस्व दर घटाने का वर्णन।
- **पृथक शिलालेख**– धौली एवं जौगढ़, इनमें 11,12,13वें लेख नहीं मिलते। इनको 'पृथक कलिंग प्रज्ञापक' कहा गया है।
- **धौली अभिलेख**– 'सारी प्रजा मेरी संतान है।'
- **जौगढ़ अभिलेख**– शासन में भ्रष्टाचार रोकने हेतु अधिकारियों के हस्तांतरण की बात
- **एर्रगुढ़ि वृहद् शिलालेख** की लिपि दायें से बायें है जबकि अन्य सभी में बायें से दायें है।
- **13वें शिलालेख** में यवन शासकों (टालेमी-II, एलेक्जेंडर, ऐटियोक-II, मग अंतकिनी) का उल्लेख।
- **कंगनहल्ली (कर्नाटक)** शिलालेख में ब्राह्मी लिपि में 'राण्यो अशोक' (राजा अशोक) का उल्लेख है।

मेंगास्थनीज (किताब–इंडिका)

भारतीय समाज के बारे में

- **समाज सात श्रेणियों** (दार्शनिक, कृषक, पशुपालक, कारीगर, योद्धा, निरीक्षक, मंत्री) में विभाजित।
- दास प्रथा के प्रचलन का अभाव
- कोई भी व्यक्ति अपनी जाति से बाहर न तो विवाह कर सकता था न ही कोई पेशा अपना सकता था।
- **रूपजीवा**– स्वंतत्र वेश्यावृत्ति

नगर प्रशासन

समिति		कार्य
• प्रथम	–	उद्योग, शिल्प निरीक्षण
• द्वितीय	–	विदेशियों का ब्योरा रखना
• तृतीय	–	जनगणना
• चतुर्थ	–	व्यापार एवं वाणिज्य
• पंचम	–	निर्मित वस्तुओं का विक्रय निरीक्षण
• षष्ठ	–	बिक्री कर वसुलना

- **समितियों का विभाजन 6 भागों** में जिसमें 30 सदस्य थे। (प्रत्येक में 5)
- बिक्री कर मूल्य का **10वां भाग** थी।
- कर की चोरी पर मृत्युदंड की सजा

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

मगध साम्राज्य एवं समकालीन राजनीति

मौर्य काल 321–185 ई. पू.

मौर्यकालीन प्रशासन

- **चर** – जासूस
- **कुमार /आर्यपुत्र/ राष्ट्रिक**– प्रांतों का प्रशासक
- **ग्राम** – प्रशासन की सबसे छोटी इकाई (मुखिया 'ग्रामीक')

- अशोक के समय मौर्य साम्राज्य में 5 प्रांत थे जिन्हें **'चक्र'** कहा जाता था।
- **मंत्रिपरिषद्** – सम्राट की सहायता हेतु
- **तीर्थ** – अर्थशास्त्र के अनुसार शीर्षस्थ अधिकारी (महामात्र)
- **जस्टिन** के अनुसार, चंद्रगुप्त की सेना में 9000 हाथी थे।

- **गोप** – सबसे छोटा प्रशासक (10 गाँवों का शासक)
- **एग्रोनोमाई** – मार्ग निर्माण अधिकारी
- **एस्टिनोमाई** – नगर पदाधिकारी
- **न्यायालय** – धर्मस्थलीय, कंटकशोधन
- **गुप्तचर** – संस्था, संचरा, चर
- **नायक** – युद्ध में सेना का नेतृत्वकर्ता
- **सेनापति** – सैन्य विभाग का सर्वोच्च अधिकारी
- **महामात्य सर्प** – गुप्तचर विभाग का प्रमुख
- **सीताभूमि**– सरकारी भूमि
- **राजुक**– न्यायाधीश
- **अदेवमातृक**– बिना वर्षा की भूमि

मौर्यकालीन स्थापत्य

- मेगास्थनीज ने **'पोलिब्रोथा'** (पाटलिपुत्र) का वर्णन किया है
- **फाह्यान** कुम्हरार (पाटलिपुत्र) के राजप्रसाद को देवताओं द्वारा निर्मित बताता है।

- अशोक के स्तंभों पर **यूनानी एवं ईरानी प्रभाव**
- स्तूप मौर्यकालीन स्थापत्य की देन (सांची का महास्तूप, सारनाथ का धर्मराजिका स्तूप, भरहुत एवं तक्षशिला स्तूप, पिपरहवा **(सबसे प्राचीन)**
- **'धौली हस्ति'** (उदयगिरी पहाड़ी को काटकर एक शैल कृत हाथी की मूर्ति)
- **दीदारगंज** से यक्षी की, परखम से यक्ष तथा बेसनगर से यक्षिणी की मूर्ति
- **मौर्यकालीन मृदभांडों** में सबसे उत्कृष्ट उत्तरी काली पॉलिश वाले मृतभांड (NBPW) हैं।
- **एकाश्म स्तंभ** (सर्वोत्कृष्ट सारनाथ सिंह स्तंभ) राष्ट्रीय चिन्ह
- **रामपुरवा में** नटुआ बैल, संकिशा में हाथी
- अशोक के स्तंभों में सिंह, घोड़ा, हाथी, बैल प्राप्त होते हैं।

मौर्योत्तरकाल

कण्व वंश 72–28 ई. पू.

- **संस्थापक**– वशुमित्र (75 ई.पू.)
- **ब्राह्मण वंश**
- **शासक**– वसुदेव, भूमिमित्र, सुशर्मन आदि।

शुंग वंश 185–75 ई.

- प्रमुख शासक– अग्निमित्र, वसुमित्र, वज्रमित्र, देवभूति आदि।
- कालिदास की रचना **'मालविकाग्निमित्र'** का नाटक शुंग शासक अग्निमित्र पर केंद्रित है।
- **'पतंजलि' पुष्यमित्र के दरबारी** थे।

- संस्थापक–वृहद्रथ को हटाकर **पुष्यमित्र शुंग (185 ई.पू.) राजधानी-पाटलपुत्र**
- वाणभट्ट के हर्षचरित्र में पुष्यमित्र को 'अनार्य' कहा गया है।
- पुष्यमित्र शुंग **ब्राह्मणवादी** था। इसने मिनांडर, डेमेट्रियस, खारवेल के आक्रमणों को विफल किया।
- **अयोध्या अभिलेख (धनदेव)** के अनुसार पुष्यमित्र ने दो अश्वमेघ यज्ञ करवाए थे।
- **भरहुत स्तूप** का निर्माण पुष्यमित्र ने किया तथा **सांची स्तूप** पर पाषाण वेदिका बनवाई
- **भागभद्र के** शासनकाल में यवन शासक **एण्टियालकिट्स** के राजदूत **हेलियोडोरस** ने विदिशा में गरूड़ स्तंभ बनवाया।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

मौर्योत्तरकाल

सातवाहन वंश

- **स्थापना-सिमूक** (60-ई.पू.- 37 ई.पू.)
- अमरावती एवं प्रतिष्ठान राजधानी
- इन्होंने ब्राह्मणों एवं बौद्ध भिक्षुओं को भूमि दान देने की प्रथा की शुरूआत की
- सातवाहन का अर्थ 'सात द्वारा संचालित'
- पुराणों में **'आंध्र मृत्यु'** भी कहा गया है।
- क्षेत्र आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं तेलंगाना
- उत्तराधिकारी - **इक्ष्वाकु**

- पहली सदी ई. पू. के मध्य से तीसरी सदी के शुरुआत तक

शतकर्णी प्रथम
- **नानाघाट अभिलेख** (भूदान साक्ष्य)
- पुराणों में इसे 'कृष्ण पुत्र' कहा गया है।

हाल
- **महानतम् सातवाहन शासक** था।
- कवि (**गाथासप्तशती रचना**)
- दरबार में **गुणाढ्य**, **सर्ववर्मन** निवास करते थे।

वशिष्टीपुत्र पुलुमावी
- गौतमीपुत्र शातकर्णी का उत्तराधिकारी
- इसे शक शासक रूद्रदामन ने दो बार हराया था।
- **'दक्षिणापथेश्वर'** उपनाम
- **नासिक, कार्ले और अमरावती** से इसके अभिलेख मिले हैं।

गौतमीपुत्र शतकर्णी
- विजयों की जानकारी नासिक अभिलेख से
- 'एकमात्र' एवं **'अद्वितीय ब्राह्मण'** कहलाया
- इसके घोड़ों ने **'तीन समुद्रों का पानी'** पिया था।
- जोगलथम्बी से प्राप्त चाँदी के सिक्कों पर एक तरफ **'नहपान'** दूसरी तरह **'गौतमीपुत्र'** का नाम अंकित।
- **उपाधियां**- राजाराज, बेंकटस्वामी विंध्यनरेश
- चातुर्वर्ण्य को फिर से स्थापित किया
- **'वर्ण व्यवस्था का रक्षक', 'वेदों का आश्रयदाता'** कहलाया।

यज्ञश्री शातकर्णी
- अंतिम महान शासक
- सिक्कों पर नाव चित्रित

कला एवं संस्कृति (सातवाहन)
- सातवाहनों ने सर्वप्रथम **'शीशे की मुद्राएं'** चलाईं
- **सातवाहन ब्राह्मण** थे और 'कृष्ण की पूजा' करते थे।
- सातवाहन पहले स्वदेशी राजा थे जिन्होंने **'स्वयं के सिक्के'** जारी किए जिन पर शासकों के चित्र थे।
- **अधिकारिक भाषा प्राकृति**, लिपि **ब्राह्मी** थी
- **कार्लिचैत्य** का निर्माण, **अमरावती** एवं **नागार्जुनकोंडा स्तूपों** का निर्माण

चेदि वंश

- पहली शताब्दी ईसा पूर्व में कलिंग में एक नए राजवंश का उदय हुआ, जिसे **चेदि राजवंश** के नाम से जाना जाता है। चेदि वंश को **महामेघवंश** भी कहते हैं।

- **संस्थापक- महामेघावाहन**
- महामेघवाहन का अर्थ है **'महान बादलों के भगवान'**
- 'खारवेल' महान शासक। यह मगध से जैन तीर्थंकर शीतलनाथ की मूर्ति लाया।
- खारवेल (महामेघ का पुत्र था)

हाथीगुफा अभिलेख (2 BCE)
- उदयागरी पहाड़ी
- ब्राह्मी लिपि, **प्राकृत भाषा**
- जैन लोगों को गांव दान में दिए जाने का उल्लेख
- **चोल, चेर, पाण्डयों** को खारवेल द्वारा पराजित किए जाने का उल्लेख

शक
- भारतीय स्रोतों में शको को **'सीथियन'** कहा गया है।
- प्रथम शासक- **मोगा**
- **नहपान (महाराष्ट्र)** गौतमी पुत्र शतकर्णी से हारा था।

- **रूद्रदामन (130-150 ई.पू.)- सर्वाधिक प्रसिद्ध**। इसने शातकर्णी-II को दो बार हराया
- सुदर्शन झील की मरम्मत
- संस्कृत का संरक्षक
- जूनागढ़ अभिलेख (संस्कृत)

क्या आप जानते हैं?

हाथी गुफा अभिलेख
- 1825 में **ए. स्टर्लिंग** द्वारा देखा गया।
- 1885 में **डॉ. भगवान लाल इंद्रजी** द्वारा इसका पहला विश्वसनीय रिकार्ड आया

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

हिन्द- यवन

(यूथिडेमिड कूल से)
डेमेट्रियस-I 180 ई. पू.

- भारतीय सीमा में सर्वप्रथम प्रवेशकर्ता
- इसने **'साकल' को अपनी राजधानी** बनाया
- 'राजा' की उपाधि
- इसने **यूनानी तथा खरोष्ठी लिपि में सिक्के** चलाए।

मौर्योत्तर काल में पश्चिमी विदेशी आक्रमणकारियों में **बैक्ट्रिया के ग्रीक** प्रमुख थे।

यूनानियों की देन

- यूनानी राजाओं ने **सिक्कों पर राजाओं के नाम एवं तिथिया** उत्कीर्ण शुरू की
- **ट्रम**–चांदी के सिक्के
- **सर्वप्रथम मुद्रालेख तथा सोने के सिक्के जारी किए**
- काल गणना, संवत् का प्रयोग, सप्ताह के 7 दिन, 12 राशियां, कैलेंडर वर्ष।
- नाटकों में पर्दा (यवनिका) यूनानियों की देन।
- **हेलोनिस्टिक कला** का विकास
- भारत में **ज्योतिष के विकास में यूनानी सहायक रहे**
- सर्वप्रथम यूनानी आक्रमणकारियों ने **'हिन्दूकुश पर्वत'** पार किया

मिनांडर 165-145 ई. पू.

- **डेमेट्रियस कुल** से था।
- **'मिलिन्दपन्हो'** में इसकी **नागसेन से वार्ता** संकलित है।
- बौद्ध धर्म अनुयायी

- दूसरी शताब्दी ई. पू. से पहली शताब्दी ई. तक **शासनकाल**

इक्ष्वाकु वंश (सौर वंश)

- बौद्ध धर्म अनुयायी
- ये सातवाहनों के सामंत थे
- संस्थापक- इष्वाकु
- प्रथम जैन तीर्थंकर ऋषभदेव इक्ष्वाकु राजा थे

इक्ष्वाकु राजा शैव थे और वैदिक संस्कार करते थे, लेकिन उनके शासनकाल में बौद्ध धर्म भी फला-फूला। कई इक्ष्वाकु रानियों और राजकुमारों ने वर्तमान नागार्जुनकोंडा में बौद्ध स्मारकों के निर्माण में योगदान दिया।

आंध्र इक्ष्वाकु

इस राजवंश ने लगभग **तीसरी और चौथी शताब्दी** ईसवीं के दौरान **विजयपुरी (आंध्र प्रदेश में आधुनिक 'नागार्जुनकोंडा')** में अपनी राजधानी से भारत की पूर्वी कृष्णा नदी घाटी में शासन किया। इक्ष्वाकुओं को उनके प्रसिद्ध नामों से अलग करने के लिए **विजयपुरी के 'आंध्र इक्ष्वाकु'** के रूप में भी जाना जाता है।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

मौर्योत्तरकाल

कुषाण शासक

कुजुल कडफिसस 30-80 ई.

- **कुषाण वंश का संस्थापक**
- केवल **तांबे के सिक्के** जारी
- सिक्कों पर यूनानी **राजा हर्मियस** की आकृति, दूसरी तरफ अपनी।
- सिक्कों पर **'धर्मथिदस'** तथा **'धर्मथित'** उत्कीर्ण

(सम्बद्ध)
- 'यूचि या तोचेरियन' (मध्य एशिया या पश्चिम चीन) कबीले से जुड़े
- प्रथम शताब्दी में स्थापित

विम कडफिसस 45-127 ई.

- **कुषाण शक्ति का 'वास्तविक संस्थापक'**
- **बड़ी संख्या में सोने एवं तांबे के सिक्के चलाने हेतु जाना जाता है।**
- सिक्कों पर **यूनानी एवं खरोष्ठी लिपि**
- **शैव मत का अनुयायी**
- सिक्कों पर **शिव, त्रिशूल एवं नंदी की आकृति**
- **'माहेश्वर'** की उपाधि

हुविष्क

- कश्मीर में **'हुक्कपुर'** नामक नगर बसाया।
- सिक्कों पर **शिव, स्कंद तथा विष्णु की आकृति।**

कनिष्क

- **सर्वाधिक प्रसिद्ध कुषाण शासक**
- **'शक युग'** का शुरूआतकर्त्ता
- **'द्वितीय अशोक'** उपनाम
- 78 ई. में **'शक संवत' की शुरूआत।**
- **मुख्य राजधानी- पेशावर (पुरुषपुर)**
- कश्मीर में **'कनिष्कपुर'** नगर बनाया
- **पाटलिपुत्र पर आक्रमण कर अश्वघोष, बुद्ध का भिक्षापात्र प्राप्त किया।**

- कनिष्क ने **हान राजवंश** के सम्राट हान हो-तो के सेनापति को हराया

- **कुषाणों ने संस्कृत भाषा को प्रमुखता दी।**
- **अश्वघोष को संस्कृत का प्रथम नाटककार माना जाता है।**

- **महास्थान (बोगरा)** से प्राप्त कनिष्क की मूर्ति 'सोने की मुद्रा' में है।
- मथुरा से प्रतिमा मिली है।
- **इसने गांधार एवं मथुरा शैली** का विकास किया।
- दरबारी विद्वान- **पार्श्व, वसुमित्र, अश्वघोष, नागार्जुन, चरक, माथर।**
- यह **महायान का अनुयायी** था।
- संस्कृत में आयोजित **चतुर्थ बौद्ध संगीति** का आयोजन किया (कश्मीर, कुंडलवन प्रथम सदी)।
- **सारनाथ बौद्ध अभिलेख** कनिष्क से संबंधित है।

परीक्षोपयोगी जानकारियाँ

- **शकों ने 'क्षत्रप प्रणाली' चलाई** तथा प्रांतों में द्वैध शासन की प्रणाली प्रारंभ थी।
- यूनानियों ने **'मिलिटरी गवर्नरशिप' की परिपाटी** चलाई।
- शक **'त्रातार' (मुक्तिदाता) उपाधि** लेते थे।
- कुषाणों ने **सर्वाधिक शुद्ध स्वर्ण सिक्के** तथा ताम्र सिक्के चलाए।
- **कुषाणों ने 'रेशम मार्ग' पर नियंत्रण किया (कनिष्क ने)।**
- **'पेरीप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी'**- अज्ञात यूनानी नाविक द्वारा रचित है।
- मौर्योत्तरकालीन प्रमुख बंदरगाह- सोपारा, मृगुकच्छ, देवल, पोलूरा, चौल, नौरा, कोरकई, पुहार, साइला आदि।
- **व्यापार एवं विनिमय में मुद्राओं का प्रयोग** मौर्योत्तर युग की प्रमुख देन है।
- मौर्योत्तर काल में आर्य देवताओं के समानांतर गैर- आर्य देवता भी स्थापित हो गए।
- **'भक्ति' का विकास इस काल के धर्म की प्रमुख विशेषता।**
- इस काल में बढ़ी संख्या में जनजातीय तत्वों तथा विदेशी तत्वों का आत्मसातीकरण किया गया।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

शैव धर्म

- भारत का प्राचीनतम धर्म
- कुषाण शासकों के सिक्कों पर शिव, त्रिशुल, वृषभ अंकित
- भगवान शिव एवं उनके अवतारों को मानने वालों को शैव कहते हैं।
- ऋग्वेद में 'रूद्र' नाम
- वामन पुराण में शैव संप्रदाय की संख्या चार
- उप-संप्रदाय
  - शाक्त
  - नाथ
  - दसनामी
  - नाग
- माधवाचार्य ने शैवधर्म के चार विद्यालयों का उल्लेख किया है।
  - नकुलिशपशुपात
  - शैव
  - रासेश्वरा
  - प्रत्याभिज्ञ

लिंगायत एवं वीरशैव

- भगवान शिव का लिंग धारण करने वाले
- कनार्टक में अधिकांश आबादी
- 'बासवन्ना' (1106-68) के अनुयायी **वीरशैव व लिंगायत** कहलाए।
- लिंगायत अपने मृतकों को दफनाते हैं।, मूर्तिपूजा के विरोधी है।
- **लिंगायत/वीरशैव** द्वारा स्वयं को एक अलग धर्म घोषित करने की मांग की जा रही है।
- **वीरशैव अर्थात् भगवान शिव** के वीर। वीरशैव मूर्ति पूजक हैं तथा वैदिक अनुष्ठान का पालन करते है।
- लिंगायतों ने कर्म के आधार पर वर्गीकरण की पैरवी की है

भारत में प्रसिद्ध शिव मंदिर

- **लिंगराज मंदिर** (ओडिशा)
- **मुरूदेश्वरा मंदिर** (कर्नाटक)
- **वडक्कुनाथन मंदिर** (केरल)
- **अमरनाथ मंदिर** (कश्मीर)
- **श्री कालहस्ती** (आंध्र प्रदेश)
- **वैद्यनाथ मंदिर** (झारखण्ड)
- **सोमनाथ** (गुजरात)
- **त्रयंम्बेकश्वर मंदिर** (महाराष्ट्र)
- **वृहदेश्वर मंदिर** (तमिलनाडु)
- **महाकालेश्वर मंदिर** (मध्य प्रदेश)
- **कोटिलिंगेश्वर मंदिर** (कर्नाटक)
- **केदारनाथ** (उत्तराखंड)
- **ताराकेश्वर मंदिर** (पश्चिम बंगाल)
- **चिदंबरम नटराज मंदिर** (तमिलनाडु)
- **कैलाशनाथ** (ऐलारा, महाराष्ट्र)
- **काशी विश्वनाथ** (उत्तर प्रदेश)

उदयगिरी पहाड़ी विदिशा (मध्यप्रदेश) पर शैव गुफा का निर्माण चंद्रगुप्त-II के सेनापति वीरसेन द्वारा कराया गया था। यहीं 'उदयगिरी गुहालेख' भी है।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

भागवत सप्रंदाय

- प्रवर्तक **कृष्ण**
- गुप्त सम्राट 'परम भागवत' उपाधि ग्रहण करते थे।
- **अंपोलेडोटस (इंडो-ग्रीक शासक)** के सिक्कों पर सर्वप्रथम भागवत धर्म के चिन्ह मिलते हैं।
- **विदिशा/वेसनगर के गरूड स्तंभ** पर भागवत धर्म संबंधी साक्ष्य।
  - **हेलियोडोरस (भागवत)** द्वारा बनवाया गया
- **महर्षि पाणिनी** के सूत्रों में भागवत धर्म एवं वासुदेव की पूजा का उल्लेख।

पंचवीर (पाषाण लेख, मथुरा)

- संकर्षण
- वासुदेव
- अनिरूद्ध
- प्रद्युम्न
- साम्ब

चतुर्व्युह

- संकर्षण या बलराम
- वासुदेव
- प्रद्युम्न
- अनिरूद्ध

संप्रदाय	मत	आचार्य
वैष्णव संप्रदाय	विशिष्टाद्वैत	रामानुज
ब्रह्म संप्रदाय	द्वैत	आनंदतीर्थ
रूद्र संप्रदाय	शुद्धद्वैत	वल्लभाचार्य
सनक संप्रदाय	द्वैताद्वैत	निम्बार्क

संप्रदाय

1. आजीवक
2. घोर अक्रियवादी
3. यदृच्छावाद
4. भौतिकवादी
5. अनिश्चयवादी
6. वारकरी
7. श्री वैष्णव
8. परमार्थ
9. रामभक्त

संस्थापक

1. मक्खलि गोशाल
2. पूरण कश्यप
3. आचार्य अजित
4. पकुध कच्चायन
5. संजय वेलट्पुत्त
6. नामदेव
7. रामानुज
8. रामदास
9. रामानंद

GS World
Committed To Excellence

गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल

गुप्तवंश
(275- 550 ई. तक)

- गुप्त संभवतः कुषाणों के सामंत थे।
- **संस्थापक**–महाराज श्रीगुप्त (240–280 ई.)
- **गुप्त साम्राज्य का उदय प्रयाग के निकट कौशांबी में**
- गुप्त वंश का आरंभिक राज्य यू.पी. और बिहार में था।
- गुप्तकालीन वैष्णव अवशेष **देवगढ़ का दशावतार मंदिर** (बेतवा नदी के तट पर)
- **गुप्त सम्राट वैष्णव धर्म के अनुयायी थे।**

चंद्रगुप्त–I
319–335/36 ई.

- **गुप्त संवत** शुरू किया
- **प्रथम महान गुप्त शासक**
- गुप्त वंश का **वास्तविक शासक**
- **'महाराजाधिराज' की उपाधि**
- सिक्कों पर 'कुमारदेवी' का नाम
- लिच्छवी राजकुमारी कुमारदेवी से विवाह

समुद्रगुप्त
(335–375 ई.)

- 'परक्रमांक' उपाधि
- **समुद्रगुप्त** से श्रीलंकाई शासक **मेघवर्मन** ने गया में बौद्ध मठ बनाने की अनुमति मांगी।
- **'भारतीय नेपोलियन'** (विंसेट स्मिथ ने कहा है)
- प्रयाग प्रशस्ति में **'लिच्छवी दौहित्र'** कहा गया है।
- **प्रयाग स्तंभलेख** मूलतः अशोक निर्मित है।
- **प्रयाग प्रशस्ति** (हरिषेण) **चंपू शैली में लिखित** है।
- इसने 8 प्रकार के सोने के सिक्के चलाए (वीणावादन, गारूड़, अश्वमेध, आदि)
- यह **'विष्णु का उपासक'** था
- **'कविराज'** की उपाधि, **'सिक्कों पर वीणा बजाते'** दिखाया गया
- **समकालीन नरेश**– धनंजय, नीलराज, उग्रसेन, विष्णुगोपा
- बौद्ध विद्वान **वसुबंधु को संरक्षण**
- इसने दक्षिणापथ के राजाओं के प्रति **'ग्रहणमोक्षानुग्रह' की नीति** अपनाई।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

चंद्रगुप्त-II
376–413/415 ई.

- **दरबारी विद्वान (नवरत्न)** – कालिदास, धन्वतरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, वेताल भट्ट, घटकर्पर, वराहमिहिर, वररूचि
- **देवीचंद्रगुप्त नाटक** में चंद्रगुप्त-II के बारे में जानकारी
- **महरौली में लौह स्तंभ** चंद्रगुप्त-II से संबंधित
- शकों पर विजय के उपलक्ष्य में **चांदी के सिक्के** चलाए
- **उपाधियां**- विक्रमादित्य, **शकारि**
- फाह्यान दरबार में आया

कुमारगुप्त-I
415–455 ई.

- अत्यंत महत्त्वपूर्ण **नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की।**
- स्वर्ण, रजत तथा ताम्र मुद्राए चलाए।
- **मंदसौर अभिलेख (वत्सभट्टी)** में इसके सुव्यवस्थित शासक का वर्णन
- **उपाधि** – महेंद्रादित्य
- धनदैह, दामोदरपुर तथा बैग्राम ताम्रपत्र
- **सर्वाधिक गुप्तकालीन सिक्के** इसी ने निकाले
- **विलसड अभिलेख** में गुप्त वंशावली कुमारगुप्त-I तक है।

स्कंदगुप्त
455–467 ई.

- इसके समय **हुणों ने आक्रमण किया**
- **सिक्कों पर गरूडध्वज अंकित**
- **उपाधि- विक्रमादित्य**
- सिक्कों पर पद्मासन में विराजमान लक्ष्मी, धनुष-बाण लिए राजा की आकृति
- **सुदर्शन झील का पुनरूद्धार** किया
- स्कंदगुप्त ने पुष्यमित्र नामक जातियों को हराया था
- **इसने चीन (साँग सम्राट के दरबार) में राजूदत भेजे थे**

अन्य तथ्य

- विष्णुगुप्त-III **अंतिम गुप्त शासक** (540–550 ई.)
- गुप्त शासकों ने सर्वाधिक संख्या में सोने के सिक्के चलाए।
- नरसिंहगुप्त ने हूण नरेश **मिहिरकुल** को पराजित किया।
- **मिहिरकुल**- तोरमाण का पुत्र
- **भानुगुप्त के ऐरण अभिलेख (510 ई.) से 'सती प्रथा' का पहला अभिलेख साक्ष्य।**
- **तोरमाण**- भारत पर दूसरे हुण आक्रमण का नेता

GS World Committed To Excellence

गुप्तकालीन अधिकारी

- **महाबलाधिकृत**- सेनापति
- **महादण्यनायक**- न्यायाधीश
- **सन्धिविग्रहिक**- युद्ध तथा संधि से संबंधित
- **दण्डपाशिक**- पुलिस विभाग का सर्वोच्च अधिकारी
- **महाअक्षपटालिक**- लेखा अधिकारी
- **भाण्डागाराधिकृत**- राजकोष का अधिकारी
- **विनयस्थिति संस्थापक**- शिक्षा एवं धर्म अधिकारी

गुप्तकालीन प्रशासन

- **कुमारमात्य**- सर्वोच्च अधिकारी
- **भुक्ति**- प्रांत ('उपरिक' इसका अधिकारी था)
- **गोप्ता**- सीमांत प्रदेश
- **विषय (जिला)**- इसका अधिकारी 'विषयपति'
- **भाट**- पुलिस कर्मचारी
- **पुरपाल/द्रांगिक**- नगर प्रशासक
- **महत्तर**- गाँव का मुखिया

आर्थिक स्थिति

- **भूमि पर सम्राट का अधिकार**
- **भाग**- उत्पादक से प्राप्त 1/6 कर
- **हिरण्य**- नकद कर
- **विष्टि**- बेगार, पताका
- **निवर्तन, कुल्यावाप, द्रोणावाय, आढ़वाप**- भूमि माप के पैमाने थे
- **भट्ट**- पुलिस कर
- **भूतोवात प्रत्यय**- नशीली वस्तुओं पर
- **प्रणय**- ग्रामवासियों पर अनिवार्य कर
- **निगम, श्रेणी, संघ**- शिल्पी एवं व्यवसायी थे
- **गुप्तकालीन बंदरगाह**- ताम्रलिप्ति, भृगुकच्छ/भड़ौच, मुजरिस, आरिकामेडु, कावेरीपट्टनम्, घंटाशाला, कुदरा, चौल
- **श्रेष्ठी, सार्थवाह**- व्यापारी थे
- **कौडी**- खरीद-ब्रिकी हेतु प्रयुक्त
- **दीनार**- सोने का सिक्का (144 ग्रेन)

भूमि के प्रकार

- **खिल** (न जोतने योग्य जमीन)
- **औदक** (दलदली भूमि)
- **अप्रहत** (जंगल भूमि)
- **वास्तु** (वास योग्य जमीन)
- **क्षेत्र** (खेती योग्य जमीन)

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

सामाजिक स्थिति

- **दास प्रथा प्रचलित थी**
- **फाह्यान** के अनुसार समाज में अछूतों का प्रवेश वर्जित था।
- **वर्णों का आधार** कर्म न होकर **जन्म** था।
- ब्राह्मणों को सर्वोच्च स्थान
- **स्त्रियों की दशा में गिरावट** (पर्दा प्रथा, सती प्रथा, बाल विवाह, प्रचलित थे।)
- **कायस्थों का उदय**

धार्मिक स्थिति

- **राजकीय धर्म**- वैष्णव
- गुप्तों ने **परमभागवत उपाधि** धारण की और **गरूड़ को राजकीय चिन्ह** बनाया।
- गुप्तकाल में मूर्ति उपासना का केन्द्र बन गयी
- **फाह्यान** के अनुसार, गुप्तकाल में कश्मीर, अफगानिस्तान और पंजाब बौद्ध धर्म के केन्द्र थे।
- मथुरा, सारनाथ, पाटलिपुत्र मूर्तिकला के केंद्र थे
- **प्रमुख मंदिर**- भीतरगाँव का ईंट मंदिर, सिरपुर का लक्ष्य मंदिर, भूमरा एवं खोह का मंदिर
- **देवगढ़ (दशावतार मंदिर) में** विष्णु को शेषनाग शय्या पर विश्राम करते दिखाया गया है। (**पंचायतन शैली** में निर्मित मंदिर)

कला-संस्कृति

- **बाघ, अंजता की गुफाओं** पर गुप्तकालीन अवशेष (अंजता की **गुफा सं.** 16,17,19 गुप्तकालीन है।)
- **धन्वतरि ने 'अष्टांग हद्‌य'** नामक आयुर्वेद ग्रंथ की खोज की
- **नागार्जुन ने** 'इस चिकित्सा' की खोज की
- **शतरंज खेल** गुप्तकाल में आया
- **वराहमिहिर (ज्योतिष)** ने पंचसिद्धांतिका लघु जातक आदि की रचना की।
- **शैक्षणिक केन्द्र**- वल्लभी, उज्जैनी, काशी, मथुरा, पाटलिपुत्र, (नालंदा बाद में हुआ)
- **ब्रह्मगुप्त** ने गुरूत्वाकर्षण का सिंद्धात दिया।
- **आर्यभट्ट** गुप्तकाल में प्रमुख गणितज्ञ
- **महाभारत, रामायण** का अंतिम संकलन हुआ।
- **याज्ञवलक्य**, नारद कात्यायन, वृहस्पति की स्मृतियां गुप्तकाल में लिखी गई।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

हर्षवर्द्धन (पुष्यभूति वंश)
606–647 ई.

- **अंतिम हिंदू सम्राट**
- राजधानी **थानेश्वर**
- **बाणभट्ट** हर्ष के दरबारी कवि थे (**हर्षचरित** एवं **कादम्बरी** रचनाएँ)
- हर्ष के समय **मथुरा** सूती वस्त्रों हेतु प्रसिद्ध था, वहीं **वल्लभी** नालंदा शिक्षा हेतु
- हर्ष और पुलकेशिन-II के बीच नर्मदा के तट पर युद्ध (हर्ष पराजित)
- **ह्वेनसांग** हर्ष के शासनकाल में भारत आया
- **हर्ष ने चीन में राजदूत भेजे**
- ह्वेनसांग से मिलकर हर्ष बौद्ध धर्म का अनुयायी बन गया
- **हर्ष की नाटक-** प्रियदर्शिका, रत्नावली, नागानंद
- हर्ष ने 843 ई. के करीब कन्नौज एवं प्रयाग में धार्मिक सभाओं का आयोजन किया। (**महामोक्षपरिषद्**)

ह्वेनसांग का भारतीय यात्रा विवरण

- **630 ई. में भारत आया** (15 वर्षों तक भारत रहा)
- इसने **भारत को 'यिन-तू'** कहा है।
- ह्वेनसांग ने हर्ष के समय छठे महामोक्ष परिषद् में भाग लिया
- हर्ष के शासन में मृत्युदंड नहीं होकर अंग-भंग की सजा थी।
- ह्वेनसांग ने **शूद्रों को कृषक कहा** है।
- समाज वर्ण और जाति प्रथा के आधार पर संगठित था।
- **मथुरा** सूती वस्त्र तथा **वाराणसी रेशमी** वस्त्रों हेतु प्रसिद्ध था।
- **उपनाम-** 'यात्रियों का राजकुमार'
- **'सि-यू-की'** यात्रा वृतांत पुस्तक
- **नालंदा वि.वि. (637 ई. में दौरा) में अध्ययन करने तथा बौद्ध ग्रंथ ले जाने आया था** (शीलभद्र- नालंदा वि.वि. आचार्य)

षडदर्शन

- भारत का प्राचीनतम दर्शन - **सांख्य दर्शन** (महर्षि कपिल)
- **वैशेषिक दर्शन-** (महर्षि कणाद) परमाणुवाद की स्थापना की
- **योग दर्शन** (महर्षि पंतजलि)
- **न्याय दर्शन** गौतम (अक्षपाद)
- **पूर्व मीमांसा दर्शन-** (महर्षि जैमिनी)
- **वेंदात दर्शन- (उत्तर मीमांसा)** (बादरायण एवं आदि शंकराचार्य)

नोट

पूर्व मीमांशा दर्शन व उत्तरा मीमांसा दर्शन वेदों पर निर्भर रहा है।

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

पालवंश (8–12वीं सदी तक)

संस्थापक-गोपाल, इसने **ओंदतपुरी विश्वविद्यालय की स्थापना** की।

धर्मपाल 770-815 ई.

- **'सोम महाविहार'** का निर्माण (बांग्लादेश)
- **'विक्रमशिला वि.वि.' की स्थापना**
- इसने कन्नौज के शासक इन्द्रायुद्ध को हराकर चक्रायुध को कन्नौज की गद्दी पर बिठाया
- **'उत्तरापथ स्वामी' उपाधि** ली।
- **'त्रिपक्षीय युद्ध' (कन्नौज) से जुड़ा** था।
- बौद्ध दार्शनिक 'हरिभद्र' इसके आध्यात्मिक उपदेशक थे।

- **सुलेमान** नामक अरब व्यापारी (9वीं सदी) ने पाल शासक को **'रूहमा'** कहा है।
- **पाल शासक महायान बौद्ध अनुयायी थे।**

देवपाल

- **मुंगेर राजधानी**
- **'ओंदतपुरी बौद्धमठ'** का निर्माण
- **शैलेंद्रवंशीय शासक बालपत्रदेव** को नालंदा में बिहार बनवाने की अनुमति
- वज्रदत्त (लोकेश्वर शतक) को संरक्षण दिया।

महीपाल-I

- **पाल वंश का दूसरा संस्थापक**
- इसके काल में **चोल शासक राजेन्द्र-I** ने बंगाल पर आक्रमण कर इसे परास्त किया
- इसने तिब्बत में बौद्ध भिक्षु 'अतिस' को भेजा

रामपाल
अंतिम पालशासक

सेनवंश 11–12वीं सदी (बंगाल में)

लक्षमण सेन – 1. दानसागर, अद्भुत सागर ग्रंथों की स्थापना
2. दरबारी विद्वान– जयदेव, धोमी, हलायुद्ध, सरना, उमापति, धौयी गोवर्धन

विजय सेन ने प्रद्युम्नेश्वर मंदिर का निर्माण कराया था।

स्थापना– सामंत सेन

जयदेव 'राधा कृष्ण' पंथ के संस्थापक थे। (गीत गोविंद रचना)

ढकाकेश्वरी मंदिर (ढाका) सेन शासकों द्वारा निर्मित है।

प्रमुख शासक – विजयसेन, बल्लाला सेन एवं लक्ष्मण सेन

राजधानी – नदिया (लखनौती)

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

कश्मीर राजवंश

कार्कोट वंश
- स्थापक- दुर्लभवर्द्धन
- प्रमुख शक्तिशाली राजा ललितादित्य ने **'मार्त्तण्ड मंदिर'** का निर्माण कराया था।

उत्पाल वंश
- संस्थापक- अवंतिवर्मन

लोहार वंश
- संस्थापक संग्रामराज
- हर्ष को **'कश्मीर का नीरो'** कहा जाता है।
- हर्ष प्रसिद्ध **लोहार शासक** था
- **कल्हण (राजतरिंगिणी)** हर्ष का आश्रित कवि था।

नोट

जैनुल अबादीन (1420-70) को **'कश्मीर का अकबर'** कहा जाता है।

प्रमुख राजपूत राजवंश

गुर्जर प्रतिहार वंश

नोट
- प्रतिहार का शाब्दिक अर्थ- **द्वारपाल**
- राजा भोज द्वारा 7वीं सदी में स्थापित **ग्वालियर शिलालेख** में प्रतिहारों के शुरुआती परिवार का वर्णन है।

(750-1000 ई. तक)
त्रिपक्षीय युद्ध (कन्नौज हेतु)
1. राष्ट्रकूट
2. पाल
3. गुर्जर प्रतिहार (विजेता)

स्थापना- 'हरिश्चन्द्र'
क्षेत्र- दक्षिण-पश्चिम राजस्थान

शुरुआत में थे चरवाहे व लड़ाके थे।

वास्तविक प्रथम शासक नागभट्ट-I (730-760 ई)
- **'मलेच्छों का नाशक'** उपाधि
- इसने **अरबों से लोहा लिया**

मिहिर भोज-I (836-885 ई.)
1. देवपाल और राष्ट्रकूट राजा ध्रुव ने इसे हराया था।
2. यह वैष्णव धर्मानुयायी था
3. **'आदिवराह'** की उपाधि
4. **राजाधानी** कन्नौज
5. **ग्वालियर प्रशस्ति में** मिहिर भोज की उपलब्धियों का उल्लेख है।

प्रतिहारों के मंदिर निर्माण को सर्वाधिक विकास **खजुराहो में** हुआ जो अब यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज है।

महीपाल-I
1. **'अल मसूदी' (बगदाद)** इसके काल (915-16 ई.) में गुजरात आया
2. **'राजशेखर'** इसके दरबारी विद्वान थे।

चालुक्य शासक **पुलकेशिन-II के ऐहोल अभिलेख में सर्वप्रथम 'गुर्जर जाति' का उल्लेख** है।

नोट

अल मसूदी का यात्रा विवरण **मुरुज-उल-जहान** के नाम से प्रसिद्ध है।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

प्रमुख राजपूत राजवंश

चौहान वंश

- **स्थापना**– वासुदेव
- चौहान प्रतिहार शासकों के सामंत थे।
- प्रारंभिक राजधारी **अहिच्छत्र** (अजयराज II ने बाद में अजमेर को बनाया)

विग्रहराज-IV या बीसलदेव (1153-1163 ई.)
- इसने **'हरिकेल' नाटक** की रचना की। इस **नाटक के अंश 'ढाई दिन का झोपड़ा' मस्जिद की दीवारों पर** हैं।
- **सोमदेव (कथासरितसागर)** इसके दरबारी विद्वान थे

पृथ्वीराज-III (रायपिथौरा)
- **तराईन युद्ध** (मुहम्मद गौरी के साथ)
- राजकवि **चन्दबरदाई (पृथ्वीराज रासो)**
- **जयनक** (पृथ्वीराज विजय नाटक)

मालवा के परमार वंश (19वीं सदी के शुरू में स्थापित)

- **संस्थापक**– उपेन्द्र (कृष्णराज)
- परमारों की **राजधानी**:– 1. उज्जैन 2. धारा नगर

राजा भोज (1018-1060)
- सर्वोच्च परमार राजा
- **भोजपुर** झील का निर्माण
- **भोजशाला** (संस्कृत कॉलेज) स्थापना
- **कविराज** उपाधि

रचनाएं– 1. **आयुर्वेद सर्वस्व**
2. **युक्ति कल्पतरू**
3. **समरांगण सूत्राधार** (वास्तुकला से संबंधित)

अन्य गुप्तकालीन परीक्षापयोगी तथ्यः–

- **भूमि के प्रकार**– वाहीत, अकृष्ट, असर, साक्त, प्रकृष्ट या कृष्ट
- **अन्य प्रमुख कर**– भाग, भोग, हिरण्य, प्रव्यय, उद्रंग, प्रस्थ, उपरिकर, मल्लकर, तुरूष्क दण्ड
- **दुकूल**– पौधों के रेशों से बना कपड़ा
- **तरिक**– तरशुल्क वसुलने वाला अधिकारी
- **राजपूतों का अभ्युदय** इस काल की महत्वपूर्ण घटना
- गुप्तोत्तर काल में व्यापार का ह्रास हुआ
- **वरोज**– भडौंच के वस्त्र
- **कौड़ी, कपर्दक**– वस्तु, विनिमय का माध्यम
- **कुसीद वृत्ति**– सूद पर रूपये उधार देना।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

दक्षिण भारतीय राजवंश

मंदिर स्थापत्य की शैलियाँ
- बेसर शैली – हिमालय से विंध्य क्षेत्र
- नागर शैली – विंध्याचल से कृष्णा तक
- द्रविड़ शैली – कृष्णा नदी से कन्याकुमारी तक

संगम युग के साम्राज्य (3 ई.पू. – 3 ई.)
– चोल, चेर, पाण्ड्य

चोल राज्य (875–1175 ई.)
- **संस्थापक**– विजयालय (850–87) 'नरकेसरी उपाधि'
- **कावेरी बेसिन के आस पास का क्षेत्र**
- **'स्थानीय स्वशासन' प्रमुख विशेषता**
- **प्रतीक**– टाइगर
- **कांस्य प्रतिमाएं सबसे उत्कृष्ट**
- **पंप, पोन्न, एन्न (कन्नड़, त्रिरत्न)**
- **राजधानी**– तंजौर या तंजावुर
- **कवि**– जयन्गोंदर, कंबन, पुगलेंदि औट्टक्कुट्टन (**तमिल त्रिरत्न**)
- बंगाल की खाड़ी को **'चोलों की झील'** कहा जाता था।
- **चोलों की नौसेना काफी उन्नत थी**

प्रमुख राजा

परांतक-I 'मदुरकोंडा' की उपाधि, कृष्ण-III से तक्कोलम युद्ध में हारा

राजराज-I (1. श्रीलंका विजय 2. मुम्डिचोलमंडल स्थापित 3. शैव 4. राजेश्वर मंदिर)

राजेंद्र-I (1. महिपाल को हराया 2. 'गंगैकोंडचोल' उपाधि 3. 'गंगैकोंडचोलपुरम' नगर स्थापित

राजेंद्र-II 'प्रकेसरी' उपाधि

चोल प्रशासन

भूमि प्रकार – **ब्रह्मदेय, शालाभोग, वेल्लनवगाई, देवदान, यतुर्वेदि मंगलम**

मेरूमक्कल – अग्रहार, ब्राह्मण बस्तियों की सभा

नगरम – व्यापारी

कैलजु – सोने, सिक्के

प्रांत – मंडलम, कोट्टम, नाडु, कुर्रम

बंदरगाह – पंपुहार, कावेरीपत्तनम

संगम

संगम	अध्यक्ष	स्थल
प्रथम	अगस्त्य ऋषि	मदुरै
द्वितीय	तोलकाप्पियर	कापाट्पुरम
तृतीय	नक्कीरर	उत्तरी मदुरै

चोलकालीन मंदिर
1. **चोलिश्वरा मंदिर**– विजयालय
2. **ब्रह्मपुरिश्वरा मंदिर**
3. **वृहदेश्वर मंदिर**– 1011 ई. राजराज द्वारा निर्मित
4. **ऐरातेश्वर मंदिर** (राजेंद्र-II)

नोट: गंगईकोंड चोलपुरम नामक नगर राजेंद्र-I द्वारा निर्मित किया गया।

क्या आप जानते हैं ?

त्यागराज, **मुथुस्वामी दीक्षितार** और **श्यामा शास्त्री** को **कर्नाटक संगीत शैली की त्रिमूर्ति** कहा जाता है।

चोल, चेर, काकतीय, पाण्डय, राष्ट्रकूट पल्लव, वकाटक, चालुक्य

राजराज-I ने **'मुमुदी चोलदेव'** की उपाधि धारण की, जिसका अर्थ था **'वह स्वामी जो तीन मुकुट (चोल, चेरा और पांड्य) का श्रृंगार करता है।'**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

दक्षिण भारतीय राजवंश

चेर वंश

- **प्रमुख राजा**:- उदयन जेराल, नेदुनजेराल आदन, शेनगुट्टवन (लाल चेर)
- **'केरल पुत्र'** कहे जाते हैं।
- **क्षेत्र**- आधुनिक कोंकण, मालावार तटीय क्षेत्र, उत्तरी त्रावणकोर, कोच्चि
- **प्रतीक चिन्ह**- धनुष

पाण्ड्य राज्य

- **क्षेत्र**-दक्षिणी तमिलनाडु (वर्तमान, तिरनेलवेली, रमनाड, मदुरै)
- **स्त्रियों का शासन**
- 'नेंडुजेलियन' प्रसिद्ध शासक
- मोतियों हेतु प्रसिद्ध
- **राजधानी**- मदुरई
- **प्रतीक चिन्ह**- मछली
- मेगास्थनीज इन्हें 'माबर' कहता है।
- **बंदरगाह**- कोकेई (बंगाल की खाड़ी)
- पांड्य राजाओं ने साहित्य सम्मेलन **'संगम'** का आयोजन किया था।

संगम साहित्य

- ये तमिल की प्राचीनतम रचनाएँ हैं।
- दो भागों में विभक्त **(अगम, पुरम)**
- **प्रमुख रचनाएं**- ऐतूतोगई, पत्तुपातु, पदितपत्तु, तोल्काप्पियम, शिलप्पादिकारम, मणिमेखलै, जीवका चिंतामणि, तिरूक्कुराल **(पंचम वेद)**, अहनानरू, ऐंगरूनरू

अन्य प्रमुख संगमकालीन परीक्षापयोगी तथ्य

- **प्रशासन**- राजतंत्रात्मक एवं वंशानुगत थी।
- **सभा**- राजा का सर्वोच्च न्यायालय
- **पेशेवर सैनिक** (एनाडि-सेना प्रमुख)
- **युद्ध में मारे सैनिकों की पाषाण मूर्तिया स्मारक के रूप में बनायी गई हैं।**
- **वेतर, बेलिर, वेल्लार** - धनी किसान या शक्तिशाली लोग
- **वेनिगर**- व्यापारी (अवनम-बाषार)
- **बंदरगाह**- टिंडिस, मुजरिस, नेलसिंडा, नौरा, पुहार, शालियूर, कोर्कइ, अरिकमेडु
- **पाण्डय नरेश** ने रोमन राजा ऑगस्टस का सहयोग प्राप्त करने हेतु दूत भेजे थे।
- **राजस्व स्रोत**- भूराजस्व (1/6 भाग)
- **मा, बेलिफ**- भूमि पैमाना
- **अगस्तय ऋषि**-वैदिक संस्कृति को दक्षिण भारत ले गए।
- **मुरूगन**- प्राचीन एवं प्राथमिक देवता
- **मुख्य पेशा**- कृषि

चालुक्य वंश (6-12वीं सदी)

- **क्षेत्र** - दक्षिण और मध्य भारत
- **तीन अलग-अलग चालुक्य राजवंश** थे।

1. **बादामी के चालुक्य**- कर्नाटक में बादामी (वातापी) में राजधानी थी। प्रमुख शासक पुलकेशिन द्वितीय।
2. **पूर्वी चालुक्य**- वेंगी में राजधानी। क्षेत्र - पूर्वी दक्कन।
3. **पश्चिमी चालुक्य**- बादामी चालुक्यों के वंशज थे। दसवीं सदी के अंत में इनका उभार हुआ और कल्याणी से शासन किया।

- **प्रमुख स्थापत्य- एहोल मंदिर, बादामी मंदिर, पट्टाडक्कल मंदिर।**

चोल, चेर, काकतीय, पाण्डय, राष्ट्रकूट पल्लव, वकाटक, चालुक्य

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

दक्षिण भारतीय राजवंश

काकतीय वंश

काकतीय वंश

- **क्षेत्र** – वारंगल, आंध्र प्रदेश, पूर्वी कर्नाटक, दक्षिणी ओडिशा
- **मोतुपल्ली (बंदरगाह)**
- **राजधानी**– ओरूगल्लु
- **प्रोला–I** ने काकवीय वंश को स्वतंत्र राजवंश बनाया
- **प्रमुख शासक**– रूद्राम्मा देवी, गणपति (सबसे महान काकतीय शासक)

प्रमुख स्थापत्य काकतीय

- हजार स्तंभ मंदिर
- **रामप्पा मंदिर (काकतीय रूद्रेश्वर मंदिर)**
- वारंगल फोर्ट
- गोलकोंडा फोर्ट

नोट

जुलाई 2021 में, **रामप्पा मंदिर (1213 ई. में निर्मित)** को यूनेस्को के **'विश्व धरोहर स्थल'** (भारत का 39वां) में शामिल किया गया है।

- 'रामप्पा' नाम इस मंदिर के **शिल्पकार रामप्पा** के नाम पर रखा गया है।
- **निर्माणकर्ता**– काकतीय राजा गणपति देव के **सेनापति रेचारला रूद्र** द्वारा

वकाटक वंश

वकाटक वंश (तीसरी सदी मध्य से 5वीं सदी तक)

वकाटक वंश के राजा ब्राह्मण थे

राजधानी– नगरधन

प्रमुख शासक–

1. विंध्यशक्ति (250–270 ई.)
2. रूद्रसेन–I
3. प्रवरसेन–I **(सेतुबंध के रचनाकार)**
4. सर्वसेना **(हरिविजय के लेखक)**

- **वकाटक गुप्तों के समकालीन थे**
- वकाटकों ने समकालीन राजवंशों से वैवाहिक संबंध बनाए (उदाहरण– गुप्तवंश की प्रभावती गुप्त के साथ रूद्रसेन–II ने शादी थी।)
- **क्षेत्र– मध्य दक्कन**
- वकाटक शैव धर्म के अनुयायी थे।
- वकाटक राजा **'हरिसेन' के संरक्षण में अंजता गुफाओं** के चट्टानों को काटकर बौद्ध विहार, चैत्य बनाए गए – अंजता गुफा 16, 17, 19 वकाटक स्थापत्य उत्कृष्टता के उदाहरण हैं (खासकर **महाभिनिष्क्रमण पेंटिंग**)
- **वैधरभारती**– वकाटकों के समय विकसित संस्कृत की शैली थी।
- **पुराणों में 'वकाटकों' की चर्चा है।**
- **अंजता शिलालेखों** में विंध्यशक्ति को 'द्विज' के रूप में वर्णित तथा इसकी सैन्य उपलब्धियों की प्रंशसा हुई है।
- **प्रवरसेन** ने **'सम्राट, धर्ममहाराज, हरितिपुत्र' की उपाधियां** धारण की
- प्रवरसेन वकाटक शक्ति का **वास्तविक संस्थापक** था।
- वकाटकों के समय **हाथी देवता** सामान्य रूप में पूजे जाते थे।

चोल, चेर, काकतीय, पाण्ड्य, राष्ट्रकूट पल्लव, वकाटक, चालुक्य

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

दक्षिण भारतीय राजवंश

पल्लव वंश (4–9वीं ई.)

- **संस्थापक- सिंहविष्णु (राजधानी- कांची)**, **भारवि** इसके दरबारी कवि थे।
- पल्लव शासकों के समय **चट्टानों को काटकर मन्दिर बने**

महेंद्रवर्मन–I

- शैव अनुयायी, **'मजविलास प्रहसन' की रचना (उपाधि- मत्तविलास, विचित्रचित्त, गुणभर)**

नरसिंहवर्मन–I

- **'वातापीकोंड'** उपाधि
- **महाबलीपुरम (मामल्लापुर)** में एकाश्म रथों का निर्माण, शोर मंदिर
- इसके समय **'ह्वेनसांग' कांची आया**

नरसिंहवर्मन–II

- **उपाधि**- राजसिंह, आगमप्रिय, शंकरभक्त
- **कैलाशमंदिर (कांचीपुरम्) का निर्माण**
- **'दण्डिन' इसके दरबार में थे।**

राष्ट्रकूट वंश (8वीं सदी के मध्य)

- **संस्थापक- दंतिदुर्ग**
- **राजधानी**- मान्यखेत
- **राष्ट्रकूट चालुक्यों के अधीन थे**
- **प्रमुख शासक**- कृष्ण-5, ध्रुव, गोविंद-I, कृष्ण
- **ऐलारा के कैलाश मंदिर का निर्माण (कृष्ण-I)**
- **इन्द्र** III के समय **'अलमसूदी' (अरब)** आया था।
- **एलोरा, ऐलिफेंटा गुफाओं में कई निर्माण**

अमोघवर्ष–I

- **राजधानी**- मान्यखेत
- प्रथम कन्नड काव्य रचना
- **'कविराज मार्ग'** तथा **'प्रश्नोत्तरमालिका'** की रचना कन्नड़ में की
- **जैन धर्म का अनुयायी** (जिनसेन के प्रभाव में)
- **'जिनसेन व महावीराचार्य'** तथा **'स्वयं-भू'** इसके संरक्षण में थे।
- इसके समय ब्रोच (Broach) प्रमुख बंदरगाह था।
- **सुलेमान (अरब व्यापरी)** ने अमोघवर्ष-I को विश्व के चार महानतम राजाओं में से एक कहा (तीन अन्य में बगदाद के खलीफा, कॉन्स्टेंटिनोपल के राजा और चीन के सम्राट थे)

क्या आप जानते हैं ?

कैलाशनाथ मंदिर (एलोरा, औरंगाबाद, महाराष्ट्र)

- ऐलिफेंटा नाम पुर्तगालियों ने दिया था।
- यह मंदिर **भारत में चट्टानों को काटकर बनाए गए हिंदू मंदिरों में सबसे बड़ा** है।
- **निर्माण** राष्ट्रकूट राजा, **'दंतिदुर्ग'** (735-757 ईस्वी) के शासन के दौरान शुरू हुआ।
- मंदिर पर प्रमुख कार्य राजा दंतिदुर्ग के उत्तराधिकारी **'कृष्ण प्रथम'** (757-773 ईस्वी) द्वारा किया गया था।
- यह मंदिर **(गुफा 16)** एलोरा की 34 गुफा मंदिरों और मठों में से एक है।
- मंदिर में कई जटिल नक्काशीदार पैनल हैं, जो **रामायण, महाभारत और कृष्ण के कारनामों के दृश्यों** को दर्शाते हैं। मंदिर परिसर में पांच अलग-अलग मंदिर हैं; इनमें से तीन **गंगा, यमुना और सरस्वती** नदियों को समर्पित हैं।

चोल, चेर, काकतीय, पाण्डय, राष्ट्रकूट पल्लव, वकाटक, चालुक्य

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

प्रमुख रचनाएँ

रचना	रचनाकार
पेरिप्लस ऑफ द एरिथ्रियन सी	अज्ञात
हिस्टोरिका	हेरोडोटस
नेचुरल हिस्टोरिका	प्लिनी
ज्योग्राफी	टॉलमी
ए रिकार्ड ऑफ द बुद्धिस्ट कंट्रीज (**फ्यो-क्यो की**)	फाह्यान
एस्से ऑन वेस्टर्न वर्ल्ड (**सी-यू-की**)	ह्वेनसांग
ए रिकार्ड ऑफ द बुद्धिस्ट रिलीजन एज प्रैक्टिस्ड इन इंडिया एंड मलाया	इत्सिंग
कंग्यूर, तंग्यूर	तारानाथ
मुरुज-अल-जहाब	अलमसूदी
तहकीक-ए-हिन्द	अलबरूनी
अष्टाध्यायी	पाणिनी
रामायण	वाल्मीकि
महाभारत	वेदव्यास
अर्थशास्त्र	चाणक्य
इण्डिका	मेगास्थनीज
पंचतंत्र	विष्णु शर्मा
महाभाष्य	पतंजलि

GS World
Committed To Excellence

प्रमुख रचनाएँ

सत्सहसारिका सूत्र	नागार्जुन
बुद्ध चरित	अश्वघोष
महाविभाषाशास्त्र	वसुमित्र
स्वप्नवासवदत्ता	भास
कुमारसम्भवम्	कालिदास
अभिज्ञानशाकुन्तलम्	कालिदास
मेघदूतम्	कालिदास
रघुवंशम्	कालिदास
मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास
नाट्यशास्त्र	भरतमुनि
देवीचन्द्रगुप्तम्	विशाखदत्त
मुद्राराक्षस	विशाखदत्त
मृच्छकटिकम्	शूद्रक
सूर्य सिद्धांत	आर्यभट्ट
वृहत्संहिता	वाराहमिहिर
कथासरित्सागर	सोमदेव
किरातार्जुनीयम्	भारवि
हर्षचरित	बाणभट्ट

प्रमुख रचनाएँ

दशकुमारचरितम	दण्डी
कादम्बरी	बाणभट्ट
वासवदत्ता	सुबन्धु
नागानन्द	हर्षवर्द्धन
रत्नावली	हर्षवर्द्धन
प्रियदर्शिका	हर्षवर्द्धन
पृथ्वीराज विजय	जयनक
कर्पूरमंजरी	राजशेखर
शब्दानुशासन	राजा भोज
बृहत्कथामंजरी	क्षेमेन्द्र
विक्रमांकदेवचरित	विल्हण
गीत गोविन्द	जयदेव
पृथ्वीराजरासो	चन्दबरदाई
राजतरंगिणी	कल्हण
काव्यमीमांसा	राजशेखर

मध्यकालीन भारत

- **मुहम्मद बिन कासिम** के नेतृत्व में **भारत पर अरब आक्रमण**
  - **अरबों द्वारा 712 में सिंध विजय** (सिंध शासक-**दाहिर**)
- प्रथम तुर्क आक्रमण के समय पंजाब का शासक जयपाल

महमूद गजनी (खुरासान शासक)

- **इसके दरबारी विद्वान-** अलबरूनी, फिरदौसी, उत्बी, फरूखी। फिरदौसी ने 'शाहनामा' की रचना की
- इसके **दरबार में सेवंदराय, तिलक जैसे हिन्दू शासक** थे।
- भारत पर **17 बार आक्रमण** (मुख्यत: धन लूटने हेतु)
- **प्रथम आक्रमण 1000 ई.**
- **1025 ई. में सोमनाथ मंदिर** पर आक्रमण
- **अंतिम आक्रमण 1027 में जाटों के खिलाफ**
- **'सुल्तान' की उपाधि वाला प्रथम शासक**

महमूद गजनी/गजनवी के प्रमुख आक्रमण

- नगरकोट (1009 ई.)
- थानेश्वर (1014 ई.)
- कश्मीर (1015 ई.)
- मथुरा (1019 ई.)
- कलिंजर (1019-23 ई.)

मुहम्मद गौरी

- **गौरी के सेनापति 'बख्तियार खिलजी' ने बंगाल, बिहार में लूट की और नालंदा/ विक्रमशिला वि.वि. को जलाया।**
- **सिक्कों पर 'कलमा' एवं 'लक्ष्मी' अंकित**
- **भारत पर प्रथम आक्रमण (1175 ई.)**
- **दूसरा 1178 ई. पाटन (शासक भीम-II, अन्हिलवाड का युद्ध)**
- **तराइन प्रथम युद्ध (1191) [गौरी- पृथ्वीराज चौहान (राय पिथौरा)]**
- **द्वितीय युद्ध (1192)** [गौरी- चौहान]
- **चन्दावर का युद्ध, 1194 (गौरी-** जयचन्द्र)
- **गौरी के समय 'मो. चिश्ती' भारत आए (चिश्ती संप्रदाय के संस्थापक)**

अलबरूनी

- **रचना 'किताब-उल हिन्द' (तहकीक-ए- हिन्द)**
- **गजनी के साथ भारत आया**
- **'तारीख-ए-यामिनी'** (गजनी के जीवन पर लिखी)
- **अलबरूनी इंडिया- एन एकाउंट ऑफ रिलीजन (लेखक-** एडवर्ड सी सचाऊ)

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

दिल्ली सल्तनत

- गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, तुर्क थे।
- सैय्यद वंश अरब थे।
- लोदी वंश अफगान थे।

गुलाम वंश (मामलुक वंश) (1206–90 ई.)

प्रमुख शासक

संस्थापक– कुतुबुद्दीन ऐबक → इल्तुतमिश → मुइजुद्दीन बहरामशाह → नासिरूद्दीन महमूद → बलबन → मसूदशाह → रजिया सुल्तान

कुतुबुद्दीन ऐबक 1206–1210 ई

- **ऐबक का अर्थ**– 'चंद्रमा का देवता'
- **राजधानी**– लाहौर
- 1206 में शासक
- **'लाखबख्श'** उपाधि
- **'मलिक', 'सिपहसालार'** की पदवी धारण की।
- **गौरी का गुलाम था**
- **चौगान खेलते वक्त मृत्यु** (1210)
- **'हसम निजामी'** को संरक्षण
- गज़नी के महमूद से दासमुक्ति पत्र प्राप्त किया
- **प्रमुख स्थापत्य**– **कुतुबमीनार की नींव**, (कुतुब बख्तियार काकी को समर्पित) **कुवत-उल-इस्लाम मस्जिद**, निर्माण, **ढाई दिन का झोपड़ा** (मस्जिद)

रज़िया सुल्तान (1236–40)

- इल्तुतमिश की उत्तराधिकारी
- अल्तुनिया से शादी की
- **प्रथम मुस्लिम महिला शासक**
- मलिक याकूत को **'अमीर-ए-अखूर'** नियुक्त किया।

बलबन

- वास्तविक नाम **'बहाउद्दीन'**
- **'पाबोस', 'सिजदा',** का प्रचलन
- **'रक्त एवं लौह'** की नीति, अपनाई
- इसने **सुल्तान को 'ईश्वर की छाया'** माना
- **'दीवाने अर्ज'** (सैन्य विभाग) की स्थापना
- **'चालीसा दल'** का दमन
- नासिरूद्दीन महमूद ने **'उलूग खां'** की उपाधि दी।
- **इल्ततुतमिश** का दास

बहरामशाह

- 'नायब' या 'नायब-ए-ममालिकात' पद का सृजन
- रजिया के खिलाफ विद्रोह में शामिल

इल्तुतमिश (1210–36)

- **नाम का अर्थ**– ‘साम्राज्य का रक्षक’
- **सुल्तान के पद को वंशानुगत** किया
- **दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक**
- **दिल्ली राजधानी थी**
- ऐबक की मृत्यु के समय बदायूं का सूबेदार
- **‘मिनहाज उस-सीराज’ एवं ‘मालिक ताजुद्दीन’** जैसे दरबारी विद्वान
- इसने **चंगेज खां से बचने हेतु जलालुद्दीन को शरण नहीं दी।**
- **ऐबक का दास एवं दामाद था**
- 1229 में बगदाद के अब्बासी खलीफा से अधिकार पत्र मिला

महत्त्वपूर्ण कार्य

- **कुतुबमीनार का निर्माण पूरा**
- शुद्ध अरबी सिक्के (**चांदी का ‘टंका’, तांबे का ‘जितल’**)
- **‘इक्ता’ प्रणाली** की शुरूआत
- **‘तुर्क-ए-चहलगानी’** का गठन
- दिल्ली के अमीरों का दमन किया
- **बदायूं में ‘होजशम्शी’,** जोधपुर में **‘अंतरिकन का दरवाजा’** का निर्माण
- **सुल्तानगढ़ी का मकबरा**
- **‘भारत में प्रथम मकबरा’** बनाने का श्रेय

खिलजी वंश (1290–1320 ई.)

जलालुद्दीन फिरोज खिलजी

- **खिलजी वंश का संस्थापक**
- **- राजधानी-किलोखरी**
- **- कूलागढ़ में राज्याभिषेक**
- **‘आरिज-ए-मुमालिक’** (सेना मंत्री) का पद
- कैकुवाद द्वारा **‘शाइस्ताखाँ’ की उपाधि**

अन्य महत्वपूर्ण पद

- **रीद-ए-मुमालिक**– गुप्तचर विभाग
- **वरीद**– संदेशवाहक
- **मुनहियान**– सूचनादाता
- **कोतवाल**– किलों की देखभाल
- **मुर्त्तब**– निरीक्षक

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

अलाउद्दीन खिलजी

- बलबन के **लालमहल** में **राज्याभिषेक**
- **'सिंकदर' की उपाधि**
- बचपन का नाम **'गुरशाप्प'**
- इसके काल में **मंगोलों के कई आक्रमण** हुए
- 1296 में **'देवगिरी' पर आक्रमण** कर **'रामचन्द्रदेव' को हराया**
- **अमीर खुसरो द्वारा इसे दी गई उपाधियां-**
  1. **विश्व सुल्तान,**
  2. **युग का विजेता,**
  3. **जनता का चरवाहा**
- **'खजाइनुल फुतूह' (खुसरो), 'फुतूहसलातीन' (इसामी), 'रेहला' (इब्नबतूता)** से अलाउद्दीन के **बाजार सुधार की जानकारी** मिलती है।
- **'तारीखे फिरोजशाही'** (जियाउद्दीन बरनी) में अलाउद्दीन की आर्थिक नीतियों की जानकारी है।
- इसने 'मिल्क', 'इनाम' और 'वक्फ' जैसी दी गयी भूमि को **'खालसा भूमि' में बदल** दिया।

अलाउद्दीन के चार अध्यादेश

1. **अमीरों के मेल-**मिलाप तथा उत्सवों पर रोक
2. **गुप्तचर प्रणाली** का गठन
3. **खालसा** भूमि द्वारा राजस्व वृद्धि
4. **मद्य-निषेध**

प्रशासनिक कार्य

- **सेना को नकद वेतन, स्थायी सेना की शुरूआत**
- **घोड़ा दागने, सैनिकों का हुलिया लिखने की प्रथा**
- **'चराई कर', 'गढ़ी कर'** लगाया
- भूराजस्व बढ़ाकर 1/2 कर दिया
- **'मूल्य नियंत्रण प्रणाली'** को लागू किया
- **सेना का 'केन्द्रीकरण'** किया
- **मलिक काफूर** को दक्षिण भारत भेजा
- **'दीवान-ए-रियासत'** (आर्थिक मामले) की स्थापना
- **जमैयत खाना मस्जिद, अलाई दरवाजा** (इस्लामी वास्तु कला का रत्न), **सीरी का किला, हजार खम्भा महल का** निर्माण
- **'राशनिंग प्रणाली'** की शुरूआत
- नए पद जैसे- **'दीवान-ए- रियासत', 'शहना-ए-मंडी', 'बरीद' 'मुनहियान'** सृजित किए।
- चित्तौड़ का नाम **'खिज्राबाद'** किया यहां का (राजा-रतनसिंह) था।

नोटः-

- **खुसरों शाह** प्रथम भारतीय मुसलमान था जो दिल्ली का शासक बना।
- **कुतुबुद्दीन मुबारकशाह** खिलजी 'स्वयं को खलीफा घोषित करने वाला प्रथम सुल्तान।'

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

अलाउद्दीन खिलजी का विजय अभियान

राज्य	शासक	वर्ष	खिलजी सरदार
उत्तर भारत में			
गुजरात	रायकरन वघेला (कर्ण)	1299 ई.	उलूग खाँ और नुसरत खाँ
रणथम्भौर	राणा हम्मीर देव (चौहान शासक)	1301 ई.	उलूग खाँ और नुसरत खाँ
चित्तौड़	रतन सिंह	1303 ई.	अलाउद्दीन खिलजी
मालवा	महलकदेव	1305 ई.	आइनुलमूल्क मुल्तानी
सिवाना	शीतलदेव (परमार वंशीय)	1308 ई.	कमालुद्दीन कुर्ग
जालौर	कान्हदेव या (कृष्णदेव)	1311 ई.	कमालुद्दीन कुर्ग
दक्षिण भारत में			
देवगिरि	**रामचन्द्र देव (यादव शासक)**	**1296 ई.**	**अलाउद्दीन खिलजी**
देवगिरि	रामचन्द्र देव	1307 ई.	मलिक काफूर
वारंगल	प्रताप रूद्र देव (काकतीय शासक)	1309 ई.	मलिक काफूर
द्वारसमुद्र	वीर बल्लाल-III (होयसल वंश)	1310 ई.	मलिक काफूर
देवगिरि	**शंकरदेव (सिंघण II)**	1313 ई.	मलिक काफूर

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

तुगलक वंश (1320–1414 ई.)

संस्थापक– ग्यासुद्दीन तुगलक

ये तुर्क राजवंशों में अंतिम थे

दिल्ली सल्तनत में तुगलक शासकों ने सर्वाधिक समय तक शासन किया

ग्यासुद्दीन तुगलक (1320–25)

- **अन्य नाम– 'गाजी तुगलक'** या **'गाजी मलिक'**
- यह खुसरोशाह को हराकर 8 सितंबर, 1320 को 'ग्यासुद्दीन तुगलकशाह' के नाम से गद्दी पर बैठा।
- **'तुगलकाबाद'** शहर की नीवं रखी
- यहाँ स्थित दुर्ग को **'छप्पनकोट'** कहते हैं।
- ग्यासुद्दीन तुगलक को निजामुद्दीन औलिया ने कहा था– **'हनूज दिल्ली दूर अस्त'**
- 1325 में **लकड़ी के भवन में दबकर मौत**

प्रमुख कार्य

- **लगान व्यवस्था को पुर्नव्यवस्थित** किया।
- **लगान हेतु बटाई का प्रयोग** पुनः प्रारंभ
- **ऋणों की वसूली बंद** (भू-राजस्व 1/3)
- **'नहर सिंचाई पद्धति' शुरू करने वाला प्रथम शासक,** कुओं का निर्माण कराया।
- इसने अलाउद्दीन खिलजी की भूमि लगान, बाजार व्यवस्था का त्याग किया।
- इसके समय कई दक्षिणी राज्यों (प्रथम– वारंगल) को दिल्ली सल्तनत में मिलाया गया।

मोहम्मद बिन तुगलक (1325–51 ई.)

- अन्य नाम **'जौना खाँ' (उलूग खां)**
- **'प्रिंस ऑफ मनीअर्स'** कहलाया
- इसने वारंगल के काकतीय एवं मदुरई के पाण्डय राज्यों को पराजित कर दिल्ली सल्तनत में शामिल किया।
- **'सर्वाधिक विद्वान सुल्तान'**
- इसे **'स्वप्नशील'**, **'पागल'** एवं **'रक्तपिपासु'** भी कहते है।
- **राजधानी 'दिल्ली' से 'देवगिरी' 1327 ई. में स्थानांतरित** (नाम–दौलताबाद)
- **कांसा एवं तांबे के सिक्के** चलाए
- **इब्नबतूता (मोरक्को,** 1333 में भारत आया) को **'दिल्ली का काजी'** बनाया तथा **चीन राजदूत** के तौर पर भेजा।
- **'रेहला' (इब्नबतूता)** में 'मु० तुगलक' के कार्यों का विवरण
- इसके समय **'विजयनगर'** (1336 ई.), **बहमनी (1347) राज्य की स्थापना** हुई।
- 'दीवान-ए-कोही' **(कृषि विभाग)** स्थापित।
- **'अकाल संहिता'** का निर्माण
- **'तकावी कृषि'** ऋण दिए
- जैन विद्वान **'जिन प्रभुसूरि'** तथा **'राजशेखर'** से विचार-विमर्श किया।

विवादित कदम

1. 1325 में दोआब में कर वृद्धि (कुल उपज का 50%)
2. 1327 राजधानी स्थानांतरण
3. **'सांकेतिक मुद्रा' का प्रचलन**
4. **खुरासान** अभियान
5. **कराचिल का** सैनिक अभियान

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

नोटः- **बदायूनी मो. बिन. तुगलक इसकी मृत्यु पर कहता है-** 'सुल्तान को उसकी प्रजा से और प्रजा को सुल्तान से मुक्ति मिल गयी'।

फिरोजशाह तुगलक

- **दो बार राज्याभिषेक** 'थट्टा में' 20 मार्च, 1351 को। पुनः 'दिल्ली में' **अगस्त, 1351** को
- **'कल्याणकारी निरंकुश शासक'** कहा जाता है।
- अपने को 'खलीफा' कहा, **सिक्कों पर 'खलीफा का नाम'** अंकित किया
- हेनरी इलियट, एलिफिंस्टन इसे **'सल्तनत युग का अकबर'** कहते है।
- **इसके चलाए गए सिक्के-**
  1. **शसगनी** (चांदी)
  2. **अद्धा** (मिश्रित धातु)
  3. **विख** (मिश्रित धातु)
- **5 बड़े शहरों का निर्माण** (हिसार, फिरोजाबाद, फतेहबाद, जौनपुर, फिरोजपुर)
- करीब 300 नगर निर्माण किए।
- इसने **'जियाउद्दीन बरनी', 'शम्स-ए-शिराज', 'अफीक'** को शाही संरक्षण दिया
- **स्थापत्य निर्माण-**
  1. **'कोटला फिरोजशाह दुर्ग'** का निर्माण
  2. **'खान-ए- जहाँ तेलंगानी'** का निर्माण
- इसके समय **चीन, ईरान, इराक, ख्वारिज्म** आदि **देशों में राजदूतों को भेजा** गया।
- इसने **'तकावी ऋण' माफ** कर दिए, **दंड संहिता को सुधारा** तथा **'सुल्तान को भेंट देने की प्रथा'** समाप्त की
- 'कर प्रणाली को मजहबी स्वरूप' देते हुए **24 करों** को **समाप्त** कर सिर्फ **खुम्स** (युद्ध लूट का माल), **खराज** (लगान), **जजिया** (धार्मिक), **जकात** लागू किया
- इसकी **'तुष्टीकरण की नीति'** सम्राज्य विघटन हेतु जिम्मेदार थी।
- **'ताश घडियाल संयंत्र'** (समय जानने हेतु) का निर्माण
- इसने **'ज्वालामुखी मंदिर'** पुस्तकालय के लुटे ग्रंथों में से कुछ का फारसी में **'दलायते-फिरोजशाही'** नाम से अनुवाद कराया, वहीं आत्मकथा **'फतूहात-ए-फिरोजशाही'** की रचना की।
- **दारूल शफा (खैराती अस्पताल)** **'रोजगार दफ्तर'** का **निर्माण, 'दीवान-ए-खैरात'** विभाग, **'दीवान-ए-बंदगाँ' (दास विभाग)** का निर्माण
- **अशोक के दो स्तंभों को खिज्राबाद और मेरठ से दिल्ली लाया**
- **'सरकारी पदों को वंशानुगत** किया', 'सैनिकों को **वेतन के बदले जागीर'** देने की प्रथा पुनः शुरू की।
- **'फलों के बाग'** लगाए
- **'हाब-ए-शर्ब' (सिंचाई कर)** लगाया जो उपज का 10% था।

आर.सी. मजूमदार- "फिरोजशाह इस युग का सबसे धर्मांध शासक था। संभवतः प्रथम सुल्तान था जिसने इस्लामी नियमों का कड़ाई से पालन करके उलेमा वर्ग को प्रशासकीय कार्यों में महत्व दिया।"

अन्य तथ्य

- **अंतिम तुगलक शासक-नासिरूद्दीन महमूद तुगलक** (इसके समय **1398 ई. में तैमूर लंग का आक्रमण** हुआ।)
- नासिरूद्दीन के समय ही **'मलिक सरवर'** ने **'जौनपुर'** में **'स्वतंत्र राज्य'** स्थापित किया।

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
IAS GS World PCS

सैय्यद वंश (1414–15)

- **संस्थापक**- खिज्र खाँ
- **सल्तनत कालीन राजवंशों में सबसे कम समय तक (37 साल)**
- **जानकारी का स्रोत**- याहिया बिन अहमद सरहिन्दी की **'तारीख-ए-मुबारकशाही'**

खिज्र खाँ

- मंगोलों का खुतबा पढ़वाया
- यह 'तैमूरलंग का सेनापति' था।
- 'सुल्तान' के बजाय **'रैयत-ए-आला'** की उपाधि की
- संप्रभु शासक के बजाय **'तैमूर के पुत्र शाहरूख के प्रतिनिधि के तौर पर शासन'**

मुबारक शाह

- **'मुबारकबाद'** की स्थापना
- 'सैयद वंश का योग्यतम शासक'
- **याहिया बिन सरहिन्दी** इसके संरक्षण में थे।
- **अपने नाम का खुतबा** पढ़वाया तथा सिक्के चलाए

अलाउद्दीन आलमशाह

- अंतिम सैय्यद शासक

लोदी वंश (1451–1526 ई.)

- **दिल्ली पर स्थापित प्रथम अफगान राज्य**
- **संस्थापक- बदलोल लोदी**

बहलोल लोदी

- **'बहलोल शाह गाजी' के नाम से गद्दी पर** बैठा
- 'बहलोली सिक्का' चलाया
- 'राय प्रताप', 'राय दाटू' जैसे हिन्दू सरदार इसके दरबार में महत्वपूर्ण पदों पर थे।
- इसने **जौनपुर के हुसैन शाहशर्की को हराया**

सिंकदर लोदी

- **आगरा शहर** की स्थापना की
- **अन्य नाम-** निजामशाह
- **'फरंहगे सिंकदरी'** नामक आयुर्वेदिक ग्रंथ
- **'बादलगढ़ का किला'** बनाया
- **'लेखा परीक्षण'** प्रणाली शुरू
- **बिहार को दिल्ली सल्तनत में मिलाया**
- भूमि पर गड़े धन में कोई हिस्सा नहीं लिया।
- **'लज्जत-ए-सिकंदरशाही'** की रचना (भारतीय संगीत पर पहला फारसी ग्रंथ) हुई
- **'गज-ए-सिंकदरी'** शुरू (30 इंच)
- **खाद्यान्न करों की समाप्ति**
- अफगानों के 'समानता के व्यवहार' के बदले **सुल्तान को सर्वोच्च मानने पर बल**
- 1506 में **'आगरा को राजधानी'** बनाया
- मुहर्रम ताजिए पर बैन, **हिन्दूओं पर पुनःजजिया कर लगाया**

इब्राहिम लोदी

- लोदी वंश का अंतिम शासक
- **'पानीपत का प्रथम युद्ध'** (1526) बाबर के साथ
- 'घटोली' या **'खातोली का युद्ध'** (1518) इब्राहिम लोदी और राणा संगा के बीच

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

सल्तनत काल के प्रमुख अधिकारी तथा उनके कार्य

अधिकारी का नाम	कार्य
आरिज-ए-मुमालिक	सैन्य विभाग (**दीवान-ए-अर्ज**) का प्रधान। कार्य- सैनिकों की भर्ती
इंशा-ए-मुमालिक	पत्राचार विभाग का प्रधान
रसालत-ए-मुमालिक	विदेश विभाग का प्रधान
अमीर-ए-हाजिब (बारबक्त)	दरबारी शिष्टाचार के नियमों को लागू करता था।
अमीर-ए-बहर	आंतरिक शिष्टाचार के नियमों को लागू करना।
मुस्तौफी-ए-मुमालिक	महालेखाकार (एकाउण्टेण्ट जनरल)
दीवान-ए-रियासत	बाजार पर नियंत्रण रखना।
मजमुआदार	राजस्व संबंधी आय-व्यय को ठीक करना
मुहतसिब	लोगों के आचरण पर नजर रखना।
मतशरिफ	शाही कारखाने की देखभाल
बरीद-ए-मुमालिक	सूचनादाता एवं गुप्तचर विभाग का प्रमुख।
सद्र-उस-सुदूर	धर्म संबंधी कार्यों का प्रमुख।
खाजिन	राजकीय आय का संग्रहकर्ता
काजी-उल-कुजात	न्याय विभाग का प्रमुख
मुफ्ती	धर्म की व्याख्या करना
अमीर-ए-दाद	बड़े नगरों का मजिस्ट्रेट
कोतवाल	शहरों में शांति व्यवस्था के लिए उत्तरदायी

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

सल्तनत काल के प्रमुख विभाग

नाम	विभाग
दीवान-ए-विजारत (वित्त संबंधी)	वजीर का विभाग
दीवान-ए-आरिज	सैन्य विभाग
दीवान-ए-रिसालत	विदेश विभाग
दीवान-ए-इंशा या दीवान-ए-अशरफ	पत्राचार विभाग
दीवान-ए-अमीरकोही	कृषि विभाग (**मोहम्मद बिन तुगलक**)
दीवान-ए-मुस्तखराज	राजस्व विभाग (**अलाउद्‌दीन खिलजी**)
दीवान-ए-खैरात	दान विभाग (**फिरोजशाह तुगलक**)
दीवान-ए- इस्तिहाक	पेंशन विभाग (**फिरोज तुगलक**)
दीवान-ए-बन्दगान	दास विभाग (**फिरोज तुगलक**)
दीवान-ए-वकूफ	व्यय विभाग (**जलालुद्दीन खिलजी**)
दीवान-ए-कजा मुमालिक	न्याय विभाग
नाइब-ए-मामलिकात (The regent)	वास्तविक शासक (de-facto ruler)

सल्तनत काल के प्रमुख विभाग

सरखेल	दस घुड़सवारों की टुकड़ी का प्रधान
सिपहसालार	दस सरखेल (100 घुड़सवार)
अमीर	दस सिपहसालार (1000 घुड़सवार)
मलिक	दस अमीर (10000 घुड़सवार)
खान	दस मलिक (100000 घुड़सवार)
सुल्तान	दसखान (सर्वोच्च सेनापति)

GS World Committed To Excellence

सल्तनतकाल के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ

साहित्यकार	रचना/रचनाएँ
मिनहाजुद्दीन सिराज	**तबकात-ए-नासिरी**
जियाउद्दीन बरनी	**तारीख-ए-फिरोजशाही, फतवा-ए-जहाँदारी, कुव्वत-उल- तवारीख, सना-ए-मोहम्मदी, हसरतनामा**
शम्स-ए-सिराज	**तारीख-ए-फिरोजशाही**
याह्या बिन अहमद सरहिन्दी	**तारीख-ए-मुबारकशाही**
जमालुद्दीन	**सियर-उल-आरफीन, मेहरूमाह**
'अबुल फजल' मोहम्मद बिन हुसैन-अल-बैकाकी	**तारीख-ए-मसूदी**
फिरोज तुगलक	**फतूहात-ए-फिरोजशाही**
अज्ञात लेखक	**सीरात-ए- फिरोजशाही**
अमीर खुसरो	**तुगलकनामा, आइन-ए- सिकन्दरी, लैला-मजनू, शीरी,-फरहाद, नूह-सिपेहर, तारीख-ए-दिल्ली, मिफ्ताह-उल-फतह**
इब्नबतूता	**किताब-उल-रेहला**
फिरदौसी	**शाहनामा**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

सल्तनत काल के प्रांतीय राजवंश

बंगाल

- **अदीना मस्जिद** (पाण्डुआ) का निर्माणकर्ता ग्यासुद्दीन आजमशाह
- 1338 में **फखरूद्दीन मुबारकशाह** ने बंगाल को स्वतंत्र राज्य बनाया।
- बंगाल में तुर्की शासन **बख्तियार खिलजी** द्वारा 1202 ई. में शुरू (लक्ष्मण सेना को हराकर)
- **अलाउद्दीन हुसैनशाह** सर्वश्रेष्ठ बंगाल सुल्तान था, जो कि **चैतन्य महाप्रभु का समकालीन** था।
- **मालधर वसु** (श्रीकृष्ण विजय के रचनाकार) को **'गुणराज खान'** की उपाधि हुसैनशाह ने दी।

जौनपुर

- **'भारत का शिराज'** उपनाम
- स्थापना- फिरोज तुगलक
- **इब्राहिम शाहशर्की** के समय जौनपुर मुस्लिम विद्या का केन्द्र बना
- 1394 में मलिक सरवर ने **'स्वतंत्र शर्की राज्य'** स्थापित किया।
- **प्रमुख स्थापत्य-** लाल दरवाजा, झंझरी मस्जिद, जामी मस्जिद
- **जौनपुर स्थापत्य की विशेषता-** यहाँ की ईमारतों में मीनारों का न होना।
- 1479 में जौनपुर दिल्ली सल्तनत (बहलोल लोदी ने) में शामिल हो गया।

गुजरात

- **अहमदाबाद 2017** में भारत का विश्व विरासत शहर का
- 1297 में **अलाउद्दीन खिलजी** ने **रायकरण को हराकर** गुजरात को दिल्ली सल्तनत में मिला लिया।
- **अहमदशाह-I गुजरात का वास्तविक संस्थापक**
- **'महमूद बेगड़ा'** प्रसिद्ध शासक
- 1411 में **अहमदाबाद नगर** की स्थापना (अहमदशाह) द्वारा

मेवाड़

- 1303 में **अलाउद्दीन खिलजी** ने मेवाड़ पर अधिकार कर लिया
- हम्मीर देव द्वारा 'सिसौदिया वंश' की नींव डाली
- 1433 में **राणा कुंभा** शासक बना जिसने चित्तौड़ में **'कीर्ति स्तंभ'** बनाया।
- **राणा कुंभा** द्वारा संगीत पर **लिखे ग्रंथ- 'संगीतराज, संगीत मीमांसा, संगीत रत्नाकर'** आदि।
- कुंभा ने **'रसिक प्रिया'** (जयदेव के गीत गोविंद पर टीका) लिखी
- **राणा सांगा (संग्राम सिंह) 1527 में बाबर से 'खानवा के युद्ध' में हार गया।**

उड़ीसा

- **गंग वंश**
- **अवंति वर्मन ने** 'जगन्नाथपुरी का मंदिर' (12वीं सदी) बनवाया।
- **नरसिंह वर्मन** ने 'कोणार्क सूर्य मंदिर' (13वीं सदी) का निर्माण कराया। इसे **'ब्लैक पैगोडा'** भी कहते हैं।
- **जगन्नाथपुरी मंदिर**
  - इसे 'यमनिका तीर्थ' **'व्हाइट पैगोडा'** भी कहा जाता है।
  - यह **चारधाम (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम्)** का हिस्सा है।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

विजयनगर साम्राज्य (1336–1646 ई.)

संगम वंश

- **संस्थापक**- **हरिहर, बुक्का** (1336 ई. में), इन्होंने 'हंपी' (तुगंभद्रा की तट पर) को अपनी राजधानी बनाया।
- **देवराय-I** के समय **निकोलोकोंटी** (इटली) आया।
  – इसके दरबार में हरविलास, श्रीनाथ जैसे विद्वान थे।
- **नोट:- देवराय-II के समय अब्दुर्रज्जाक** (ईरान) आया।
- **नोट:- हरिहर, बुक्का** होयसल राजा वीरा वल्लाला-III के अधीन कार्यरत थे।

सालुव वंश

- **संस्थापक**- नरसिंह सालुन

आरवीडु वंश

- संस्थापक- **तिरूमाल देव राय**
- अंतिम हिंदू राजवंश जिसनें विजयनगर पर शासन किया।
- वेंकट-II के शासनकाल में वोडेयार ने 1612 ई. में 'मैसूर राज्य की स्थापना' की थी।

तुलुव वंश (1509–29 ई.)

- **संस्थापक**- वीरनरसिंह

कृष्णदेवराय

- **बाबर ने इन्हें भारत का सबसे शक्तिशाली शासक कहा है।**
- **'आमुक्तमाल्यद'** नामक राजनीतिक ग्रंथ लिखा
- **'आंध्र भोज'** उपनाम
- **डोमिंगो पायस, बारबोसा** (पुर्तगाल) इनके समय भारत आए।
- अपनी माँ के नाम पर **'नागलापुरनगर'** की स्थापना की।
- **'अष्ट दिग्गज'** नामक विद्वान इनके दरबार में रहते थे। (सबसे प्रसिद्ध तेनाली रामकृष्ण थे।)
- **हजारा मंदिर, विट्ठल स्वामी मंदिर** निर्मित किया। **अच्युत राय- नूनिज** कुछ समय तक इनके दरबार में रहा

सदाशिवराय

- इसके समय **'तालिकोटा का युद्ध'** (जनवरी 1565) हुआ
- **'विजयनगर ए फॉरगोटन अंपायर'** के लेखक –'सेवेल' हैं।

विजयनगर साम्राज्य संबंधी अन्य तथ्य

- **प्रशासनिक इकाई- प्रांत** (मंडल), **कोट्टम या वलनाडु** (जिला), **नाडू, ऊर** (गांव)
- **अमरम**- वेतन के बदले सेना के रखरखाव हेतु दी गई भूमि
- **आयंगर व्यवस्था**- इसके तहत प्रत्येक गाँव को एक स्वतंत्र इकाई माना गया। जिनके अधिकारी आयंगर कहलाते थे। **(वेतन के बजाय लगानमुक्त भूमि दी जाती थी)**
- **भू-राजस्व**- 1/6 (आय का स्रोत लगान)
- **कुट्टागि**- पट्टे पर दी गई भूमि
- **चेट्टी, वीर पंजाल**- व्यापारी थे।
- दास प्रथा, बाल विवाह, बहुविवाह, सती प्रथा प्रचलित थे।
- **पेगोडा**- राजकीय मुद्रा
- **महिलाएं** उच्च पदों पर आसीन थी, शिक्षित एवं युद्ध में पारंगत थीं।

क्या आप जानते हैं?

विजयनगर के शासकों ने सदैव **भगवान विरूपाक्ष** की ओर से शासन करने का दावा किया, जिनके बारे में माना जाता था कि "वे कृष्णा नदी से दक्षिण की ओर समस्त भूमि के स्वामी हैं।"

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 | 9654349902

बहमनी राज्य

- राजधानी–**गुलबर्गा** (राजभाषा–मराठी)
- 1347 में **'हसनगंगू'** द्वारा स्थापना
- **ताजुद्दीन फिरोज** ने दौलताबाद के पास **वेधशाला** बनवाई थी।
- **महमूद गवाँ** ने बीदर में मदरसा बनाया था, जिसमें एक हजार छात्र एवं शिक्षक रह सकते थे।
- **निकितन (रूस)** 1470 में बीदर आया (शासक मुहम्मद–III)

राज्य	**वंश**	**संस्थापक**	**स्थापना**
बीजापुर	आदिलशाही	युसूफ आदिलशाह	1489 ई.
अहमदनगर	निजामशाही	मलिक अहमद	1490 ई.
बरार	इमादशाही	फतेहउल्लाह इमादशाह	1490 ई.
गोलकुंडा	कुतुबशाही	कुली कुतुबशाह	1512 ई.
बीदर	बरीदशाही	अमीर अली वरीद	1526 ई.

धार्मिक आन्दोलन

भक्ति आन्दोलन

- **शुरूआत दक्षिण भारत** (तमिल क्षेत्र)
- **भक्ति आंदोलन को दक्षिण से उत्तर भारत रामानंद लाए।**
- धार्मिक सरलता, एकेश्वरवाद पर बल
- **अलवार (वैष्णव)** तथा **नयनार (शैव)** संतों द्वारा विकास

सगुण भक्ति

- **संत**– तुलसीदास, नामादास (दोनों **रामभक्त**) निम्बार्क, चैतन्य, सूरदास, मीराबाई, वल्लभाचार्य (कृष्णभक्त)

निर्गुण भक्ति

- **संत कबीर रचनाएं**– बीजक (साखी, सबद, रमैनी)
- – **अण्डाल**, महिला अलवार संत थीं।
- – **नयनार संत**– मणिवायशर तिरूनाकुक्करशु, तिरूज्ञान संबंदर, आदि।

सूफी धर्म

- **फारसी देशों** में सर्वप्रथम सूफी आंदोलन शुरू हुआ था।
- **बा-शरा** (इस्लाम सिद्धांत समर्थक)
- **बे-शरा** (इस्लामी सिद्धांत में नहीं बंधे)
- **खानकाह** या मठ (निवास)
- 12 सूफी **सिलसिले** जिसमें **चिश्ती** और **सुहरावर्दी** (बा-शरा) थे।

- **मुइनुद्दीन चिश्ती** (1192 ई. में भारत आए) द्वारा **'भारत में चिश्ती सिलसिला की शुरूआत'**
  – प्रसिद्ध चिश्ती संत– **निजामुद्दीन औलिया, बाबा फरीद, बख्तियार काफी, शेख बुरहानुद्दीन गरीब**।
- **सुहरावर्दी सिलसिला** की शुरूआत शेख शिहाबुद्दीन उमर सुहरावर्दी ने की, वहीं शेख जकारिया ने इसका सुदृढ़ संचालन किया।
  – प्रमुख सुहरावर्दी संत– **बुरहान, जलालुद्दीन तबरीजी, सैयद सुर्ख जोश**।
- **सत्तारी सिलसिला** की स्थापना शेख अब्दुल सत्तारी ने की।
- **कादरी सिलसिला**– सैयद अब्दुल कादिर (नादाद), भारत में मुहम्मद गौस द्वारा प्रसार।
  – मुगलशासक **राजकुमार दारा** कादिरी सिलसिला के मुल्लाशाह का शिष्य था।
- **नक्शबंदी सिलसिला**– ख्वाजा उबेदुल्ला (भारत में इसका प्रसार शेख अहमद 'सरहिन्दी' जो अकबर के समकालीन थे, ने किया।)
- **फिरदौसी सिलसिला** (शेख शरीफउद्दीन याह्या) पटना में प्रसिद्ध हुआ।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

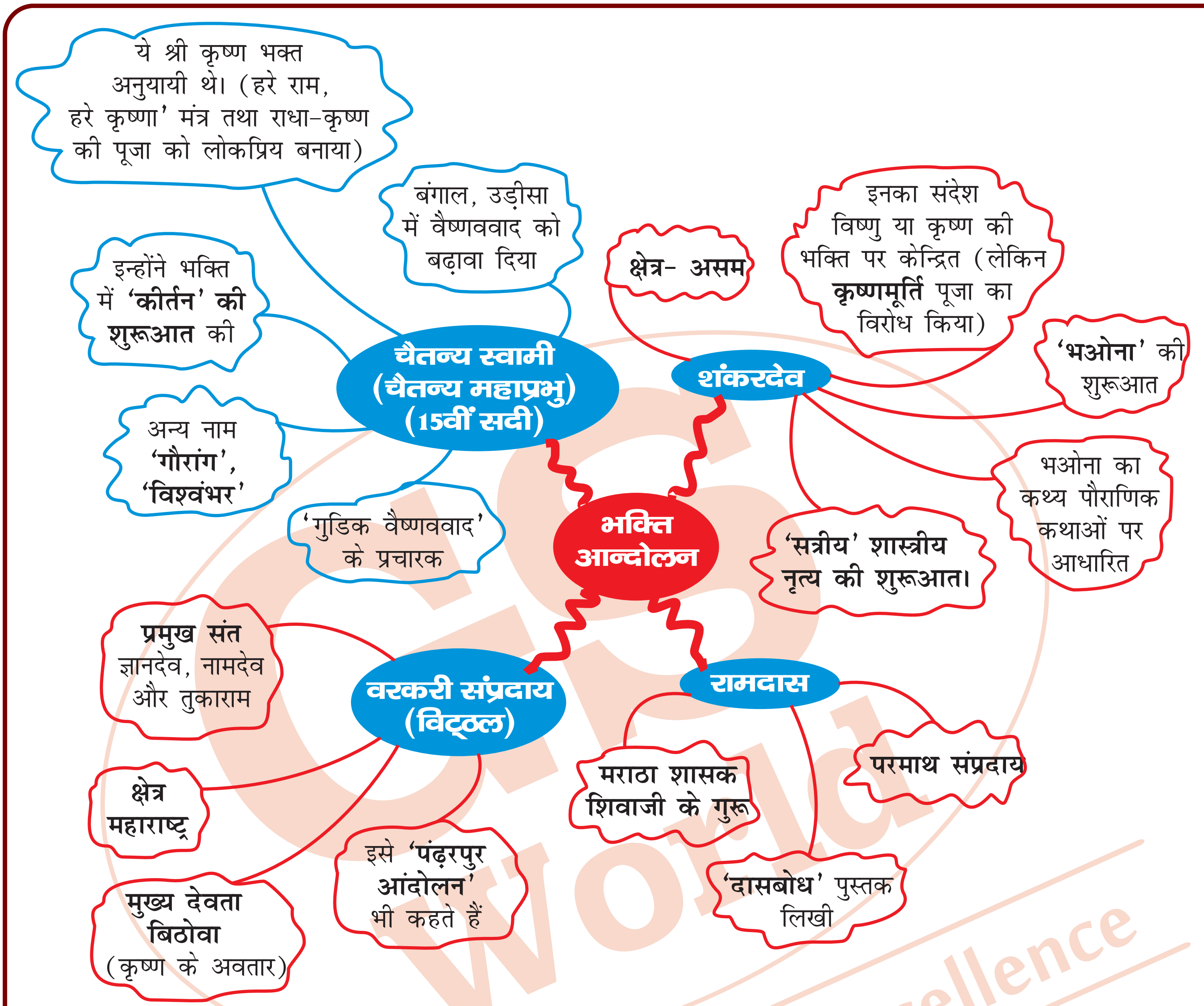

दक्षिण भारत में वैष्णवमत		
रामानुजाचार्य	**विशिष्टाद्वैतवाद**	श्री संप्रदाय
माधवाचार्य	**द्वैतवाद**	ब्रह्म संप्रदाय
विष्णुस्वामी	**शुद्धद्वैतवाद**	रूद्र संप्रदाय
निम्बार्काचार्य	**द्वैताद्वैतवाद**	सनकादि संप्रदाय

अन्य प्रमुख संत एवं संप्रदाय	
चंडीदास	- बाउल संप्रदाय
जयनाल	- बिश्नुई संप्रदाय
पुरंदरदास	- दासकूट संप्रदाय
दादू दयाल	- निपख संप्रदाय
रामानंद	- रामावत संप्रदाय
जगजीवन साहब	- सतनामी संप्रदाय

सिक्ख धर्म

गुरूनानक देव

- **सिक्ख धर्म के संस्थापक**
- **सिंकदर लोदी** के समय सिक्ख धर्म की स्थापना
- **'गुरू का लंगर'** की शुरूआत
- 1469 में तलबंडी (ननकाना साहिब) में **जन्म**
- ये **बाबर, हुमायूं के समकालीन** थे।
- **'उदासी'** नामक धर्म प्रचारक यात्रा का प्रारंभ
- एकेश्वरवाद और निर्गुन ब्रह्म उपासना पर बल
- **'सबद'**, 'जपजी साहिब' नामक रचनाएँ लिखी
- **मृत्यु** डेराबाबा, करतारपुर, (1539 ई.)

अन्य प्रमुख सिक्ख गुरु एवं योगदान

गुरू अंगद देव (लहना) (1539-1552 ई.)
- गुरूमुखी लिपि के जनक,
- स्थानीय भाषा में गुरूनानक के उपदेशों का संकलन

गुरू अमरदास (1552-1574)– 'आनंदकारज', 'लवन' नामक विवाह पद्धति शुरू, धार्मिक साम्राज्यों को 22 गद्दियों में बांटा

गुरू रामदास (1574-1581)– अमृतसर की स्थापना (अकबर ने जमीन दी थी), गुरूपद को पैतृक बनाया।

गुरू अर्जुन देव (1581-1606)– आदि ग्रंथ संकलित, दरबार साहिब की स्थापना, तरन- तारन एवं करतारपुर नगर की स्थापना, मुगल शासक खुसरो की सहायता

गुरू हरगोविंद (1606-1644) – अकाल तख्त, कीरतपुर नगर स्थापना, सिक्खों का लड़ाकू जाति में रूपातंरण, लौहगढ़ किले का निर्माण

गुरू हरराय (1644-1661)
- दारा शिकोह का समर्थन

गुरू हरकिशन (1661-1664)
- 'बाल गुरू' उपनाम, चेतक से मृत्यु

गुरू तेग बहादुर (1664-1675)
- आनंदपुर साहिब की स्थापना, इस्लाम न स्वीकार करने पर औरंगजेब द्वारा मृत्युदंड (शीशगंज अभी यहाँ गुरूद्वारा है।)

गुरू गोविंद सिंह (1675-1708)
- 13 अप्रैल, 1699 को आनंदपुर साहिब (पटना) में जन्म।
- पाहुल, सिंह एवं कौर की प्रथा पांच करार अनिवार्य

इनकी रचनाएं– जफरनामा, विचित्रनाटक, चंडी दी बार
- बहादुरशाह से संधि की तथा **'निर्मल' पदवी** की स्थापना।

नोट

26 दिसंबर – 'वीर बाल दिवस'

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

मुगल साम्राज्य

स्थापना बाबर (1526 ई.)
मुगल तुर्क एवं सुन्नी मुसलमान थे

बाबर (1526– 1530)

- पितृ पक्ष से **तैमूर वंशज**
- मातृ पक्ष से **चंगेज खां का वंशज**
- **'तुजुक ए-बाबारी'** (आत्मकथा, तुर्की भाषा)
- **'चगताई वंश'** की नींव रखी
- **1504 ई.** में काबुल पर अधिकार
- 11 वर्ष की आयु में (1494 ई.) में फरगना की गद्दी पर बैठा
- **1507 में** 'पादशाह' की उपाधि धारण, इसके पहले **'मिर्जा' की उपाधि**
- **पुत्र**– हुमायूं, कामरान, असकरी तथा हिंडाल

बाबर का योगदान

- आगरा में **ज्यामितीय विधि से बाग (नूरे अफगान)** लगाया।
- **'गज-ए-बाबरी'** नामक पैमाना।
- काव्य संग्रह **'दीवान'** (तुर्की भाषा)
- **'मुबइयान'** नामक पद्य शैली का विकास
- तोपखाने का प्रयोग भारत में शुरू हुआ।

बाबर संबंधी अन्य जानकारियां

1. बाबर को भारत पर आक्रमण का निमंत्रण आलमा खाँ, दिलावर खाँ, और राणा सांगा ने दिया।
2. **भारत पर बाबर का पहला आक्रमण (1519 ई.** बाजौर पर)
3. **1530 में** आगरा में मृत्यु (पहले आगरा के आरामबाग, फिर काबुल में दफनाया गया।)
4. **'कलंदर' की उपाधि** (उदारता के लिए)
5. बंगाल शासक नुसरतशाह ने बाबर से संधि की थी।

बाबर द्वारा लड़े गए युद्ध		**विरोधी**	**तथ्य**
पानीपत का प्रथम युद्ध	**21 अप्रैल, 1526**	इब्राहिम लोदी	**तुलगुमा युद्ध पद्धति** (उज्बेक) एवं **तोप** का प्रयोग
खानवा	**17 मार्च, 1527**	राणा सांगा	**'जिहाद'** का नारा, **'तमगा'** कर समाप्त, **'गाजी'** उपाधि
चंदेरी	**29 जनवरी, 1528**	मेदनी राय (मालवा का राजपूत शासक)	
घाघरा	**6 मई,** 1529	अफगान	बाबर का अंतिम युद्ध

नोट

1. **तुजुक-ए-बाबरी** के अनुसार राणा सांगा, कृष्णदेव राय (सबसे शक्तिशाली शासक) दो हिन्दू राज्य थे।
2. **तुजुक-ए-बाबरी (बाबरनामा)** का तुर्की से फारसी में अनुवाद **अब्दुल रहीम खानखाना** ने किया।
3. **उस्ताद अली, मुस्तफा**, बाबर के प्रसिद्ध निशानेबाज थे।

GS World Committed To Excellence

मुगल साम्राज्य

हुमायूं (1530–1556 ई.)

- यह 1530 में आगरा में 23 वर्ष आयु में गद्दी पर बैठा (इसके पहले बदख्शां का सूबेदार था।)
- 1533 **दीनपनाह नगर** की स्थापना
- **'हुमायूंनामा'** की रचना गुलबदन बेगम ने की।
- **हुमायूं का मकबरा**– (1570 में हाजी बेगम के निर्देशन में मीरक मिर्जा ग्यास द्वारा निर्मित। **भारतीय उपमहाद्वीप का पहला उद्यान मकबरा**, मुगलों का डौरमिट्री, **चार बाग शैली** में निर्मित यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिटेज में 1993 में शामिल)
- जनवरी 1556 में **दीनपनाह स्थित पुस्तकालय** की सीढ़ियों से गिरकर मौत
- **इतिहास लेनपूल**– 'हुमायूं गिरते-पड़ते जीवन से मुक्त हो गया जैसे तमाम जिंदगी वह गिरते-पड़ते चलता था'
- हुमायूं **ज्योतिष में विश्वास** रखता था (सातों दिन 7 रंग के कपड़े पहनने का नियम)
- समकालीन गुजरात शासक बहादुरशाह था। हुमायूं एवं बहादुरशाह के बीच 1535 में युद्ध हुआ था।

हुमायूं के प्रमुख युद्ध	विरोधी	अन्य तथ्य
देवरा (1531)		
चौसा (25 जून, 1539)	शेर खाँ (शेरशाह सूरी)	– शेर खां विजयी रहा तथा 'शेरशाह' की पदवी ली
बिलग्राम (कन्नौज) (17 मई, 1540)	शेरशाह	– शेरशाह ने दिल्ली, आगरा पर भी कब्जा कर लिया। हुमायूं ईरान चला गया।
सरहिन्द (1555)	सिंकदर	– पंजाब शासक को हरा दिल्ली पर पुनः कब्जा किया
मच्छीवारा (मई, 1555)	अफगान सरदार	– संपूर्ण पंजाब पर मुगलों का अधिकार

शेरशाह सूरी (1540–1545)

- अफगान वंश
- **बचपन का नाम**–फरीद
- **पिता**– जौनपुर में सासाराम के जमींदार
- मुहम्मद बहार खाँ लोहानी द्वारा **'शेर खाँ'** की उपाधि
- **बिलग्राम युद्ध** के बाद उत्तर भारत में 'सूरवंश अथवा **द्वितीय अफगान साम्राज्य**' की स्थापना
- **'रोहतासगढ़ का किला'**, **'किला-ए-कुहना'** मस्जिद (दिल्ली) बनाया
- **कालिंजर अभियान** के दौरान 'उक्का' नामक आग्नेय चलाते वक्त 22 मई, 1945 को मृत्यु

शेरशाह प्रशासन

- **'सिकंदर गज'**, **'सन की डंडी'** का प्रयोग
- 178 ग्रेन चांदी का **'रूपया'**, **380** ग्रेन तांबे का **'दाम'**
- **आबवाब**– स्थानीय आय को कहते थे।
- **जरीब**– माप की इकाई हेतु प्रयोग
- **चौधरी, मुकद्दम**– मुखिया थे।

चार सड़कों का निर्माण किया

1. सोनारगाँव से अटक तक (ग्रैंड ट्रंक रोड़)
2. आगरा से बुरहानपुर तक
3. आगरा से चित्तौड़ तक
4. लाहौर से मुल्तान तक

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

मुगल साम्राज्य

अकबर (1556–1605)

1542 में अमरकोट के राणा वीरसाल के महल में जन्म

राज्याभिषेक 14 फरवरी, 1556 को कलानौर में (जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर बादशाही गाजी) नाम से

सुलह-ए-कुल की नीति चलाई

सबसे महान मुगल शासक

संरक्षक बैरम खाँ ('खान-ए-खाना' उपाधि)

1564 में **अकबर के समय पहला विद्रोह** उजबेकों ने किया

'पेटीकोट शासन' (1560–62) –माहम अनगा द्वारा मुगल शासन में मुख्य भूमिका निभाई गई।

दसवंत, अब्दुल समद, बसावन **अकबर के दरबारी चित्रकार** थे

अकबर के नौ-रत्न– अबुल फजल, फैजी, वीरबल, तानसेन, अब्दुर्रहीम खानखाना, टोडरमल, राजा मानसिंह, मुल्ला दो प्याजा, हकीम हुमाम।

झरोखा दर्शन, **तुलादान**, **पायबोस** जैसी पारसी परंपराओं को शुरू किया।

1584 में **'इलाही संवत्'** शुरू किया।

जैन गुरू हरिविजय सूरि को **'जगतगुरू'**, तथा जिनचंद्र सूरी को **'युग प्रधान'** की उपाधि दी।

अकबर द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

हरमदल से मुक्ति, दासप्रथा का अंत	– 1562
तीर्थ यात्रा कर समाप्ति	– 1563
जजिया कर समाप्त	– 1564
राजधानी आगरा से फतेहपुर सीकरी हस्तांतरित	– 1571
इबादतखाना	– 1575
इबादतखाना में अन्य लोगों को अनुमति	– 1578
महजर घोषणा	– 1579
दीन-ए-इलाही की स्थापना	– 1582
राजधानी का लाहौर स्थानांतरण	– 1585

अकबर (1556–1605)

कुछ प्रमुख कार्य–

- **सती प्रथा** पर रोक के प्रयास
- **विधवा विवाह** को कानूनी मान्यता
- **शादी** हेतु लड़के (16), लड़की (14) आयु का निर्धारण। **अकबर ने लड़कियों को अपनी पसंद से शादी करने की अनुमति दी थी।**
- **अनुवाद विभाग** का गठन
- **चित्रकारी** हेतु अलग विभाग
- **'इबादतखाना'** (फतेहपुर सीकरी) एक धर्मसंसद थी,
- अकबर की **राजपूत नीति** दमन एवं समझौते (विवाह, जागीर) पर आधारित थी।
- अकबर के **'मजहरनामा'** (1579) का मसौदा शेख मुबारक ने तैयार किया। – **विन्सेंट स्मिथ ने मजहरनामा को 'अमोघत्व का आदेश' कहा है।**

- अकबर के दरबार में **एकाबीवा** और **मोंसेराठ** जैसे ईसाई विद्वान आए थे।
- अकबर सिख गुरू **अमरदास** एवं **रामदास** से मिला था।
- **स्थापत्य निर्माण**– आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी में दीवाने खास, पंचमहल, बुलंद दरवाजा, इलाहाबाद का किला, लाहौर का किला।
- **'अकबरनामा'** को अबुलफजल ने लिखा है।
- अकबर ने **तानसेन** को **'मियां'** तथा **'कंठा भरण वाणिविलास'** की उपाधि दी थी।

GS World Committed To Excellence

मुगल साम्राज्य

जहांगीर (1605–1627 ई.)

जन्म– फतेहपुर सीकरी

सूफी संत सलीम चिश्ती के नाम पर 'सलीम' नाम

तुजुक-ए-जहाँगीरी (आत्मकथा) को मौतबिंद खांने ने पूरा किया।

'न्याय की जंजीर' या 'न्याय का घंटा' (आगरा में) लगाया।

- इसके पुत्र **खुसरो ने 1606 में विद्रोह किया (भैरावल का युद्ध)**
- खुसरो की सहायता करने के कारण **5वें सिख गुरु अर्जुनदेव को जहाँगीर ने मरवा** दिया।
- अन्य पुत्र **'खुर्रम' को 'शाहजहाँ' की उपाधि** जहांगीर ने दी थी।
- **जहाँगीर के चित्रकार**– उस्ताद मंसूर, मनोहर, फारूख बेग, अबुल हसन, आगा रजा, विशनदास आदि।
- जहांगीर द्वारा **आगरा में 'चित्रणशाला'** (आगा रजा के निर्देशन में) की स्थापना।
- जहांगीर चित्रकला में पारंगत था तथा इसका काल **'चित्रकला का स्वर्णयुग'** कहलाता है।
- **कौशांबी स्तंभ' पर जहाँगीर का लेख**, समुद्रगुप्त का 'प्रयाग प्रशस्ति' उत्कीर्ण हैं।
- **जहांगीर के समय विदेशी यात्री**– कैप्टन हॉकिंस (प्रथम), एडवर्ड टैरी, सर टॉमस रो, विलियम फिंच
- जहांगीर को **शहादरा (लाहौर)** में **दफनाया गया** है।
- **जनकल्याण हेतु 12 आदेश** (शराब बिक्री बंद, गुरूवार एवं रविवार को पशु हत्या पर रोक, ऐम्मा नामक भूमि प्रमाणीकर आदि)
- **1613 में अंग्रेजों को सूरत में फैक्ट्री लगाने की अनुमति दी**

नूरजहाँ

- **मिर्जा ग्यासबेग की पुत्री**
- वास्तविक नाम **मेहरूनिस्सा**
- 1611 में जहांगीर से विवाह
- **जहांगीर द्वारा 'नूरमहल', 'नूरजहाँ' की उपाधि** दी।
- नूरजहां की **मां अस्मत बेगम** ने **'गुलाब से इत्र'** निकालने की विधि खोजी।
- **'इतमाद-उद-दौला का मकबरा'** नूरजहाँ ने 1626 में बनवाया। इसमें सफेद संगमरमर का उपयोग, पितरा दुरा का **जड़ाउ** काम हुआ है
- **'जुन्ता गुट'** नूरजहां से संबंधित था।

शाहजहाँ (1627–1657)

- **माता– जगत गोसाई**
- अन्य नाम **खुर्रम**
- फरवरी, 1628 को **आगरा में राज्यभिषेक** (अबुल मुजफ्फर शहाबुद्दीन मुहम्मद साहिब किरन-सानी उपाधि)
- आसफ खाँ को **'महावत' की उपाधि** दी

- यमुना के दाहिने तट पर **'शाहजहाँनाबाद'** की नींव (आगरा से दिल्ली राजधानी हेतु)
- लाल खाँ को **'गुण समुंदर'** तथा जगन्नाथ को **'महाकविराय'** की उपाधि दी।
- इसके **बेटों (औरंगजेब, दारा शिकोह, शूजा) के बीच उत्तराधिकार का युद्ध** हुआ।

- शाहजहाँ का **पहला सैन्य अभ्यास बुंदेलों के खिलाफ** था
- **चहार तस्लीम** और **जमीनबोस** प्रथा शाहजहाँ से संबंधित है।
- मुमताज महल की याद में **ताजमहल** बनाया। (रूपरेखा– उस्ताद ईशा, **निर्माता– उस्ताद अहमद लाहौरी**)
- **मयूरसिंहासन** का निर्माता
- **स्थापत्य का स्वर्णयुग**:– 1. दिल्ली में–लाल किला, दीवाने आम, दीवाने खास, जामा मस्जिद।
  2. आगरा में– मोती मस्जिद, ताजमहल लाहौर में–शीश महल
- **चित्रकार**– मुहम्मद फकीर, मीर हासिम
- **संस्कृत विद्वान**– वंशीधर मिश्र, हरिनारायण मिश्र

GS World Committed To Excellence

मुगल साम्राज्य

दारा शिकोह (1615–59)

- सबसे विद्वान मुगल शासक था।
- **'सर्र-ए-अकबर'** (महान रहस्य) नाम से उपनिषदों का अनुवाद कराया
- **भगवतगीता, योगवशिष्ठ, उपनिषद् एवं रामायण का फारसी में अनुवाद** कराया
- **'मज्म उल-बहीन'** (दो महासागरों का मिलन) सूफी एवं वेदांत विषय पर लिखी
- कादिरी सिलसिले के मुल्ला शाह बदख्शी का शिष्य
- **'उदारवादी मुस्लिम' कहा गया**
- **'शाह बुलंद इकबाल' उपनाम**

- 1655 में शाहजहाँ ने इसे **'क्राउन प्रिंस'** घोषित किया।
- **'धरमट का युद्ध' (15 अप्रैल, 1658)**, तथा **'देवराई का युद्ध' (मार्च, 1659)** औरंगजेब के साथ उत्तराधिकार को लेकर हुआ।
- **दारा शिकोह** ने अपना निर्वासित जीवन अलवर के **'कंकबाडी किले'** में बिताया था।

औरंगजेब (1658–1707 ई.)

- जन्म (1618 ई.) गुजरात (दोहाद में)
- **21 जुलाई, 1658 को प्रथम राज्याभिषेक, 5 जून, 1659 को दूसरी बार** राज्याभिषेक तथा **'शाही परवेश'** कहलाया।
- इसके समय **बहादुरगढ़ का विद्रोह** जनवरी, 1658 में तथा **खजवा का युद्ध** जनवरी, 1959 में हुआ।
- 22 जून, 1665 को **पुरंदर की संधि** (शिवाजी से)
- इसे **जिन्दा पीर** भी कहते हैं
- इसके समय **सर्वाधिक हिन्दू मनसबदार** थे
- इसके **पुत्र अकबर-। ने विद्रोह किया** था।
- **कुरान को शासन का आधार बनाया।**
- **संगीत पर पाबंदी**
- **वीणा बजाने में दक्ष था।**
- **'मुहतसिब'** नामक धर्म एवं सदाचार अधिकारी की नियुक्ति की।
- **जजिया कर 1979 में पुनः लागू**
- **'बीबी का मकबरा'** औरंगाबाद, 1679 का निर्माण
- इसके काल में **जाटों का विद्रोह** (1670, तिलपट का युद्ध 1685, में पुनः विद्रोह)
- औरंगजेब के काल में **चूरामन ने 'भरतपुर राजवंश' की नींव डाली**
- यह **'दारूल हर्ब' (काफिरों का देश)** को **'दारूल इस्लाम'** (इस्लाम देश) में बदलना चाहता था।
- **सामूगढ़ युद्ध (1658)** के बाद औरंगजेब ने **'आलमगीर' उपाधि धारण की**
- औरंगजेब के दक्षिण के राज्यों (गोलकुंडा, 1687 तथा बीजापुर, 1686) का विलय मुगल साम्राज्य में

मुगल प्रशासन

अधिकारी

विजारत	– मंत्री/मंत्रिपरिषद्
वकील	– मुगल प्रधानमंत्री
मीरबख्शी	– सैन्य विभाग का प्रमुख
मीर-ए-सामाँ	– कारखाने का प्रबंधन
सद्र-उस-सुदूर	– धार्मिक परामर्शदाता
सिपहसालार	– प्रांतीय गवर्नर
फौजदार	– सरकार (जिला) में कानून-व्यवस्था बनाए रखना।

नोट

मुगल राजस्व की अवधारणा तुर्की मंगोल पर आधारित थी।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

मुगल साम्राज्य

मुगल प्रशासन

आमिल/अमलगुजार- जिले का वित्त अधिकारी (किसानों से लगान वसूली)

शिकदार-परगना (महाल) में शांति व्यवस्था बनाना

- **कारकून**- राजस्व लेखा क्लर्क
- **खुत/मुकद्दम/चौधरी**- मुखिया
- **मदद-ए-माश**- लगानहीन भूमि

- **दरोगा-ए-डाक चौकी** सूचना एवं गुप्तचर
- **मावदा/डीह**- ग्राम
- **नागला**- ग्रामीण बस्तियां
- **तिराजती**- नकदी फसल

- **राजस्व निर्धारण की पद्धतियां - जस्ती या दहशाला प्रणाली**, बँटाई, गल्ला, बख्शी, कानकूत, नस्क।
- **खुदकाश्त** (खुद की जमीन पर खेती), **पाहीकाश्त** (बँटाईदार), **मुजारियान** (कृषि श्रमिक) **कृषक वर्ग** था।

- दास्तान-ए-अमीर-हम्जा (हम्जानमा) अकबर के समय **चित्रांकित** हुआ था।
- **चांदनी चौक (दिल्ली) की रूपरेखा** जहाँआरा (शाहजहाँ की बेटी) ने तैयार की।
- **बैतुल-उल-उलूम (पुस्तकालय)** को जेबुनिस्सा (औरंगजेब की बेटी) ने स्थापित किया।
- **मदरसा-ए-बेगम (दिल्ली)** की स्थापना माहम अनगा ने की थी।
- **दरबारी इतिहास लिखवाने की प्रथा** अकबर ने शुरू की।
- **खाका**- भवन बनाने का नक्शा

अन्य परीक्षापयोगी तथ्य

- मुगल काल में गोवा, भड़ौच, मछलीपट्टनम **जहाज निर्माण केन्द्र** थे।
- सूती वस्त्र उद्योग उन्नत अवस्था में था। तथा इस पर शासक का पूर्ण नियंत्रण था।
- **व्यापारी वर्ग** - सेठ, बोहरा, मोदी वानिक, बंजारा
- अकबरकालीन स्थापत्य कला **भारतीय एवं ईरानी शैलियों का सुंदर समन्वयन** दर्शाती है।

मनसबदारी व्यवस्था

- अकबर ने अपने **शासन के 11वें वर्ष लागू** किया।
- यह **'मंगोलों की दशमलव पद्धति पर' आधारित** थी।
- इसमें **जात एवं सवार की द्वैध व्यवस्था** लागू थी।
- यह **मुगल सैन्य व्यवस्था का आधार** था।
- **मनसबदार** (10-500 मनसब)
- **उमरा** (500-2500 मनसब)
- **अमीर-ए-आनम** (2500 से ऊपर)

दहशाला प्रणाली

- **टोडरमल** द्वारा 1579 में लागू
- इसमें भू-राजस्व उत्पादकता एवं कीमतों पर आधारित थी।

नोट

बाबर (काबुल)
जहाँगीर (लाहौर)
बहादुर शाह जफर (रंगून) का मकबरा **भारत से बाहर** है।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

अकबर के महत्त्वपूर्ण सैन्य अभियान

क्षेत्र	समय	पराजित शासक	नेतृत्वकर्ता
मालवा	1561 ई.	बाजबहादुर	अधम खान, पीर मुहम्मद खां
चुनार	1561 ई.		आसफ खाँ
गोण्डवाना	1564 ई.	वीर नारायण (रानी दुर्गावती संरक्षिका थी)	आसफ खाँ
आमेर	1562 ई.	भारमल ने स्वेच्छा से अधीनता स्वीकारी	
मेवाड़	1567 ई.	उदय सिंह	अकबर
रणथम्भौर	1569 ई.	सुरजन राय	भगवान दास एवं अकबर
कालिन्जर	1569 ई.	रामचन्द्र	मजून खाँ
गुजरात	1572 ई.	मुजफ्फर खाँ-III	खाने आजम (मिर्जा अजीज कोका)
गुजरात (द्वितीय आक्रमण)	1573 ई.	मिर्जा हुसैन मिर्जा का विद्रोह	अकबर **(स्मिथ ने इसे इतिहास का सर्वाधिक द्रुतगामी आक्रमण कहा है।)**
बंगाल एवं	1574-76 ई.	दाउद खाँ	मुनीम खाँ
हल्दीघाटी युद्ध	1576 ई.	महाराणा प्रताप	आसफ खाँ, मानसिंह
काबुल	1581 ई.	हकीम मिर्जा	मानसिंह एवं अकबर
कश्मीर	1586 ई.	यूसुफ खाँ, याकूत खाँ	कासिम खाँ और भगवान दास
सिन्ध	1591 ई.	जानी बेग	अब्दुर्रहीम खान खाना
उड़ीसा	1590-91 ई.	निसार खाँ	मानसिंह
बलूचिस्तान	1595 ई.	पन्नी अफगान	मीर मासूम
अहमद नगर	1595 ई.	बहादुर निजाम शाह (चाँद बीबी संरक्षिका)	शाहजादा मुराद, अब्दुरहीम खानखाना।
खानदेश	1600 ई.	अली खाँ	
असीरगढ़	1601 ई.	मीर बहादुर	अकबर की अंतिम विजय

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

औरंगजेब कालीन प्रमुख विद्रोह

विद्रोह	कारण
बुन्देला विद्रोह (1661 ई.)	ओरछा के शासक चम्पतराय के नेतृत्व में विद्रोह
अफगान विद्रोह (उत्तर-पश्चिम सीमांत क्षेत्र 1667 ई.)	उद्देश्य - 'पृथक् अफगान राज्य की स्थापना' (भागू के नेतृत्व में)
जाट विद्रोह (1669 ई.)	**औरंगजेब के समय का पहला संगठित विद्रोह** (किसान एवं भूमि के मुद्दे पर)
सतनामी विद्रोह (नारनौल मथुरा)	**नेतृत्वकर्ता**- बीरमान
सिख विद्रोह (1675 ई.)	**उद्देश्य**- धार्मिक कारण (एकमात्र धार्मिक विद्रोह)
अंग्रेजों का विद्रोह (1686 ई.)	अंग्रेजों को हुगली से बाहर खदेड़ दिया गया।
राजपूत विद्रोह (1679-1709 ई.)	उत्तराधिकार के विषय पर
अकबर-II का विद्रोह (1681 ई.)	मेवाड़ एवं मारवाड़ की सहायता से 11 जनवरी, 1681 में स्वयं को बादशाह घोषित किया।

मुगलकाल के उच्चाधिकारी

प्रमुख अधिकारी	**विभाग**
मीर-अतिश	शाही तोपखाने का प्रधान।
दीवान-ए-तन	वेतन और जागीरों से संबंधित मामलों का निपटारा।
दरोगा-ए-डाक चौकी	गुप्तचर विभाग का प्रमुख, पत्र व्यवहार का प्रभारी
मीर-ए-अर्ज	बादशाह के पास भेजे जाने वाले आवेदन-पत्रों का प्रभारी
मीर-ए-बहर	नौ-सेना का प्रधान
मीर-ए-तुजुक	धर्मानुष्ठान का अधिकारी
मीर-ए-बर्र	वन-विभाग का अधीक्षक
नाजिर-ए- बयूतात (या दीवान-ए-बयूतान)	शाही कारखानों का अधीक्षक
वाकिया-नवीस	समाचार लेखक
खुफिया-नवीस	गुप्त पत्र-लेखक
हरकारा	जासूस और सन्देश वाहक
मुशर्रिफ (लेखाधिकारी)	राज्य के आय-व्यय का लेखा-जोखा
मुस्तौफी (लेखा परीक्षक)	मुशर्रिफ के कार्यों की जांच
मुसद्दी	बंदरगाहों के प्रशासन की देखभाल

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

मुगल प्रशासन

मुगलकालीन सिक्के

सिक्का	संबंधित विवरण
मुहर	**अकबर** द्वारा जारी **सोने का सिक्का**। यह मुगलकाल का सबसे अधिक प्रचलित सिक्का था।
शंसब	**अकबर** द्वारा चलाया गया **सबसे बड़ा सोने का सिक्का**
इलाही	**अकबर** द्वारा चलाया गया **सोने का गोलाकार सिक्का**
रूपया	शुद्ध चाँदी का सिक्का (**शेरशाह द्वारा प्रवर्तित**)
जलाली	चाँदी का **वर्गाकार या चौकोर सिक्का** था।
दाम	**अकबर** द्वारा चलाया गया **ताँबे का सिक्का था**, जो (**रूपया' के 40वें भाग के बराबर**) दैनिक लेन-देन में इसका प्रयोग होता था।
जीतल	ताँबे का **सबसे छोटा सिक्का इसे 'फुलूस' या 'पैसा' कहा जाता** था।
निसार	**जहाँगीर** द्वारा चलाया गया **ताँबे का सिक्का**
आना	छोटे मूल्य का **चाँदी का सिक्का (प्रारंभ- शाहजहाँ)**

माप की इकाई

सिकन्दरी गज - 32 इंज

इलाही गज - 33 इंज

GS World Committed To Excellence

मुगल प्रशासन

मुगलकालीन रचनाएँ

रचना	भाषा	रचनाकार
तुजुक-ए-बाबरी (बाबरनामा)	तुर्की	बाबर (आत्मकथा)
हुमायूँनामा	फारसी	गुलबदन बेगम
तारीख-ए-अल्फी	फारसी	मुल्ला दाऊद
अकबरनामा	फारसी	अबुल फजल
तबकाते-अकबरी	फारसी	निजामुद्दीन अहमद
मुन्तखब-उल- तवारीख	फारसी	अब्दुल कादिर बदायूँनी
तुजुके-जहाँगीरी	फारसी	जहाँगीर, मौतमिद खाँ
इकबालनामा-ए-जहाँगीरी	फारसी	मौतमिद खाँ
पादशाहनामा	फारसी	अब्दुल हमीद लाहौरी (मोहम्मद वारिस ने पूरा किया)
शाहजहाँनामा	फारसी	इनायत खाँ
आलमगीरनामा	फारसी	काजिम शीराजी
फुतूहात-ए-आलमगीरी	फारसी	ईश्वरदास नागर
मुन्तखब-उल-लुबाव	फारसी	खफी खाँ
नुस्खा-ए-दिलकुशाँ	फारसी	भीमसेन सक्सेना
खुलासत-उत-तवारीख	फारसी	सुजानराय भण्डारी
मज्म-उल-तवारीख	फारसी	दारा शिकोह

मुगलकाल में आए विदेशी यात्री

विदेशी यात्री	मुगल शासक
राल्फ फिच (इंग्लैंड)	अकबर
सर टॉमस रो व कैप्टन हॉकिन्स (इंग्लैंड)	जहाँगीर
फ्रांसिस बर्नियर (फ्रांसिसी)	शाहजहाँ
पीटर मुंडी (इटली)	शाहजहाँ
निकोलाओमनूची (इटली)	शाहजहाँ
ट्रैवर्नियर (फ्रांसिसी)	शाहजहाँ

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

मराठा राज्य

- **मराठों का उद्भव औरंगजेब के काल की महत्त्वपूर्ण घटना थी।**
- शिवनेर के किले में 1627 में जन्म (1680 में मृत्यु)
- **राजधानी – 'रायगढ़'** (1665)
- 1678 में **'जिंजी का किला'** जीता। (अंतिम विजय)
- **1674 में रायगढ़ में राज्याभिषेक** (काशी विद्वान गंगाभट्ट) यहीं पर **'छत्रपति' की उपाधि** ली।
- **चौथ**, (1/4) एवं **सरदेशमुखी** (1/10) नामक कर लगाये

शिवाजी

- शिवाजी पर **'धारकरी संप्रदाय'** के गुरू रामदास का अत्यधिक प्रभाव था।
- 1657 में अहमदनगर, जुन्नार पर आक्रमण के समय औरंगजेब का सामना किया
- **1664, 1670 में सूरत को लूटा।**
- 1659 में बीजापुर से युद्ध
- **'हिन्दव धर्मोद्धारक', 'गौब्राह्मण प्रतिपालक'** की उपाधि
- **पुरंदर की संधि (1665)** जय सिंह और शिवाजी के मध्य (इस संधि के समय 'मनुची' भी था।)

प्रमुख प्रशासनिक शब्दावली

- **मिरासदार – जमींदार**
- **पाटिल या पटेल**– ग्राम का मुखिया
- **देशपाण्डे– जिलाधिकारी**
- **कुलकर्णी** – भूमि का लेखा-जोखा करने वाले
- **स्वराज, मुगलाई**– प्रांतों की श्रेणियाँ (स्वराज शिवाजी के प्रत्यक्ष नियंत्रण, मुगलाई शिवाजी द्वारा जीते गए क्षेत्र जो मुगलों के अधीन थे।)
- **मामलतदार** – जिले में पेशवा के प्रतिनिधि
- **देशमुख** – मामलदार के ऊपर नियंत्रण (परगना का प्रमुख)
- **सबनीस**– नागरिक और राजस्व प्रशासन देखता था।
- **मौजा– गाँव**

GS World Committed To Excellence

अष्टप्रधान

- **पेशवा** (प्रधानमंत्री)
- **वाकयानवीस**- सूचना एवं गुप्तचर विभाग का अध्यक्ष
- **चिटनिस या शुरूनवीस**- राजकीय पत्र व्यवहार
- **सुमंत**- विदेश मंत्री
- **न्यायाधीश**- मुख्य न्यायाधिकारी
- **अमात्य**- राजस्व मंत्री
- **सर-ए-नौवत**- सेनापति, घुड़सवार सेना का प्रधान

शंभाजी

औरंगजेब के पुत्र **शहजादा अकबर को संरक्षण** दिया, औरंगजेब से युद्ध

शिवाजी द्वितीय

- मां ताराबाई के काल में चार वर्ष की उम्र में गद्दी पर बैठा।
- ताराबाई के समय मराठों का पुनरूत्थान हुआ
- खेड़ा की लड़ाई (ताराबाई-शाह) 1707

अन्य परीक्षापयोगी जानकारी

- 1739 में **बसीन का युद्ध** में बाजीराव-I ने पुर्तगालियों से सालसेट तथा बसीन छीन लिया।
- **पालखेड़ा का युद्ध**- मार्च, 1728 (बाजीराव प्रथम एवं निजामुल मुल्क के बीच)
- शिवाजी ने **'कोंकण विजय'** के बाद एक शक्तिशाली नौसेना तैयार की।
- **दिल्ली पर आक्रमण करने वाला प्रथम पेशवा** बाजीराव-I (मार्च 1737) (उस समय मुहम्मदशाह मुगल शासक था।)
- **पानीपत का तीसरा युद्ध** बालाजी बाजीराव (नाना साहेब) के समय हुआ।
- **नाना फड़नवीस** (बालाजी जनार्दन भानु) को **'मराठों का मैकियाविले'** कहा जाता है।
- **सहायक संधि स्वीकारने वाला प्रथम मराठा** सरदार बाजीराव-II था।

पानीपत का तीसरा युद्ध

- मराठों के तोपखाने का नेतृत्व इब्राहिम खान गर्दी कर रहा था।
- 'सदाशिव राव भाउ' मराठों का नेतृत्व कर रहा था।
- राजपूत एवं सिक्खों ने मराठों का साथ नहीं दिया था।
- अफगान शासक **'अहमदशाह अब्दाली'** (अहमदशाह 'दुर्रानी') विजेता रहा व मराठों की हार हुई।
- इस युद्ध में **दोआब के रोहिल्ला अफगान** तथा **अवध के नवाब शुजाउद्दौला** ने अब्दाली का समर्थन किया था।

GS World Committed To Excellence

आंग्ल-मराठा युद्ध

- **प्रथम (1775-82)**-**सालबाई** संधि
- **द्वितीय (1803-05)**- 1. **देवगांव की संधि**- भोंसले, **2. शुरंजी अर्जन संधि** -सिंधिया, 3. **राजपुर घाट संधि**- होल्कर के साथ की गई।
- **तृतीय (1817-19)**- **मराठा शक्ति समाप्त**, सतारा राज्य का गठन

उत्तरवर्ती मुगल एवं अन्य राज्य

- **'अमृतसर की संधि'** रणजीत सिंह और चार्ल्स मेटकॉफ के बीच अप्रैल 1809 में हुई।
- **रणजीत सिंह (1792-1839)** सुकरचकिया मिसल के थे। इनके समय लाहौर (राजनीतिक) तथा अमृतसर (धार्मिक) राजधानी थी।
- **बंगस- पठान राज्य** (फर्रूखाबाद) मुहम्मद खां द्वारा स्थापित
- **सआदत खान 'बुरहान उल मुल्क'** अवध के स्वायत्त राज्य का संस्थापक था। (अवध के अंतिम नवाब वाजिद अलीशाह (1847-1856)
- **'जाटों का अफलातुन'** सूरजमल को कहते है।
- **स्वतंत्र रूहेलखंड के संस्थापक** वीरदाउद, अली मुहम्मद थे।
- **स्वतंत्र कनार्टक राज्य** की स्थापना सादतुल्ला खाँ ने 1720 में की
- मुहम्मदशाह के समय **चिनकिलिज खाँ** ने 1724 में **'स्वतंत्र हैदराबाद राज्य'** की स्थापना की।
- **चिनकिलिज खाँ** (निजाम उल मुल्क 'आसफजाह') ने 1724 में हैदराबाद में 'आसफशाही वंश' की स्थापना की।
- **अलीगौहर 'शाहआलम-II'** की उपाधि के साथ गद्दी पर बैठा। इसके समय पानीपत का तीसरा युद्ध (1761) तथा बक्सर का युद्ध (1764) हुआ।
- **जोसुआ केटेलार** (डच प्रतिनिधि मंडल) बहादुरशाह के दरबार में वर्ष 1711 में आया।
- मुहम्मदशाह के समय ही **नादिरशाह (ईरान का नेपोलियन)** ने 1738-39 में भारत पर आक्रमण किया।
- **बहादुरशाह-II** (बहादुर शाह जफर) **अंतिम मुगल सम्राट**। 1857 के विद्रोह में शामिल, रंगून में 1862 में मृत्यु।
- अहमदशाह के समय **अहमदशाह अब्दाली ने 5 बार** भारत पर आक्रमण किया।
- **बहादुरशाह प्रथम (शाहे बेखबर)** 65 वर्ष की आयु में गद्दी पर बैठा।
- **अकबर-II** ने राम मोहन राय को **'राजा'** की उपाधि की।
- बहादुरशाह ने **सिक्ख गुरू गोविंद सिंह** के सम्मान में **'खिलअत'** और उच्च **'मनसब'** प्रदान किए।
- **औरंगजेब की मृत्यु** के दौरान मुगल साम्राज्य में कुल 21 राज्य थे।

नोट

शाहआलम-II (अली गोहर) के शासनकाल के समय प्रचलित कथन है कि **'इसका शासन दिल्ली से पालम तक सिमट गया था।'**

आधुनिक भारत

यूरोपीय कंपनियां	
कंपनी	**स्थापना**
पुर्तगाली ईस्ट इंडिया कंपनी	1498 ई.
अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी	1600 ई.
डच ईस्ट इंडिया कंपनी	1602 ई.
डैनिश ईस्ट इंडिया कंपनी	1616 ई.
फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी	1664 ई.
स्वीडिश ईस्ट इंडिया कंपनी	1731 ई.

यूरोपीय कंपनियों का भारत आगमन क्रम
(पुर्तगाली ⟶ डच ⟶ अंग्रेज ⟶ डेनिश ⟶ फ्रांसीसी)

पुर्तगाली

अल्मीडा (1505–09)

- **प्रथम पुर्तगाली वायसराय**
- अल्मीडा ने अजानीवा, किल्वा बेसीन (कोचिन) में किले निर्मित किए
- इसने मिस्र, तुर्की और बेगड़ा की सेना के साथ संघर्ष किया
- **'ब्लू वाटर' पॉलिसी** या शांत जल-नीति (हिन्द महासागर में प्रभुत्व के लिए) चलाई

अल्बुकर्क (1509–15)

- **दूसरा** पुर्तगाली वायसराय
- **हिन्दू महिलाओं से विवाह की नीति**
- 1510 में **बीजापुर** (शासक-यूसूफ आदिलशाह) से **गोवा छीन लिया।**
- भारत में **पुर्तगाली शक्ति की वास्तविक नींव** रखी

नीनो दा कुन्हा (1529)

पुर्तगाली मुख्यालय को कोचिन से गोवा ले गया
बंगाल में पुर्तगाली प्रभाव में वृद्धि का प्रयास

अन्य तथ्य:-
- 1530 – पुर्तगालियों ने गोवा को अपने भारतीय राज्य की राजधानी बनाया।
- 1535 – पुर्तगालियों ने दीव पर अधिकार कर दिया
- 1612– **स्वाली का युद्ध** पुर्तगाली एवं अंग्रेज के बीच (अंग्रेज अधिकारी थॉमस बेस्ट)
- 1661– पुर्तगाली सरकार ने ब्रिटेन को बम्बई दहेज के रूप में दिया।

- यूरोपीय कंपनियों में **पुर्तगाली सबसे पहले भारत आए** और सबसे बाद में भारत से गए।
- **वास्कोडिगामा** (1498, 1502) पहला पुर्तगाली, जो भारत (कालीकट) आया (अब्दुल मजीद गुजराती पथ प्रदर्शक ने मदद की)
- **दूसरा यात्री- पेट्रो अल्बेयर्स कैब्रल**
- **'एस्तादो द इंडिया'** पुर्तगाली साम्राज्य को कहते थे।
- **पहली व्यापारिक कोठी कोचीन में**
- मुगल शासक **अकबर** ने 1602 में पुर्तगालियों से सैन्य सहायता हेतु एक दूत गोवा भेजा था।
- पुर्तगालियों ने **भारत में ईसाई धर्म को बढ़ाने की कोशिश** की।
- पुर्तगाली गवर्नर **अल्फांसो डिसूजा (1542-45 ई.)** के साथ जेसूइट **'फ्रांसिस्को जेवियर'** भारत आया।
- स्थापत्य में **'गोथिक शैली'** का आगमन हुआ।
- पुर्तगाली **मध्य अमेरिका से आलू, मक्का** भी भारत लाए।
- पुर्तगालियों ने भारत में **तम्बाकू की खेती, जहाज निर्माण, प्रिंटिंग प्रेस की शुरूआत** की।
- **'कार्टज' (अमाडा काफिला) व्यवस्था** के तहत पुर्तगाली जहाजों को अनुमति पत्र देते थे।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
GS World IAS PCS

आधुनिक भारत

डच

- ये **हॉलैंड या नीदरलैंड के निवासी** थे
- पहला **डच यात्री हाउटमैन 1596 में सुमात्रा** पहुंचा

- डचों की पहली व्यापारिक कोठी **1605 में मसूलीपट्टनम** में (दूसरी पुलीकट), 1616-सूरत में।
- पुलीकट में डच अपने **'स्वर्ण-ए-पेगोड़ा'** (सिक्के) ढालते थे।

- डचों ने पुर्तगालियों को हराया और कोच्चि में **'फोर्ट विलियम' (1663)** का निर्माण किया।
- **'कार्टेल व्यवस्था'** डचों के व्यापार से जुड़ी थी।
- **बेदारा का युद्ध** (1759) - डचों एवं अंग्रेजों के बीच, अंग्रेज जीते

- चिनसुरा के डच किले को **'गुस्तावुस फोर्ट'** कहा जाता था।
- डच भारत से मुख्यत: सूती वस्त्र का व्यापार करते थे।

डेनिश

- **1616 में भारत आए**
- **सीरमपुर** में उनका **मुख्यालय** था।
- **ट्रांकेबारे (तंजौर) में** 1620 में **पहली फैक्ट्री** (दूसरी-सीरमपुर बंगाल)
- 1846 में ब्रिटिश कंपनी को अपनी सभी फैक्ट्रियां बेचकर वापस चले गए।

फ्रांसीसी

- 1667 में **फ्रांसिस कैरो के नेतृत्व में एक अभियान दल** आया तथा इसके प्रयास से **सूरत** (1668) में व्यापारिक कोठी स्थापित
- **मसूलीपट्टनम** (1669) में दूसरी कंपनी
- **फ्रांसीसी कंपनी राज्य के नियंत्रण में** थी।
- फ्रैंकों मार्टिन ने **पॉडिचेरी में 'फोर्ट लुई'** का **निर्माण** कराया।

कर्नाटक युद्ध (फ्रांसीसी-अंग्रेज)

प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746-48)
(सेंटथोमे का युद्ध)
यह **ऑस्ट्रिया** के उत्तराधिकार युद्ध से प्रभावित था।

1748 में **'ऑक्सा-ला-शैपल'** संधि से ऑस्ट्रियाई उत्तराधिकार युद्ध समाप्ति के साथ ही प्रथम कर्नाटक युद्ध भी समाप्त हुआ।

कर्नाटक नवाब अनवरूद्दीन ने मजफूज खां के नेतृत्व में फ्रांसीसियों पर आक्रमण हेतु भेजा (फ्रांसीसी सेनापति कैप्टन पैराडाइज)

तात्कालिक कारण- अंग्रेज कैप्टन बर्नेट द्वारा फ्रांसीसी जहाजों पर अधिकार, बदले में डूप्ले द्वारा कारवाई।

आधुनिक भारत

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
IAS GS World PCS Committed To Excellence

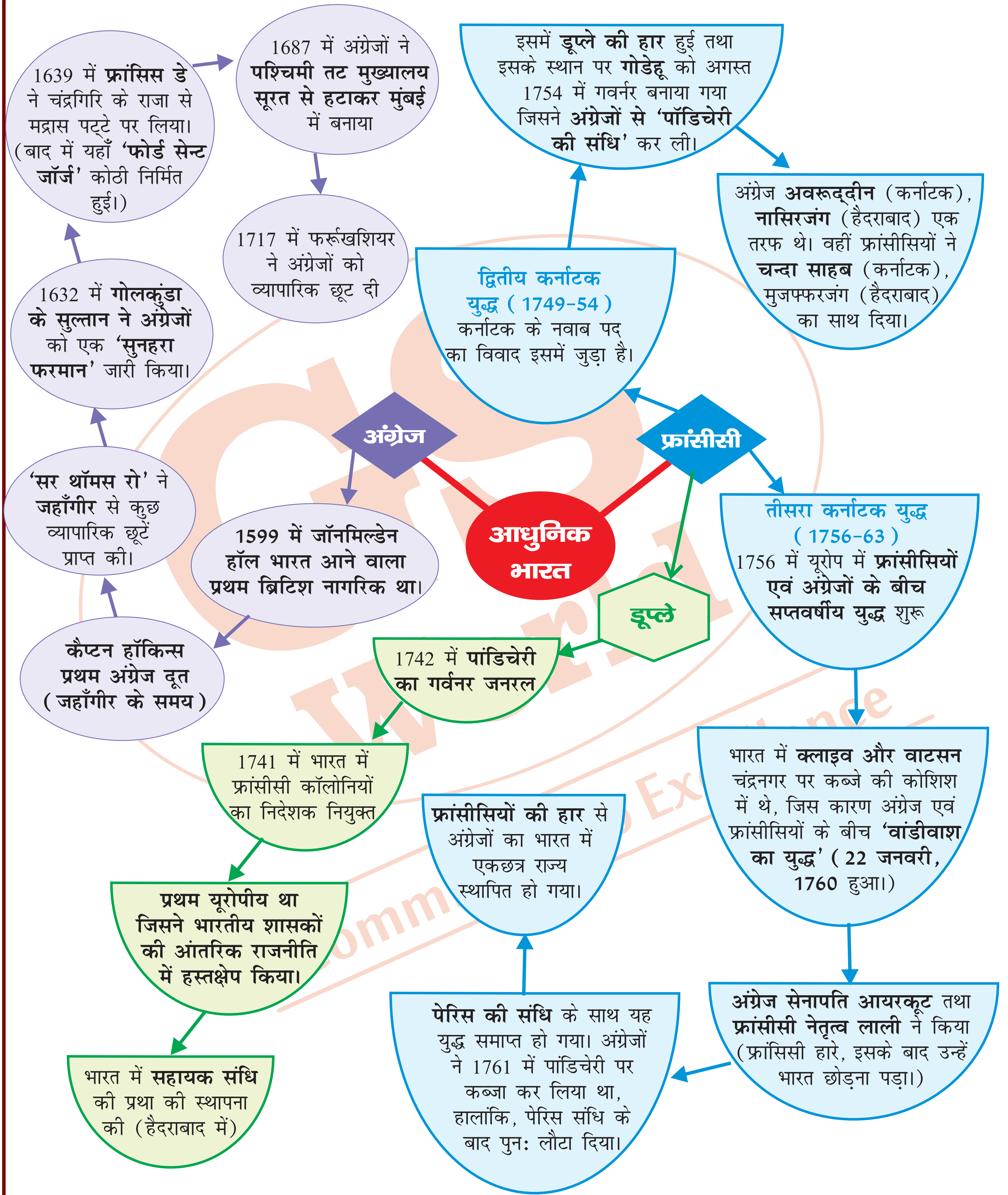

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

बंगाल और अंग्रेज

मुगल प्रांतों में बंगाल सर्वाधिक संपन्न था।

शाहशुजा ने 1651 में अंग्रेजों को **'निशान'** (व्यापारिक छूट) प्रदान किया।

कलकत्ता की नींव जॉब चार्नोक ने रखी।

1698 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने तीन गाँव– **सुतानुती, कालीकट** एवं **गोविंदपुरी** की जमींदारी प्राप्त की और **'फोर्ट विलियम' का निर्माण** किया।

प्लासी की लड़ाई (23 जून, 1757)

सिराजुद्दौला और अंग्रेजों के बीच हुई। (सिराज की हार हुई, राबर्ट क्लाइव जीता)

28 जून, 1757 को मीर जाफर बंगाल का नवाब बना। उसने क्लाइव को **'उमरा'** की उपाधि मुगलों से दिलवाई।

प्लासी युद्ध परिणाम

युद्ध के बाद **'ल्यूक स्क्राफ्ट्न'** को नवाब के दरबार में **'अंग्रेज रेजिडेंट'** नियुक्त किया गया।

यदुनाथ सरकार के अनुसार '23 जून, 1757 को भारत में मध्यकालीन युग का अंत हो गया और आधुनिक युग का आरंभ हुआ।'

अंग्रेजों को तात्कालिक सैनिक एवं वाणिज्यिक लाभ हुआ तथा **कंपनी का बंगाल, बिहार और उड़ीसा पर राजनीतिक प्रभुत्व** स्थापित हुआ।

सिराजुद्दौला

1756 में **अलीवर्दी खां** की मृत्यु के बाद (उसकी छोटी बेटी का लड़का) नवाब बना।

इसके विरोधियों में **शौकतजंग** (पूर्णिया के नवाब), **मौसी घसीटी बेगम** तथा सेनापति **मीरजाफर** थे।

'ब्लैक होल ट्रैजडी' – 20 जून, 1756 सिराजुद्दीन ने 146 अंग्रेजों को काल कोठरी में बंद कर दिया था।

अलीनगर की संधि (फरवरी, 1957) सिराजुद्दौला और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच

मीर कासिम

- 1760 में बंगाल का नवाब बना
- जुलाई, 1763 में कंपनी ने इसे बर्खास्त कर मीरजाफर को पुनः नवाब बना दिया।
- **राजधानी को मुर्शिदाबाद से मुंगेर लाया**
- **मुंगेर में तोप, बंदूक निर्माण हेतु कारखाना** निर्माण
- इसने अंग्रेजों के व्यापारिक दुरूपयोग को रोकने की कोशिश की।

बक्सर का युद्ध (22 अक्टूबर, 1764)

- **हेक्टर मुनरो** अंग्रेज सेनापति
- इस युद्ध में **फ्रांसीसियों ने अंग्रेजों के खिलाफ मदद की** थी।
- **मीरकासिम, अवध का नवाब, शुजाउद्दौला-॥** ने संघ बनाकर अंग्रेजों से लड़ाई की।
- "प्लासी के युद्ध ने जहाँ अंग्रेजों की बंगाल में प्रभुता स्थापित की वहीं **बक्सर के युद्ध ने कंपनी को एक अखिल भारतीय शक्ति बना दिया।"**

इलाहाबाद की संधि (1765)

1. अवध के साथ (जुलाई, 1765)

प्रावधान

- कंपनी को 50 लाख क्षतिपूर्ति
- **इलाहाबाद और कड़ा (कोरा)** मुगल शासक को देना।
- जरूरत के समय कंपनी को सैन्य सहायता।
- बनारस के जमींदार को उसकी ऐस्टेट का पूर्ण अधिकार देना।
- अंग्रेजों ने नवाब के अधिकार क्षेत्र को स्वीकार लिया तथा उसकी सीमाओं की रक्षा हेतु सैनिक मदद हेतु राजी

2. शाहआलम-॥ के साथ (16 अगस्त 1765)

प्रावधान

- शाहआलम-॥ कंपनी के संरक्षण में आ गया
- कंपनी को बंगाल, बिहार, उड़ीसा की दीवानी प्रदान की गई।
- अंग्रेजों का दीवानी एवं बंगाल के राजस्व एवं वित्तीय प्रशासन पर पूर्ण नियंत्रण

GS World Committed To Excellence

भारत में अंग्रेजों की सफलता के कारण

- ईस्ट इंडिया कंपनी निजी कंपनी थी, जिसका मुख्य जोर प्रतिस्पर्धा पर था।
- नौ–सैन्य सर्वोच्चता, सैन्य कौशल एवं अनुशासन
- ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति की शुरूआत
- पुर्तगाली एवं डच ईसाईयत के प्रचार पर अधिक केन्द्रित थे।
- अंग्रेजों द्वारा सेना पर अधिक व्यय

आंग्ल– मैसूर युद्ध

प्रथम आंग्ल– मैसूर युद्ध

- 1767– 1769 में **हैदरअली और अंग्रेजों** के बीच।
- अप्रैल, 1769 में **'मद्रास की संधि'** के साथ समाप्त

द्वितीय आंग्ल–मैसूर युद्ध (1780– 84)

- **हैदरअली-अंग्रेज** (वॉरेन हेस्टिंग्स) के मध्य
- **तात्कालिक कारण**– अंग्रेजों द्वारा माही पर कब्जा
- युद्ध के दौरान ही हैदर की मृत्यु के बाद टीपू सुल्तान ने मार्च, 1784 को अंग्रेजों से **मंगलौर की संधि** की।

तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध (1790–92)

- **लॉर्ड कॉनर्वालिस** के समय **टीपू सुल्तान** और अंग्रेजों के बीच (त्रावणकोर के मुद्दे पर)
- **'श्री रंगपट्टनम की संधि'** (18 मार्च, 1792) के द्वारा समाप्त

हैदर अली

- 1755 में **डिंडिगुल का फौजदार** नियुक्त
- 1761 में मैसूर का शासक बना

टीपू सुल्तान (1750–1799 ई.)

- **श्रृंगेरी मंदिर** एवं **देवी शारदा की मूर्ति** स्थापना एवं मरम्मत करवाई
- **'शेर-ए-मैसूर'** कहलाया
- श्री **रंगपट्टनम (राजधानी)** में **स्वतंत्रता का वृक्ष** लगाया
- **जैकोबिन क्लब** का गठन किया (फ्रांसीसी सैनिकों की मदद से 1797 में)
- भारत में **रॉकेट तकनीक का खोजकर्ता** (रॉकेट संचालन पर **'फतुल मुजाहिदीन'** नामक सैन्य मैनुअल लिखा)
- सामंतवाद के बजाय **पूंजीवादी विकास को बढ़ावा**
- इसने एक नया **'मौलुदी चंद्र सौर कैलेंडर'** शुरू किया
- कारखानों को स्थापित करने के लिए एक **'राज्य वाणिज्यिक निगम' की स्थापना** की।
- **सेना को यूरोपीय मॉडल पर संगठित** किया, सैनिकों के **प्रशिक्षण हेतु फ्रांसीसी अधिकारियों की मदद** ली।

चतुर्थ आंग्ल– मैसूर युद्ध (1799 ई.)

- इस युद्ध में **मराठा, निजाम तथा अंग्रेज सेनाएं एक साथ** थीं।
- 4 मई, 1799 को अंग्रेजों द्वारा श्रीरंगपट्टनम पर कब्जा
- लॉर्ड वेलेजली अंग्रेज गवर्नर। वहीं **अंग्रेज सेनापति आर्थर वेलेस्ली, रिस और स्टुअर्ट** थे।
- **टीपू सुल्तान** अपनी **राजधानी श्रीरंगपट्टनम की रक्षा करते हुए मारा गया।**
- युद्ध के बाद **वेलेजली को 'मार्क्विस'** की उपाधि दी गई।
- युद्ध के दौरान **टीपू ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु नेपोलियन, अरब, आदि को पत्र लिखा था।**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

1857 की क्रांति

तात्कालिक कारण
कारतूसों में गाय और सुअर की चर्बी

10 मई, 1857 को मेरठ से शुरूआत (11 मई को बहादुरशाह जफर को विद्रोहियों ने भारत का नेता घोषित कर दिया।)

8 अप्रैल, 1857 को मंगल पांडेय को फांसी की सजा

इस समय भारत का **गवर्नर जनरल लार्ड कैनिंग और अंग्रेज प्रधानमंत्री पार्मस्टेन (लिबरल पार्टी)** थे।

विद्रोह में अंग्रेजों का समर्थन करने वाले राज्य

- ग्वालियर के सिंधिया
- इंदौर के होल्कर
- भोपाल के नवाब

- जोधपुर के राजा
- कश्मीर के महाराजा
- हैदराबाद के निजाम
- सिक्ख शासकों में (पटियाला, नाभ)

क्रांति का प्रभाव

- **1858 का भारत शासन अधिनियम** पारित कर व्यापक बदलाव किए गए।
- ब्रिटिश कंपनी का स्थान **'ब्रिटिश क्राउन'** ने ले लिया।
- गवर्नर जनरल का नाम बदलकर **'वायसराय'** किया गया। (**लार्ड कैनिंग प्रथम वायसराय**)
- 'भारत के राज्य सचिव' का नया पद **'पील आयोग'** के सिफारिश पर **सेना में बदलाव कर** अंग्रेज सैनिकों एवं पदाधिकारियों में वृद्धि हुई। (सैनिक अनुपात 2:1)
- बिहार, अवध के सैनिकों को **'गैर लड़ाकू'** घोषित कर उनके बदले सिक्ख, गोरखा एवं पठानों की **'लड़ाकू जातियां'** घोषित की गई।
- विलय की पूर्व नीति के बदले **भारतीय शासकों को उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार**
- एक नवीन **'कृषि नीति' जारी** की गई। **'लिंक्ड-बटालियन योजना'** के जरिए यूरोपियन सेना को बेहतर ट्रेनिंग की व्यवस्था
- सबके लिए एक समान सुरक्षा
- **धार्मिक मामलों में अहस्तक्षेप**, ब्रिटिश साम्राज्य विस्तार पर रोक
- सेना और तोपखाना विभाग पूर्णत: यूरोपियों हेतु आरक्षित कर लिया गया।
- 'पाश्चात्य संस्कृति' को बढ़ावा देने वाली शिक्षा व्यवस्था को लागू किया गया।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

1857 ई. की महान क्रांति के प्रमुख केन्द्र

केन्द्र	भारतीय नायक	ब्रिटिश नेतृत्व
दिल्ली	बहादुरशाह जफर, बख्त खाँ (सैन्य नेतृत्व)	निकलसन एवं हडसन
कानपुर	नाना साहब, तात्या टोपे (सैन्य नेतृत्व)	कैंपबेल
लखनऊ	बेगम हजरत महल	हेनरी लॉरेन्स, कैंपबेल
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई	ह्यूरोज
इलाहाबाद	लियाकत अली	कर्नल नील
जगदीशपुर (बिहार)	कुँवर सिंह	विलियम टेलर, विंसेट आयर
बरेली	खान बहादुर खाँ	हडसन
फैजाबाद	मौलवी अहमद उल्ला	कर्नल नील
फतेहपुर	अजीमुल्ला	जेनरल रेनर्ड

नोटः- ग्वालियर- तात्या तोपे, **संभलपुर**- सुरेन्द्र साई, **हरियाणा**- राव तुलाराम, **मदंसौर**- फिरोजशाह (शहजादा हुमायूं) अन्य प्रमुख आन्दोलनकारी थे।

1857 के विद्रोह पर लिखी गई प्रसिद्ध किताबें

- द इंडियन वार ऑफ इंडिपेंडेंस, 1857- वी.डी. सावरकर
- द सिपॉय म्यूटिनी एंड द रिबेलियन ऑफ 1857- आर.सी. मजमूदार
- असबाब-ए-बगावत-ए-हिन्द - सर सैयद अहमद खाँ
- Eighteen Fifty Seven - 1857- सुरेन्द्र नाथ सेन

1857 विद्रोह पर इतिहासकारों का मत

- 'हिन्दू-मुस्लिम षड्यंत्र का परिणाम' **सर जेम्स आउट्रम, डब्ल्यू टेलर**
- 'यह पूर्णतया सिपाही विद्रोह था' **सर जॉन लारेंस, सीले**
- '1857 का विद्रोह स्वतंत्रता संग्राम नहीं था' **आर.सी. मजूमदार**
- 'यह विद्रोह राष्ट्रीय स्वतंत्रता हेतु सुनियोजित युद्ध था' **वी.डी. सावरकर और अशोक मेहता**
- 'यह जनक्रांति थी' **डॉ. रामविलास शर्मा**
- 'यह राष्ट्रीय विद्रोह था' **बेंजामिन डिजरायली**
- 'यह सभ्यता और बर्बरता का संघर्ष था' **टी.आर. होम्स**
- 'यह ईसाईयों के विरूद्ध एक धर्मयुद्ध था' **एल.आर.रीज**

अंग्रेजों की प्रमुख आर्थिक नीतियां

स्थायी बंदोबस्त

- **ब्रिटिश भारत के 19% भूभाग** पर लागू (**बंगाल, बिहार, उड़ीसा, उत्तरी कर्नाटक, यूपी के बनारस, गाजीपुर में।**)
- 1789 में '**जॉन शोर**' द्वारा शुरू। इसे 1793 में '**कार्नवालिस**' ने लागू किया।
- अन्य नाम- **इस्तमरारी, जमींदारी प्रथा**
- **विशेषता**- जमींदारों को भू-स्वामी स्वीकारा गया (लगान की दर -10/11 सरकार, 1/11 जमींदार)
- भूमि पर जमींदारों का अधिकार पैतृक एवं हस्तांतरणीय
- 1794 में '**सूर्यास्त नियम**' लागू

भू-राजस्व प्रणाली

- सबसे पहले '**वॉरेन हेस्टिंग्स**' ने **1772 में पंचवर्षीय बंदोबस्त** लागू किया।
- **1776 में पंचवर्षीय बंदोबस्त को समाप्त** कर **एक वर्षीय प्रणाली** अपनाई गई।

रैयतवाड़ी व्यवस्था

- **सर्वप्रथम 1792 में मद्रास प्रेसीडेंसी में**
- **ब्रिटिश भूभाग के 51% क्षेत्र पर (मद्रास, बंबई का कुछ हिस्सा, पूर्वी बंगाल, असम, कुर्ग)**
- '**टॉमस मुनरो**' और '**कैप्टन रीड**' इससे संबंधित हैं।
- **विशेषता**- किसानों से सीधे **33% भू-राजस्व की वसूली**, जो किसान जितनी भूमि जोतता था उसे उसका स्वामी मान लिया जाता था।
- **सर्वप्रथम तमिलनाडु के बारामहल में लागू**

महालवाड़ी पद्धति

- **जन्मदाता-हॉल्ट मेकेंजी**
- कंपनी के **30% भूभाग** पर (**यूपी, मध्य प्रांत एवं पंजाब** (कुछ बदलावों के साथ) में लागू)
- यह **व्यवस्था प्रत्येक महाल (गाँव) के साथ स्थापित** की गई, कृषक के साथ नहीं
- **ग्राम प्रधान अथवा लंबरदार** को भू-राजस्व वसूली हेतु उत्तरदायी बनाया गया।
- ग्राम समाज भूमिस्वामी था

GS World Committed To Excellence

कृषि का वाणिज्यीकरण

- यह 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुआ महत्त्वपूर्ण परिवर्तन था।
- इसके तहत कुछ विशेष फसलों (जैसे- **चाय, कॉफी, रबर, नील, गन्ना आदि) का उत्पादन राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय** बाजार हेतु हुआ न कि ग्रमीण उपयोग के लिए।
- बागानों का स्वामित्व मुख्यत: यूरोपियों के पास

वाणिज्यीकरण के कारण

- मुद्रा अर्थव्यवस्था का प्रसार — प्रतियोगिता में बढ़ोतरी
- एकीकृत राष्ट्रीय बाषार का अभ्युदय — देशी-विदेशी व्यापार में वृद्धि
- रेलवे, सड़क साधन की राष्ट्रीय मंडी का विकास — अंग्रेजी पूंजी के आने से विदेशी व्यापार में वृद्धि।

भारतीय कृषकों पर प्रभाव

- भारतीय किसानों को मूलत: नुकसान हुआ
- कृषि उत्पादन भी नहीं बढ़ा — 1917 का चंपारण नील विद्रोह प्रमुख घटना

आर्थिक नीतियों के तीन चरण

1. **प्रारंभिक चरण (1600-1757 तक)**- कंपनी का पूरा ध्यान व्यापार (खासकर भारत से सूती वस्त्र एवं मसालों के निर्यात) पर था।
2. **दूसरा चरण (1757-1800 ई. तक)**- मुगल सत्ता की कमजोरी का फायदा उठाकर कंपनी ने अपने लिए जगह बनाई
3. **तृतीय चरण (1800-1947 ई. तक)**- भारतीय क्षेत्रों पर कंपनी का पूर्ण नियंत्रण।

वित्त संबंधी समितियां

- **अमीनी समिति** (1778)- भू-राजस्व एवं अकाल
- **वेलवी आयोग**- दादाभाई नौरोजी के **'धन बहिर्गमन सिद्धांत'** के आरोपों की समीक्षा हेतु
- **निकोल्सन आयोग** (1892)- सरकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली की जाँच
- **हॉलैंड समिति (1916)**- उद्योगों का विकास
- **मैक्सवेल ब्लूमफील्ड समिति (1928)**- बारदोली कृषक आंदोलन का पुनर्मूल्यांकन
- **ह्विटले आयोग (1929)**- श्रमिक
- **सप्रू आयोग- (1934)**- बेरोजगारी
- **फ्लाउड (1940)**- फसल उत्पादन

नोट

राष्ट्रीय आय का प्रथम वैज्ञानिक आकलन- डी.वी. के आर वी राव

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

धन का बहिर्गमन सिद्धांत

- **अर्थ**– "यह भारतीय संपत्ति एवं वस्तुओं का इंग्लैंड की ओर एकतरफा प्रवाह था।"
- **इस सिद्धांत को देने वाले प्रथम व्यक्ति– दादाभाई नौरोजी**
- **नौरोजी को 'ग्रांड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया'** कहा जाता है।
- **'इंग्लैंड डेब्ट टू इंडिया'** में इन्होंने **पहली बार धन के बहिर्गमन सिद्धांत का प्रतिपादन** किया।

- **नौरोजी ने 'द वांट्स एंड मींस ऑफ इंडिया,' 'ऑन द कॉमर्स ऑफ इंडिया' लेख** में इसकी व्याख्या की।
- वर्ष **1905 में** इसे **'Evil of all Evils'** अर्थात अनिष्टों का अनिष्ट कहा।
- **'पावर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया'** नामक किताब 1901 में लिखी।

अन्य प्रतिपादकों में

1. **महादेव गोविंद रानाडे**– **Essays on Indian Political Economy (1898)**
   - रानाडे ने नौरोजी के **'ड्रेन ऑफ वेल्थ थ्योरी'** को नकारते हुए भारत में गरीबी का प्रमुख कृषि के पिछड़ेपन को माना
2. **रमेश चंद्र दत्त** (अर्थशास्त्री) के लेख **'इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया'** में उल्लेख।
3. गोपाल कृष्ण गोखले, जी सुब्रह्मयम अय्यर, पृथ्वीचंद्र राय भी प्रमुख आर्थिक आलोचकों में से थे।

नोट: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने **कलकत्ता, अधिवेशन (1896)** में आधिकारिक तौर पर **'धन के बहिर्गमर्न सिंद्धात'** को स्वीकृति दी थी।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव

1. **अनौद्योगीकरण** – भारतीय हस्तशिल्प उद्योग का ह्रास
2. भारतीय **अर्थव्यवस्था का ग्रामीणीकरण**
3. भारत में अनेक **शहरों का पतन**
4. भारत में ब्रिटिश पूंजी का आगमन एवं भारतीय **पूंजीपतियों को हतोत्साहन**
5. भारतीय **कृषि का वाणिज्यीकरण**

कृषि के वाणिज्यीकरण (19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में) के प्रभाव–

1. किसानों को हानि
2. ग्रामीण ऋणग्रस्तता में वृद्धि
3. गरीबी में वृद्धि
4. नकदी फसलों को महत्व इससे खाद्यान्नों की कमी हुई।

नोट:-

19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में आधुनिक उद्योगों का विकास हुआ जैसे:-

- **1853 में बंबई में 'सूती वस्त्र'** (कावस जी भाई)
- **1855 में रिशरा में पहली जूट मिल**

20 वीं सदी में देश में चीनी, सीमेंट आदि उद्योग स्थापित हुए।

अकाल आयोग

- **कैम्पवेल आयोग** (1866–67)
- **स्ट्रैची आयोग** (1878–80)
- **लायल आयोग** (1897)
- **मैकडोनाल्ड आयोग** (1900)

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
IAS GS World PCS Committed To Excellence

ब्रिटिश सरकार द्वारा पारित प्रमुख कारखाना एक्ट

1881 का कारखाना अधिनियम
- (प्रथम फैक्ट्री आयोग, 1875 की सिफारिशों पर), लार्ड रिपन के समय, 7 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के काम करने पर प्रतिबंध।

1891 का कारखाना अधिनियम
- *(द्वितीय फैक्ट्री आयोग 1884 की अनुशंसा पर)*, लॉर्ड लैंसडाउन के समय, 9 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर काम करने पर प्रतिबंध, काम की अवधि 11 घंटे प्रतिदिन।

1911 का कारखाना अधिनियम
- लॉर्ड हार्डिंग के समय

1922 का कारखाना अधिनियम
- 12 से 15 वर्ष की आयु के बच्चों को कारखाने में कार्य करने की अनुमति (लॉर्ड रीडिंग)

1934 का कारखाना अधिनियम
- (**लॉर्ड विलिंगटन** के समय) श्रमिकों हेतु चिकित्सा एवं आराम की व्यवस्था

1944 का कारखाना अधिनियम
- (लॉर्ड वेवेल के समय)

भारत के श्रमिक आंदोलन (प्रमुख संस्थाएं)

- **कामगार हितवर्धक सभा (1909)**
- **सामाजिक सेवा संघ (1911)**
- **कलकत्ता मुद्रक संघ (1905)**
- **भारतीय रेल कर्मचारी एकीकृत सोसायटी (1897)**
- **बंबई मिल हैण्डस एसोसिएशन (1890)** (एन.एम. लोखांडे)
- **मद्रास श्रमिक संघ (1918)**- वी.पी. वाडिया- भारत का पहला आधुनिक श्रमिक संगठन
- **AITUC (1920)**- प्रथम अधिवेशन, मुंबई (लाला लाजपत राय, एन.एम. जोशी, जोसेफ बैपटिस्टा
- 1919 के **ILO सम्मेलन (वाशिंगटन)** में **वी.पी. वाडिया** को भारत के मजदूरों का प्रतिनिधित्व बनाकर भेजा गया था।
- **रॉयल कमीशन ऑन लेबर** (अध्यक्ष- जॉन हेनरी ह्विटले) इस कमीशन के बहिष्कार के मुद्दे पर AITUC दो भागों में बाँट गया (दूसरा-ITUF उदारवादियों द्वारा)
- **INTUC (1947)** सरदार पटेल
- **राष्ट्रीय मजदूर संघ (1933)**
- **वर्क्स एंड पीजेंट्स पार्टी** (श्री पाद अमृत डांगो, मुजफ्फर अहमद, पूरन चंद्र जोशी)
- **रेड ट्रेड यूनियन कांग्रेस (1931)** नेता- रणदेव देशपांडे, बकिंम मुखर्जी, भूपेन्द्र दत्त

GS World
Committed To Excellence

भारत प्रेस का विकास एवं संबंधित कानून

- **भारतीय पत्रकारिता के राजकुमार**– क्रिस्टोफर दास पाल
- **सर्वप्रथम पुर्तगालियों ने भारत में मुद्रणालय स्थापित किया**
- **1557 में प्रथम पुस्तक गोवा के पादरियों द्वारा** छापी गयी।
- **1684 में ईस्ट इंडिया कंपनी** ने भी **बंबई में मुद्रणालय स्थापित किया**
- 1780 में **पहला समाचार-पत्र जेम्स ऑगस्ट हिक्की द्वारा**– बंगाल गजट या 'द कलकत्ता जनरल एडववरटाइजर'
- **भारत में आधुनिक प्रेस की स्थापना (1766)** – विलियम बोल्टस
- **प्रेस इंक्वायरी समिति** (1921– तेज बहादुर सप्रू)
- **समाचार पत्र जाँच समिति,** 1947 (श्री गंगानाथ झा की अध्यक्षता में)
- **भारतीय पत्रकारिता के जनक– राजा राम मोहन राय**

पत्रकारिता संबंधी प्रमुख कानून

- **समाचार पत्रों का अभिवेचन अधिनियम,** 1799 (लॉर्ड वेलेजली के समय)
- **अनुज्ञप्ति नियम 1823** के तहत जॉन एडम्स ने भारतीय प्रेस पर पूर्ण बैन लगा दिया।
- **भारतीय समाचार-पत्रों की मुक्ति 1833 ई.** [चार्ल्स मैटकॉफ, भारतीय प्रेस का मुक्तिदाता]
- **अनुज्ञप्ति अधिनियम,** 1857 (1857 के विद्रोह के समय)
- **पंजीकरण अधिनियम,** 1867
- **वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट 1878**
  - **लॉर्ड लिटन द्वारा शुरू**
  - 'मुहबंद करने वाला एक्ट' कहलाया
  - इसके तहत 'सोमप्रकाश', 'भारत मिहिर' पर कार्रवाई हुई
  - **लॉर्ड रिपन द्वारा रद्द**
- **समाचार पत्र अधिनियम 1908**
- **भारतीय समाचार पत्र एक्ट 1910**
- **भारतीय समाचार पत्र (संकटकालीन शक्तियां)** अधिनियम, 1931
- **समाचार पत्र (आपत्तिजनक विषय) अधिनियम, 1951**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 | 9654349902

ब्रिटिश कालिन समाचार एजेंसियां

- एसोसिएट प्रेस ऑफ इंडिया- 1905
- फ्री प्रेस न्यूज सर्विस- 1927
- यूनाइटेड प्रेस ऑफ इंडिया- 1934
- प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया- 1947

अंग्रेजों के समय भारत में शिक्षा

- **जोनाथन डंकन (1791) ने बनारस में संस्कृत विद्यालय खोला**
- **बेथून स्कूल** (1849) जे ई डी बेथून ने खोला (इसका संचालन आगे लॉर्ड डलहौजी) ने किया।
- **डेविड हेयर** और **राजा राम मोहन राय** के प्रयत्नों से 1817 में **कलकत्ता में हिन्दू कॉलेज**
- **1813 के चार्टर एक्ट** में एक लाख रूपये प्रावधान
- **विलियम जोंस** ने कालिदास की **'अभिज्ञान शाकुंतलम'** का **अंग्रेजी अनुवाद** किया
- **'ए कोड ऑफ जेंटूलॉज'** (मनुस्मृति का अंग्रेजी अनुवाद)
- **वारेन हेस्टिंग्स** द्वारा 1781 में **कलकत्ता मदरसा** की स्थापना
- **1800** में लॉर्ड वेलेजली ने कंपनी के अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु **'फोर्ट विलियम कॉलेज' (कलकत्ता)** में की।
- 'विलकिंस' द्वारा **भगवद्गीता** और **हितोपदेश का अंग्रेजी अनुवाद** (1785)
- सर **विलियम जोंस** द्वारा **कलकत्ता में 'एशियाटिक सोसायटी की स्थापना'**

आंग्ल- प्राच्य विवाद

1. लोक शिक्षा के मुद्दे पर था।
2. **प्राच्य भाषा के समर्थक (Orientalists)**- भारत में शिक्षा के प्रचार का माध्यम संस्कृत या अरबी हो (प्रमुख समर्थक एच.टी. प्रिंसेप, एच.एच. विल्सन)
3. **आंग्ल भाषा के समर्थक** - भारत में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी (समर्थक- मुनरो, एलफिन्सटन, मैकाले)

शिक्षा का अधोमुखी निस्यन्दन सिद्धांत

- भारतीय उच्च वर्गों को शिक्षित किया जाए जिनसे छनकर शिक्षा का प्रसार निम्न वर्ग तक पहुँचेगा
- सर्वप्रथम **ऑकलैंड द्वारा लागू**

चार्ल्स वुड डिस्पैच, 1854

- जुलाई, 1854 में
- **'भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा'** कहते हैं।
- **सिफारिशें- 1.** अंग्रेजी भाषा के साथ देशी भाषा पर जोर **2.** पाश्चात्य शिक्षा का प्रचार **3.** गाँवों में देशी भाषा, जिसमें एंग्लों-वर्नाकुलर विद्यालय **4.** निजी स्कूलों हेतु अनुदान **5.** पांच प्रातों में लोक शिक्षा विभाग स्थापित (1855 में लोक शिक्षा विभाग गठित) **6.** 1857 में कलकत्ता, मुंबई, मद्रास में विश्वविद्यालय स्थापित **7.** सरकारी स्कूलों में धर्मनिरपेक्ष शिक्षा को बढ़ाया

हंटर शिक्षा आयोग (1882-83)

सुझाव

- **प्राथमिक शिक्षा स्थानीय भाषा में**
- प्राथमिक पाठशालों का नियंत्रण नवसंस्थापित नगर एवं जिला बोर्डो को दिया जाए।
- माध्यमिक शिक्षा साहित्यिक एवं व्यापारिक खंड पर बंटा हो।
- प्रेसीडेंसी नगरों के अतिरिक्त अन्य शहरों, गांवों में, स्त्री शिक्षा प्रोत्साहन का सुझाव।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

भारतीय वि.वि. एक्ट, 1904

- 1902 में **सर टॉमस रेले आयोग की सिफारिश पर लाया गया**
- **भारतीय सदस्य** (सैयद हुसैन बिलग्रामी, गुरूदास बनर्जी)

मुख्य प्रावधान

- **उच्च शिक्षा हेतु** 5 लाख रू. प्रतिवर्ष 5 वर्षों हेतु स्वीकृत
- गर्वनर जनरल को वि.वि. की क्षेत्रीय सीमाएं निर्धारित करने का अधिकार
- निजी कॉलेजों पर भी कठोर नियंत्रण
- **वि.वि. पर सरकारी नियंत्रण बढ़ा दिया गया।**
- भारत में 'शिक्षा महानिदेशक' (एच.डब्ल्यू. ऑरेंज) की नियुक्ति

शिक्षा पर सरकारी प्रस्ताव, 1913

- **गोखले** ने इस व्यवस्था को देशभर में लागू करने हेतु विधान परिषद् में आवाज उठाई
- **सर्वप्रथम (1906) बड़ौदा की रियासत ने प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य किया।**

प्रस्ताव के मुख्य बिदु

- **प्रत्येक प्रांत में वि.वि. की स्थापना**
- अनिवार्य शिक्षा का उत्तरदायित्व लेने से इंकार

सैडलर वि.वि. आयोग 1917–19 सिफारिशें

अध्यक्ष– एम.ई. सैडलर

मुख्य बातें–
- भारतीय सदस्य– 1. आशुतोष मुखर्जी 2. जियाउद्दीन अहमद
- स्कूली शिक्षा 12 वर्ष की हो
- वि.वि. नियम उदार हों
- स्नातक 3 वर्षीय
- महिला शिक्षा को प्रोत्साहन

नोट

1919 **मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों** के तहत प्रांतों में **शिक्षा विभाग एक निर्वाचित मंत्री के अधीन कर दिया** गया तथा केन्द्रीय अनुदान बंद कर दिया गया, जिससे शिक्षा का स्तर गिरा (इसने शिक्षा को प्रांतों के अधीन कर दिया)

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

हार्टोग समिति (1929)

- सर फिलिप हार्टोग की अध्यक्षता में
- सिफारिशें
  - प्राथमिक शिक्षा के महत्त्व पर बल
  - ग्रामीण छात्रों को माध्यमिक विद्यालय तक ही शिक्षा। तत्पश्चात उन्हें औद्योगिक एवं व्यवसायिक शिक्षा दी जाए।
  - केवल समर्पित छात्रों को ही उच्च शिक्षा में प्रवेश मिले
  - वि.वि. नियम कड़े किए जाएं।

वर्धा योजना (1937)

- अक्टूबर, 1937 में शिक्षा पर कांग्रेस का सम्मेलन
  - जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में समिति
  - गांधी ने **'हरिजन'** पत्रिका में **'वर्धा योजना'** प्रकाशित की।
- **मुख्य बातें**
  - सिलेबस में हस्त उत्पादक कार्यप्रणाली को अपनाया जाए।
  - कक्षा 2-7 हिन्दी भाषा में हो (8 से अंग्रेजी)
  - **प्रथम सात वर्ष स्कूल नि:शुल्क हो, अनिवार्य हो, मातृभाषा में हो।**

सार्जेंट योजना (1944)

- 6-11 वर्षीय बच्चों को नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा
- 11-17 वर्ष के छात्रों हेतु छह वर्ष की शिक्षा व्यवस्था
- उत्तर माध्यमिक श्रेणी समाप्त की जाए

आजादी के बाद शिक्षा हेतु किये गये प्रयास

- **राधाकृष्णन आयोग (1948-49)**
  - **स्नातक की डिग्री को प्रशासनिक सेवाओं हेतु आवश्यक** किया जाए।
  - शिक्षा **'समवर्ती सूची'** में रहे
  - वि.वि. से पहले 12 वर्षीय स्कूली शिक्षा अनिवार्य हो।
- **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (1953)**
  - **(राधाकृष्णन आयोग की सिफारिश पर)**
- **कोठारी शिक्षा आयोग (1964)**
  - (शिक्षा के सभी पक्षों एवं प्रक्रमों की समीक्षा हेतु)
- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1968, 1986, 2020)**

राष्ट्रीय आन्दोलन

- **प्रारंभिक उदारवादी या कांग्रेस का प्रथम चरण (1885-1905)**
- **उग्र राष्ट्रवाद या अतिवादी राजनीति (1905-1919)**
- **भारतीय राष्ट्रवाद का युग** (1919-1939)
- **स्वतंत्रता की ओर** (1939-1947)

प्रारंभिक उदारवादी या कांग्रेस का प्रथम चरण (1885-1905)

प्रमुख नेता – नौरोजी, फिरोजशाह मेहता, दिनशा वाचा, डब्ल्यू. सी. बनर्जी, एस.एन. बनर्जी, रासबिहारी घोष, आर.सी. दत्त, बदरूद्दीन तैयबजी, गोखले, पी.आर.नायडु, मालवीय, आनंद चार्लू

GS World Committed To Excellence

उदारवादियों की नीतियां

- भारतीयों में राष्ट्रप्रेम एवं चेतना जागृत करना
- ब्रिटिश जनमत एवं ब्रिटिश भारत का भारतीयों के पक्ष में सुधारों हेतु प्रेरित करना।
- भारतीय उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु स्वदेशी प्रयोग, विदेशी का बहिष्कार

राष्ट्रीय आंदोलन में उदारवादियों का योगदान

- ब्रिटिश आर्थिक नीतियों की आलोचना
- 1861 एवं 1892 के भारत परिषद् अधिनियम में किए गए सुधार उदारवादियों के दबाव में किए गए।
- संवैधानिक एवं प्रशासनिक सुधार की मांग जैसे– सरकारी सेवाओं में भारतीयकरण
- **1886 में लोक सेवा आयोग**
- भारतीय व्यय की समीक्षा हेतु **'वेल्बी आयोग'**
- तत्कालीन भारतीय समाज को नेतृत्व प्रदान किया।
- 1885 के कांग्रेस के गठन के बाद सरकार और कांग्रेस के रिश्तों में कड़वाहट

कांग्रेस पूर्व की प्रमुख राजनीतिक संस्थाएं

- **कलकता भारतीय एसोसिएशन या इंडियन एसोसिएशन को कांग्रेस का पूर्ववर्ती माना जाता हैं।**
- 1851 में **'जमींदारी एसोसिएशन और 'बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी'** का विलय होकर **'ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन'** बना
- 1838 में बनी **जमींदारी एसोसिएशन (लैंड होल्डर्स एसोसिएशन)** भारत की पहली संगठित राजनीतिक सभा थी।

19वीं सदी में राष्ट्रवाद के उदय के कारण

- प्रेस एवं समाचार पत्रों की भूमिका
- विदेशी आधिपत्य का परिणाम
- भारत के अतीत का पुन: अध्ययन
- पाश्चात्य चिंतन, शिक्षा एवं साहित्य का प्रभाव
- मध्यवर्गीय बुद्धिजीवी का उत्थान
- सुधार आंदोलनों का प्रभाव
- तत्कालीन विदेशी घटनाओं का प्रभाव

कांग्रेस पार्टी के संदर्भ में प्रसिद्ध इतिहासकार **रजनीपाम दत्त** ने कहा है कि "कांग्रेस ने साम्राज्यवाद के साथ लड़ाई और सहयोग दोनों किया है।"

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

कांग्रेस का गठन

- 1884 में ह्यूम के प्रयासों से ही **'इंडियन नेशनल यूनियन'** की स्थापना
- आरंभ में इसका नाम 'भारतीय राष्ट्रीय संघ' रखा गया था। दादाभाई नौरोजी के सुझाव पर बदलकर **'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस'** किया गया
- वहीं **सेफ्टी वाल्व** के प्रति उत्तर में **'तड़ित चालक'** **का** सिद्धांत दिया गया
- 28 दिसंबर 1885 में बंबई में 'अखिल भारतीय कांग्रेस' का गठन (गोकुलदास तेजपाल संस्कृत स्कूल)
- कांग्रेस की स्थापना संबंधित **'सेफ्टी वॉल्व सिद्धांत'** लाला लाजपत राय ने दिया था
- ए.ओ. ह्यूम, सुरेन्द्रनाथ बनर्जी तथा आनंद मोहन बोस कांग्रेस के प्रमुख वास्तुकार थे
- ए.ओ. ह्यूम द्वारा 1883 में 'अखिल भारतीय कांफ्रेस' का आयोजन
- प्रथम अधिवेशन में अध्यक्ष W.C. Benergee (72 प्रतिनिधि) थे, महासचिव ह्यूम थे
- गठन के समय वायसराय लॉर्ड डफरिन

अन्य तथ्य

भारतीय सुधार समिति (1887)– ब्रिटेन में दादाभाई नौरोजी की अध्यक्षता में उदारवादी/नरमपंथी नेताओं ने अपनी मांगें मनवाने के उद्देश्य से स्थापित की थी

कांग्रेस संबंधी प्रसिद्ध कथन

- **डफरिन**– कांग्रेस जनता के अल्पसंख्यक वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है, कांग्रेस राष्ट्रद्रोहियों की संस्था है।
- **कर्जन**– मेरी इच्छा है कि कांग्रेस के शांतिपूर्वक मरने में मदद करना
- **बंकिमचंद्र चटर्जी**– कांग्रेस के लोग पदों के भूखे हैं।
- **विपिन चंद्रपाल**– कांग्रेस याचना संस्था है
- **लाला लाजपत राय**– कांग्रेस सम्मेलन शिक्षित भारतीयों का वार्षिक मेला है
- **तिलक**– यदि हम वर्ष में एक बार मेंढ़क की तरह टर्राए तो हमें कुछ नहीं मिलेगा

उग्र-राष्ट्रवादी चरण (1905–1919)

1890 के पश्चात् भारत में उग्र राष्ट्रवाद का उदय तथा 1905 तक पूर्व स्वरूप

प्रमुख नेता

अश्विनी दत्त, लाल–बाल–पाल, अरविंद घोष, चिपलंकर बंधु, राज नारायण बोस, आदि।

उदय के कारण

- अंग्रेजी सत्ता के स्वरूप की सही पहचान होना।
- उदारवादियों से असंतोष
- लॉर्ड कर्जन की प्रतिक्रियावादी नीतियां
- बढ़ते पश्चिमीकरण की प्रतिक्रिया
- आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान का बढ़ना
- अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं का प्रभाव
- राष्ट्रवादी विचारधारा वाले वर्ग का उदय
- शिक्षा का विकास

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

बंगाल विभाजन

1906 के अधिवेशन में नौरोजी ने 'स्वशासन' की मांग की

1905 के कांग्रेस अधिवेशन में **'बंगभंग विरोधी अभियान'** और **'स्वदेशी'** का समर्थन किया गया

19 जुलाई, 1905 को घोषणा तथा **16 अक्टूबर, 1905 को प्रभावी** हुआ

बंगाल विभाजन का मुख्य उद्देश्य– कांग्रेस एवं स्वतंत्रता आंदोलन को दुर्बल करना और मुस्लिम संप्रदायवाद को उभारना था।

लार्ड हार्डिंग के समय 1911 के **दिल्ली दरबार** में बंगाल के विभाजन को रद्द करने की घोषणा हुई।

1. पश्चिमी बंगाल (राजधानी– कलकत्ता)
2. पूर्वी बंगाल (राजधानी ढाका) ढाका, चँटगाव, मालदा, राजशाही, त्रिपुरा के पहाड़ी क्षेत्र

16 अक्टूबर को **'शोक दिवस'** के रूप में आंदोलनकारियों ने मनाया, **'वंदेमातरम'** गीत गाए, टैगोर ने **'अमार सोनार'** गीत लिखा।

नोट

- **राष्ट्रीय शिक्षा परिषद्** 15 अगस्त 1906 को सद्गुरू दास बनर्जी द्वारा स्थापित
- **बंगाल कैमिकल्स एवं फार्मा**– आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय द्वारा स्थापित।

बाल गंगाधर तिलक

'लोकमान्य' की उपाधि

प्रसिद्ध कथन– 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा

1 अगस्त, 1920 मृत्यु (2020 में 100 वर्ष)

'पूर्ण स्वतंत्रता' या **'स्वराज्य'** के सबसे प्रारंभिक एवं मुखर प्रस्तावकों में से एक

सूरत अधिवेशन 1907

- अध्यक्ष पद और स्वदेशी आंदोलन के मुद्दे पर उग्रवादियों एवं उदारवादियों में मतभेद
- उग्रवादी तिलक को अध्यक्ष बनाना चाहते थे,
- उदारवादियों के वर्चस्व के कारण रास बिहारी बोस अध्यक्ष बने।

- **वेलेंटाइन चिरोल** ने **'इंडियन अनरेस्ट'** पुस्तक में तिलक को **'भारतीय अशांति का जनक'** कहा।
- **1916 के लखनऊ पैक्ट** पर तिलक और जिन्ना ने हस्ताक्षर किए थे।
- **केसरी (मराठी भाषा), मराठा/महरट्टा (अंग्रेजी भाषा)** नामक समाचार पत्र निकाले
- **'दक्कन एजुकेशन सोसायटी'** (1884) के संस्थापकों में से
- महाराष्ट्र में **'गणेश चतुर्थी'** और **'शिवाजी उत्सव'** लोकप्रिय बनाया।
- **'गीता रहस्य'** एवं **'आर्कटिक होम'** नामक पुस्तकें लिखीं
- 1916 में बेलगाम में अखिल भारतीय होमरूल लीग की स्थापना, महाराष्ट्र (बॉम्बे को छोड़कर), मध्य प्रांत, बरार, कर्नाटक।

नोट:
तिलक ने कभी कांग्रेस के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता नहीं की।

अंतर

उग्रवादी

- ब्रिटिश पर कोई विश्वास नहीं
- ब्रिटिश से संबंध भारत का शोषण बढाएंगे। (अत: समाप्त किया जाए)
- इन्हें आम जनता की शक्ति पर पूरा भरोसा
- सामाजिक आधार शिक्षित एवं निम्न मध्यवर्गीय लोगों तक
- स्वराज की माँग
- असंवैधानिक तरीकों का प्रयोग

उदारवादी

- अंग्रेजी राज पर भरोसा था।
- ब्रिटेन से संबंध भारत के समुचित विकास हेतु जरूरी
- इनका मानना था कि आंदोलन मध्यवर्ग तक सीमित रहे
- जमींदारों एवं उच्च मध्य वर्गीय लोगों तक सामाजिक आधार
- संवैधानिक सुधारों की माँग
- केवल संवैधानिक दायरे में रहकर लक्ष्य पाना चाहते थे।

मुस्लिम लीग का गठन

- जिन्ना 1913 में लीग में शामिल हुए
- **उद्देश्य**- ब्रिटिश सरकार के प्रति मुसलमानों की निष्ठा में बढ़ोत्तरी
- **30 दिसंबर, 1906 को ढाका में स्थापित (अध्यक्ष-नवाब सलीमुल्लाह)**
- **1908 के लीग** के अमृतसर अधिवेशन में **मुसलमानों हेतु 'पृथक निर्वाचक मंडल' की मांग**
- **लीग के प्रथम मानद अध्यक्ष- आगा खाँ-III** (सर सुल्तान मुहम्मद शाह)

दिल्ली दरबार (1877, 1903, 1911)

– **1877 का दिल्ली दरबार** में महारानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी घोषित किया गया था।
– इसे **'प्रोक्लामेशन या घोषणा दरबार'** कहा जाता है।
– इसके मुख्य बिंदु- "ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से सत्ता परिवर्तन **ब्रितानिया** सरकार को होना था।"
– विक्टोरिया मेमोरियल (कलकत्ता) में 1877 के दरबार के समय विक्टोरिया के भाषण के अंश अंकित हैं।

1903 का दरबार
– **एडवर्ड सप्तम** और महारानी एलेक्जेंडर को भारत की सम्राट, साम्राज्ञी घोषित करने हेतु

दिंसबर 1911 का दरबार
– जॉर्ज पंचम और महारानी मैरी के भारत आगमन पर

मुख्य बातें
– 12 दिसंबर, 1911 को 'बंगाल विभाजन को रद्द' किया गया।
– कलकत्ता की जगह 'दिल्ली को राजधानी' बनाया गया (1 अप्रैल, 1912)
– बिहार को बंगाल से अलग कर दिया गया। (22 मार्च, 1912 को)
– वायसराय **हॉर्डिंग पर रास बिहारी बोस, सचीन्द्र सान्याल, अमीरचंद्र, बालमुकुंद, आदि ने बम फेंका** (जिसे **'दिल्ली षड्यंत्र'** कहा गया।)

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

क्रांतिकारी आंदोलन

भारत में

बंगाल में क्रांतिकारियों का प्रथम गुप्त संगठन **'अनुशीलन समिति'** थी (1902)

बंगाल में क्रांतिकारी आंदोलन का सूत्रपात **'भद्रलोक समाज'** से हुआ

'अभिनव भारत', 'मित्र मेला', 'अनुशीलन समिति' आदि प्रमुख क्रांतिकारी संस्थाएं थी

नासिक षडयंत्र केस (1909) से कंहारे, कृष्ण जी कर्वे, विनायक देशपांडे, वी.डी. सावरकर आदि जुड़े थे

क्रांतिकारी पत्रिकाएं– युगांतर, संध्या, भारत माता,

नोटः चापेकर बंधुओं ने प्लेग अधिकारियों रैंड एवं आर्मस्ट की हत्या की

खुदीराम बोस, प्रफुल्ल चाकी ने **मुजफ्फरपुर जिला जज** को जान से मारने की कोशिश की थी

अन्य परीक्षा उपयोगी तथ्य

रामोषी कृषक दल (1879)– 'वासुदेव बलवंत फड़के' द्वारा गठित क्रांतिकारी दल था।

'अंजुमन-ए-मोहिसबान-ए-वतन' अजीत सिंह द्वारा लाहौर में गठित क्रांतिकारी समिति थी।

विदेशों में क्रांतिकारी गतिविधियाँ

श्यामजी कृष्णवर्मा द्वारा लंदन में 'इंडिया होमरूल सोसायटी', (इंडिया हाउस) की स्थापना की गई, तथा **'इंडियन सोशियोलोजिस्ट'** नामक पत्र निकाला

मैडम भीकाजी कामा (भारतीय क्रांति की जननी उपनाम) ने 1907 में स्टुटगार्ड (जर्मनी) में तिरंगा फहराया था।

लंदन में ही **'मदनलाल ढींगरा'** ने कर्नल विलियम कर्जन वाइली की हत्या (1909) कर दी

बैंकूवर (कनाडा) में **'स्वदेशी सेवक गृह' 'यूनाइटेड इंडिया हाऊस'** जैसी क्रांतिकारी दल कार्य कर रहे थे।

मैडम कामा, एस. आर. राणा पेरिस में श्यामजी कृष्ण वर्मा की सहयोगी थे

द्वारकानाथ दास ने 1907 में कैलिफोर्निया में **'भारतीय स्वतंत्रता दल'** का गठन किया था।

राजा महेन्द्र प्रताप ने जर्मनी के सहयोग से **काबुल में दिसंबर, 1915 को 'अंतरिम भारत सरकार' की स्थापना** की। (मंत्रिमंडल **सदस्य**– बरकतुल्ला (पीएम), मौलाना अब्दुल्ला, शमशेर सिंह, मथुरा सिंह खुदाबक्श, आदि)

मैडम कामा ने ही जर्मनी फ्रांस, नीदरलैंड में सावरकर की किताब **'1857 का स्वतंत्रता संग्राम'** को प्रकाशित किया था।

प्रथम भारतीय झंडे का डिजाइन–भीकाजी कामा, वी.डी. सावरकर, श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा तैयार किया गया।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

विनायक दामोदर सावरकर

- 1937-1743 तक **हिन्दू महासभा के अध्यक्ष** रहे
- **'मैजिनी की आत्मकथा' का मराठी में अनुवाद किया**
- 'स्वदेशी आंदोलन' एवं तिलक की **'स्वराज पार्टी'** से जुड़े
- **'फ्री इंडिया सोसायटी'** का गठन
- रचनाएं- 'द हिस्ट्री ऑफ द वार ऑफ इंडियन इंडेपेंडेंस', **'हिन्दुत्व'** (इसमें 'टू नेशनल थ्योरी' दी)
- लंदन में **इंडिया हाउस** का कार्यभार ग्रहण किया
- **सावरकर बंधुओं** (विनायक, गणेश) ने 'मित्रमेला' नामक गुप्त संगठन नासिक में (1899) बनाया
- **'अभिनव भारत सोसायटी'** का गठन

जिम्मेरमैन योजना

- **उद्देश्य-** विदेशों में रहे भारतीयों को ब्रिटिश शासन के विरूद्ध संगठित करना
- इसके तहत **'बर्लिन कमेटी फॉर इंडियन इंडिपेंडेंस'** की स्थापना हुई
- **वीरेंद्र चट्टोपाध्याय, भूपेन्द्र दत्त, लाला हरलाल संबंधित** थे
- 1915 में जर्मन विदेश मंत्रालय के सहयोग से लायी गयी।

गदर आंदोलन

- 1 **नवंबर, 1913** को **लाला हरदयाल द्वारा सैन फ्रांसिस्को में गदर पार्टी की स्थापना**
- **सैन फ्रांसिस्को में 'युगांतर आश्रम'** की स्थापना
- **प्रमुख लोग-** रामचंद्र, करतार सिंह सराका, बरकतुल्ला, भाई परमानंद
- नवंबर, 1913 में सोहन सिंह भाखना ने **'हिन्द एसोसिएशन ऑफ अमेरिका'** की स्थापना की
- **1857 की स्मृति में 'गदर' या 'हिन्दुस्तान गदर' पत्रिका** (साप्ताहिक)

लखनऊ पैक्ट (1916)

- **'कांग्रेस-लीग समझौता'** भी कहा जाता है
- 1916 का लखनऊ अधिवेशन (**अध्यक्ष- अंबिकाचरण मजमूदार**)
- **गरमदल का कांग्रेस में पुनः प्रवेश हुआ**
- **कांग्रेस एवं लीग द्वारा सरकार से मांग**
  - (क) भारत को उत्तरदायित्वपूर्ण शासन देने की शीघ्र घोषणा
  - (ख) प्रांतीय व्यवस्थापिका में भारतीयों की संख्या एवं अधिकार बढ़े
  - (ग) वायसराय की कार्यकारिणी परिषद् में आधे से ज्यादा पद भारतीयों हेतु रखे जाएं।
- **मुख्य बातें**
  - कांग्रेस द्वारा उत्तरदायी शासन की मांग को लीग ने स्वीकार लिया
  - कांग्रेस ने लीग की मुस्लिमों हेतु **'पृथक निर्वाचन व्यवस्था'** की मांग को मान लिया (केन्द्रीय व्यवस्थापिका में 1/9 तथा प्रांतीय में यह अलग-अलग था)

कामागाटामारू प्रकरण- 1914

- **'कामागाटामारू' एक 'जहाज' था**
- **कनाडा में भारतीयों के प्रवेश से जुड़ा विवाद** (वैंकूवर तट)
- इसके लिए **सोहनलाल पाठक** की अगुवाई में **'शोर कमिटी'** बनी थी
- जहाज **कलकत्ता के बजबज** लाया गया

ऐनी बेसेंट

- 20 अगस्त, 1917 को **माण्टेंग्यू घोषणा** के बाद बेसेंट ने होमरूल लीग की समाप्ति की घोषणा कर दी
- भारतीय राष्ट्रीय **कांग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष (1917)**
- **'कॉमनवील' (साप्ताहिक)** तथा **'न्यू इंडिया' (दैनिक)** नामक पत्र निकाले
- इन्होंने **'जॉर्ज अरूण्डेल'** को होमरूल लीग का सचिव बनाया
- भारत में होमरूल आंदोलन की शुरूआत की (कॉमनवील में 1914 में व्याख्या की)
- होमरूल लीग के सदस्यों की गिरफ्तारी के विरोध में एस. सुब्रमण्यम ने **'सर'** या **'नाइट'** की उपाधि **वापस** कर दी
- इनके **लीग का मुख्यालय अड्डयार** (मद्रास) में था
- ब्रिटिश महिला थीं, **'फेबियन आंदोलन' की प्रस्तावक**
- इन्होंने **होमरूल लीग को अखिल भारतीय स्वरूप** प्रदान किया

लाला लाजपत राय

- स्वामी दयानंद सरस्वती से प्रभावित होकर **आर्य समाज** से जुड़े
- **हिन्दू महासभा** से जुड़े थे
- कांग्रेस से जुड़े और पंजाब में कार्य किया
- **'शेरे पंजाब या पंजाब केसरी'** उपनाम
- 1928 में **साइमन कमीशन के विरोध** में **शांति मार्च** में **लाठीचार्ज से मौत**
- 1907 में बर्मा से निष्कासित, 1885 में लाहौर में DAV स्कूल स्थापित किया
- **राजनीतिक गुरू- मैजिनी**
- 1897 में **'हिन्दू राहत आंदोलन'**, 1921 में **'सर्वेंट्स ऑफ पीपल सोसायटी'** की स्थापना की
- अमेरिका **(न्यूयार्क)** में **1917** में **'होमरूल लीग ऑफ अमेरिका'** गठन
- **AITUC के अध्यक्ष, पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना में सहयोग**
- रॉलेट एक्ट एवं जालियावाला हत्याकांड का विरोध किया
- **साइमन कमीशन में कोई भारतीय न होने पर 1928 में विधानसभा में एक प्रस्ताव** पेश किया
- 1920 में **असहयोग आंदोलन में सहयोग**
- **1926 में केन्द्रीय विधानसभा के उपनेता** चुने गए

प्रमुख रचनाएँ

- यंग इंडिया, (न्यूज पेपर)
- इंग्लैंड डेब्ट टू इंडिया,
- इंडियाज विल टू फ्रीडम,
- मैसेज टू भागवत गीता,
- पॉलिटिकल फ्यूचर ऑफ इंडिया,
- द डिप्रेस्ड क्लासेज,
- आर्य समाज,
- द प्रॉब्लम ऑफ नेशनल एजुकेशन इन इंडिया।

GS World Committed To Excellence

महात्मा गांधी

1919–1939 का राष्ट्रवादी दौर

- भारतीय राजनीतिक में **महात्मा गांधी का आगमन सर्वप्रमुख घटना**
- **प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति का भारत पर असर हुआ** जिसने भारतीय जनता में राष्ट्रवाद को पुनः जीवित किया
- 1919 का मांटेंग्यू चेम्सफोर्ड सुधार
- **1917 की रूसी क्रांति** (लेनिन द्वारा सोवियत संघ की स्थापना) ने भी भारतीयों को प्रभावित किया

गांधी का परिचय

- **माता**– कस्तूरबा गांधी
- **पिता**– करमचंद गांधी
- **जन्म 2 अक्टूबर, 1969** पोरबंदर (**2 अक्टूबर** को संयुक्त राष्ट्र ने **2007 में 'विश्व अहिंसा दिवस'** मनाने की घोषणा की थी)
- मृत्यु 30 जनवरी, 1948 (बिड़ला हाऊस में नाथुराम गोडसे द्वारा हत्या)
- गोपाल कृष्ण **गोखले महात्मा गांधी** के राजनीतिक गुरू थे।
- **गांधी को 'राष्ट्रपिता सुभाष चन्द्र बोस ने कहा था**
- चम्पारण सत्याग्रह के दौरान **रवींद्रनाथ टैगोर ने गांधी को 'महात्मा' की उपाधि** दी थी।
- 1915 में गांधी ने अहमदाबाद में **'सत्याग्रह आश्रम'** की स्थापना की जिसे बाद में 1917 में साबरमती नदी के किनारे स्थानांतरित कर दिया गया
- गांधी ने बंबई में **'विधि कार्यालय'** की स्थापना की थी
- गांधी ने 1924 में हुए **'बेलगाम कांग्रेस अधिवेशन'** की अध्यक्षता की थी
- गुजरात के व्यापारी **दादा अब्दुल्ला** का मुकदमा लड़ने द. अफ्रीका गए (मई, 1893)
- 7 जून, 1893 को **पीटरमैरिट्जबर्ग स्टेशन (द. अफ्रीका)** पर उन्हें ट्रेन से बाहर गोरे अंग्रेजों द्वारा फेंक दिया गया था।

गांधी की प्रमुख रचनाएं–

- **सत्य के साथ मेरे प्रयोगों की कहानी**
- **हिन्द स्वराज**
- **गाँव स्वराज**
- **मेरे सपनों का भारत**
- रचनात्मक कार्यक्रम– इसका अर्थ और स्थान

द. अफ्रीका गांधी के कार्य

- डरबन में 1904 में **'फीनिक्स आश्रम'** स्थापित किया
- 1894 में **'नटाल इंडियन कांग्रेस'** की स्थापना
- **'इंडियन ओपिनियन'** नामक अखबार निकाला
- **'टॉलस्टॉय फार्म'** की स्थापना

चंपारण सत्याग्रह, 1917

- तीनकठिया पद्धति पर आधारित **नील की खेती** का मुद्दा
- गांधी ने अंग्रेजों को **'तीनकठिया पद्धति'** की समाप्ति हेतु मनाया
- **भारत में 'सत्याग्रह' का पहला प्रयोग**
- **राजकुमार शुक्ल** के बुलावे पर गांधी चंपारण गए

नोटः गांधी ने **'ग्रीन पम्पलेट'** किताब में दक्षिण अफ्रीका में भारतीय गिरमिटिया मजदूरों की स्थिति का वर्णन किया था।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

खेड़ा सत्याग्रह (जून, 1918)

- भू-राजस्व माफ नहीं करने के मुद्दे पर
- गांधी ने **'कर नहीं' आंदोलन** चलाया
- **गांधी ने सरदार पटेल के साथ** किसानों का समर्थन किया

अहमदाबाद आंदोलन (फरवरी, 1918)

- मिल मालिकों द्वारा **'प्लेग बोनस'** समाप्त करने के मुद्दे पर
- गांधी ने यहीं **'ट्रस्टीशिप का सिद्धांत'** दिया
- **नोट:** गांधी ने **पहली बार भूख हड़ताल** यहीं पर किया था
- इस आंदोलन के दौरान **गांधी ने प्रो० आनदशंकर ध्रुव को मध्यस्थता हेतु 'आर्बिट्रेटर' पेश किया था**
- गांधी ने अनुसुईया बेन, शंकर लाल बेंकर के साथ मिलकर **'अहमदाबाद टेक्सटाइल लेबर एसोसिएशन (1920)** की स्थापना की जो कि **भारत का सबसे पुराना टेक्सटाइल मजदूर संघ** है

रौलेट एक्ट (फरवरी, 1919)

- 1917 में **सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता में समिति** की सिफारिश पर पारित
- **वायसराय**- लॉर्ड चेम्सफोर्ड
- **काला कानून** कहलाया
- 19 मार्च, 1919 को लागू (39 वर्ष के लिए)
- इस कानून को **'बिना वकील, बिना अपील** तथा **'बिना दलील का कानून' कहा जाता है।**
- रॉलेट कमिटी को **'सैडिसन कमिटी'** भी कहते हैं
- **भारत का प्रथम जन आंदोलन** 'रॉलेट एक्ट' आन्दोलन था

जलियाँवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल, 1919)

- **जनरल ओ डायर** द्वारा गोली चलवाया गया
- पंजाब के नेता सैफुद्दीन किचलू और सत्यपाल की गिरफ्तारी के विरोध में जलियांवाला बाग में सभा
- **पंजाब का ले. गवर्नर माइकल डॉयर** था [इसकी हत्या ऊधम सिंह (अन्य नाम- राजा मो. सिंह आजाद) द्वारा 13 मार्च, 1940 को लंदन में की गई]
- **'इंडेमनिटी एक्ट या वाइट वॉशिंग बिल'** को अंग्रेज अधिकारियों को बचाने हेतु सरकार द्वारा पारित किया गया था
- जांच हेतु **'हंटर कमिटी' का गठन (डिस्ऑर्डर इंक्वायरी कमिटी) सदस्य-** चिमनलाल सीतलवाड़, जस्टिस रस्किन, राइस, सर जॉर्जबरो, सर टॉमस स्मिथ)

विरोध स्वरूप इस्तीफा/उपाधि

- **शंकर नायर** ने वायसराय की **कार्यकारिणी परिषद् के सदस्य इस्तीफा**
- महात्मा गांधी ने **'कैसर-ए-हिन्द'** की उपाधि वापस कर दी
- **रवींद्र नाथ टैगोर** ने **'सर' की उपाधि** वापस लौटा दी
- **जमनालाल बजाज** ने **'राय बहादुर' की उपाधि लौटा दी।**
- इस **हत्याकांड** के समय **पंजाब में चमनदीप** के नेतृत्व में **'डंडा फौज'** बनाया
- कांग्रेस ने इस घटना की जांच हेतु **मदन मोहन मालवीय की अध्यक्षता में समिति** बनाई (सदस्य- मोतीलाल नेहरू, महात्मा गांधी, सी.आर.दास, तैयबजी, जयकर इत्यादि)

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
GS World Committed To Excellence

असहयोग आंदोलन

रौलेट एक्ट, जालियांवाला बाग हत्याकांड और खिलाफत के मुद्दे पर गांधी द्वारा **1 अगस्त, 1920** में प्रारंभ

वायसराय लॉर्ड रीडिंग था

आंदोलन का प्रस्ताव **गांधी जी** ने तैयार किया तथा प्रस्ताव को **'सी.आर.दास'** द्वारा पेश किया गया था

'तिलक स्वराज्य फंड' के तहत 1 करोड़ से अधिक की राशि इकट्ठी हुई।

दिसंबर, 1920 में नागपुर कांग्रेस अधिवेशन में पुष्टि।

आंदोलन के दौरान **गिरफ्तार प्रथम व्यक्ति- मुहम्मद अली**

आंदोलन के दौरान वकालत छोड़ने वाले प्रमुख लोग -मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू, सी.आर. दास, राजगोपालाचारी, सैफुद्दीन

जिन्ना, एनी बेसेंट, जी.एस. कार्पेड, बी.सी.पाल ने **आंदोलन का समर्थन नहीं किया** और कांग्रेस छोड़ दिया।

अली बंधुओं ने इस आंदोलन के दौरान कराची में कहा था कि **"मुसलमान का सेना में रहना धर्म के खिलाफ है"**

इसी दौरान **सुरेन्द्र नाथ बनर्जी ने 'इंडियन नेशनल लिबरल फेडरेशन'** गठित किया

बंगाल और गुंटुरू में यूनियन बोर्ड टैक्सेज के खिलाफ **कर नहीं देने का आंदोलन** चला

17 नवंबर, , 1921 को 'प्रिंस ऑफ वेल्स' आगमन का विरोध हुआ।

पश्चिम बंगाल में आंदोलन के **नेता- जे.एम. सेन गुप्ता थे**

स्थानीय आंदोलन- अवध किसान आंदोलन, **एका आंदोलन (यू.पी.) मोवला (केरल)** आदि

आंदोलन में महिला, छात्र, किसान, मुसलमान, व्यापारी सभी ने सहयोग किया

5 फरवरी, 1922 को चौरी-चौरा कांड (अब चौरी-चौरा जनाक्रोश) के बाद गांधी जी ने 11 फरवरी, 1922 को आंदोलन को स्थगित कर दिया

नोट:- क्रांतिकारी विचारधारा के सभी प्रमुख नेताओं ने असहयोग आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी

खिलाफत का मुद्दा

1919 के शुरू में **मो. अली, शौकत अली,** मौलाना आजाद, अजमल खां, हसरत मोहानी के नेतृत्व में **'खिलाफत कमिटी' का गठन**

नवंबर, 1919 में **'खिलाफत का अखिल भारतीय सम्मेलन'** दिल्ली में (अध्यक्षता महात्मा गांधी)

गांधी जी अखिल भारतीय खिलाफत कमेटी के अध्यक्ष थे। उन्होंने इसे हिन्दू- मुस्लिम एकता मंच के रूप में देखा

खिलाफत कमेटी का **उद्देश्य** तुर्की के प्रति ब्रिटेन के रवैये को बदलने हेतु ब्रिटेन पर दबाव डालना था

तिलक ने शुरू में गांधी द्वारा खिलाफत के सहयोग का विरोध किया था

खिलाफत असहयोग आंदोलन की तीन मांगें-

1. **तुर्की के साथ सम्मानजनक व्यवहार**
2. **पंजाब में हुई ज्यादतियों का निराकरण**
3. **स्वराज की स्थापना**

GS World
Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
IAS GS World PCS

स्वराज पार्टी का गठन, 1923

- **'कांग्रेस-खिलाफत स्वराज पार्टी'** भी कहा जाता है।
- **इलाहाबाद में गठन** (मोतीलाल नेहरू, सी. आर. दास)
- 1920 में **पब्लिक सेफ्टी बिल** (सरकार अवांछित विदेशियों को देश से निर्वासित कर सकती थी) पर सरकार की पराजय स्वराजियों की बड़ी उपलब्धि थी
- स्वराजियों की तरफ से **1925 में विट्ठलभाई पटेल लेजिस्लेटिव एसेंबली के अध्यक्ष** चुने गये
- सी.आर.दास अध्यक्ष एवं मोतीलाल नेहरू सचिव
- **मदन मोहन मालवीय** 1923 के चुनाव में **'स्वतंत्र विधायक' चुने गये थे**
- **परिवर्तन समर्थक** (विधान परिषदों में प्रवेश की वकालत)- सी.आर. दास, मोतीलाल नेहरू एवं अजमल खान
- गांधी ने स्वराज पार्टी का बाद में समर्थन कर दिया था
- **परिवर्तन विरोधी** (विधान परिषदों में प्रवेश का विरोध)- पटेल, राजेन्द्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी, एम.ए.अंसारी
- लाला लाजपत राय, मालवीय भी स्वराज दल से जुड़े थे
- **उद्देश्य**- विधान परिषदों के कार्य संचालन को अवरूद्ध कर अपनी मांग पूरी करवाना
- नवंबर, 1923 के चुनाव में सेंट्रल लेजिस्लेटिव एसेंबली में 42 सीटें जीतीं

19वीं सदी के दूसरे एवं तीसरे दशक में क्रांतिकारी गतिविधियां

- गांधी द्वारा असहयोग आंदोलन अचानक वापस लेने से क्रांतिकारी संगठन पुन: सक्रिय हुए
- दो धाराएं थीं (**पहली**, पंजाब, यूपी, बिहार में **दूसरी** बंगाल में)

हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (1924)

- **संस्थापक**- रामप्रसाद बिस्मिल, योगेश चंद्रचटर्जी, सचीन्द्र सान्याल
- **क्षेत्र**- पंजाब, यूपी एवं बिहार में
- **स्थापना**- अक्टूबर, 1924 कानपुर
- मुख्य आधार व्यस्क मताधिकार हो
- सचींद्र सन्याल की पुस्तक **'बंदी जीवन'**
- **उद्देश्य**-सशस्त्र क्रांति के माध्यम से औपचारिक सत्ता को उखाड़ फेंकना तथा **यूनाइटेड स्टेटस ऑफ इंडिया** की स्थापना करना

काकोरी कांड

- यह घटना हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) का सबसे प्रमुख कार्य था
- **अगस्त 1925** को सहारनपुर- लखनऊ 8 डाउन रेलगाड़ी
- रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खां, राजेन्द्र लाहिड़ी और रोशन सिंह आदि पर **काकोरी षड्यंत्र का मुकदमा** चला वहीं चंद्रशेखर आजाद फरार हो गए

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA)

- **लाला लाजपत राय (साण्डर्स द्वारा लाठी चार्ज से मृत्यु)** की हत्या के विरोध में HSRA के तीन सदस्यों भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद तथा राजगुरू ने **साण्डर्स की हत्या** कर दी
- फरवरी 1931 में चंद्रशेखर आजाद ने इलाहाबाद में **अल्फ्रेड पार्क** में अंग्रेजों से मुठभेड़ में खुद को गोलीमार ली
- **काकोरी षड्यंत्र** के बाद HRA को पुनः संगठित किया गया
- **स्थापना (1928)** दिल्ली के फिरोजशाह कोटला में भगत सिंह, सचीन्द्र सांन्याल चंद्रशेखर आजाद द्वारा
- **यूपी के** शिव वर्मा, जयदेव कपूर, विजय कुमार वहीं **पंजाब से** सुखदेव, भगवती चरण वोहरा भी जुड़े थे
- भगत सिंह ने **'लाहौर छात्र संघ', 'भारत नौजवान सभा' (1926)** का गठन किया
- चंद्रशेखर आजाद के अनुरोध पर **भगवती चरण वोहरा** ने जनता को अपनी विचारधारा से अवगत कराने हेतु **(द फिलास्फी ऑफ बम)** नामक दस्तावेज लिखा।

केन्द्रीय विधानसभा बम घटना 8, अप्रैल, 1929

- **'ट्रेड डिस्प्यूट बिल', 'पब्लिक सेफ्टी बिल'** के विरोध में **भगत सिंह** तथा **बटुकेश्वर दत्त** ने बम फेंका था
- घटना के बाद भगत सिंह एवं बटुकेश्वर दत्त ने जानबूझकर गिरफ्तारी दी
- **उद्देश्य-** "किसी की हत्या नहीं अपितु सरकार को विरोध से अवगत कराना तथा बहरे को सुनाना था"
- **22 मार्च, 1931 को भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को 'लाहौर षड्यंत्र केस' में फांसी दी गई**

बंगाल में क्रांतिकारी घटनाएं

- 1925 में सी.आर.दास की मृत्यु के बाद **'अनुशीलन समिति'** और **'युगांतर समूह' ने क्रांतिकारी गतिविधियों** को अंजाम दिया
- **बंगाल में** बड़े पैमाने पर महिला क्रांतिकारी शामिल हुई
- **कलकत्ता के** कमिश्नर **चार्ल्स टेगार्ट** की हत्या करने के प्रयास में आरोपी **गोपनाथ साहा को फांसी दी गई**
- प्रीतिलता वाडेदार, कल्पना दत्त, सुनीति चौधरी, शांति घोष बीनादास आदि प्रमुख

चटगाँव शस्त्रागार लूट (अप्रैल, 1930)

- **सूर्यसेन नेतृत्वकर्ता** (अन्य सहयोगी- अंनत सिंह, गणेश घोष, लोकीनाथ बाउल)
- सूर्यसेन हिंदुस्तान रिपब्लिकन आर्मी, (चटगांव शाखा) के प्रमुख थे।
- सूर्यसेन शिक्षक थे, (**'मास्टर दा'** उपनाम)
- सूर्यसेन का कथन- **'सहृदयता क्रांतिकारी का विरोध गुण है'**

अन्य प्रमुख तथ्य

- **भगत सिंह का कथन**- 'क्रांति के लिए रक्तरंजित संघर्ष आवश्यक नहीं'
- जेल में रहते हुए **रामप्रसाद बिस्मिल** ने युवाओं से अपील की थी कि वे पिस्तौल और रिवाल्वर का साथ छोड़ दें, क्रांतिकारी षड्यंत्रों में हिस्सा न लें
- **अपने अंतिम दिनों में भगत सिंह का झुकाव मार्क्सवाद की ओर हो गया था**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

साइमन कमीशन

- इसके सभी सदस्य श्वेत होने के कारण भारत में विरोध हुआ
- लॉर्ड बिरकेनहेड आयोग को स्थापना हेतु जिम्मेदार था
- **'श्वेत कमीशन'** कहलाया
- **अन्य नाम–** 'भारतीय विधिक आयोग'
- **(अध्यक्ष) – जॉन साइमन**
  सदस्य– क्लाइमेट एटली, हेनरी लेवी लासन, एडवर्ड काडोगान, वर्नोन हार्टशॉर्नु जॉर्ज लेन फाइंस, डोनाल्ड हावर्ड
- 1919 के एक्ट में इसके गठन का प्रावधान
- **नवंबर, 1927 में गठन** (3 फरवरी, 1928 को कमीशन मुंबई आया)
- **उद्देश्य– भारत में 'उत्तरदायी शासन' की स्थापना** हेतु भारत तैयार है कि नहीं

साइमन कमीशन की सिफारिशें (1930 में प्रकाशित)

- उत्तरदायी सरकार का गठन
- केन्द्रीय विधानमंडल का पुनर्गठन जो संघीय भावना के अनुकूल हो, इसके सदस्यों को प्रांतीय विधानमंडलों द्वारा अप्रत्यक्ष चुना जाए
- केन्द्र एवं प्रांतों के उत्तरदायी सरकार के गठन का विरोध, मौलिक अधिकारों का कोई उल्लेख नहीं हुआ
- – सांप्रदायिक आधार पर चुनाव जारी रहे, वयस्क मताधिकार आधारित प्रत्यक्ष मतदान नहीं हो
  – नवंबर, **1927 के** मद्रास अधिवेशन **(अध्यक्ष एम.ए. अंसारी)** में कांग्रेस ने कमीशन के बहिष्कार का निर्णय लिया

नोट

साइमन कमीशन के विरोध में लाठी चार्ज के चलते **लाला लाजपत राय** ने मरने से पहले कहा– 'मेरे ऊपर जो लाठी का प्रहार किया गया है, वह एक दिन ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत की आखिरी कील साबित होगी'

साइमन कमीशन का समर्थन करने वाले संगठन– मुस्लिम लीग (मु.शफी गुट), जस्टिस पार्टी, यूनियनिस्ट पार्टी, अंबेडकर का डिप्रेस्ड क्लास एसोसिएशन

नेहरू रिपोर्ट, 1928

- मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में मई, 1928 में संविधान मसौदा तैयार करने हेतु समिति का गठन
- समिति के अन्य सदस्य– अली इमाम, सुभाष चन्द्र बोस, मंगल सिंह, तेज बहादुर सप्रू आदि प्रमुख थे
- 28 अगस्त, 1928 को रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसे लखनऊ सम्मेलन में स्वीकारा गया

प्रमुख बातें

- भारत को **पूर्ण औपनिवेशिक स्वराज्य** का दर्जा मिले।
- मुस्लिमों को अल्पसंख्यक क्षेत्रों में आरक्षित सीट
- **मौलिक अधिकार (महिलाओं को समान अधिकार, संघ बनाने की स्वतंत्रता, वयस्क मताधिकार आदि कुल 19)**
- केन्द्र में द्विसदनीय व्यवस्थापिका
- सिंध को बंबई से पृथक कर एक पृथक प्रांत बनाया जाए
- 'सार्वजनिक निर्वाचन प्रणाली' को समाप्त कर संयुक्त निर्वाचन पद्धति अपनाई जाए
- भाषाई आधार पर प्रांतों का गठन
- केन्द्र एवं प्रांतों में उत्तरदायी शासन की स्थापना
- भारत हेतु **उच्चतम न्यायालय, प्रतिरक्षा समिति संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना की जाए**
- **भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य होगा**

कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन 1929

- नवंबर 1929 में 'दिल्ली घोषणा पत्र' को वायसराय इरविन द्वारा अस्वीकार किए जाने के बाद यह अधिवेशन हुआ।
- **दिसंबर 1929 [अध्यक्ष- जवाहर लाल नेहरू**, (गांधी की मदद से]

प्रमुख बातें

- नेहरू रिपोर्ट के औपनिवेशिक स्वराज के लक्ष्य के बजाय **'पूर्ण स्वराज' की मांग**
- नेहरू ने युद्ध को **समाजवादी** घोषित किया
- कांग्रेस कार्यसमिति को **'सविनय अवज्ञा आंदोलन' प्रारंभ करने** का उत्तरदायित्व दिया गया
- गोलमेज सम्मेलन के बहिष्कार का निर्णय लिया गया
- **26 जनवरी, 1930** को देशभर में **प्रथम स्वतंत्रता दिवस मनाने** का निर्णय
- **नोट:-** 31 दिसंबर, 1929 को आधी रात को **रावी नदी के तट पर तिरंगा झंडा फहराया गया**

प्रथम गोलमेज सम्मेलन

- **साइमन कमीशन** की सिफारिश पर विचार करने हेतु **12 नवंबर, 1930 से 10 जनवरी 1931** तक आयोजित
- **अध्यक्षता रैम्जे मैकडोनाल्ड**
- लंदन के सेंट जेम्स पैलेस
- मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा, दलित वर्ग तथा भारतीय रजवाड़े शामिल हुए
- **सरकार एवं भारतीयों के मध्य समान स्तर पर आयोजित प्रथम वार्ता**
- **कांग्रेस ने बहिष्कार किया**

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन

- **7 सितंबर 1931 से 1 दिसंबर 1931 तक**
- अल्पसंख्यक एवं सांप्रदायिकता के मसले के कारण **सम्मेलन असफल** रहा
- **कांग्रेस की** तरफ से **एकमात्र प्रतिनिधि महात्मा गांधी** शामिल हुए (**राजपूताना जहाज** से लंदन गए)
- अन्य शामिल लोगों में, सरोजनी नायडू, एनी बेसेंट, डॉ. अंबेडकर आदि थे
- **गांधी के साथ जाने वालों में** महादेव देसाई, मदनमोहन मालवीय, देवदास गांधी, घनश्यामदास बिड़ला, मीराबेन थे।

तीसरा गोलमेज सम्मेलन

- **17 नवंबर, 1932 से 24 दिसंबर 1932 तक**
- कांग्रेस एवं गांधी शामिल नहीं हुए
- इसमें भारत शासन अधिनियम, 1935 के लिए ठोस योजना के अंतरिम स्वरूप को पेश किया गया

नोट:

- **अंबेडकर तीनों सम्मेलनों में शामिल हुए**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 | 9654349902
GS World

सविनय अवज्ञा आंदोलन, 1930

- गांधी ने **'यंग इंडिया'** में **'11 सूत्री' मांग** सरकार के समक्ष पेश की
- गांधी ने नमक को रणनीतिक मुद्दे के रूप में चुना

डांडी मार्च

- **24 दिनों** की यात्रा
- 12 मार्च- 6 अप्रैल, 1930
- 6 अप्रैल, को **नमक तोड़कर नमक सत्याग्रह शुरू।**
- इस **मार्च की तुलना** सुभाष चंद्र बोस ने **नेपोलियन के पेरिस मार्च** तथा **मुसोलिनी के रोम मार्च से** की

सांप्रदायिक निर्णय (16 अगस्त, 1932)

- **पृथक निर्वाचन** पद्धति को मुसलमानों, ईसाईयों, एंग्लो-इंडियन, सिखों के अतिरिक्त **हरिजनों पर भी** लागू किया गया
- **गांधी ने विरोध स्वरूप यरवदा जेल में आमरण अनशन किया।**
- **गांधी की मांग थी** कि दलित वर्ग के प्रतिनिधियों का चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर आम निर्वाचक मंडल के माध्यम से हो

आंदोलन विस्तार

- **गौडिनेल्यू** - मणिपुर में नेतृत्व (नेहरू ने इन्हें **'रानी'** की उपाधि दी थी)
- पश्चिमोत्तर भारत में **खान अब्दुल गफ्फार खां** ने नेतृत्व किया।
- आंदोलन के दौरान **वानर सेना, मंजरी सेना** गठित की गई
- **'गांधी- इरविन समझौते'** (**5 मार्च, 1931**) के बाद समाप्त हो गया
- **के. केलप्पन** ने 'मालाबार' में तट पर यात्रा की
- **बिहार में** (समुद्र न होने के कारण) नमक सत्याग्रह को **'सांकेतिक रूप'** में चलाया गया
- **धरसणा** में सरोजनी नायडू, इमाम साहब, मणिलाल ने नमक कानून पर प्रदर्शन किया था (इसका उल्लेख **वेब मिलर** ने किया है)
- **'द्वितीय सविनय अवज्ञा आंदोलन'** 1932-1934 तक चला

पूना समझौता

- अंबेडकर- गांधी के बीच (**24 सितंबर, 1932**)
- **मदन मोहन मालवीय** ने गांधी और हिन्दुओं की तरफ से, वहीं **अंबेडकर** पिछड़े वर्ग की तरफ से इस समझौते पर हस्ताक्षर किए

मुख्य बातें

- दलितों हेतु **'पृथक निर्वाचक मंडल'** समाप्त कर दिया गया
- प्रांतीय विधानमंडलों में **दलितों हेतु 147 सीटें आवंटित** (सांप्रदायिक पंचाट में 71 थीं)
- **केन्द्रीय विधानमंडल में 18% सीटें दलित वर्ग हेतु** आरक्षित
- ब्रिटिश सरकार ने इसे सांप्रदायिक समझौते का संशोधित रूप मानकर स्वीकार कर लिया
- दलित वर्ग हेतु सार्वजनिक सेवाओं, स्थानीय संस्थाओं को उचित प्रतिनिधित्व देने की व्यवस्था की गई

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 | 9654349902
IAS GS World PCS

गांधी द्वारा हरिजनों हेतु उठाए गए प्रमुख कदम

- सितंबर, 1932 में **'अखिल भारतीय अस्पृश्यता विरोधी लीग'** का गठन
- **जनवरी 1933 में 'हरिजन' साप्ताहिक पत्र आरंभ**
- गांधी ने दलितों को हरिजन कहा
- **अंबेडकर** अछूतों को हिन्दू समुदाय के बाहर धार्मिक अल्पसंख्यक मानते थे वहीं **गांधी** उन्हें हिन्दू समुदाय का अभिन्न अंग मानते थे।
- **'डिप्रेस्ड क्लासेज लीग' का नाम बदलकर 'हरिजन सेवक संघ' हुआ**
- – 7 नवंबर, 1933 को **वर्धा से हरिजन यात्रा शुरू** (जुलाई, 1934 तक)
  – यात्रा के दौरान हरिजन सेवक संघ हेतु कोष एकत्र किया

नोट:-
1. **1934 में गांधी ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया**
2. नेहरू, गांधी के **संघर्ष-समझौता-संघर्ष रणनीति** से असहमत थे

1934 के केन्द्रीय विधानसभा चुनाव

इसमें **कांग्रेस** ने भारतीयों हेतु आरक्षित 75 सीटों में से 45 सीटें जीती और सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी

प्रांतीय चुनाव, 1937

- 1935 के भारत शासन अधिनियम के आधार पर फरवरी 1937 में चुनाव हुए
- कांग्रेस ने शुरू में छह प्रांतों (**बंबई, मद्रास, मध्य भारत, उड़ीसा, बिहार एवं संयुक्त प्रांत**) तथा बाद में असम और पश्चिमोत्तर सीमांत प्रांत में मंत्रिमंडल का गठन किया (शासन 28 माह तक ही रहा)
- कांग्रेस ने 8 राज्यों में सरकार चलाने हेतु **संसदीय उपसमिति** बनाई थी जिसमें वल्लभभाई पटेल, अबुल कलाम आजाद, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे।
- **बंगाल** में कृषक प्रजा पार्टी, मुस्लिम लीग की संयुक्त सरकार बन गई।
- **पंजाब** में मुस्लिम लीग तथा 'युनियनिस्ट पार्टी' की संयुक्त सरकार बनाई गई
- **सिंध** में 'सिंध यूनाइटेड पार्टी' की सरकार बनी

विभिन्न प्रांतों की सरकार

- नेहरू, सुभाष चन्द्र बोस तथा साम्यवादी दलों ने **चुनावों में भागीदारी का विरोध** किया था
- **1938 में** कांग्रेस अध्यक्ष बोस ने **'राष्ट्रीय योजना समिति (अध्यक्ष नेहरू)** का गठन किया
- द्वितीय विश्व युद्ध से उत्पन्न राजनीतिक संकटों के चलते अक्टूबर, **1939 में कांग्रेस मंत्रिमंडलों ने त्यागपत्र दे दिया**

कांग्रेस का हरिपुरा एवं त्रिपुरी अधिवेशन

हरिपुरा

- **फरवरी 1938 (विट्ठल नगर)**
- **अध्यक्ष**– सुभाष चन्द्र बोस
- बोस के राष्ट्रीय नियोजन समिति का उद्देश्य **'औद्योगिकीकरण पर आधारित भारत के आर्थिक विकास हेतु योजना निर्माण करना'** था (गांधी ने इसका विरोध किया था)

त्रिपुरी संकट

- बोस बनाम **सीतारमैया (अध्यक्ष पद हेतु विवाद)**
- **चुनाव में बोस जीते,**
- बोस के बदले **राजेन्द्र प्रसाद नए अध्यक्ष मनोनीत** हुए
- गांधी– 'यह सीतारमैया से अधिक मेरी हार है'
- **मौलाना आजाद** द्वारा नाम वापस लेने पर **गांधी ने सीतारमैया को अपना प्रत्याशी चुना था**
- बोस ने अध्यक्ष पद से त्यागपत्र देकर **'फारवर्ड ब्लॉक' का गठन किया**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
GS World Committed To Excellence

कांग्रेस समाजवादी पार्टी, 1934

जयप्रकाश नारायण, नरेन्द्र देव, अच्युत पटवर्धन, मीनू मसानी द्वारा गठन

पहला सम्मेलन 21 अक्टूबर, 1934 को बंबई में (अध्यक्ष- नरेन्द्रदेव सचिव- जयप्रकाश नारायण)

बॉम्बे मेनिफेस्टो (1936)

बंबई के 21 व्यापारियों द्वारा प्रस्तावित

इसमें प्रत्यक्षत: समाजवादी आदर्शों का विरोध किया गया

आजाद हिन्द फौज (इंडियन नेशनल आर्मी)

- **कैप्टन मोहन सिंह द्वारा गठित**
- 11 सितंबर, 1942 को इसकी पहली डिविजन बनी
- **द वे आउट पंपलेट सी. राजागोपालाचारी द्वारा संवैधानिक गतिरोध** दूर करने हेत जारी किया गया। **इसे सी. आर. फार्मूला (जुलाई, 1944) भी** कहते हैं।
- फौज के सिफारिशों पर **'लाल किले में मुकदमा'** चला, जिन्हें बचाने हेतु कांग्रेस ने 'आजाद हिन्द समिति' (वकील- भूलाभाई देसाई, तेज बहादुर एवं नेहरू ने) का गठन किया।
- **21 अक्टूबर, 1943 को 'सुभाष चन्द्र बोस' इसके 'सेनापति' बने**
- **बोस ने 21 अक्टूबर 1943 को सिंगापुर में 'स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार' का गठन किया (मुख्यालय- रंगून एवं सिंगापुर)**
- **जर्मनी, जापान आदि ने इस सरकार को समर्थन किया।**
- मई 1945 ब्रिटिश सेना द्वारा **रंगून पर अधिकार के बाद** हिन्दू फौज ने जापान के साथ समर्पण कर दिया
- 6 नवंबर, 1943 को जापानी सेना ने आजाद हिन्द फौज को अंडमान एवं निकोबार सौंपे। **बोस ने अंडमान को 'शहीद द्वीप' तथा 'निकोबार स्वराज द्वीप' कहा था**
- **मार्च 1944 में** फौज की सेनाएं पूर्वी भारत के कोहिमा और नागालैंड तक आ गई थी
- फौज में **रानी झांसी रेजिमेंट, सुभाष ब्रिगेड, नेहरू ब्रिगेड, गांधी ब्रिगेड** स्थापित किए थे
- **बोस- 'तुम मुझे खून दो, मै तुम्हें आजादी दूंगा'**

द्वितीय विश्वयुद्ध एवं कांग्रेस

31 सितंबर, 1939 को शुरू

वायसराय लिनलिथगो

कांग्रेस ने भारत को युद्ध में शामिल करने पर **मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया**

वायसराय ने **बिना भारतीय जनता से विचार विमर्श किए भारत को जर्मनी के विरूद्ध युद्धरत राष्ट्र घोषित कर दिया**

कांग्रेस की लिनलिथगो से मांग

1. युद्ध पश्चात संविधान सभा की स्थापना
2. स्वतंत्र भारत की राजनैतिक, संरचना पर विचार
3. केन्द्र में उत्तरदायी सरकार की स्थापना

नोट: वायसराय लिनलिथगो ने कांग्रेस की उपर्युक्त मांगों को नहीं माना।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

पाकिस्तान प्रस्ताव मार्च, 1940

- मुस्लिम लीग का **लाहौर अधिवेशन**
- मुस्लिम क्षेत्रों के गठन के मुद्दे पर
- **अध्यक्ष जिन्ना ने 'पाकिस्तान राष्ट्र' की मांग की**

अगस्त प्रस्ताव, 1940

- **कांग्रेस ने इसे अस्वीकार कर दिया**
- **पाकिस्तान का मुद्दा शामिल न होने** के कारण मुस्लिम लीग ने भी अस्वीकार कर दिया
- 8 अगस्त को **'लिनलिथगो' द्वारा घोषित**

मुख्य बातें

- भारत हेतु 'डोमिनियन स्टेटस' मुख्य लक्ष्य
- **अल्पसंख्यकों को बिना** विश्वास में लिए **किसी भी संवैधानिक परिवर्तन को लागू नहीं किया जाएगा**
- **'संविधान सभा'** का गठन
- भारतीयों को सम्मिलित कर **'युद्ध सलाहकार परिषद्' की स्थापना**
- वायसराय की **कार्यकारिणी परिषद् का विस्तार**

नोट

- जुलाई, 1941 में वायसराय की कार्यकारिणी परिषद् का विस्तार कर भारतीयों को पहली बार बहुमत दिया गया था
- बोस ने **'फ्री इंडियन लीजन'** नामक सेना का गठन किया था।

व्यक्तिगत सत्याग्रह, 1940–41

- **अगस्त प्रस्ताव को कांग्रेस द्वारा अस्वीकार करने के बाद गांधी द्वारा शुरू**
- **प्रथम – सत्याग्रही विनोबा भावे**
- **दूसरे-जवाहरलाल नेहरू**
- **तीसरे- ब्रह्म दत्त**
- 17 अक्टूबर, 1940 को **पवनार आश्रम (महाराष्ट्र) से शुरू**

क्रिप्स मिशन (मार्च, 1942)

- ब्रिटिश सदस्य एवं मजदूर नेता **'सर स्टैफर्ड क्रिप्स' के नेतृत्व में**
- **उद्देश्य – भारत में राजनीतिक विरोध दूर करना, द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों का सहयोग प्राप्त करना**
- **कांग्रेस एवं लीग ने क्रिप्स प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया**
- **क्रिप्स ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का समर्थन किया**
- **कांग्रेस के तरफ से नेहरू एवं मौलाना आजाद वार्ताकार थे**
- हिन्दू महासभा, दलित, सिक्ख उदारवादी ने भी इसकी आलोचना की

मुख्य बातें

- **डोमिनियन राज्य दर्जे के साथ 'भारतीय संघ' की स्थापना**
- **भारतीय संघ** राष्ट्रमंडल, संयुक्त राष्ट्र संघ एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में **अपनी भूमिका हेतु स्वतंत्र होगा**
- युद्ध समाप्ति के बाद **नये संविधान निर्माण हेतु 'संविधान निर्मात्री परिषद्' का गठन**
- परिषद् द्वारा **निर्मित संविधान जिन प्रांतों को स्वीकार नहीं होगा, वे भारतीय संघ से पृथक रह सकेंगे** (पृथक प्रांतों एवं देशी रियासतों को अलग संविधान बनाने का अधिकार)
- उक्त व्यवस्था होने तक ब्रिटेन, भारत के सुरक्षा दायित्वों का निर्वहन करेगा
- **गवर्नर-जनरल की समस्त शक्तियां पूर्ववत** रहेंगी।

नोट:- "क्रिप्स मिशन आगे की तारीख का चेक था, जिसका बैंक नष्ट होने वाला था" – महात्मा गांधी

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
GS World IAS PCS

भारत छोड़ो आन्दोलन (9 अगस्त, 1942)

- क्रिप्स मिशन की असफलता के बाद शुरू
- वर्धा बैठक 14 जुलाई, 1942 में संघर्ष गांधीवादी प्रस्ताव को स्वीकृति
- 1 अगस्त, 1942 को इलाहाबाद में 'तिलक दिवस' मनाया गया।
- गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया
- गांधी को 'संघर्ष का नेता' चुना गया
- 7 अगस्त 1942 को ग्वालिया टैंक (मुंबई, मौलाना आजाद अध्यक्ष) में वर्धा प्रस्ताव की पुष्टि
- नेहरू ने 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' पेश किया, जिसे 8 अगस्त, 1942 को स्वीकारा गया

आंदोलन की प्रगति एवं प्रसार

- **प्रमुख केन्द्र**- पूर्वी यूपी, बिहार मिदनापुर, महाराष्ट्र एवं कर्नाटक।
- 'ऑपरेशन जीरोऑवर' के तहत नेताओं की गिरफ्तारी
- **कांग्रेस रेडियो** (उषा मेहता, लोहिया)
- यह नेतृत्व विहीन आंदोलन था
- **कांग्रेस प्रसारण स्टेशन**- बंबई नासिक
- **भूमिगत कार्य के नेता** पटनायक, अरूणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी आदि
- आम जनता, उद्योगपतियों, छात्रों, आदि ने पूर्ण सहयोग किया
- जेपी नारायण ने **'आजाद दस्ता' का गठन** किया
- **समानांतर सरकार**- बलिया (चितू पांडे), तामलूक, सतारा में
- गांधी के अन्य आंदोलनों की अपेक्षा इसमें अधिक हिंसा हुई फिर भी गांधी जी ने आंदोलन वापस नहीं लिया
- ब्रिटिश सरकार द्वारा आंदोलन के दमन पर गांधी ने **'आगा खां पैलेस' में 10 फरवरी**, 1943 को उपवास रखा

देसाई लियाकत फार्मूला जनवरी, 1945

- भूलाभाई देसाई (कांग्रेस) ने लियाकत अली (मुस्लिम लीग) से मिलकर केन्द्र में अंतरिम सरकार के गठन हेतु प्रस्ताव तैयार किया
- लीग एवं कांग्रेस के बीच इस पर समझौता नहीं बना बल्कि मतभेद और बढ़ गए

मुख्य बातें

- कांग्रेस, लीग, अंतरिम सरकार में समान सदस्यों को मनोनीत करेंगे
- 20% स्थान अल्पसंख्यकों हेतु सुरक्षित रहेंगे

वेवेल योजना (4 जून, 1945)

- वेवेल ने **25 जून को शिमला सम्मेलन** बुलाया
- शिमला सम्मेलन में **कांग्रेस प्रतिनिधि** मौलाना आजाद थे।
- वेवेल ने खुद शिमला सम्मेलन को असफल मानकर समाप्त कर दिया
- चर्चिल द्वारा लिनलिथगो के बजाय भारत का वायसराय लॉर्ड वेवेल को बनाया गया
- कांग्रेस ने भी योजना का विरोध किया
- मुस्लिम लीग ने मौलाना आजाद को परिषद् का कांग्रेस सदस्य बनाने का विरोध किया

मुख्य बातें

- गवर्नर जनरल और कमांडर इन चीफ को छोड़कर, गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी के सभी सदस्य भारतीय होंगे।
- परिषद् में हिन्दू, मुस्लिमों की संख्या बराबर रहेगी
- द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति पर **नये संविधान निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी**
- गवर्नर जनरल का **'वीटो पावर'** बना रहेगा

GS World Committed To Excellence

आम चुनाव, 1945

लेबर पार्टी (क्लीमेंट एटली) के सरकार बनाने के बाद दिसंबर, 1945 में ये चुनाव भारत में हुए

पंजाब में यूनियनवादी कांग्रेस एवं अकाली गठबंधन ने **'खिज्र हयात खां'** के नेतृत्व में सरकार बनायी।

मुस्लिम लीग ने 30 सीटें जीती (प्रांतीय चुनावों में बंगाल, सिंध में बहुमत)

कांग्रेस को केन्द्रीय एसेंबली की 102में से 57 सीटें मिली

प्रांतीय चुनावों में जहाँ कुल आबादी के 10% वहीं केन्द्रीय एसेंबली में मात्र 1% ने मतदान किया

कांग्रेस ने बंगाल, सिंध, पंजाब छोड़कर लगभग सभी अन्य प्रांतों में बहुमत प्राप्त किया

'पृथक निर्वाचन पद्धति' को अपनाया गया

1945–46 में विद्रोह की प्रमुख घटनाएं

कलकत्ता में (आजाद हिंद फौज पर मुकदमें को लेकर)

कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर तो इन आंदोलनों का समर्थन नहीं किया लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग किया

फरवरी, 1946 में बंबई में **(HMIS तलवार के) रॉयल इंडियन नेवी** 'के नाविकों द्वारा जिन्ना एवं पटेल के आग्रह के बाद नाविकों ने समर्पण किया

इन विद्रोहों में पूरे शहर के लोग आंदोलनकारियों के समर्थन में आ गए, जिससे ब्रिटिश विरोधी भावनाएं उठीं

कैबिनेट मिशन

एटली ने फरवरी, 1946 में इसकी घोषणा की

24 मार्च, 1946 को दिल्ली आगमन

भारत को शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण हेतु उपायों, संभावनाओं की तलाश करने के उद्देश्य से गठित

6 जून, 1946 को **मुस्लिम लीग** तथा 24 जून, 1946 को **कांग्रेस ने मिशन के दीर्घावधि प्रस्तावों को स्वीकार लिया**

जुलाई, 1946 में **संविधान सभा के गठन** हेतु प्रांतीय व्यवस्थापिकाओं में चुनाव संपन्न हुए

सदस्यः
1. **लॉर्ड पैथिक लारेंस** (भारत सचिव)
2. **स्टैफर्ड क्रिप्स** (व्यापार बोर्ड अध्यक्ष)
3. **ए.वी. अलेक्जेंडर** (नौसेना मंत्री)

लीग ने **16 अगस्त, 1946** को **'प्रत्यक्ष कार्रवाइ दिवस'** मनाया (प्रभावित क्षेत्र– **कलकत्ता, सिलहट, नोआखाली, बिहार, त्रिपुरा, गढ़मुक्तेश्वर** आदि)

मुस्लिम लीग ने 29 जुलाई, 1946 को अपनी स्वीकृति वापस ले ली और पाकिस्तान हेतु **'सीधी कार्यवाही'** का आह्वान किया।

मुख्य बातें

ब्रिटिश भारत और देशी रियासतों को मिलाकर 'भारतीय संघ' का निर्माण, जो रक्षा, संचार, विदेशी मामलों को देखेगा (शेष विषय एवं (अवशिष्ट शक्तियां राज्यों' को)

'पूर्वी पाकिस्तान' गठन की मांग अस्वीकार

प्रांतों को तीन समूहों (क,ख,ग,) में बांटा गया

संविधान निर्मात्री सभा का गठन [प्रांतीय विधानसभाओं, देशी रियासतों के प्रतिनिधियों द्वारा]

अंतरिम सरकार सितंबर, 1946

- वेवेल ने नेहरू को अंतरिम सरकार बनाने का नियंत्रण दिया
- 9 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक हुई (अस्थायी अध्यक्ष- डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा (कृपलानी की सलाह पर)
- लीग ने संविधान सभा का विरोध किया
- 21 सितंबर को नेहरू ने अपने सहयोगियों के साथ वायसराय की काउंसिल सदस्यता की शपथ ली।
- मुस्लिम लीग सभा की प्रथम बैठक में शामिल नहीं हुई थी।

अंतरिम सरकार के मंत्री कांग्रेस के नेता

जवाहरलाल नेहरू- परिषद् के उपाध्यक्ष, विदेश मामले एवं कॉमनवेल्थ
वल्लभभाई पटेल- गृह, सूचना एवं प्रसारण
बलदेव सिंह- रक्षा
डा. जॉन मथाई- उद्योग एवं आपूर्ति
सी. राजगोपालाचारी- शिक्षा
सी. एच. भाभा- निर्माण, खनन एवं ऊर्जा
जगजीवन राम- श्रम
राजेन्द्र प्रसाद- कृषि एवं खाद्य
आसफ अली- रेलवे

लीग के नेता

लियाकत अली- वित्त
इस्माइल चुंद्रगर- वाणिज्य
अब्दुल निश्तर- संचार
गजनफर अली खां- स्वास्थ्य
जोगेन्द्र नाथ मंडल- कानून

माउंटबेटन योजना फरवरी, 1947

- **20 फरवरी, 1947** एटली ने **'हाउस ऑफ कॉमस' में घोषणा** की कि '30 जून, 1948' तक भारतीयों को सत्ता सौंप दी जाएंगी।
- लार्ड माउंटबेटन 24 मार्च, 1947 को गवर्नर जनरल बने

मुख्य बातें

- 3 जून, को माउंटबेटन ने सत्ता हस्तांतरण की योजना प्रस्तुत की (**3 जून योजना**)
- योजना को कांग्रेस तथा लीग ने स्वीकार लिया
- 14 जून 1947 को 'गोविंदवल्लभ पंत' ने कांग्रेस महासमिति बैठक में इस योजना की स्वीकृति का प्रस्ताव पेश किया
- 15 अगस्त 1947 को भारत, पाकिस्तान डोमिनियन स्टेटस (अधिराज्य) के रूप में स्थापित होंगे।
- भारतीय रजवाड़ों को भारत या पाक में शामिल होने की इजाजत होगी, उन्हें स्वतंत्र रहने का विकल्प नहीं था।
- उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत तथा असम के सिलहट जिले में जनमत संग्रह
- सिंध अपना निर्णय स्वयं लेगा
- दो संविधान सभाओं का निर्माण
- बंगाल को स्वतंत्रता देने से मना, हैदराबाद की पाकिस्तान में सम्मिलित होने की मांग अस्वीकृत।
- विभाजन गतिरोध पर एक **'सीमा आयोग'** का गठन।

परीक्षोपयोगी जानकारी

- **1914** – हिन्दू महासभा गठन (मदन मोहन मालवीय)
- **1925** – राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का गठन। (के.बी. हेडगेवार)
- **1925** – भारतीय कम्युनिस्ट का गठन।

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947

- **'मांउटबेटन योजना'** के आधार पर **4 जुलाई, 1947 को ब्रिटिश संसद में** यह अधिनियम पेश हुआ।
- **15 जुलाई** को **'हाउस ऑफ कॉमंस'** द्वारा स्वीकृत
- **16 जुलाई को 'लार्डस सभा'** में स्वीकृत
- **18 जुलाई को सम्राट द्वारा** पारित

मुख्य बातें

- भारत, पाक के विधानमंडलों को कुछ विषयों पर कानून निर्माण का पूर्ण अधिकार दिया गया।
- 15 अगस्त, 1947 को **भारत, पाक दो डोमिनियन** के रूप में होंगे
- **पाकिस्तान** के **प्रथम गवर्नर 'जिन्ना'** तथा **भारत** के **'माउंटबैटन'** बने।

नोट

15 अगस्त, 1947 तक 136 देशी रियासतें भारत में शामिल हो चुकीं थी। वहीं **कश्मीर** ने 26 अक्टूबर, 1947 को, **हैदराबाद** एवं **जूनागढ़** ने 1948 ने विलय- पत्रों पर हस्ताक्षर किये।

स्वतंत्रता-आंदोलन से संबंधित प्रकाशित पत्र, पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें	
पत्र-पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें	**लेखक/संपादक**
अभ्युदय, लीडर, हिन्दुस्तान	मदनमोहन मालवीय
इंडियनमिरर, वामबोधिनी	केशवचन्द्र सेन
इंडिपेंडेंट	मोतीलाल नेहरू
काल	परांजपे
कामरेड, हमदर्द	मुहम्मद अली
केसरी (मराठी), **मराठा या महरट्टा** (अंग्रेजी), गीता रहस्य	बाल गंगाधर तिलक
कर्मयोगी, युगान्तर, वन्देमातरम, लाइफडिवाइन, सावित्री	अरविंद घोष
नेशन, द हितवाद (अंग्रेजी साप्ताहिक)	गोपाल कृष्ण गोखले
बंगाली, **ए नेशन इन मेकिंग**	सुरेन्द्र नाथ बनर्जी
भवानी मंदिर	बरिन्द्र कुमार घोष
यंग इंडिया, हरिजन, नवजीवन, हिन्दस्वराज, माई एक्सपेरीमेंट विथट्रुथ	महात्मा गांधी
संवाद कौमुदी	राजा राममोहन राय
सोमप्रकाश	ईश्वरचन्द्र विद्यासागर
अमृत बाजार पत्रिक	शिशिर कुमार घोष
कॉमन विल, न्यूइंडिया	एनीबेसेंट
फ्री हिन्दुस्तान	तारकनाथ दास
द रिवोल्यूशनरी	शचीन्द्रनाथ सान्याल
पावर्टी एंड अन ब्रिटिश रूल इन इंडिया, रस्ट गुफ्तूर	दादाभाई नौरोजी
इंडिया डिवाइडेड	डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद
अनहैपी इंडिया	लाला लाजपत राय
इंडिया विन्स फ्रीडम, गुबारे खातिर, **अल हिलाल**	अबुल कलाम आजाद
डिस्कवरी ऑफ इंडिया, ग्लिम्प्सेज ऑफ वर्ल्ड हिस्ट्री, एन ऑटोबायोग्राफी	जवाहरलाल नेहरू
हिन्ट्स फॉर सेल्फ कल्चर	लाला हरदयाल
इंडियन अनरेस्ट	सर वैलेंटाइन शिरॉल
इंडिया फॉर इंडियन्स, द वे टू स्वराज	चित्तरंजन दास
वॉर ऑफ इंडियन इंडिपेंडेंस	वीर सावरकर
होम एंड द वर्ल्ड, गीतांजलि	रवीन्द्र नाथ ठाकुर
नील दर्पण	दीनबंधु मित्र
सीजे वतन, **कर्मभूमि, शतरंज के खिलाड़ी**	प्रेमचन्द्र
वाँगे दरा, तराने हिन्द	मुहम्मद इकबाल
भारत भारती	मैथिलीशरण गुप्त
भारत दुर्दशा	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
काँग्रेस का इतिहास	पट्टाभि सीतारमय्या
सत्यार्थ प्रकाश	दयानंद सरस्वती
इंडियन स्ट्रगल	सुभाष चन्द्र बोस
आनंदमठ, देवी चौधुरानी	बंकिमचन्द्र चटोपाध्याय
बंदी जीवन	शचीन्द्र नाथ सान्याल
मेरा जीवन संघर्ष, खेत मजदूर, हुंकार	स्वामी सहजानंद सरस्वती

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
IAS GS World PCS

कॉंग्रेस अधिवेशन

अधिवेशन	वर्ष	स्थान	अध्यक्ष	विशेष
पहला	**1885**	**बंबई**	**व्योमेशचन्द्र बनर्जी**	72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया
दूसरा	1886	कलकत्ता	**दादाभाई नौरोजी**	–
तीसरा	1887	मद्रास	**बदरूद्दीन तैय्यबजी**	प्रथम मुस्लिम अध्यक्ष
चौथा	1888	इलाहाबाद	**जॉर्ज यूल**	प्रथम अंग्रेज
पांचवाँ	1889	बंबई	**सर विलियम बेडरबर्न**	–
छठा	1890	कलकत्ता	**सर फिरोजशाह मेहता**	–
सातवाँ	1891	नागपुर	प्रो० आनंद चार्लू	–
आठवाँ	1892	इलाहाबाद	**व्योमेशचन्द्र बनर्जी**	–
नौवाँ	1893	लाहौर	**दादाभाई नौरोजी**	–
दसवाँ	1894	मद्रास	**अल्फ्रेड वेब**	आयरिश व्यक्ति थे
ग्यारहवाँ	1895	पूना	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी	–
बारहवाँ	1896	कलकत्ता	**रहीमतुल्ला सयानी**	पहली बार 'वंदे मातरम' गया गया
तेरहवाँ	1897	अमरावती	सी० शंकरन नायर	–
चौदहवाँ	1898	मद्रास	आनंदमोहन दास	–
पन्द्रहवाँ	1899	लखनऊ	रमेशचन्द्र दत्त	–
सोलहवाँ	1900	लाहौर	एन०जी० चन्द्रावरकर	–
सत्रहवाँ	1901	कलकत्ता	दिनशा इदुलजी वाचा	–
अठारहवाँ	1902	अहमदाबाद	सुरेन्द्रनाथ बनर्जी	–
उन्नीसवाँ	1903	मद्रास	लालमोहन घोष	–
बीसवाँ	1904	बंबई	सर हेनरी काटन	–
इक्कीसवाँ	1905	बनारस	गोपालकृष्ण गोखले	–
बाइसवाँ	1906	कलकत्ता	दादाभाई नौरोजी	**पहली बार 'स्वराज' शब्द का प्रयोग**
तेइसवाँ	1907	सूरत	डॉ० रासबिहारी घोष	**कॉंग्रेस का प्रथम विभाजन**
चौबीसवाँ	1908	मद्रास	डॉ० रासबिहारी घोष	**कॉंग्रेस संविधान का निर्माण**
पच्चीसवां	1909	लाहौर	पं० मदनमोहन मालवीय	–
छब्बीसवाँ	1910	इलाहाबाद	**सर बिलियम वेडरबर्न**	–
सताइसवाँ	1911	कलकत्ता	पं० बिशननारायण धर	पहली बार **जन गण मन** गया गया
अटठाइसवाँ	1912	बांकीपुर (पटना	आर०एन० मोधोलकर	–
उनतीसवाँ	1913	कराची	नवाब सैयद मो० बहादुर	–
तीसवाँ	1914	मद्रास	भूपेन्द्रनाथ बसु	–
इकतीसवाँ	1915	बंबई	सर सत्येन्द्र प्रसन्न सिन्हा	लॉर्ड बेलिंगटन ने भाग लिया

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
IAS GS World PCS

काँग्रेस अधिवेशन

बत्तीसवाँ	1916	लखनऊ	अंबिकाचरण मजूमदार	मुस्लिम लीग से समझौता
तैतीसवाँ	**1917**	**कलकत्ता**	**श्रीमती एनी बेसेंट**	**प्रथम महिला अध्यक्ष**
विशेष अधिवेशन	1918	बंबई	हसन इमाम	काँग्रेस का दूसरा विभाजन
चौतीसवाँ	1918	दिल्ली	पं० मदनमोहन मालवीय	–
पैंतीसवाँ	1919	अमृतसर	पं० मोतीलाल नेहरू	–
छत्तीसवाँ	1920	नागपुर	सी०वि० राधवाचारियर	काँग्रेस संविधान में परिवर्तन
विशेष अधिवेशन	1920	कलकत्ता	लाला लाजपत राय	–
सैंतीसवाँ	1921	अहमदाबाद	हकीम अजमल खाँ	–
अड़तीसवाँ	1922	गया	देशबंधु चितरंजन दास	–
उनचालीसवाँ	1923	काकीनाड़ा	मौलाना मोहम्मद अली	–
विशेष अधिवेशन	1923	दिल्ली	अबुल कलाम आजाद	सबसे युवा अध्यक्ष
चालीसवाँ	**1924**	**बेलगाम**	**महात्मा गाँधी**	–
इकतालीसवाँ	**1925**	**कानपुर**	**श्रीमती सरोजिनी नायडू**	**प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष**
बयालीसवाँ	1926	गुवाहाटी	एस० श्रीनिवास आयगार	दस्यों हेतु खादी वस्त्र अनिवार्य
तेतालीसवाँ	1927	मद्रास	**डॉ० एम०ए० अंसारी**	**पूर्ण स्वाधीनता की माँग**
चौवालीसवाँ	1928	कलकत्ता	पं० मोतीलाल नेहरू	–
पैंतालीसवाँ	**1929**	लाहौर	**पं० जवाहरलाल नेहरू**	**पूर्ण स्वराज की माँग**
छियालीसवाँ	1931	कराची	**सरदार बल्ल्भई भाई पटेल**	**मौलिक अधिकार** की माँग
सैंतालीसवाँ	1932	दिल्ली	अमृत रणछोड़ दास सेठ	–
अड़तालीसवाँ	1933	कलकत्ता	श्रीमती नेल्ली सेनगुप्ता	–
उनचासवाँ	1934	बंबई	**डॉ० राजेन्द्र प्रसाद**	–
पचासवाँ	1936	लखनऊ	पं० जवाहरलाल नेहरू	–
इक्यावनवाँ	**1937**	**फेजपुर**	**पं० जवाहरलाल नेहरू**	**गाँव में आयोजित प्रथम अधिवेशन**
बावनवाँ	1938	हरिपुरा	**सुभाष चन्द्र बोस**	–
तिरपनवाँ	1939	त्रिपुरी	**सुभाष चन्द्र बोस**	–
चौवनवाँ	1940	रामगढ़	**अबुल कलाम आजाद**	–
पचपनवाँ	1946–47	मेरठ	**आचार्य जे०बी० कृपलानी**	**आजादी के समय अध्यक्ष**
छप्पनवाँ	1948	जयपुर	श्री पट्टाभि सीतारमैया	–
सनतावनवाँ	1950	नासिक	पुरुषोत्तम दास टंडन	–

नोटः डॉ० राजेन्द्र प्रसाद 1947 ई० में दिल्ली में हुई विशेष अधिवेशन के अध्यक्ष थे।

ब्रिटिश प्रशासन के विरुद्ध प्रमुख जनजातीय एवं अन्य विद्रोह

विद्रोह	अवधि (ई० सन्)	प्रभावित क्षेत्र	नेतृत्वकर्ता
संन्यासी विद्रोह	1770–1800	बिहार, बंगाल	केना सरकार, दिर्जिनारायण
फकीर विद्रोह	1776–77	बंगाल	मजनुशाह एवं चिराग अली
चुआर विद्रोह	1768	बाकुड़ा (बंगाल)	दुर्जन सिंह
पॉलीगारों का विद्रोह	1801–1856	तमिलनाडु	वीर पी काट्टावाम्मान
वेलाटम्पी विद्रोह	1808–09	ट्रावनकोर	मेलुथाम्पी
भील विद्रोह	1818–1846	पश्चिमी घाट	सेवाराम
समीसी विद्रोह	1822–41	पश्चिमी घाट	चित्तर सिंह
पागलपन्थी विद्रोह	1825–50	असम	टीपू (करमशाह का पूत्र)
अहोम विद्रोह	1828	असम	गोमधर कुँवर
वहाबी आंदोलन	1831	बिहार, उत्तर प्रदेश	सय्यद अहमद तुतीमीर
कोल आंदोलन	1831–32	छोटानागपुर (झारखण्ड)	गोमधर कुँवर
खासी विद्रोह	1833	असम	तीरत सिंह
फरायजी आंदोलन	1838–48	बंगाल	हाजी शरीयतुल्ला, दादू मियाँ
नील विद्रोह	1859–60	बंगाल, बिहार	दिगम्बर विश्वास और विष्णु विश्वास
सन्थाल विद्रोह	1855–56	बंगाल, बिहार	सिद्धू–कान्हू
मुण्डा विद्रोह	1874–1900	बिहार, (झारखण्ड)	बिरसा मुण्डा
पाइक विद्रोह	1817–1825	उड़ीसा	बख्शी जगबन्धु
पाबना विद्रोह	1873–85	पाबना (बंगाल)	ईशानचन्द्र राय एवं शम्भूपाल
मोपला विद्रोह	1836–1922	मालाबार (केरल)	सैयद अलावी, कुन अहमद, अली मुसलियार
कूका आंदोलन	1840	पंजाब	भगत मुसलियार
रम्पाओं का विद्रोह	1922–1924	आन्ध्र प्रदेश	अलरूरी सीताराम राजू
तानाभगत आंदोलन	1914–1919	बिहार	जतरा भगत
तेभागा आंदोलन	1946	बंगाल	कम्पाराम सिंह एवं भवन सिंह

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

काँग्रेस-पूर्व राजनीतिक संस्थाएँ			
संगठन	**स्थापना**	**संस्थापक**	**स्थान**
लैण्ड होल्डर्स सोसायटी	1838 ई०	द्वारकानाथ टैगोर	कलकत्ता
ब्रिटिश इंडिया सोसायटी	1839 ई०	विलियम एडम्स	लंदन
बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी	1843 ई०	जॉर्ज थॉमसन	कलकत्ता
ब्रिटिश इंडिया एसोसिएशन	1851 ई०	राधाकान्त देव	कलकत्ता
मद्रास नेटिव एसोसिएशन	1852 ई०	गजुलू लक्ष्मी नरसुचेट्टी	मद्रास
बॉम्बे ऐसोसिएशन	1852 ई०	जगन्नाथ शंकर सेठ	बम्बई
ईस्ट इंडिया ऐसोसिएशन	1866 ई०	दादाभाई नौरोजी	लंदन
नेशनल इंडियन एसोसिएशन	1867 ई०	मेरी कारपेण्टर	लंदन
पूना सार्वजनिक सभा	1870 ई०	एस०एच० चिपलंकर, पूनाजी जोशी, एम०जी० रानाडे	पूना
इंडियन ऐसोसिएशन	1876 ई०	आनन्द मोहन बोस, एस०एन० बनर्जी	कलकत्ता
मद्रास महाजन सभा	1884 ई०	एम० वीरराधवाचारी, आनन्दचारलू	मद्रास
बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन	1885 ई०	फिरोजशाह मेहता, के०टी० तैलंग, बदरुद्दीन तैयब	बम्बई

क्रांतिकारी संस्थाएँ			
संस्था	**संस्थापक**	**स्थान**	**वर्ष**
मित्र मेला	वी०डी० सावरकर	नासिक	1899
अभिनव भारत	वी०डी० सावरकर	नासिक	1904
अनुशीलन समिति	प्रमतनाथ मित्र, सतीश चन्द्र, नरेन्द्र भट्टाचार्य	कलकत्ता	1905
भारत स्वशासन समिति	श्याम जी कृष्ण वर्मा	लंदन	1905
इंडिया हाउस	श्याम जी कृष्ण वर्मा	लंदन	1905
युगान्तर	बारीन्द्र घोष	कलकत्ता	1906

ईस्ट इंडिया कंपनी के अधीन प्रमुख गवर्नर जनरल/वायसराय

राबर्ट क्लाइव (1757-1760 एवं 1765-1767 ई.)

यह बंगाल का प्रथम गवर्नर था।

वर्ष 1742 ई. में ईस्ट इंडिया कंपनी में **'क्लर्क' के रूप में नौकरी** की शुरुआत।

लॉर्ड पिट ने इसे **'स्वर्ग से उतरा हुआ जनरल'** कहा था।

इसी के समय में **1759** में **'वेदरा का युद्ध'** हुआ, इसमें अंग्रेजों ने डचों को हरा दिया।

भारत में अपने कार्यों के कारण इसे **'ब्रिटिश साम्राज्य का संस्थापक'** कहा गया है।

23 जून, 1757 को प्लासी के युद्ध में विजय के बाद इसे **बंगाल का गर्वनर** बनाया गया था।

बक्सर के युद्ध में विजय के बाद **मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय ने इसे वर्ष 1765 में बंगाल, बिहार एवं उड़ीसा की 'दीवानी' प्रदान की थी।**

वर्ष 1765 में इसने एक व्यापार समिति **(Society of Trade)** का निर्माण करके इसको 'नमक, सुपारी एवं तम्बाकू' के व्यापार का एकाधिकार दिया गया।

वर्ष 1765 ई. में **क्लाइव ने बंगाल में 'द्वैध शासन' लागू** किया था। वर्ष 1772 में द्वैध शासन को **वारेन हैस्टिंग्स ने समाप्त** कर दिया था।

वर्ष 1766 ई. में इसी के समय में **'श्वेत विद्रोह'** हुआ था। मुख्यत इस विद्रोह का केंद्र मुंगेर और इलाहाबाद था।

क्लाइव ने 12 अगस्त, 1765 और 16 अगस्त, 1765 को **इलाहाबाद की दो संधियां** की थी। **पहली** संधि मुगल सम्राट से जबकि **दूसरी** संधि बंगाल के नवाब के साथ हुई थी।

अंग्रेज इतिहासकार **'पर्सीबिल स्पीयर' ने क्लाइव को 'भविष्य का अग्रदूत' कहा** था।

ब्रिटिश नेता वर्क ने क्लाइव का उपहास करते हुए कहा था कि **'यह तो बड़ी-बड़ी नीवें रखने वाला आदमी था।'**

क्लाइव ने इंग्लैंड में **आत्महत्या कर ली थी।**

क्लाइव ने **उप-दीवान** के पद पर **बंगाल के लिए मुहम्मद रजा खाँ** और **बिहार के लिए राजा शिताब राय** को नियुक्त किया।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

वारेन हेस्टिंग्स (1774–1785 ई.)

1773 के रेग्यूलेटिंग एक्ट के अधीन **यह बंगाल का अंतिम गवर्नर** एवं **बंगाल का प्रथम गवर्नर-जनरल** दोनों था। इसी के समय राजकीय कोष को मुर्शिदाबाद से कलकत्ता लाया गया।

भूमि सुधार के लिए वर्ष **1772 में 'पंचवर्षीय बंदोबस्त'** जबकि **वर्ष 1777 में 'एकवर्षीय बंदोबस्त' की व्यवस्था** की थी। वर्ष 1793 में इसी बंदोबस्त को **कार्नवालिस ने स्थायी रूप प्रदान किया** था।

भारत में **'न्यायिक सेवा' का जन्मदाता** हेस्टिंग्स को माना जाता है। इसी के समय में **वर्ष 1774 में कलकत्ता में एक 'सर्वोच्च न्यायालय'** की स्थापना की गयी थी। इसका मुख्य **न्यायाधीश इलिजा इम्पे** जबकि अन्य **सहायक न्यायाधीश चैम्बर, लिमेस्टर एवं हाइड** थे।

वर्ष **1775 में 'फैजाबाद की संधि'** द्वारा हेस्टिंग्स ने अवध की बेगमों को उनकी सम्पत्ति की सुरक्षा की गारंटी दी थी। इस समय **अवध का नवाब 'आसफुद्दौला था।**

वर्ष **1784 में** इसी समय **विलियन जोंस** ने **कलकत्ता में एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल की स्थापना** की थी। इस सोसाइटी के तहत **अनुवादित पहली पुस्तक भगवतगीता** थी। इसका अनुवाद **विलियम बिलकिंस** ने किया था।

प्रत्येक जिले में फौजीदारी (अध्यक्षता-दरोगा) और **दीवानी अदालत (अध्यक्षता- कलेक्टर)** की स्थापना की।

इसने **1781 में कलकत्ता** में **प्रथम मदरसा स्थापित** किया।

वर्क ने हेस्टिंग्स को **'चूहा, नेवला तथा अन्याय का मुखिया' कहा** था।

इसी के समय में **कलकत्ता में 'टकसाल की स्थापना'**, प्रथम **आंग्ल मराठा युद्ध (1775-82), द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1780-84), हैदर अली की मृत्यु (1782)** और वर्ष **1784 पिट्स इंडिया एक्ट** पारित किया गया, **'बोर्ड ऑफ रेवेन्यू'** की स्थापना हुई।

वर्ष 1785 में वारेन हेस्टिंग्स के लौटने (इंग्लैंड) के बाद ब्रिटिश नेता एडमंड वर्क ने ब्रिटिश संसद के **हाउस ऑफ लॉर्ड्स में महाभियोग की कार्यवाही हेस्टिंग्स पर** शुरू की थी।

हेस्टिंग्स ने लगान के हिसाब की देखभाल हेतु भारतीय अधिकारी **'राय रायन' को नियुक्त** किया

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड कार्नवालिस (1786–1793 ई.)

इसने वर्ष 1793 की **'कार्नवालिस संहिता'** के तहत राजस्व तथा न्याय की शक्तियों का पृथक्करण कर दिया गया था।

इसी के समय भारत में **सर्वप्रथम 'जिला मजिस्ट्रेट'** और **'मुंसिफ मजिस्ट्रेट' के पद का सृजन** किया गया।

कार्नवालिस ने **'भ्रमणशील अदालतों'** या **'चलती-फिरती अदालतों' का निर्माण** कराया था।

भारत में **'पुलिस सेवा, सिविल सेवा का जन्मदाता'** भी इसे माना जाता है।

इसने 1789 ई. में **'दास व्यापार पर रोक'** लगा दी थी।

1853 से सिविल सेवा में चयन का आधार प्रतियोगी परीक्षा बनी थी। प्रारंभ में यह परीक्षा इंग्लैंड में होती थी, लेकिन 1923 से यह परीक्षा भारत में भी होने लगी।

अपने **'राजस्व संबंधी सुधार'** के तहत भूमि का मालिक इसने जमींदारों को मानकर भूमि बंदोबस्त को **1793 में स्थायित्व** प्रदान किया था।
इस बंदोबस्त के तहत **जमींदारों को अब 90% या 10/11 भाग कम्पनी को** तथा **10% या 1/11 भाग अपने पास** रखना था। इसी व्यवस्था को **'इस्तमरारी बंदोबस्त या स्थायी बंदोबस्त'** कहा जाता है।

तृतीय आंग्ल–मैसूर युद्ध में अंग्रेजों के विजय के बाद इसने कहा था कि **'हमने अपने मित्रों को अधिक शक्तिशाली न बनाते हुए अपने शत्रु को फलदायी रूप से लंगड़ा कर दिया है।'**

कार्नवालिस को वर्ष 1786 के चार्टर एक्ट द्वारा 'भारत का मुख्य सेनापति' का दर्जा भी मिला था अर्थात यह पहला अंग्रेज है जिसको **एक साथ गवर्नर जनरल** और **कमाण्डर-इन-चीफ** नामक दोनों पद एक साथ प्राप्त थे।

यह एकमात्र गवर्नर जनरल है जिसकी 'समाधि उत्तर प्रांत के गाजीपुर में स्थित है।'

इसने **प्रत्येक जिले में 'पुलिस थाना की स्थापना'** कर एक दरोगा को इसका इंचार्ज बनाया।

क्या आप जानते हैं ?

1. वर्ष 1863 में **प्रथम भारतीय** ICS **सत्येन्द्र नाथ टैगोर** बने थे।
2. **अरविंद घोष** ICS की घुड़सवारी की परीक्षा पास नहीं कर पाये थे।
3. **सुभाषचंद्र बोस** ने सिविल सेवा में चयन के बाद त्यागपत्र दे दिया था।
4. **गवर्नर जनरल लिटन** ने सिविल सेवा की आयु को 23 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दिया था।
5. **'सुरेन्द्रनाथ बनर्जी'** को अंग्रेजों ने नस्लीय भेदभाव के कारण असम के 'कलेक्टर के पद से निलम्बित' कर दिया था।
6. **'आर.सी.दत्त'** ने स्थायी बंदोबस्त का समर्थन किया था।
7. स्थायी बंदोबस्त की योजना **'जॉन शोर'** ने बनाई थी।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

नोट :

1. **इंदौर के होल्करों** ने **सहायक संधि स्वीकार नहीं** की थी।
2. **1806 में इंग्लैंड** के हेलेबरी में एक **ईस्ट इंडिया कॉलेज** (भारत भेजे जाने वाले प्रशासकीय अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु) खोला गया था

क्या आप जानते हैं ?

सहायक संधि का प्रयोग भारत में वेलेजली से पहले फ्रांसीसी गवर्नर 'डूप्ले' ने किया था।

लॉर्ड वेलेजली (1798–1805 ई.)

वेलेजली को कुछ इतिहासकारों ने **'कंपनी का अकबर'** कहा है। **वेलेजली स्वयं को 'बंगाल का शेर' कहता था।**

इसने नागरिक सेवा में भर्ती किये युवकों को प्रशिक्षित करने के लिए **कलकत्ता में 'फोर्ट विलियम कॉलेज' (वर्ष 1800 ई.) की स्थापना** की।

सहायक संधि को स्वीकार करने वाले निम्न राज्य हैं- हैदराबाद-1798, मैसूर - 1799, तंजौर - 1799, अवध - 1801, पेशवा - 1802, भोंसले - 1803, सिंधिया - 1804।

वेलेजली ने भारत में अंग्रेजों की श्रेष्ठता को स्थापित करने और फ्रांसीसियों के भय को खत्म करने के लिए **'सहायक संधि प्रणाली' की शुरुआत** की थी।

सहायक संधि को स्वीकार करने वाले राज्यों के वैदेशिक सम्बन्ध कंपनी के हाथों में आ जाते थे, मगर राज्यों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया जाता था।

इसी के समय में **वर्ष 1799 में चतुर्थ-आंग्ल मैसूर युद्ध** हुआ। टीपू के वध पर वेलेजली ने कहा **"देखो पूर्व का साम्राज्य मेरे कदमों के नीचे पड़ा है।"**

वेलेजली मैकियावेली के सिद्धांतों का अनुयायी था।

इसी के समय 1803-05 के बीच **द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध** हुआ था।

लॉर्ड मिण्टो-1 (1807–1813)

इस के समय में वर्ष **1809 में 'अमृतसर की संधि'** सिख शासक रणजीत सिंह के साथ हुई थी।

इस संधि पर अंग्रेजों की तरफ से **चार्ल्स मेटकाफ** ने हस्ताक्षर किये थे इस संधि द्वारा **सतलज नदी** को रणजीत सिंह की पूर्वी सीमा माना गया था।

इसी के समयकाल में **1813 का चार्टर एक्ट पारित** हुआ था।

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड हेस्टिंग्स (1813–1823)

हेस्टिंग्स ने राजपूतों को **'प्राकृतिक मित्र'** और मराठों को अपना **'प्राकृतिक शत्रु'** बताया था।

इसी के समयकाल में **"आंग्ल-नेपाल युद्ध** (1814-16)" युद्ध हुआ था। इस युद्ध में हेस्टिंग्स ने गोरखा नेता **अमर सिंह थापा** को पराजित कर दिया था।। इस युद्ध का अंत वर्ष 1816 की 'संगौली की संधि' से हुआ था।

इसी के समय काल में **तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध (1817-18)** में हुआ था इसमें मराठों को पूर्ण रूप से पराजित करके हेस्टिंग्स ने मराठा संघ का अंत कर दिया। अंग्रेजों ने पेशवा **बाजीराव द्वितीय को कानपुर के समीप बिठूर भेज** दिया था।

इसने अहस्तक्षेप नीति का परित्याग करके अपने समय में 'साम्राज्यवादी अभियान' प्रारंभ किया था।

हेस्टिंग्स ने 'अमीर' की उपाधि धारण की थी।

भारत में ब्रिटिश प्रभुसत्ता इसी के समय में स्थापित हुई थी।

इसने गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) की जेल में आत्महत्या कर ली थी।

हेस्टिंग्स ने थॉमस हिस्लोप को साथ लेकर अपने समय काल में **'पिंडारियों' का अंत** कर दिया था। पिंडारी लुटेरों का एक दल था। इसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों शामिल थे। **पिंडारियों के प्रमुख नेता चीतू**, वासिल **मोहम्मद**, **अमीर खाँ** और **करीम खाँ** थे।

क्या आप जानते हैं ?

भारत में **हिल स्टेशन की स्थापना का उद्देश्य** ब्रिटिश सेना की जरूरतों से था। जैसे- शिमला की स्थापना गोरखा युद्ध (1815-18) के दौरान तथा अंग्रेज मराठा युद्ध (1818) के समय माउंट आबू और दार्जीलिंग को 1835 में सिक्किम के राजाओं से छीना गया था।

लॉर्ड एमहर्स्ट (1823–28 ई.)

- इसके समयकाल में 1824–26 के बीच में **'प्रथम आंग्ल-बर्मा युद्ध'** हुआ था। इस युद्ध का समापन **'1826 की माण्डबू की संधि'** से हुआ था।
- वर्ष **1826 ई.** में **'गवर्नमेंट संस्कृत कॉलेज'** की स्थापना **कोलकाता** में हुई थी।
- इसी के समयकाल में **'मणिपुर' नामक स्वतंत्र राज्य की घोषणा** हुई थी।
- वर्ष **1824 में बैरकपुर का 'सैनिक विद्रोह' हुआ** था। इन सैनिकों ने समुद्र पार करके अर्थात् बर्मा जाकर युद्ध करने से इनकार कर दिया था।

भारत के गवर्नर-जनरल

लॉर्ड विलियम बैंटिक (1828–1835)

- **यह बंगाल का अंतिम और भारत का पहला गवर्नर जनरल था।**
- वर्ष **1833 के चार्टर** एक्ट द्वारा इसको **बंगाल के गवर्नर जनरल से पूरे 'भारत का गवर्नर जनरल' बनाया** गया।
- गवर्नर जनरल बनने के पूर्व यह 1803 ई. में मद्रास का गवर्नर बना था। लेकिन वर्ष 1806 ई. में यहाँ अर्थात् वेल्लूर के सैनिकों ने जन विद्रोह किया तो इसे वापस इंग्लैंड बुला लिया गया था।
- **रियासतों के प्रति साम्राज्यवादी नीति अपनाते हुए बैंटिक ने मैसूर 1831, कुर्ग 1834, कछार एवं जयंतिया 1832, को अंग्रेजी साम्राज्य में मिला लिया था।**
- बैंटिक **उदारवादी था** इसके समयकाल को हम **'शांति और सुधार के युग'** के नाम से जानते हैं।
- अपने राजनीतिक सुधारों के अंतर्गत **बैंटिक ने 1833 के चार्टर एक्ट की धारा (87) के द्वारा 'योग्यता'** को ही **सेवा का आधार मान** लिया। अब किसी भी भारतीय **नागरिक को धर्म, जन्मस्थान, जाति और रंग के आधार पर किसी पद के लिए वंचित नहीं** किया जा सकता।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902
GS World Committed To Excellence

लॉर्ड विलियम बैंटिक (1828–1835)

सामाजिक सुधारों के तहत बैंटिक ने राजा राम मोहन राय के सहयोग से 1. **वर्ष 1829 के नियम** (xvii) द्वारा **सतीप्रथा पर प्रतिबंध** (सर्वप्रथम बंगाल प्रेसीडेंसी में) लगा दिया था। वर्ष **1833 ई. में सम्पूर्ण भारत में सती प्रथा को प्रतिबंधित** कर दिया गया था।

2. इसने **वर्ष** 1830 **ई. में कर्नल स्लीमैन** की सहायता से **ठगी प्रथा का अंत** कर दिया था।

3. इसने **'मानव बलि प्रथा और शिशु हत्या' पर भी प्रतिबंध** लगाया था।

4. इसने 1832 **ई.** में **दास प्रथा को बंद कर** दिया था।

शिक्षा संबंधी सुधारों के तहत बैंटिक ने- 1. वर्ष **1835 ई.** में भारत में **अंग्रेजी को उच्च शिक्षा का माध्यम** बनाया गया था।

2. वर्ष **1835 ई. कलकत्ता में 'मेडिकल कॉलेज' की** नींव रखी थी।

3. **रूडकी में 'भारत के प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज' की नींव** रखवायी थी।

न्यायिक सुधार के तहत बैंटिक ने- 1. भ्रमणशील -न्यायालय को बंद कर दिया था।

2. **मैकाले ने आधुनिक भारत के 'कानून के कोड' का निर्माण** किया था। इसी परिप्रेक्ष्य में **के.एम. पणिक्कर महोदय** ने **'मैकाले को भारत का आधुनिक मनु'** कहा है।

इसने **सर्वप्रथम 'संभागीय आयुक्तों' की नियुक्ति** की थी।

प्रेस के प्रति बैंटिक का दृष्टिकोण काफी उदार था।

चार्ल्स मैटकॉफ (1835–36 ई.)

इसने **समाचार पत्रों से सभी प्रतिबंध हटा लिये** थे इसी कारण से इसे **आधुनिक भारत के समाचार पत्रों के 'मुक्तिदाता'** के नाम से जाना जाता है।

लॉर्ड आकलैंड (1836–42 ई.)

- इसके समय **वर्ष** 1838-42 के बीच में **प्रथम आंग्ल-अफगान** युद्ध हुआ।
- इसने 1839 **ई. में शेरशाह सूरी रोड** का नाम बदलकर **'ग्रांड ट्रंक रोड'** कर दिया था।

लॉर्ड एलनबरो (1842–44 ई.)

- इसके काल में **वर्ष** 1843 में **चार्ल्स नेपियर** के नेतृत्व में **सिंध का विलय** अंग्रेजी राज्य में कर लिया गया था।
- इसने वर्ष **1843 के अधिनियम-5** द्वारा **'दास प्रथा'** का अंत कर दिया गया था।

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 | 9654349902
IAS GS World PCS

लॉर्ड हार्डिंग (1844–48 ई)

इसके समय में **प्रथम आंग्ल सिख युद्ध वर्ष 1845-46** में हुआ था। (समाप्ति- लाहौर की संधि, 1846 से)।

इसने **खोंड जनजाति** में प्रचालित **'नरबलि प्रथा' का अंत** कैंपवेल के सहयोग से किया था।

इसके समयकाल में **सूरत में 'नमक विद्रोह'** हुआ था।

लॉर्ड डलहौजी (1848–1856)

अपने साम्राज्य विस्तार के लिए उसने **'राज्य का हड़पने की नीति या विलय नीति'** का विकास किया था। इससे **निम्न भारतीय राज्य या रियासतें** प्रभावित हुई थीं–

- सतारा (महाराष्ट्र) अप्पा सहित - 1848
- जैतपुर (बुंदेलखंड) - 1849
- सम्भलपुर (उड़ीसा) - 1849
- बघाट (हिमाचल प्रदेश) - 1850
- उदेपुर (मध्य प्रदेश) - 1852
- झाँसी (उत्तर प्रदेश) - 1853
- नागपुर (महाराष्ट्र) - 1854
- अवध (उत्तर प्रदेश) - 1856

नोट : डलहौजी के समय में ब्रिटिश साम्राज्य का सर्वाधिक विस्तार हुआ था।

- **'द्वितीय आंग्ल-सिख 1848-49'** द्वारा सिखों को हराकर डलहौजी ने **1852 ई. में पंजाब पर अधिकार** कर लिया था।
- इसी समय डलहौजी ने सिख राज्य से संसार प्रसिद्ध **'कोहिनूर हीरा'** लेकर महारानी विक्टोरिया को भेज दिया गया था।
- वर्ष **1852 में द्वितीय आंग्ल-बर्मा युद्ध** हुआ था। इसमें लोअर बर्मा और पीगू का विलय कर लिया गया था।
- वर्ष **1850 में सिक्किम का विलय** भी कर लिया गया था।

अपने सैनिक सुधार के तहत डलहौजी ने –
1. **तोपखाना कार्यालय** को **कलकत्ता से हटाकर मेरठ** में बनाया।
2. **सेना के मुख्यालय** को शिमला में स्थापित किया।
3. एक अलग **'गोरखा रेजीमेंट'** बनाया।

अपने **रेलवे संबंधी विकास कार्यों** के तहत इसने–
1. **डलहौजी** को **'रेलवे का जनक'** कहा जाता है।
2. वर्ष **1853 में प्रथम रेलवे लाइन बम्बई से थाणे** के मध्य बिछाई गई।
3. **1854** में **दूसरी रेलवे लाइन कलकत्ता से रानीगंज (बंगाल)** के बीच बिछाई गई।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड डलहौजी (1848–1856)

अपने **डाक और टेलीग्राफ संबंधी कार्यों** के तहत इसने–

1. वर्ष **1853 में प्रथम तार लाइन** का विकास कलकत्ता–आगरा के बीच किया।
2. वर्ष **1854** में **नया 'पोस्ट आफिस एक्ट'** पारित किया गया था।
3. वर्ष **1854 में पहली बार डाक टिकट** का प्रचलन हुआ था।
4. कलकत्ता, मुम्बई और मद्रास प्रेसीडेंसी में डाक विभाग के कार्यों के संचालन के लिए महानिदेशकों की नियुक्ति की गयी थी।

अपने **सार्वजनिक निर्माण संबंधी कार्यों** के तहत इसने–

1. **'सार्वजनिक निर्माण विभाग'** की स्थापना।
2. **जी.टी. रोड़ की मरम्मत** कराई।
3. **गंग-नहर का निर्माण कार्य** पूरा हुआ।
4. कराची, मुम्बई एवं कलकत्ता के बंदरगाहों का विकास किया।

अपने **शिक्षा संबंधी कार्यों** के तहत इसने–

1. वर्ष **1854 में 'लोक शिक्षा विभाग'** की स्थापना की।
2. वर्ष **1854 में** विश्वविद्यालयी शिक्षा में सुधार के लिए **'वुड आयोग' (समिति) का गठन किया।**
3. वुड डिस्पैच ने ही लंदन विश्वविद्यालय की तर्ज पर कलकत्ता, मद्रास और बम्बई में विश्वविद्यालय की स्थापना की बात की थी।
4. शिक्षा विभाग का प्रधान 'निदेशक' को बनाया गया।

डलहौजी के अन्य कार्य
1. इसी समय 1853 में 'चार्टर एक्ट' पारित हुआ था।
2. वर्ष **1856 में 'संथाल विद्रोह'** हुआ था।
3. **सिविल सेवा में प्रतियोगी परीक्षा का विकास** हुआ।
4. वर्ष **1856 में कुशासन के आधार पर अवध का विलय** किया गया। **(अवध का शासक- वाजिद अली शाह)**
5. डलहौजी ने बरार राज्य के ऋण ना देने पर **बरार को अंग्रेजी राज्य में मिला** लिया था।

लॉर्ड कैनिंग (1856–1862)

भारत के वायसराय (वर्ष 1858 के अधिनियम के अधीन – 1858–1947)

वर्ष 1858 के अधिनियम के द्वारा **भारत के गवर्नर जनरल के पद को समाप्त** करके इसके स्थान पर '**वायसराय**' नामक नवीन पद का गठन किया गया था। (**लॉर्ड कैनिंग अन्तिम गवर्नर जनरल और प्रथम वायसराय था।**)

इसके समय में **रूपये (नोट) का प्रचलन** किया गया था।

विधवा पुनर्विवाह अधिनियम 1856 को कैनिंग के समय पूर्णत: लागू किया गया। (**ईश्वर चंद्र विद्यासागर के सहयोग से**)

1858 के अधिनियम द्वारा ब्रिटिश राज्य ने **भारत में कम्पनी के शासन को खत्म करके** अपने हाथों में भारत का शासन ले लिया था।

इसने **असम से चाय की खेती और नीलगिरि की पहाड़ियों पर कहवा की खेती** को प्रोत्साहित किया था।

1857 ई. में **कैनिंग के समय ही 'महालेखा परीक्षक' पद का सृजन** किया गया।

अपने **कानून सुधारों के** तहत इसने–

1. इसने **मैकाले द्वारा प्रस्तुत भारतीय दण्ड संहिता** को **1 जनवरी, 1861 को लागू** किया था।
2. वर्ष **1861** में ही **'कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर'** (Cr.PC) को भी पारित किया गया।
3. कैनिंग के समय में **1861 में भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम** पारित किया गया था। इस अधिनियम के तहत, **कलकत्ता, मद्रास एवं बम्बई उच्च न्यायालय की स्थापना** 1861 में ही की गयी थी।

इसने **व्यपगत सिद्धांत की नीति को समाप्त कर** दिया।

इसने **'पोर्टफोलियो प्रणाली'** लागू की।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

सर जॉन लारेन्स (1864–69)

- लारेन्स को **'भारत का रक्षक'** की उपाधि दी गयी थी।
- **लारेन्स की हत्या पोर्टब्लेयर में कर** दी गयी थी।
- वर्ष **1865 में भारत और यूरोप** के बीच **समुद्री टेलीग्राफ** सेवा प्रारंभ।
- लारेन्स ने **अफगानिस्तान** के संदर्भ में **'अहस्तक्षेप की नीति'** का पालन किया था।
- इसके समयकाल में वर्ष **1866-69 में राजपूताना और उड़ीसा के क्षेत्र में भीषण अकाल** पड़ा था। इसने हेनरी **कैम्पबैल के अधीन 'अकाल आयोग' का गठन** किया था।

लार्ड मेयो (1869–72)

- इसके समय **1872 में पंजाब में 'कूका विद्रोह'** हुआ था।

शैक्षणिक सुधारों के तहत –

1. **1872** में राजकुमारों की शिक्षा के लिए **'मेयो कॉलेज' की स्थापना अजमेर में** की थी।
2. **इलाहाबाद में 'मेयो सेंट्रल कॉलेज' की स्थापना** की गयी थी।

आर्थिक सुधारों के तहत –

1. **1872 में 'कृषि विभाग और वाणिज्य विभाग'** का गठन किया।
2. **भारतीय सांख्यिकीय सर्वेक्षण का गठन** किया।
3. **1872 में** इसी के समय में **प्रथम जनगणना संपन्न** हुई थी।
4. **केंद्रीय और प्रांतीय वित्त व्यवस्था का पृथक्करण** किया गया।

लार्ड नार्थ ब्रुक (1872–76)

- इसके समय वर्ष **1875 में प्रिंस ऑफ वेल्स (एडवर्ड सप्तम) का भारत आगमन** हुआ।
- इसने **बड़ौदा के राजा पर कदाचार और भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर मल्हार राव गायकवाड़ को पदमुक्त** कर दिया था।
- इसी के समय **वर्ष 1874 में बंगाल और बिहार में भयंकर अकाल** पड़ा था।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लार्ड लिटन (1876–80)

क्या आप जानते हैं ?
अपनी रचनाओं को लिटन **'ओवन मैरिडिथ'** नाम से लिखता था

अपने **प्रमुख कार्यों** के तहत लिटन ने–

1. रिचर्ड एट्रेची की अध्यक्षता में **'स्ट्रैची अकाल आयोग' का गठन** किया था।
2. वर्ष **1876 में 'रायल टाइटल अधिनियम' पारित** करके जनवरी **1877 ई. में दिल्ली में प्रथम दिल्ली दरबार लगाकर महारानी विक्टोरिया को 'कैसर-ए-हिन्द' की उपाधि** प्रदान की गई थी।
3. वर्ष **1878 ई.** में **इसने 'भारतीय शस्त्र अधिनियम'** लाया था जिसके तहत अब कोई भी भारतीय बिना लाइसेंस के न तो शस्त्र रख सकता था न ही उसे बेच सकता था।
4. इसने वर्ष **1878 में 'वर्नाकुलर प्रेस एक्ट'** पारित करके **भारतीय भाषाओं में प्रकाशित समाचार पत्रों पर प्रतिबंध** लगा दिया। **सुरेन्द्रनाथ बनर्जी** ने इस एक्ट को **'आकाश से होने वाला वज्रपात'** कहा था।
5. इसके समय में वर्ष **1878-80 के बीच 'द्वितीय आंग्ल-अफगान युद्ध'** हुआ। (मण्डमक की संधि से समाप्त)।
6. इसने **सिविल सेवा की आयु 23 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर** दी थी।
7. लिटन ने **'मुस्लिम-एंग्लो प्राच्य विद्यालय' की स्थापना अलीगढ़** में की थी।

लॉर्ड रिपन (1880–1884)

रिपन के शासन काल को **भारत में स्वर्ण युग के नाम से जाना** जाता है।

भारत में किये गये अपने योग्य कार्यों के परिपेक्ष्य में **फ्लोरेंस नाइटिंगेल** ने रिपन को **'भारत के उद्धारक' की उपाधि** प्रदान की थी।

इसने **'इस युग का कर्त्तव्य** (The Duty of Age)**' नामक पुस्तक लिखी** थी।

इल्बर्ट बिल विवाद

रिपन वर्ष **'1883 में इल्बर्ट बिल विधेयक'** लाया था। इसमें **यूरोपीयों के विरुद्ध अब भारतीय - न्यायाधीश भी सुनवाई कर सकते थे।** इसलिए यूरोपीयों ने इसका प्रबल विरोध किया। **अंग्रेजी विरोध को श्वेतक्रांति की संज्ञा प्रदान** की गयी थी। **इल्बर्ट बिल विवाद (1884) के कारण रिपन ने त्यागपत्र दे दिया था।**

रिपन के कार्य – 1. **प्रथम वास्तविक जनगणना-1881 में करवायी** थी।
2. **वर्नाकुलर प्रेस एक्ट को 1882 में समाप्त** कर दिया था।
3. **1881 में प्रथम कारखाना अधिनियम पारित।**
4. रिपन ने **1882 में स्थानीय स्वशासन की शुरुआत** की थी। इसने स्वशासन की तीन इकाईयों का गठन तालुका, म्युनिसिपल बोर्ड, जिला बोर्ड नाम से की थी।
5. वर्ष **1882 में** इसने विलियम हंटर की अध्यक्षता में **'हंटर आयोग' का गठन** किया था। इसका कार्य **वुड डिस्पैच (1854) के कार्यों का मूल्यांकन** करना था।
6. इसने **सिविल सेवा की आयु 19 से बढ़ाकर 21 वर्ष कर दी** थी।
7. इसने **वर्ष** 1883 में **'अकाल संहिता' का निर्माण** करवाया था।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड डफरिन (1884–88)

इसके काल में **28 दिसम्बर, 1885** को **'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस' की स्थापना ए.ओ. ह्यूम** ने की थी।

इसने भारतीय स्त्रियों की स्थिति को सुधारने के लिए **वर्ष** 1885 में **'लेडी डफरिन फंड'** की स्थापना की थी।

वर्ष **1885 में 'बंगाल टेनेन्सी एक्ट'** व **1887 में 'पंजाब टेनेन्सी एक्ट'** पारित किया गया था।

वर्ष **1887** में **'इलाहाबाद विश्वविद्यालय' की स्थापना** हुई थी।

इसके समय में **तृतीय आंग्ल-बर्मा युद्ध (1885-86) में** हुआ था। इससे बर्मा का अंतिम रूप से अधिग्रहण अंग्रेजी राज्य में कर लिया गया था।

लॉर्ड लैंसडाउन (1888–1894)

1891 में दूसरा कारखाना अधिनियम पारित (स्त्रियों को प्रतिदिन 21 घंटे से अधिक कार्य करने पर प्रतिबंध)

इनके समय में वर्ष **1893 में 'डूरंड आयोग' का गठन** (**'डूरंड रेखा' द्वारा भारत-अफगानिस्तान सीमा रेखा निर्धारण**)

वर्ष **1892** में **भारत परिषद अधिनियम** पारित करके, **भारत में 'निर्वाचन पद्धति' का प्रारंभ** किया गया था।

1891 में सम्मति आयु अधिनियम **(Age of constant act)** पारित (लड़कियों के विवाह की उम्र 10 वर्ष से बढ़ाकर 12 की गई)

एल्गिन द्वितीय (1894–99)

कथन- 'भारत को तलवार के बल पर विजित किया गया है और तलवार के बल पर ही इसकी रक्षा की जायेगी।'

इसके समय में वर्ष 1896-98 के मध्य प्रान्त (उत्तर प्रदेश), बिहार, पंजाब में भीषण अकाल पड़ा था। (**'लॉयल आयोग' का गठन**)

वर्ष 1896 में हुए कांग्रेस के वार्षिक अधिवेशन **कलकत्ता में बंकिम चंद्र चटर्जी ने 'वंदेमातरम' का गायन** सर्वप्रथम किया था।

इसी के काल में वर्ष **1897 में चापेकर बंधुओं ने प्लेग कमिशनर एंड एवं आयर्स्ट की हत्या कर दी** थी।

इसने **भारतीय सेना का एकीकरण** करते हुए **'सम्पूर्ण भारत के लिए एक सेनापति'** की **नियुक्ति** की थी।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड कर्जन (1899–1905)

आर्थिक कार्य

1. वर्ष 1899-1900 के बीच **अकाल पडने पर 'एंटोनी मैकडोनाल्ड' की अध्यक्षता में एक अकाल आयोग गठन ('अकाल आयुक्त' के पद के गठन** की सिफारिश)
2. **वर्ष 1902 में** इसने एक **सिंचाई आयोग** का गठन (**'सर कालिन स्कॉट मानकीय'** की अध्यक्षता में)
3. एक महानिरिक्षक के अधीन **'कृषि विभाग'** की स्थापना।
4. **1905 में 'पूसा कृषि अनुसंधान संस्थान'** की स्थापना की गयी थी।
5. **वर्ष 1899 में** भारतीय टंकण एवं मुद्रण या **'करेंसी अधिनियम'** पारित किया गया था।

'शिक्षा संबंधी' कार्य

1. शिमला में शिक्षाविदों का एक सम्मेलन बुलाया था।
2. **1902 में टॉमस रैले** के अधीन **'विश्वविद्यालय आयोग'** गठित किया था। (**भारतीय सदस्य**- सैय्यद हुसैन बिलग्रामी, गुरुदास बनर्जी)। इसी आयोग की सिफारिश पर **वर्ष 1904 में विश्वविद्यालय में अधिनियम पारित** किया गया था।

पुलिस सुधर

1. **1902 ई.** में एंड्रयू फ्रेजर के नेतृत्व में **'पुलिस आयोग' का गठन** किया गया था।
2. **CID (Criminal Investigation Department)** की स्थापना की थी।

आक्रमणकारी नीति

1. **मार्च 1904** में **तिब्बत में 'यंग हस्बैंड'** नामक **अभियान** भेजा।
2. **'उत्तरी-पश्चिमी सीमा प्रांत'** नामक एक नवीन प्रांत बनाया।
3. **साम्राज्यवादी नीति का मुख्य उद्देश्य ब्रिटिश हितों की रक्षा करना** था।
4. वर्ष 1902 में मुख्य सेनापति बनकर **'किचनर'** भारत आया था। इसी के साथ हुए मतभेद के कारण कर्जन ने त्यागपत्र दे दिया था।

अन्य महत्वपूर्ण कार्य

1. **19 जुलाई 1905** में **'बंगाल विभाजन'** की **घोषणा** शिमला में, **(16 अक्टूबर को लागू)**।
2. वर्ष **1903** में इसके समय में **'द्वितीय दिल्ली दरबार'** का आयोजन करके ब्रिटिश सम्राट एडवर्ड सप्तम और महारानी एलैक्जेंड्रा की ताजपोशी की गयी।
3. **1904** ई. में **'प्राचीन स्मारक प्रतिरक्षण अधिनियम'** पारित करके प्राचीन भारतीय स्मारकों की रक्षा और मरम्मत का कार्य किया गया।

परिक्षापयोगी तथ्य

1. **गोपाल कृष्ण गोखले** ने कर्जन को **'दूसरा औरंगजेब'** कहा था।
2. **सर्वाधिक रेलवे लाइन का विस्तार** कर्जन के समय में हुआ।
3. **'विक्टोरिया मेमोरियल हाल' का निर्माण** इसी के काल में हुआ था।
4. 1904 में **'कोआपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी एक्ट'** बना।
5. यह **'भारत में सर्वाधिक अलोकप्रिय वायसराय'** था।
6. कर्जन ने 1903 में कहा था कि यह वायसराय के पद से निवृत्त होने के बाद कलकत्ता नगर निगम का महापौर बनना पसंद करेगा।
7. इसने **राजकुमारों के लिए** सैनिकों के **'इम्पीरियल कैडेट कोर'** की स्थापना की थी।
8. **कर्जन ने** कहा था, **"काँग्रेस अपने पतन की ओर लड़खड़ती हुई जा रही है और भारत में रहते हुए मेरी एक महान महत्वाकांक्षा शांतिपूर्ण निधन के लिए इसकी सहायता करना है।"**

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड मिण्टो द्वितीय (1905–1910ई.)

इसके समयकाल में **'मुस्लिम लीग'** की स्थापना **वर्ष 1906 में ढाका में आगा खाँ एवं सलीमुल्ला खाँ** ने की थी।

इसके समय में **1 जुलाई, 1909 ई. को मदल लाल डींगरा ने लंदन में कर्नल वायली की हत्या** कर दी थी।

1909 में मार्ले-मिण्टो सुधार अधिनियम पारित किया गया। इसमें **मुसलमानों के लिए अलग से निर्वाचन व्यवस्था** प्रारम्भ की गयी थी। इस अधिनियम के द्वारा **लंदन स्थित भारत परिषद में** सर्वप्रथम **दो भारतीयों 'के.सी. गुप्ता और सैय्यद हुसैन बिलग्रामी'** एवं भारत में स्थित वायसराय की कार्यकारिणी में सर्वप्रथम एक भारतीय **'एस.पी. सिन्हा'** की **नियुक्ति की** गयी थी।

कांग्रेस के **कलकत्ता अधिवेशन** (1906) में कांग्रेस ने **'स्वराज का लक्ष्य'** घोषित किया।

कांग्रेस के **सूरत अधिवेशन (1907) में कांग्रेस का विभाजन** नरमदल और गरमदल के रूप में हो गया था।

इसके समय में **समाचार पत्र अधिनियम 1908 पारित** किया गया था।

लॉर्ड हार्डिंग (1910–16)

1911 ई. में भारत में 'तृतीय दिल्ली दरबार' का आयोजन (इसमें की गई घोषणायें–

1. **बंगाल विभाजन को 1911 में रद्द** कर दिया गया।
2. भारत की **राजधानी को 1911 में कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा** की गयी। जबकि 1912 में कलकत्ता से दिल्ली राजधानी बनी थी।
3. **1912 में दिल्ली को प्रान्त बनाने की घोषणा।**
4. **1911 में बंगाल से अलग बिहार एवं उड़ीसा नामक प्रांतों का निर्माण।**

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

1. **वर्ष 1913 में रवीन्द्रनाथ टैगोर** को **'साहित्य का नोबल पुरस्कार'** मिला था।
2. **1915 में गाँधी जी का भारत आगमन।**
3. **1916 में** वाराणसी में मदन मोहन मालवीय ने **बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना** की।
4. **1915 में मदनमोहन मालवीय द्वारा 'हिंदू महासभा' का गठन।**
5. **1911 में सर्वप्रथम हवाई डाक सेवा का प्रारंभ इलाहाबाद-नैनी** के बीच में।
6. **1911 में कारखाना अधिनियम** पारित करके पुरुषों को 12 घंटे काम की बात की गई।
7. **1912 में दिल्ली में प्रवेश के समय हार्डिंग** के ऊपर बम फेंका गया जिसमें हार्डिंग बच गये थे। इस कांड में **बालमुकुन्द को फाँसी** की सजा दी गयी थी।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड चेम्सफोर्ड (1916–21)

अप्रैल और सितम्बर, **1916 में क्रमशः दो 'होमरूल लीग' की स्थापना तिलक एवं ऐनीबेसेंट** ने की थी।

1916 में कांग्रेस का लखनऊ अधिवेशन हुआ था। (**कांग्रेस एवं लीग के मध्य समझौता** एवं नरमदल एवं गरमदल फिर एक हो गये)

1919 का अधिवेशन जब पारित हुआ तब इसमें **'प्रांतों में द्वैध शासन' को स्थापित** किया गया था। **1919 का अधिवेशन 1 जनवरी, 1921 को लागू** हुआ था।

वर्ष 1916 में **पूना में डी.के. कर्वे द्वारा 'महिला विश्वविद्यालय' की स्थापना** की गई।

कलकत्ता विश्वविद्यालय की समीक्षा के लिए **'सैंडलर आयोग' की नियुक्ति** की गई थी।

मार्च 1919 को रॉलेट एक्ट आया था।

1920–22 के मध्य **असहयोग आंदोलन** एवं 1919–21 के मध्य **खिलाफत आंदोलन** हुआ था।

1918 में **'इंडियन लिबरल फेडरेशन' की स्थापना** की गई थी।

बिहार का गवर्नर सर्वप्रथम एक भारतीय 'सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा' को बनाया गया था।

लॉर्ड रीडिंग (1921–1926)

एकमात्र वायसराय थे जो यहूदी (Jew) **थे।**

नवम्बर 1921 में प्रिंस ऑफ वेल्स का भारत आगमन हुआ।

1921 में केरल में मोपला नामक मुस्लिम किसानों का विद्रोह मालाबार तट पर हुआ था।

1923 में इलाहाबाद में सी.आर. दास एवं मोतीलाल नेहरू ने स्वराज पार्टी की स्थापना की थी।

1925 में नागपुर में केशव बलिराम हेडगेवार (के.वी. हेडगेवार) ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) **की स्थापना की थी।**

26 दिसम्बर, 1925 को एम.एन. राय द्वारा कानपुर में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की गई थी।

1922 में सर्वप्रथम इलाहाबाद में भी ICS **की प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन** हुआ था।

9 अगस्त, 1925 काकोरी कांड हुआ था इसके **अभियुक्तों में रामप्रसाद बिस्मिल, राजेन्द्र लाहिडी, रोशन सिंह, अशफाकउल्ला खाँ को फाँसी की सजा** दी गयी थी। भानुचंद्र गुप्ता ने इस केस में निःशुल्क पैरवी की थी।

नोटः "सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है..." इस तराने को 'बिस्मिल अजीमाबादी' ने लिखा था। जबकि 'रामप्रसाद बिस्मिल' ने इसे नारे के रूप में प्रसिद्ध किया था

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड इरविन (1926–1931)

वर्ष 1927 में साइमन कमीशन का गठन किया गया था। यह **कमीशन 1929 और 1930 में दो बार भारत आया था।** इसने अपनी **रिपोर्ट 1930 में जारी** की थी।

वर्ष 1928 में लखनऊ में हुए सर्वदलीय सम्मेलन में **मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता** में एक समिति का गठन किया गया था। इस **समिति रिपोर्ट को 'नेहरू रिपोर्ट'** के नाम से जानते हैं। इस रिपोर्ट के संदर्भ में **जिन्ना ने वर्ष 1929 में अपनी '14 सूत्रीय माँग'** प्रस्तुत की थी।

वर्ष **1929 में लाहौर अधिवेशन, रावी नदी के किनारे जवाहर लाल नेहरू** की अध्यक्षता में हुआ था। इसी अधिवेशन में **कांग्रेस ने अपना लक्ष्य 'पूर्ण स्वराज'** बनाया था। तथा **26 जनवरी, 1930** को **सम्पूर्ण भारत में 'स्वतंत्रता दिवस'** के रूप में मानने का संकल्प पारित किया था।

कृषि विकास हेतु 'रॉयल कमीशन' का गठन 1926 में किया गया था। इसकी रिपोर्ट 1928 में आयी थी।

8 अप्रैल, 1929 को दिल्ली की विधानसभा में 'लोक सुरक्षा विधेयक' के विशेष में 'भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त' ने बम फेंका था।

17 दिसम्बर, 1928 को भगत सिंह और राजगुरू ने लाहौर के पुलिस अधीक्षक **'सांडर्स' की हत्या** कर दी थी।

12 मार्च, 1930 को साबरमती आश्रम से गांधीजी ने अपने **78 अनुयायियों के साथ दांडी यात्रा प्रारंभ** की थी। यह गांधीजी की पूर्णत: 'पैदल यात्रा की थी। **6 अप्रैल, 1930 को 385 किमी. की** यात्रा पूरी करके **नौसारी जिले में स्थित दांडी पहुँचकर, नमक कानून तोड़कर, सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरूआत की थी।**

27 फरवरी, 1931 को इलाहाबाद के **'अल्फ्रेड पार्क' में चंद्रशेखर आजाद शहीद** हुए।

1929 में लाहौर षड्यंत्र केस में गिरफ्तार जतिनदास की मृत्यु भूख हड़ताल के 64वें दिन हो गयी थी।

5 मई, 1930 को गांधी को गिरफ्तार करके **यरवदा जेल में** रखा।

23 मार्च, 1931 को **लाहौर जेल में भगत सिंह, सुखदेव, और राजगुरू को फाँसी** दी गयी थी।

5 मार्च, 1931 को 'गांधी-इरविन समझौता' हुआ। इस समझौते से गांधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित करके, द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेना स्वीकार किया गया था।

नवम्बर, 1930 में **लंदन में प्रथम गोलमेज सम्मेलन** आयोजित हुआ था।

29 मार्च, 1931 को कराची अधिवेशन में गांधी-इरविन को स्वीकार करके, **'मूल अधिकार' संबंधित प्रस्ताव पारित** किया गया था। इस **अधिवेशन की अध्यक्षता वल्लभ भाई पटेल** ने किया था।

वर्ष **1929 में मेरठ षड्यंत्र केस (कम्युनिष्ट नेता गिरफ्तार, उस समय का भारत का सबसे लम्बा मुकदमा)** हुआ था।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड विलिंगटन (1931–36)

7 सितम्बर से 1 दिसम्बर, 1931 के मध्य **द्वितीय गोलमेज सम्मेलन'** लंदन में आयोजन **(कांग्रेस प्रतिनिधि महात्मा गांधी,** एस.एस. राजपूताना नामक जहाज से लंदन गये थे।)

16 अगस्त, 1932 ई. को इंग्लैंड के प्रधानमंत्री रैम्से मैकडोनाल्ड ने **'मैकडोनाल्ड एवॉर्ड'** की घोषणा की थी। इसमें 'दलित या हरिजन, मुस्लिम, यूरोपियन, सिख' को **पृथक निर्वाचन का अधिकार** प्रदान किया गया था।

17 नवम्बर से 24 दिसम्बर, 1932 के मध्य **'तृतीय गोलमेज सम्मेलन'** लंदन में आयोजित किया गया था।

गांधी जी ने इस **साम्प्रदायिक निर्णय** (Communal Award) **के विरोध में यरवदा जेल में 'आमरण अनशन'** प्रारंभ कर दिया था। परिणामत: **26 सिम्बर, 1932 को मदनमोहन मालवीय एवं सी. राजगोपालाचारी के प्रयासों से 'गांधीजी एवं अम्बेडकर के बीच पूना समझौता'** करके कम्युनल अवार्ड में संशोधन किया गया था।

1932 में इंडियन मिलिटरी अकादमी 'देहरादून' की स्थापना की गयी थी।

वर्ष 1934 में कांग्रेस समाजवादी पार्टी की स्थापना जयप्रकाश नारायण एवं आचार्य नरेन्द्र देव ने की थी।

2 अगस्त, 1935 को **'भारत सरकार अधिनियम'** पारित किया गया था। इसमें **म्यांमार (बर्मा) को भारत से अलग** किया गया था।

1936 में 'अखिल भारतीय किसान सभा' की स्थापना हुई थी। **(अध्यक्ष- सहजानन्द सरस्वती)**

क्या आप जानते हैं ?

1. **1933 में कैम्ब्रिज** विश्वविद्यालय के **छात्र चौधरी रहमत अली** ने सर्वप्रथम **'कैम्ब्रिज पम्पलेट'** में **'पाकिस्तान' शब्द का प्रयोग** किया था।
2. **Now or Never बुकलेट 28 जनवरी, 1933** को **रहमत अली** व **उनके दोस्तों** ने निकाला था।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड लिनलिथगो (1936–1943)

इसके शासन काल में वर्ष **1935 के अधिनियम** के अनुसार **2 फरवरी, 1937 को पहली बार ग्यारह ब्रिटिश भारतीय प्रांतों में चुनाव** कराये गये थे। मध्य प्रांत, मद्रास, बिहार, संयुक्त प्रांत, उड़ीसा में कांग्रेस का पूर्ण बहुमत, जबकि बम्बई में पूर्ण से थोड़ा कम बहुमत मिला था। कांग्रेस ने उपर्युक्त 6 प्रांतों के अलावा उत्तर पश्चिमी सीमा प्रांत एवं असम में अपनी सरकार बनायी थी। **कुल 8 प्रांत में कांग्रेस सरकार बनी थी।**

बिना कांग्रेस की अनुमति के जब द्वितीय विश्व युद्ध में भारत को ब्रिटिश सरकार ने शामिल कर लिया तब अपने **'28 माह' के कुल कार्यकाल के** बाद **कांग्रेसी सरकार ने इस्तीफा दे दिया था।** तब **22 दिसम्बर, 1939** को मुस्लिम लीग ने इसको **'मुक्ति दिवस' के रूप में** मनाया था।

17 अक्टूबर, 1940 को गाँधीजी ने 'पवनार आश्रम' से 'व्यक्तिगत सत्याग्रह' प्रारंभ किया था।

वर्ष 1939 में कांग्रेस के अध्यक्ष और सदस्यता से इस्तीफा देकर **सुभाष चंद्र बोस ने 3 मई, 1939 ई. को 'फारवर्ड ब्लॉक' का गठन** किया था।

14 जुलाई, 1942 को 'कांग्रेस ने भारत छोड़ो प्रस्ताव' पारित करके **9 अगस्त, 1942 को 'भारत छोड़ो आंदोलन' प्रारंभ किया** था।

वर्ष **1944 में मुस्लिम लीग** ने अपने **कराची अधिवेशन 'बांटो और छोड़ो' का प्रस्ताव पारित** किया था।

1942 में 'क्रिप्स मिशन' भारत आया था। **गांधीजी ने इसे 'पोस्ट डेटेड चेक' की संज्ञा** प्रदान की थी।

21 अक्टूबर, 1943 को सुभाषचंद्र बोस ने सिंगापुर में 'अस्थायी सरकार की स्थापना' की थी।

1942 में बंगाल में भयानक अकाल पड़ा था।

मई 1940 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री चर्चिल बने थे।

1937 में बंगाल का फैजपुर सम्मेलन हुआ **(गाँव में सम्पन्न प्रथम कांग्रेस अधिवेशन, अध्यक्षता- जवाहर लाल नेहरू)**

GS World Committed To Excellence

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

लॉर्ड वेवेल (1944–1947 ई.)

25 जून, 1945 को शिमला सम्मेलन बुलाया। मुख्य बातें- कांग्रेस प्रतिनिधि अबुल कलाम आजाद थे, गांधी इसमें शामिल नहीं हुए, मुस्लिम लीग द्वारा वायसराय के कार्यकारणी परिषद् में नियुक्त सभी मुस्लिम सदस्यों के चयन के मुद्दे पर **वेवेल ने 14 जुलाई 1945 को सम्मेलन के विफलता की घोषणा** की।

1954 में क्लीमेन्ट एटली की अध्यक्षता वाली **लेबर पार्टी की सरकार** बनी। दिसम्बर 1945 में घोषित चुनाव परिणामों में **केंद्रीय विधान सभा और प्रान्तीय विधान मण्डलों** में **काँग्रेस को बहुमत मिला।** वहीं मुस्लिम लीग सभी मुस्लिम सीटें जीतीं।

इसके समय में **कैबिनेट मिशन 1946** में भारत आया।

20, **फरवरी,** 1947 को प्रधानमंत्री **एटली ने जून, 1948 ई. तक प्रभुसत्ता भारतीयों के हाथ में देने की घोषणा हाउस ऑफ कॉमस में की।**

लॉर्ड माउण्टबेटन (मार्च, 1947– जून, 1948 ई.)

24 मार्च, 1947 को **भारत का गवर्नर जनरल** बना

यह स्वतंत्र भारत का प्रथम गवर्नर जनरल बना

4 जुलाई, 1947 को एटली द्वारा ब्रिटिश संसद में भारतीय स्वतंत्रता विधेयक प्रस्तुत (**18, जुलाई को स्वीकृत**)

3 जून, 1947 को भारत विभाजन पर ' माउण्टबेटन योजना या 3 जून योजना' घोषित।

डिकी बर्ड प्लान

(लार्ड माउंटबेटन का उपनाम) लार्ड माउंटबेटन द्वारा **1947 में प्रस्तुत** किया गया जिसमें भारत को कई छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटने की व्यवस्था थी। इसे **बाल्कन प्लान** (Balkan Plan) **के नाम से भी जाना जाता है।**

क्या आप जानते हैं ?

स्वतंत्र भारत के प्रथम एवं अन्तिम भारतीय गवर्नर जनरल 'चक्रवर्ती राजगोपालाचारी' थे।

DELHI (H.O.): 632, Ground Floor, Main Road, Mukherjee Nagar, Delhi-9 | Ph.:7011750058, 8826592062 9654349902

2015

1. निम्नलिखित में से किसे भारत में 'स्थानीय स्वायत्त शासन' का जनक माना जाता है?
(a) लॉर्ड डलहौजी
(b) लॉर्ड कैनिंग
(c) लॉर्ड कर्जन
(d) लॉर्ड रिपन

2. निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित नहीं है?
(a) मोतीलाल नेहरू – नेहरू रिपोर्ट
(b) एम०के० गाँधी – चम्पारन आंदोलन
(c) एस०सी० बोस – फॉरवर्ड ब्लॉक
(d) एम०ए० जिन्ना – खिलाफत आंदोलन

3. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले अध्यक्ष थे–
(a) दादाभाई नौरोजी
(b) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
(c) बोमेश चन्द्र बनर्जी
(d) ए०ओ० ह्यूम

4. निम्नलिखित में से कौन विक्रमशिला विश्वविद्यालय के संस्थापक थे?
(a) गोपाल
(b) धर्मपाल
(c) देवपाल
(d) महिपाल

5. निम्नलिखित में से किसने "इंडियन सोसायटी ऑफ ओरियंटल आर्ट" की स्थापना की?
(a) निहार रंजन रे ने
(b) नीरेन्द्र मोहन मुखर्जी ने
(c) अबनीन्द्रनाथ टैगोर ने
(d) बारीन्द्र कुमार घोष ने

6. निम्नलिखित युग्मों में से कौन सही सुमेलित नहीं है?
(a) हावड़ा षड्यंत्र प्रकरण – 1910
(b) विक्टोरिया षड्यंत्र प्रकरण – 1914
(c) लाहौर षड्यंत्र प्रकरण – 1916 और 1930
(d) काकोरी षड्यंत्र प्रकरण – 1924

7. निम्नलिखित युग्मों में से कौन सही सुमेलित नहीं है?
(a) एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल – 1784 ई०
(b) एशियाटिक सोसायटी ऑफ बॉम्बे – 1804 ई०
(c) रॉयल एशियाटिक सोसायटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन – 1813 ई०
(d) लैंड होल्डर्स सोसाइटी ऑफ बंगाल – 1844 ई०

8. सुप्रसिद्ध मध्यकालीन संत शंकरदेव सम्बन्धित थे–
(a) शैव सम्प्रदाय से
(b) वैष्णव सम्प्रदाय से
(c) अद्वैत सम्प्रदाय से
(d) द्वैताद्वैत सम्प्रदाय से

9. विवेकानन्द ने शिकागो में आयोजित 'पार्लियामेंट ऑफ वर्ल्ड्स रिलीजन्स' में भाग लिया था।
(a) 1872 में
(b) 1890 में
(c) 1893 में
(d) 1901 में

10. 1905 में क्रांतिकारी संगठन "अभिनव भारत" संगठित किया गया था–
(a) ओडिशा में
(b) बंगाल में
(c) उत्तर प्रदेश में
(d) महाराष्ट्र में

11. निम्नलिखित में से किसने भारत में स्वर्ण सिक्कों का प्रचलन नियमित उपयोग के लिए किया था?
(a) विम कैडफिसेज ने
(b) कुजुल कैडफिसेज ने
(c) कनिष्क ने
(d) हर्मवीज ने

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

12. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित है?

(a) डब्ल्यू०सी० स्मिथ – द मुस्लिम्स ऑफ ब्रिटिश इंडिया

(b) खालिद बी० सईद – पाकिस्तान : द फॉरमेटिव फेज

(c) पीटर हार्डी – खिलाफत टू पार्टिशन

(d) मोइन शकीर – मॉडर्न इस्लाम इन इंडिया

13. निम्नलिखित अभिलेखों में से किसमें अशोक का नामोल्लेख हुआ है?

(a) गुजर्रा में

(b) अहरौरा में

(c) ब्रह्मगिरि में

(d) सारनाथ में

14. ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी ने चाय के व्यापारिक एकाधिकार को खो दिया।

(a) 1793 के चार्टर एक्ट द्वारा

(b) 1813 के चार्टर एक्ट द्वारा

(c) 1833 के चार्टर एक्ट द्वारा

(d) 1853 के चार्टर एक्ट द्वारा

15. 'हाली पद्धति' संबंधित थी-

(a) बंधुआ मजदूर से

(b) किसानों के शोषण से

(c) दुआछूत से

(d) अशिक्षा से

16. निम्नलिखित में से कौन 'द प्राब्लम्स ऑफ द फॉर ईस्ट' नामक पुस्तक के लेखक हैं?

(a) लौरेंस

(b) कर्जन

(c) चर्चिल

(d) लिटन

17. चंगेज खान का मूल नाम था-

(a) खासुल खान

(b) एशूगई

(c) तेमुचिन

(d) ओगदी

18. निम्नलिखित में से कौन त्रिकोणात्मक संघर्ष का हिस्सा नहीं था?

(a) प्रतिहार

(b) पाल

(c) राष्ट्रकूट

(d) चोल

19. लंदन में आयोजित निम्नलिखित गोलमेज सम्मेलनों में से किसमें महात्मा गाँधी उपस्थित थे?

(a) प्रथम में

(b) द्वितीय में

(c) तृतीय में

(d) उपरोक्त में से किसी में नहीं

20. निम्नलिखित में से किस अधिवेशन में कांग्रेस ने पहली बार भारतीय रियासतों के प्रति अपनी नीति घोषित की थी?

(a) नागपुर अधिवेशन में

(b) गया अधिवेशन में

(c) कलकत्ता अधिवेशन में

(d) लखनऊ अधिवेशन में

21. "राजा जनता के लिए बने हैं, जनता राजा के लिए नहीं बनी है", राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान निम्नलिखित में से किसने यह वक्तव्य दिया था?

(a) सुरेन्द्रनाथ बनर्जी

(b) आर०सी० दत्त ने

(c) दादाभाई नौरोजी ने

(d) गोखले ने

22. बंकिमचन्द्र चटर्जी के प्रसिद्ध उपन्यास 'आनन्द मठ' का कथानक आधारित है-

(a) चुआर विद्रोह पर

(b) रंगपुर तथा दिनाजपुर के विद्रोह पर

(c) विष्णुपुर तथा वीरभूमि में हुए विद्रोह पर

(d) संन्यासी विद्रोह पर

23. 'परम भागवत' उपाधि धारण करने वाला प्रथम गुप्त शासक था-

(a) चन्द्रगुप्त प्रथम (b) समुद्रगुप्त

(c) चन्द्रगुप्त द्वितीय (d) रामगुप्त

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

24. अखिल भारतीय किसान सभा के संस्थापक अध्यक्ष थे-
(a) आचार्य नरेन्द्र देव
(b) स्वामी सहजानंद सरस्वती
(c) बंकिम मुखर्जी
(d) जयप्रकाश नारायण

25. 1944 में गाँधीवादी योजना को प्रतिपादित किया था-
(a) एन०आर० सरकार ने
(b) कस्तूरी भाई लाल भाई ने
(c) जयप्रकाश नारायण ने
(d) श्रीमन नारायण अग्रवाल ने

26. सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वंतर और वंशानुचरित संकेतक हैं-
(a) वेदों के
(b) पुराणों के
(c) उपनिषदों के
(d) सूत्रों के

27. सूची- I का सूची-II से मिलान कीजिए तथा नीचे दिए गए कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

सूची-I (सम्राट)	**सूची-II (उपाधि)**
A. अशोक	1. परक्रमांक
B. समुद्रगुप्त	2. प्रियदर्सिन
C. चन्द्रगुप्त-II	3. क्रमादित्य
D. स्कन्द गुप्त	4. विक्रमादित्य

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	2	1	4
(c)	2	1	4	3
(d)	4	3	2	1

28. निम्नलिखित में से कौन सिकन्दर के साथ भारत में नहीं आया था?
(a) नियार्कस
(b) आनेसिक्रिटस
(c) डाईमेक्स
(d) अरिस्टोब्यूलस

29. निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है?
(a) लाइफ ऑफ ह्वेन सियांग - हुइ-ली
(b) द नेचुरल हिस्ट्री - टोलेमी
(c) हिस्टोरीयल फिलिप्पिकल - पाम्पेइस ट्रोगस
(d) द हिस्टरीज - हेरोडोटस

30. मुगल सम्राट जहाँगीर ने निम्न में से किसे 'इंग्लिश खान' की उपाधि दी थी?
(a) अलवृकर्क
(b) फ्रांसिस्को अल्मीडा
(c) विलियम हॉकिन्स
(d) हेनरी द नेविगेटर

31. निम्नलिखित में से राज्य के सप्तांग सिद्धांत के अनुसार राज्य का सातवां अंग कौन-सा था?
(a) जनपद
(b) दुर्ग
(c) मित्र
(d) कोश

32. ऋग्वेदिक काल के प्रारंभ में निम्न में से किसे महत्वपूर्ण मूल्यवान सम्पत्ति समझा जाता था?
(a) भूमि को
(b) गाय को
(c) स्त्रियों को
(d) जल को

33. निम्न में से किस किले का निर्माण अकबर के राज्य काल में नहीं कराया गया था?
(a) दिल्ली का लाल किला
(b) आगरा का किला
(c) इलाहाबाद का किला
(d) लाहौर का किला

34. दक्षिण भारत के 'पोलिगार' कौन थे?
(a) साधारण जमींदार
(b) महाजन
(c) क्षेत्रीय प्रशासकीय और सैन्य नियंत्रक
(d) नवधनाढ्य व्यापारी

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

35. सोमेन्द्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित दल का क्या नाम है?
(a) भारतीय बाल्शेविक दल
(b) क्रांतिकारी साम्यवादी दल
(c) बोल्शेविक लेनिनिस्ट दल
(d) अतिवादी लोकतांत्रिक दल

36. निम्नलिखित में से किसने 'हिरण्य गर्भ' धार्मिक कार्य कराया था?
(a) मयूर शर्मन
(b) हरीचन्द्र
(c) दंतिदुर्ग
(d) हर्ष

37. निम्न में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) पानीपत का प्रथम युद्ध	-	1526
(b) खानवा का युद्ध	-	1527
(c) घाघरा का युद्ध	-	1529
(d) चंदेरी का युद्ध	-	1530

38. गाँधीजी को 'वन मैन बाऊंडरी फोर्स' कहकर किसने संबोधित किया?
(a) चर्चिल ने
(b) एटली ने
(c) माउण्टबेटन ने
(d) साइमन ने

39. निम्न में से किस अधिवेशन के लिए कांग्रेस ने पहली बार एक महिला को अध्यक्ष चुना?
(a) कलकत्ता अधिवेशन, 1917
(b) गया अधिवेशन, 1922
(c) इलाहाबाद अधिवेशन, 1921
(d) लखनऊ अधिवेशन, 1916

40. लखनऊ में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किसने किया था?
(a) जीनत महल
(b) नाना साहेब
(c) हजरत महल
(d) तांत्या टोपे

41. 'लोकहितवादी' उपनाम से किसे जाना जाता था?
(a) गोपालहरि देशमुख को
(b) महादेव गोविन्द रानाडे को
(c) ज्योतिबा फूले को
(d) बाल गंगाधर तिलक को

42. कामागाटामारू क्या था?
(a) औद्योगिक केन्द्र
(b) एक बंदरगाह
(c) एक जहाज
(d) सेना की एक टुकड़ी

43. 1946 के 'कैबिनेट मिशन' का नेतृत्व किया गया था-
(a) सर पेथिक लोरेंस द्वारा
(b) लॉर्ड लिनलिथगो द्वारा
(c) लॉर्ड वावेल द्वारा
(d) सर जॉन साइमन द्वारा

44. 1924 का बंगाल का 'तारकेश्वर आंदोलन' निम्न में से किसके विरुद्ध था?
(a) मंदिरों में भ्रष्टाचार
(b) हिंसा
(c) राजनैतिक नेताओं की गिरफ्तारी
(d) साम्प्रदायिकता

45. वर्ष 1929 में जारी किए गए 'दीपावली घोषणापत्र' का संबंध था-
(a) साम्प्रदायिक समस्या से
(b) डोमिनियन स्टेट्स से
(c) श्रमिक नेताओं से
(d) अस्पृश्यता से

2016

46. कलिंग युद्ध का विवरण हमें ज्ञात होता है-
(a) 13वें शिलालेख द्वारा
(b) रूम्मिनदेई स्तम्भ लेख द्वारा
(c) ह्वेनसाँग के विवरण द्वारा
(d) प्रथम लघु शिलालेख द्वारा

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

47. एक ही कब्र से तीन मानव कंकाल निकले हैं-
(a) सराय नाहर राय से
(b) दमदमा से
(c) महदहा से
(d) लंघनाज से

48. 'विक्रमशिला विहार' का संस्थापक कौन था?
(a) गोपाल
(b) देवपाल
(c) धर्मपाल
(d) महिपाल

49. कृष्ण देव राय ने किस नगर की स्थापना की?
(a) वारंगल
(b) नागलापुर
(c) उदयगिरी
(d) चन्द्रगिरि

50. जहाँगीर ने मुख्यतया निम्नलिखित में से किस कला को संरक्षण दिया था?
(a) चित्रकला
(b) स्थापत्य कला
(c) मूर्तिकला
(d) संगीत कला

51. 'गुलाम का गुलाम' किसे कहा गया था?
(a) मो० गौरी
(b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) बलबन
(d) इल्तुतमिश

52. निम्नलिखित में से किस मुगल शासक ने लाला कलावन्त से हिन्दू संगीत की शिक्षा ली?
(a) हुमायूँ
(b) जहाँगीर
(c) अकबर
(d) शाहजहाँ

53. मुगलकाल में जिस मदरसे ने 'मुस्लिम न्याय शास्त्र' की पढ़ाई में विशिष्टता हासिल की, वह स्थित था-
(a) लखनऊ में
(b) दिल्ली में
(c) सियालकोट में
(d) हैदराबाद (भारत में)

54. किस वर्ष बाबर ने सुल्तान इब्राहीम लोदी को पानीपत की लड़ाई में पराजित किया?
(a) 1527 ई०
(b) 1526 ई०
(c) 1525 ई०
(d) 1524 ई०

55. सर टामस मुनरो किन वर्षों में मद्रास के गवर्नर रहे?
(a) 1820-1827 ई०
(b) 1819-1826 ई०
(c) 1822-1829 ई०
(d) 1818-1825 ई०

56. 'दि रूट्स ऑफ एंशियन्ट इंडिया' के लेखक थे-
(a) डी०के० चक्रवर्ती
(b) डी०पी० अग्रवाल
(c) डब्ल्यू०ए० फेअरसर्विस
(d) ए० घोष

57. विन्ध्य क्षेत्र के किस शिलाश्रय से सर्वाधिक मानव कंकाल मिले हैं?
(a) मोरहना पहाड़
(b) घघरिया
(c) बघही खोर
(d) लेखहिया

58. 'पृथिव्या प्रथम वीर' उपाधि थी-
(a) समुद्रगुप्त की
(b) राजेन्द्र प्रथम की
(c) अमोघवर्ष की
(d) गौतमीपुत्र शातकर्णी की

59. 'भारतीय गौरव (यश) का अंतिम सूर्य' किसके लिए प्रयुक्त हुआ?
(a) शिवाजी
(b) पृथ्वीराज
(c) राणा प्रताप
(d) हेमू

60. 'खिलाफत आंदोलन' के प्रमुख नेता निम्नलिखित में से कौन थे?
(a) मौलाना मोहम्मद अली और सौकत अली
(b) मोहम्मद अली जिन्नाह और सौकत अली
(c) मौलाना अबुल कलाम आजाद और रफी अहमद किदवई
(d) रफी अहमद किदवई और सौकत अली

61. देवबन्द आंदोलन यू०पी० (संयुक्त प्रात) में किस वर्ष में आरंभ हुआ था?
(a) 1900 ई०
(b) 1888 ई०
(c) 1985 ई०
(d) 1866 ई०

62. मोतीलाल नेहरू और सी०आर० दास द्वारा 1923 ई० में गठित पार्टी का नाम क्या था?
(a) इंडिपेंडेंस पार्टी
(b) गदर पार्टी
(c) स्वराज पार्टी
(d) इंडियन नेशनल पार्टी

63. लॉर्ड डलहौजी की 'विलय नीति' का प्रथम शिकार निम्नलिखित में से कौन हुआ था?
(a) झाँसी
(b) सतारा
(c) करौली
(d) सम्बलपुर

64. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

	सूची-I		सूची-II
A.	प्रथम कर्नाटक युद्ध	1.	पेरिस की संधि से अंत
B.	तृतीय कर्नाटक युद्ध	2.	ब्रिटिश की हार
C.	द्वितीय कर्नाटक युद्ध	3.	अनिर्णायक युद्ध
D.	प्रथम मैसूर युद्ध	4.	एक्स ला चैपल की संधि से अंत

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	2	4	1	3
(c)	4	1	3	2
(d)	3	1	4	2

65. पश्चिमी भारत के डी०के० कार्वे का नाम निम्नलिखित में किस संदर्भ में आता है?
(a) सती प्रथा
(b) बाल (शिशु) हत्या
(c) स्त्री शिक्षा
(d) विधवा पुनर्विवाह

66. अंग्रेजों के विरुद्ध खान अब्दुल गफ्फार खान द्वारा प्रारंभ किए गए आंदोलन का क्या नाम था?
(a) लाल कुर्ती (रेड शर्ट)
(b) क्विट इंडिया
(c) खिलाफत
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

67. निम्नलिखित में से किसके विरोध में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी 'नाइटहुड' का परित्याग कर दिया था?
(a) रौलेट एक्ट
(b) जलियावाला बाग जनसंहार
(c) साइमन कमीशन
(d) क्रिप्स मिशन

2017

68. अकबर के शासनकाल में दक्कन में निम्न पद्धतियों में से कौन-सा भू-राजस्व वसूली का प्रचलित आधार था?
(a) कनकूट
(b) हल की संख्या
(c) जब्त
(d) गल्लाबख्शी

69. निम्न विदेशी यात्रियों में से किसने जहाँगीर के शासनकाल में भारत की यात्रा की थी?
(a) फादर एंथानी मांसरेट
(b) फ्रांसिस्को पल्सर्ट
(c) निकोलो मनुक्की
(d) फ्रंक्वायरस वर्नियर

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

70. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा उनके नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कथन (A) : ब्रिटिश काल में सामान्यतः भारत का व्यापार संतुलन था।

कारण (R) : धन की निकासी का स्वरूप अप्रतिफलित निर्यात था।

कूटः

(a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।

(d) A तथा R दोनों सत्य है परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) A सही है, परन्तु R गलत है।

(d) A गलत है पर R सही है।

71. ऋग्वेद में कई परिच्छेदों में प्रयुक्त 'अघन्य' शब्द संदर्भित है–

(a) पुजारी के लिए

(b) स्त्री के लिए

(c) गाय के लिए

(d) ब्राह्मण के लिए

72. निम्नलिखित में से किस शैलकृत गुफा में ग्यारह सिरों के बोधिसत्व का अंकन मिलता है?

(a) अजन्ता

(b) एलोरा

(c) कन्हेरी

(d) कार्ले

73. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–

1. पश्चिमी गोदावरी जिले में गुन्टुफल्ली में प्रारंभिक चैत्यगृह और विहार चट्टानों को काटकर बनाए गए हैं।
2. पूर्वी दक्कन के चैत्य और विहार साधारणतया चट्टानों को काटकर बनाए गए हैं।

इन कथनों में से

(a) केवल 1 सही है

(b) केवल 2 सही है

(c) 1 तथा 2 दोनों सही है

(d) न तो 1 सही है और न ही 2 सही है

74. बराबर पहाड़ी की गुफाओं के विषय में निम्न में से कौन एक सही नहीं है?

(a) बराबर पहाड़ी पर कुल चार गुफाएँ हैं

(b) तीन गुफाओं की दीवार पर अशोक के अभिलेख उत्कीर्ण हैं

(c) ये अभिलेख इन गुफाओं को आजीविकाओं को समर्पित होने का उल्लेख करते हैं

(d) ये अभिलेख ईसा पूर्व छठी शताब्दी के हैं

75. छठी शताब्दी ई०पू० का मत्स्य महाजनपद स्थित था–

(a) पश्चिमी उत्तर प्रदेश में

(b) राजस्थान में

(c) बुन्देलखण्ड में

(d) रूहेलखण्ड में

76. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

	सूची-I		**सूची-II**
A.	गांधार कला	1.	मिनेण्डर
B.	जूनागढ़ शिलालेख	2.	पतिक
C.	मिलिन्दपन्हो	3.	कुषाण
D.	तक्षशिला लेख	4.	रूद्रदमन-I

कूटः

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	2	4	3	1
(c)	3	4	1	2
(d)	2	1	3	4

77. 'जौनपुर राज्य' का अंतिम शासक कौन था?

(a) मुहम्मद शाह

(b) हुसैन शाह

(c) मुबारक शाह

(d) इब्राहिम शाह

78. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) हेक्टर मुनरो – बक्सर का युद्ध

(b) लॉर्ड हेस्टिंग्स – आंग्ल-नेपाल युद्ध

(c) लॉर्ड वेलेजली – चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध

(d) लॉर्ड कार्नवालिस – तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

79. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए

सूची-I (तीर्थंकर)	सच्ची-II (प्रतिमा लक्षण)
A. आदिनाथ	1. वृषभ
B. मल्लिनाथ	2. अश्व
C. पार्श्वनाथ	3. सर्प
D. सम्भवनाथ	4. जल-कलश

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	4	3	2
(b)	1	3	2	4
(c)	2	4	3	1
(d)	3	1	1	2

80. निम्नलिखित में से किस वर्ष बंगाल में मिदनापुर जिले में जातिया सरकार की स्थापना हुई थी?
(a) 1939
(b) 1940
(c) 1941
(d) 1942

81. निम्नलिखित में से किस केस की समस्त संसार में चर्चा हुई और अभियुक्तों के समर्थन में अल्बर्ट आइन्सटीन, एच०जी० वेल्स, हैराल्ड लास्की तथा रूजवेल्ट ने सहानुभूतिपूर्ण टिप्पणियाँ की?
(a) आई०एन०ए० मुकदमा
(b) लाहौर षड्यंत्र मुकदमा
(c) मेरठ षड्यंत्र मुकदमा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

82. किसने ईस्ट इंडिया कम्पनी के बारे में यह टिप्पणी की कि "कम्पनी एक असंगति है, परन्तु यह उस व्यवस्था का भाग है जहाँ सब कुछ ही असंगत है।"?
(a) वॉरेन हेस्टिंगस
(b) जी०बी० मैकाले
(c) लॉर्ड क्लाईव
(d) हेनरी डुण्डास

83. निम्नलिखित युग्मों से कौन सही सुमेलित नहीं है?

विद्रोह		वर्ष
(a) पाबना विद्रोह	-	1873
(b) दक्कन किसान विद्रोह	-	1875
(c) संन्यासी विद्रोह	-	1894
(d) कोल विद्रोह	-	1870

84. निम्नलिखित में से किस समाज सुधारक ने 1826 के जूरी अधिनियम का घोर विरोध किया?
(a) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर
(b) राजा राममोहन राय
(c) महादेव गोविन्द रानाडे
(d) राजनारायण बसु

85. निम्नलिखित में से किन स्थानों पर डचों ने अपने व्यापारिक अड्डे स्थापित किए?
(a) नामपट्टनम, चिनसुरा, मछलीपट्टनम
(b) सूरत, भरूच, आगरा
(c) कोचीन, अहमदाबाद, पटना
(d) उपरोक्त सभी

86. स्वतंत्रता पूर्व भारत में निम्नलिखित में से किसने केन्द्रीय विधानसभा में स्वराज दल का समर्थन किया था?
(a) एम०ए० जिन्ना
(b) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(c) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
(d) जवाहरलाल नेहरू

87. गोपाल कृष्ण गोखले ने किस वर्ष में भारत सेवक मण्डल (सर्वेन्ट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी) की स्थापना की?
(a) 1902
(b) 1903
(c) 1904
(d) 1905

88. 1303 में काकतीय शासकों की सेना ने निम्न में से किसकी सेना को वारंगल में परास्त किया?
(a) इल्तुतमिश की
(b) बलबन की
(c) अलाउद्दीन खिलजी की
(d) मुहम्मद तुगलक की

89. नीचे दिए गए कूट का उपयोग करते हुए निम्नलिखित घटनाओं को सही कालानुक्रम से निर्दिष्ट कीजिए-
1. रॉलेट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह
2. चम्पारण सत्याग्रह
3. खेड़ा किसान आंदोलन
4. अहमदाबाद मिल हड़ताल

कूट:
(a) 2, 4, 3, 1
(b) 1, 2, 3, 4
(c) 2, 1, 4, 3
(d) 3, 2, 4, 1

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

2018

90. निम्नलिखित में से कौन शुक्ल यजुर्वेद की संहिता है?
    (a) वाजसनेमि
    (b) मैत्रायणी
    (c) तैत्तरीय
    (d) काठक

91. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
    कथन (A) : भारत पर तुर्की आक्रमण सफल हुए
    कारण (R) : उत्तर भारत में राजनीतिक एकता नहीं थी।
    नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–
    कूट:
    (a) कथन A तथा कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R कथन A की सही व्याख्या है।
    (b) कथन A तथा कारण R दोनों सही हैं परन्तु कारण R कथन A की व्याख्या नहीं है।
    (c) कथन A सही है, किन्तु कारण R गलत है।
    (d) कथन A गलत है, किन्तु कारण R सही है।

92. निम्न मंदिरों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–
    1. वृहदीश्वर मंदिर
    2. गंगैकोण्ड चोलापुरम मंदिर
    3. महाबलीपुरम का तटीय मंदिर
    4. सप्त पैगोडा
    कूट:
    (a) 1, 2, 4, 3
    (b) 2, 1, 3, 4
    (c) 3, 2, 1, 4
    (d) 4, 3, 1, 2

93. हाथीगुम्फा का अभिलेख किस शासक के विषय में जानकारी का स्रोत है?
    (a) खारवेल
    (b) अशोक
    (c) हर्षवर्धन
    (d) कनिष्क

94. नीचे दो कथन दिए गए हैं। एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
    कथन (A) : 1946 में मुस्लिम लीग में 'कैबिनेट मिशन प्लान' के लिए दी गई अपनी स्वीकृति वापस ले ली थी।
    कारण (R) : 1946 में गठित अंतरिम सरकार में मुस्लिम लीग शामिल हुई थी।
    नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–
    (a) कथन A तथा कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R कथन A की सही व्याख्या है।
    (b) कथन A तथा कारण R दोनों सही हैं परन्तु कारण R कथन A की व्याख्या नहीं है।
    (c) कथन A सही है, परन्तु कारण R गलत है।
    (d) कथन A गलत है, परन्तु कारण R सही है।

95. निम्नलिखित में से किन स्थानों पर मध्यपाषाण काल में पशु पालन के प्रमाण मिलते हैं?
    (a) औदे
    (b) बोरी
    (c) बागोर
    (d) लखनियाँ

96. निम्नलिखित युग्मों में कौन सही सुमेलित नहीं है?
    (a) अदीना मस्जिद – मांडु
    (b) लाल दरवाजा मस्जिद – जौनपुर
    (c) दाखिल दरवाजा – गौड़
    (d) तीन दरवाजा – अहमदाबाद

97. निम्नलिखित युग्मों में कौन सही सुमेलित नहीं है?
    (a) ध्रुवदास – भगत नामावली
    (b) नाभादास – भक्तमाल
    (c) रसखान – रसिक प्रिया
    (d) उस्मान – चित्रावली

98. निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–
    1. हंटर आयोग
    2. सेडलर आयोग
    3. वुड का घोषणापत्र
    4. सार्जेंट योजना
    कूट:
    (a) 1 2 4 3
    (b) 3 2 1 4
    (c) 1 2 3 4
    (d) 3 1 2 4

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

99. निम्नलिखित नेताओं में किसने क्रांतिकारी संगठन, 'अभिनव भारत समाज' की स्थापना की?
(a) भगत सिंह
(b) विनायक दामोदर सावरकर
(c) बारिन्द्र कुमार घोष
(d) पुलिन बिहारी

100. निम्नलिखित युग्मों में कौन सही सुमेलित नहीं है?

	विद्रोह		**वर्ष**
(a)	संथाल	–	1855
(b)	कोल	–	1831
(c)	खासी	–	1829
(d)	अहोम	–	1815

101. निम्न गवर्नर जनरलों में से किसने कांग्रेस का 'अत्यधिक अल्पसंख्यक' लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाली कहकर उपहास किया था?
(a) लॉर्ड डफरिन
(b) लॉर्ड कर्जन
(c) लॉर्ड मिंटो
(d) लॉर्ड लेंसडाऊन

102. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (दक्षिण भारत के समुद्रगुप्त के समकालीन नरेश)	**सूची-II (उनके राज्य)**
A. धनंजय	1. अवमुक्त
B. नीलराज	2. कंची
C. उग्रसेन	3. कुस्तलपुर
D. विष्णुगोपा	4. पालक्का

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	3	1	4	2
(d)	4	3	2	1

103. निम्न में से सिंधु सभ्यता से संबंधित कौन-से केन्द्र उत्तर प्रदेश में स्थित हैं?
नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए-
1. कालीबंगा
2. लोथल
3. आलमगीरपुर
4. हुलास

कूट:
(a) 1, 2, 3, 4
(b) 1, 2
(c) 2, 3
(d) 3, 4

104. निम्न में से कौन-सी संस्था विदेशी व्यापार से संबंधित थी?
(a) श्रेणी
(b) नगरम
(c) नानादेशि
(d) मणिग्राम

105. नीचे दो कथन दिए गए हैं। एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
कथन (A) : मध्यकाल में संगीत पर संस्कृत में लिखी गई अनेक पुस्तकों का फारसी में अनुवाद किया गया।
कारण (R) : आरंभिक चिश्ती सूफी संत संगीत सभाओं, जिन्हें समा कहा जाता था, के शौकीन थे।
नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए-
कूट:
(a) कथन A तथा कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R कथन A की सही व्याख्या है।
(b) कथन A तथा कारण R दोनों सही हैं किन्तु कारण R कथन A की व्याख्या नहीं है।
(c) कथन A सही है, किन्तु कारण R गलत है।
(d) कथन A गलत है, किन्तु कारण R सही है।

106. पुष्यमित्र शुंग द्वारा दो अश्वमेघ यज्ञ किए जाने के बारे में जानकारी किस लेख से मिलती है?
(a) सारनाथ लेख
(b) बेसनगर लेख
(c) अयोध्या लेख
(d) हाथीगुम्फा लेख

107. मध्यकालीन भारत के ऐतिहासिक स्रोतों में चकला शब्द का प्रयोग हुआ है। यह
(a) परगना के समानार्थी था।
(b) सरकार के समानार्थी था।
(c) सूबा और परगना के बीच की क्षेत्रीय ईकाई था, लेकिन सरकार के समानार्थी नहीं था।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

108. सुरक्षा के लिए मराठों के राजस्व के दावों को किस नाम से जाना जाता है?
(a) सरदेश मुखी
(b) चौथ
(c) अबवाब
(d) जमादानी

109. दिल्ली में पुराना किला के सामने 'खैरूल मंजील' नामक मस्जिद का निर्माण किसने करवाया था?
(a) हमीदा बानू बेगम
(b) सलीमा सुल्तान
(c) जीजी अंगा
(d) माहम अनगा

110. निम्नलिखित युग्मों में कौन सही सुमेलित नहीं है?

	स्थान		**नेतृत्व**
(a)	संभलपुर	–	सुरेन्दर साही
(b)	गंजाम	–	राधाकृष्ण दण्डसेना
(c)	कश्मीर	–	गुलाब सिंह
(d)	लखनऊ	–	लियाकत अली

111. निम्नलिखित युग्मों में कौन सही सुमेलित नहीं है?

	रियासत		**शासक**
(a)	देवगिरी	–	शंकर देव
(b)	वारंगल	–	रामचन्द्र देव
(c)	होयसल	–	वीर बल्लाल
(d)	मदुरा	–	वीर पाण्ड्या

112. निम्नलिखित को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-
1. मुहम्मद शाह
2. जहांदार शाह
3. अलमगीर-II
4. अहमद शाह

कूट:
(a) 1, 3, 4, 2
(b) 2, 1, 4, 3
(c) 3, 1, 2, 4
(d) 4, 2, 3, 1

113. विश्व प्रसिद्ध भगवान वेंकटेश्वर (तिरूपति) का मंदिर निम्नलिखित पहाड़ियों में किसमें अवस्थित है?
(a) शेवराय
(b) बिलीगिरिरंगा
(c) जावादी
(d) मल्लमल्ला

2019

114. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(a)	दाम	–	ताम्र की मुद्रा
(b)	देसाई	–	राजस्व अधिकारी
(c)	दीवान	–	प्रांतीय राजस्व का प्रमुख
(d)	जरीब	–	एक प्रकार का कर

115. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए-

	सूची-I		**सूची-II**
A.	मुल्ला दाउद	1.	चांदायन
B.	दामोदर कवि	2.	आशिका
C.	सामनाथ	3.	पद्मावती कथा
D.	अमीर खुसरो	4.	राग विबोध

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	1	3	4	2
(c)	2	4	1	3
(d)	1	2	3	4

116. निम्नलिखित राजाओं में से किसने अकबर के पूर्व तानसेन को संरक्षण दिया था?
(a) भाटा का राजा रामचन्द्र सिंह
(b) मालवा का राजबहादुर
(c) मेवाड़ का उदय सिंह
(d) गुजरात का मुजफ्फर शाह

117. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए कए कूट से सही उत्तर चुनिए-

	सूची-I (राजवंश)		**सूची-II (राजधानी)**
A.	पल्लव	1.	वारंगल
B.	पाण्ड्य	2.	कांची
C.	यादव	3.	मदुरा
D.	काकतीय	4.	देवगिरि

कूट:

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	2	3	4	1
(c)	1	2	3	4
(d)	2	4	3	1

118. निम्नलिखित स्मारकों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए हुए कूटों में से सही उत्तर चुनिए-

1. राबिया दौरानी का मकबरा- औरंगाबाद
2. शेरशाह सूरी का मकबरा- सासाराम
3. हुमायूँ का मकबरा- दिल्ली
4. अटाला मस्जिद- जौनपुर

कूट

(a) 1, 2, 4, 3
(b) 4, 2, 3, 1
(c) 2, 1, 3, 4
(d) 3, 4, 2, 1

119. मनसबदारी व्यवस्था के संदर्भ में, कौन-सा कथन सही है/हैं

1. मनसबदारी व्यवस्था राज्य के कुलीन वर्ग से संबंधित थी, जिसे अकबर ने प्रारंभ किया।
2. मनसबदारी का पद पैतृक था।
   नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए

कूट:

(a) केवल 1
(b) 1 और 2 दोनों
(c) केवल 2
(d) न तो 1 और न ही 2

120. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I	**सूची-II**
A. इलाहाबाद की संधि	1. 1782
B. मंगलौर की संधि	2. 1784
C. सालबाई की संधि	3. 1769
D. मद्रास की संधि	4. 1765

कूट:

	A	B	C	D
(a)	4	2	3	1
(b)	2	4	3	1
(c)	4	2	1	3
(d)	2	4	1	3

121. निम्नलिखित घटनाओं को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए-

1. पूना पैक्ट
2. गाँधी-इर्विन समझौता
3. क्रिप्स मिशन
4. सविनय अवज्ञा आंदोलन

कूट:

(a)	4	2	3	1
(b)	2	4	1	3
(c)	4	2	1	3
(d)	3	1	4	2

122. असैनिक प्रशासन 1905 के संदर्भ में, कौन-सा कथन सही है/हैं?

1. लॉर्ड कर्जन ने प्रांतीय सीमाओं को पुनर्गठित करने का निर्णय लिया।
2. पूर्वी बंगाल और आसाम नामक एक नया प्रांत बनाया गया।

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनिए-

(a) केवल 1
(b) 1 और 2 दोनों
(c) केवल 2
(d) न तो 1 और न ही 2

123. मुस्लिम लीग एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच राजनीतिक गतिरोध को दूर करने के लिए 'सी०आर० फार्मूला' किसने बनाया था?

(a) जवाहरलाल नेहरू
(b) राजगोपालाचारी
(c) चितरंजन दास
(d) वी०पी० मेनन

124. 'दि राइज एण्ड ग्रोथ ऑफ इकोनॉमिक नेशनलिज्म इन इंडिया' के लेखक थे-

(a) पार्थ सार्थी गुप्त
(b) एस० गोपाल
(c) बी०आर० नंदा
(d) बिपिन चन्द्र

125. निम्नलिखित में से किस मंदिर को विदर्भ के खजुराहो के रूप में भी जाना जाता है?

(a) मार्कण्डेश्वर
(b) कैलाश
(c) मनुदेवी
(d) भीमाशंकर

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

126. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

कथन (A) : अकबर ने शेरशाह की तरह राज्य के सिक्कों के प्रचलन को नियमित करने का प्रयास किया।

कारण (R) : शेरशाह की मुद्रा पद्धति के समान, अकबर के समय का ताम्र का प्रमुख सिक्का दाम था।

नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए–

कूट:

(a) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R कथन A की सही व्याख्या है।
(b) कथन A और कारण R दोनों सही हैं परन्तु कारण R कथन A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) कथन A सही है, किन्तु कारण R गलत है।
(d) कथन A गलत है, किन्तु कारण R सही है।

127. निम्नलिखित युद्धों को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–

1. सर्नाल का युद्ध
2. बिलग्राम का युद्ध
3. धरमत का युद्ध
4. जजाऊ का युद्ध

कूट:

(a) 2, 1, 3, 4
(b) 2, 3, 4, 1
(c) 3, 2, 1, 4
(d) 3, 1, 2, 4

128. हठ योग के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है/हैं?

1. हठ योग नाथपंथियों द्वारा अपनाया जाता था।
2. हठ योग क्रिया को सूफी संतों ने भी अपनाया था।

नीचे दिए हुए कूट में से सही उत्तर चुनिए–

कूट:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

129. निम्नलिखित में से कौन-सी एक विशिष्टया 'इक्ता व्यवस्था' की नहीं है?

(a) इक्ता एक राजस्व एकत्रित करने की व्यवस्था थी।
(b) सियासतनामा इक्ता व्यवस्था की जानकारी का स्रोत था।
(c) इक्ता से एकत्रित राजस्व सीधा सुल्तान के खाते में जाती थी।
(d) मुक्ती को इक्ता से एकत्रित राजस्व से सैनिक रखने पड़ते थे।

130. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

	(पुस्तकें)	**(लेखक)**
(a)	तबकात-ए-नासिरी	मिनहाज-उस - सिराज-जसजानी
(b)	तारीख-ए-फिरोजशाही	शम्स-ए-सिराज-अफीफ
(c)	तुगलकनामा	इब्नबतूता
(d)	हुमायूँनामा	गुलबदन बेगम

131. 'नेटिव मैरिज एक्ट' किस वर्ष पारित किया गया था?

(a) 1870
(b) 1872
(c) 1874
(d) 1876

132. सूची- I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I (आंदोलन)	**सूची-II (वर्ष)**
A. पाबना	1. 1855-56
B. एका	2. 1873-85
C. संथाल	3. 1922
D. ताना भगत	4. 1914

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	4	3
(b)	2	3	1	4
(c)	3	1	4	2
(d)	4	3	2	1

133. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(घटना)	(वर्ष)
(a) भारतीय जलसेना अधिनियम	1927
(b) सविनय अवज्ञा आंदोलन	1930
(c) द्वितीय गोलमेज अधिवेशन	1931
(d) सांप्रदायिक निर्णय	1933

134. निम्न घटनाओं को कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए और नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए-

1. साइमन आयोग की नियुक्ति
2. जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड
3. महात्मा गाँधी की डाण्डी यात्रा
4. फिरोजशाह मेहता की मृत्यु

कूट:

(a) 4, 2, 1, 3
(b) 1, 2, 4, 3
(c) 2, 3, 4, 1
(d) 4, 3, 2, 1

135. आई०एन०ए० के अधिकारियों पर मुकदमा चलाया गया था।

(a) लाल किला, दिल्ली में
(b) ग्वालियर फोर्ट में
(c) आमेर फोर्ट, जयपुर में
(d) आगरा फोर्ट में

136. नीचे दो कथन दिए गए हैं जिनमें एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

कथन (A) : बंगाल की एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना वॉरेन हेस्टिंग्स के काल में हुई थी और उसने सर विलियम जोन्स के पक्ष में उक्त विद्वत संस्था की अध्यक्षता का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया था।

कारण (R) : वॉरेन हेस्टिंग्स स्वयं एक उद्‌भव विद्वान तथा प्राच्य विद्या का प्रखर समर्थक था जो संस्कृत, फारसी व अरबी के अध्ययन को प्रोत्साहित करता था।

नीचे दिए कूटों में से सही उत्तर चुनिए-

कूट:

(a) A और R दोनों सही है और R कथन A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सही है, किन्तु R कथन A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सही है, किन्तु R गलत है।
(d) A गलत है, किन्तु R सही है।

137. भारत में नियोजित विकास का विरोध किसने किया?

(a) महात्मा गांधी
(b) जवाहरलाल नेहरू
(c) इंदिरा गाँधी
(d) राजीव गाँधी

2020

138. निम्नलिखित में से किस वंश के शासकों को पुराणों में 'श्रीपर्वतीय' कहा गया है?

(a) वाकाटक
(b) इक्ष्वाकु
(c) शक
(d) खारवेल

139. मौर्य काल में 'एग्रोनोमई' अधिकारी निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से संबंधित थे?

(a) माप और तोल
(b) प्रशासन प्रबंधन
(c) मार्ग निर्माण
(d) राजस्व प्रबंधन

140. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I (महाजनपद)	**सूची-II (राजधानी)**
A. मत्स्य	1. मथुरा
B. कुरू	2. पोतन
C. शूरसेन	3. विराटनगर
D. अश्मक	4. इन्द्रप्रस्त

कूट:

	A	B	C	D
(a)	4	2	1	3
(b)	3	1	4	2
(c)	3	4	1	2
(d)	2	3	4	1

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

141. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

कथन (A) : हमें चोलों के विषय में उनके पूर्ववर्ती राजवंशों की अपेक्षा अधिक जानकारी है।

कारण (R) : चोल शासकों ने मंदिरों की दीवारों पर अभिलेख उत्कीर्ण करने का चलन प्रारंभ किया जिनमें उनकी विजयों के ऐतिहासिक विवरण दिए जाते थे।

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए

कूट:

(a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

(b) A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) A सत्य है परन्तु R गलत है।

(d) A गलत है परन्तु R सही है।

142. निम्नलिखित में से किस भारतीय पुरातत्ववेत्ता ने पहली बार 'भीमबेटका गुफा' को देखा और उसके शैलचित्रों के प्रागैतिहासिक महत्व को खोजा?

(a) माधो स्वरूप वत्स

(b) एच०डी० संकालिया

(c) वी०एस० वाकंकर

(d) वी०एन० मिश्रा

143. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I (हड़प्पा पुरा स्थल)	**सूची-II (संघ राज्यक्षेत्र/भारत के राज्य)**
A. बालू	1. उत्तर प्रदेश
B. मांडा	2. जम्मू एवं कश्मीर
C. पाडरी	3. हरियाणा
D. हुलास	4. गुजरात

कूट:

	A	B	C	D
(a)	3	2	1	4
(b)	2	3	4	1
(c)	2	4	3	1
(d)	3	2	4	1

144. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

1. मुल्तान के सूर्य मंदिर का उल्लेख ह्वेनसांग, आबूजईद, अल्मसूदी तथा अल्बेरूनी ने किया है।
2. साम्बपुर यात्रोत्सव सूर्यपूजा से संबंधित था।

कूट:

(a) केवल 1 सही है।

(b) केवल 2 सही है।

(c) 1 और 2 दोनों सही हैं।

(d) न तो 1 न ही 2 सही है।

145. भारत सरकार द्वारा 1919 में आइ०एल०ओ० के वाशिंगटन सम्मेलन में मजदूरों का प्रतिनिधि के रूप में निम्नलिखित में से किसे भेजा गया था?

(a) वी०पी० वाडिया

(b) एन०एम० जोशी

(c) सी०एफ० एण्ड्रूज

(d) जोसेफ बैपटिस्ट

146. 'ऐक्त-ता-शपैल-1748' की संधि के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. प्रथम कर्नाटक युद्ध की समाप्ति।
2. अंग्रेजों को मद्रास पुनः प्राप्त हुआ।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए?

कूट:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 न ही 2

147. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची-I	**सूची-II**
A. सिंधु घाटी सभ्यता	1. चारागाह
B. उत्तर वैदिक समाज	2. जमींदारी
C. ऋग्वैदिक समाज	3. कृषक
D. मध्य काल	4. नगरीय

कूट:

	A	B	C	D
(a)	4	2	3	1
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	4	3	1	2

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

148. सिक्किम का भारत में विलय किसने किया?
(a) लॉर्ड हेस्टिंगस
(b) लॉर्ड विलियम बेंटिंक
(c) लॉर्ड डलहौजी
(d) लॉर्ड आकलैण्ड

149. निम्नलिखित नेताओं में से कौन द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग नहीं लिया था?
(a) एम०के० गांधी
(b) सरोजिनी नायडू
(c) पंडित मदन मोहन मालवीय
(d) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

150. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

	सूची-I		**सूची-II**
A.	जजमानी	1.	उत्तर भारत
B.	बारा बलूट	2.	कर्नाटक
C.	मिरासि	3.	महाराष्ट्र
D.	अडाडे	4.	तमिलनाडु

कूटः

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	1	3	2	4
(c)	1	4	2	3
(d)	1	3	4	2

151. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

	सूची-I (पुस्तक)		**सूची-II (लेखक)**
A.	द स्टोरी ऑफ माय डिपोर्टेशन	1.	सुनेन्द्रनाथ बनर्जी
B.	गीता रहस्य	2.	मौलाना अबुल कलाम आजाद
C.	ए नेशन इन मेकिंग	3.	लाला लाजपत राय
D.	इंडिया विंस फ्रीडम	4.	बाल गंगाधर तिलक

कूट

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	4	2	1	3
(c)	2	4	1	3
(d)	4	3	2	1

152. निम्नलिखित में से कौन 1755 में डिंडिगल मैसूर में एक आधुनिक शस्त्रागार की स्थापना की थी?
(a) नंजराज
(b) हैदर अली
(c) देवराज
(d) चिक्का कृष्णराज

153. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को कथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है-
कथन (A) : ब्रिटिश सरकार ने भारत के अलग-अलग भागों में भू-राजस्व की अलग-अलग व्यवस्था की थी।
कारण (R) : इससे भारतीय किसानों में अलग-अलग वर्ग बन गए।
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए-
कूटः
(a) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।
(b) A और R दोनों सही हैं परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) A सही है परन्तु R गलत है।
(d) A गलत है परन्तु R सही है।

154. निम्नलिखित ग्रंथों पर विचार कीजिए और उनको कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए-
1. फतवा-ऐ-जहाँदारी
2. पृथ्वीराज-रासो
3. किताब-उल-हिन्द
4. तबकात-ऐ-नासिरी
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-
कूटः
(a) 2, 3, 4, 1
(b) 3, 1, 2, 4
(c) 4, 3, 1, 2
(d) 3, 2, 4, 1

155. 1687 में जब औरंगजेब ने गोलकुण्डा किले पर अधिकार किया, उस समय गोलकुण्डा का शासक कौन था?
(a) अबुल हसन कुतुब शाह
(b) सिकन्दर आदिल शाह
(c) अली आदिल शाह-II
(d) शायस्ता खान

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

156. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. अकबर ने लड़कों और लड़कियों के विवाह की आयु निर्धारित करने का प्रयास किया था।
2. अकबर ने लड़कियों को अभिभावको के दबाव से अलग स्वयं की इच्छा से विवाह करने की स्वतंत्रता दी थी।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए-

कूटः

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 न ही 2

157. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर को चुनिए-

सूची-I (अधिकारी)	सूची-II (विहित कर्तव्य)
A. दीवान-ए-तन	1. कार्यालय को संभालने के लिए
B. मुस्तार्फी	2. प्रमुख घटनाओं व फरमानों को सूचिबद्ध करना
C. मुशरिफ	3. जागीर व वेतन को देखना
D. वकियानवीस	4. राज्य की आय-व्यय का निरीक्षण करना

कूटः

	A	B	C	D
(a)	2	4	1	3
(b)	3	4	1	2
(c)	1	3	2	4
(d)	4	1	2	3

158. निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित नहीं है?

(a) शेख मुईनुद्दीन चिश्ती – अजमेर
(b) शेख बुरहानुद्दीन गरीब – दौलताबाद
(c) शेख मोहम्मद हुसैनी – गुलबर्गा
(d) शेख निजामुद्दीन औलिया – मुल्तान

159. निम्नलिखित में से किस मुगलकालीन नहर का निर्माण फिरोजशाह की रजबवाह को पुनर्जीवित करके किया गया?

(a) शेखनू-नी
(b) शहाब नहर
(c) नहर-ए-बिहिश्त
(d) नहर-ए-आगरा

160. निम्नलिखित में से कौन 'किताब-ए-नौरस' नामक पुस्तक का लेखक था?

(a) इब्राहिम आदिल शाह द्वितीय
(b) अली आदिल शाह
(c) कुली कुतुब शाह
(d) अकबर द्वितीय

2021

161. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

सूची-I (ग्रंथ)	सूची-II (रचयिता)
A. रागमाला	1. सोमनाथ
B. रस कोमुदी	2. वेंकटरमन
C. राग विबोध	3. पुण्डरीक विट्ठल
D. चतुर्दण्डी प्रकाशिका	4. श्री कण्ठ

कूटः

	A	B	C	D
(a)	3	4	1	2
(b)	4	2	1	3
(c)	2	3	4	1
(d)	1	2	3	4

162. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए तथा उनको कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए-

1. शारदा अधिनियम
2. नेहरू रिपोर्ट
3. साइमन कमीशन का गठन
4. डांडी मार्च

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

कूटः

(a) 3, 2, 1 तथा 4
(b) 1, 2, 3 तथा 4
(c) 4, 3, 2 तथा 1
(d) 1, 4, 2 तथा 3

163. 'एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल' का संस्थापक कौन था?

(a) जोनाथन डंकन
(b) सर विलियम जोन्स
(c) वॉरेन हेस्टिंग्स
(d) विलियम बेंटिंक

164. निम्नलिखित में से किसने कभी भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किसी भी अधिवेशन की अध्यक्षता नहीं की?

(a) लाला लाजपत राय
(b) बाल गंगाधर तिलक
(c) गोपाल कृष्ण गोखले
(d) सुभाष चन्द्र बोस

165. सातवाहन शासकों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

1. सातवाहन नरेश प्राकृत भाषा के पोषक थे।
2. सातवाहन काल में कला के लोक पक्ष को अधिक प्रोत्साहन मिला।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर को चुनिए-

कूट:

(a) केवल 1
(b) 1 और 2 दोनों
(c) केवल 2
(c) न तो 1 न ही 2

166. राजा रंजीत सिंह ने किस स्थान पर अदालत-ए-आला की स्थापना की?

(a) अमृतसर
(b) लाहौर
(c) फिरोजपुर
(d) मुलतान

167. निम्नलिखित विदेशी यात्रियों को उनके भारत आने के कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए-

1. विलियम हाकिन्स
2. राल्फ फिच
3. सर थॉमस रो
4. निकोलस डाउंटन

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए-

कूट:

(a) 2, 1, 4 तथा 3
(b) 4, 2, 1 तथा 3
(c) 1, 3, 2 तथा 4
(d) 3, 2, 4 तथा 1

168. उस विदेशी पत्रकार का नाम बताइए जिसने धरसना साल्ट वर्क्स पर सत्याग्रह के बारे में समाचार दिए

(a) फ्रांसिस लुई
(b) मार्क टुली
(c) वेब मिलर
(d) फिलिप स्प्रेट

169. निम्न में से कौन एक 1924 के कानुपर षड्यंत्र मामले में शामिल नहीं था?

(a) मुजफ्फर अहमद
(b) नलीनी गुप्ता
(c) शौकत उसमानी
(d) एम०ए० अंसारी

170. हड़प्पा सभ्यता का स्थल माण्डी, भारत के किस राज्य में स्थित है?

(a) गुजरात
(b) हरियाणा
(c) राजस्थान
(d) उत्तर प्रदेश

171. 'फवायदुल फवाद' नामक पुस्तक शेख निजामुद्दीन औलिया की बातचीत का विवरण है, इसका संकलन किया था-

(a) अमीर हसन सिज्जी ने
(b) अमीर खुसरो ने
(c) जियाउद्दीन बरनी ने
(d) हसन निजामी ने

172. निम्नलिखित में से 1926 ई० में गठित 'नौजवान सभा' का प्रारंभिक सदस्य कौन नहीं था?

(a) भगत सिंह
(b) यशपाल
(c) छबील दास
(d) अम्बिका चक्रवर्ती

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

173. निम्नलिखित में से कौन–सा एक सही सुमेलित नहीं है?

	(शासक)		(राज्य)
(a)	राणा हमीर	–	मेवाड़
(b)	राणा चुण्डा	–	मारवाड़
(c)	मलिक राजा फारूकी	–	खानदेश
(d)	मलिक सरवर ख्वाजा–जहाँ		मालवा

174. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है–

अभिकथन (A) : मुगल साम्राज्य मूल रूप से एक सैनिक राज्य था।

कारण (R) : केन्द्रीय शासन व्यवस्था के विकास की प्राणशक्ति उसकी सैनिक शक्ति पर निर्भर थी।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए।

कूट:

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या करता है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, किन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) A सत्य है, किन्तु R गलत है।

(d) A गलत है, किनतु R सत्य है।

175. निम्नलिखित में से कौन–सा एक युग्म सही सुमेलित नहीं है?

	(तीर्थंकर)		(निर्वाण स्थल)
(a)	ऋषभनाथ	–	अष्टापद
(b)	वासुपूज्य	–	सम्मेदशिखर
(c)	नेमिनाथ	–	ऊर्जयन्त
(d)	महावीर	–	मावापुरी

176. 'पॉवर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इंडिया' नामक पुस्तक किस वर्ष प्रकाशित हुई?

(a) 1900 ई०

(b) 1901 ई०

(c) 1902 ई०

(d) 1903 ई०

177. भारतीय इतिहास के संदर्भ में वायकोम सत्याग्रह के सम्बंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा/से सही है/हैं?

1. यह अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव के विरुद्ध एक सत्याग्रह था।

2. महात्मा गांधी ने इस सत्याग्रह में भाग लिया था।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

कूट:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 न ही 2

2022

178. अलाउद्दीन खिलजी की निम्नलिखित विजयों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिये।

1. रणथम्बौर
2. गुजरात
3. वारंगल
4. चित्तौड़

नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूट:

(a) 2, 1, 4, 3

(b) 1, 3, 2, 4

(c) 1 और 4

(d) 3, 4, 1, 2

179. निम्नलिखित में से अशोक का कौन–सा शिला लेख धार्मिक संश्लेषण (समन्वय) के बारे में कहता है?

(a) तेरहवाँ शिला लेख

(b) ग्यारहवाँ शिला लेख

(c) द्वितीय शिला लेख

(d) बारहवाँ शिला लेख

180. चन्द्रगुप्त–II के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

1. शक विजय के सन्दर्भ में सबसे सबल प्रमाण इस नरेश की रजत मुद्रायें हैं।

2. इन मुद्राओं की तौल लगभग 33 ग्रेन हुआ करती थी।

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) केवल 2

(b) न तो 1 न ही 2

(c) केवल 1

(d) 1 तथा 2 दोनों

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

181. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये और उनको कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिये।

I. मुदकी का युद्ध

II. पोर्टो नोवो का युद्ध

III. शकरखेड़ा का युद्ध

IV. बेदारा का युद्ध

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूट:

	A	B	C	D
(a)	IV	III	II	I
(b)	II	III	IV	I
(c)	I	II	III	IV
(d)	III	IV	II	I

182. औरंगजेब के शासनकाल की निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए और उनको कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिये:

1. देवराई की लड़ाई
2. बनारस के पास शूजा की पराजय
3. सामूगढ़ की लड़ाई
4. धरमत में विजय

नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये।

(a) 3, 4, 2 और 1

(b) 2, 4, 3 और 1

(c) 4, 2, 1 और 3

(d) 1, 3, 4 और 2

183. निम्नलिखित में से किस स्तूप में 'आर्यक-स्तम्भ' वाले मंच की विशेषताऐं मिलती हैं?

(a) अमरावती

(b) नागार्जुनीकोण्ड

(c) बोधगया

(d) घण्टशाल

184. ज्योतिबा फुले सम्बन्धित थे

(a) जाति-विरोधी आन्दोलन से

(b) सविनय अवज्ञा आन्दोलन से

(c) कृषक आन्दोलन से

(d) श्रमिक संघ आन्दोलन से

185. निम्नलिखित युग्मों में से कौन एक सही सुमेलित नहीं है?

(a) जीवित गुप्ता-।। - दैय वर्णार्क अभिलेख

(b) ईशानवर्मन - हरदा पाषाण अभिलेख

(c) ईश्यरवर्मन - जौनपुर प्रस्तर अभिलेख

(d) सर्ववर्मन - गया ताम्र पत्र

186. जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में किसने ब्रिटिश सरकार की 'नाइटहुड' की उपाधि को लौटा दिया था?

(a) रामेश्वर सिंह

(b) मु. अली जिन्ना

(c) शंकरन नायर

(d) रविन्द्रनाथ टैगोर

187. 'सत्यशोधक समाज' के संस्थापक कौन थे जिनका प्राथमिक जोर सत्य की खोज पर था?

(a) ज्योतिबा फुले

(b) ताराबाई शिन्दे

(c) राजा राम मोहन राय

(d) एम. जी. रानाडे

188. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (दार्शनिक)	**सूची-II (दर्शन)**
A. रामानुज	1. शुद्धद्वैत
B. माधवाचार्य	2. द्वैताद्वैत
C. निम्बार्क	3. द्वैत
D. वल्लभाचार्य	4. विशिष्टद्वैत

कूट:-

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	4	1	3
(c)	4	3	2	1
(d)	3	1	4	2

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

189. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (भवन)	**सूची-II (निर्माणकर्त्ता)**
(A) सुलतान गढ़ी	1. अलाउद्दीन खिलजी
(B) लाल महल	2. कुतुबुद्दीन ऐबक
(C) जमात खाना मस्जिद	3. इल्तुतमिश
(D) ढ़ाई दिन का झोपड़ा	4. बलबन

कूट:-

	A	B	C	D
(a)	4	3	1	2
(b)	3	4	1	2
(c)	4	3	2	1
(d)	3	4	2	1

190. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

(सूची-I) ग्रंथ	**(सूची-II) रचनाकार**
(A) रागमाला	1. सोमनाथ
(B) रसकौमुदी	2. वैंकटरमण
(C) रागविवोध	3. पुण्डरीक विट्ठल
(D) चतुर्दण्डी प्रकाशिका	4. श्रीकण्ठ

कूट:-

	A	B	C	D
(a)	4	2	1	3
(b)	1	2	3	4
(c)	3	4	1	2
(d)	2	4	3	1

191. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

(सूची-I) देवता	(सूची-II) पहचान
(A) शिव	1. चक्र
(B) विष्णु	2. त्रिशूल
(C) गणेश	3. वीणा
(D) सरस्वती	4. रस्सी या फंदा

कूट:

	A	B	C	D
(a)	3	2	1	4
(b)	1	2	3	4
(c)	2	1	4	3
(d)	4	3	1	2

192. किस मुगल शासक ने बनारस के संस्कृत और हिन्दी के महान विद्वान कविन्द्र आचार्य सरस्वती को राजकीय संरक्षण प्रदान किया था?
(a) अकबर
(b) शाहजहाँ
(c) हुमायूँ
(d) जहाँगीर

193. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये तथा उनको कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिये।
I. गदर पार्टी की स्थापना
II. चिटगाँव शस्त्रागार छापा
III. बर्लिन में 'इंडियन इंडिपेनडेंस कमेटी' की स्थापना
IV. केन्द्रीय एसेम्बली बस काण्ड
नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये:
कूट:
(a) I, III, II तथा IV
(b) III, I, IV तथा II
(c) III, I, II तथा IV
(d) I, III, IV तथा II

194. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा सूचियों के नीचे दिय गये कूट से सही उत्तर चुंनिए-

सूची-I (अधिकारी)	**सूची-II (कार्य)**
A. तलार	1. चुंगी का सुरक्षक
B. पट्टकोल	2. चोरी-डकैती के मुकदमे का अधिकारी
C. साहसाधिपति	3. रात्रि सुरक्षाकर्मियों का अधिकारी
D. बलाधिप	4. ग्रामीण कर वसूली करने वाला अधिकारी

कूट:

	A	B	C	D
(a)	4	3	1	2
(b)	1	2	3	4
(c)	3	4	2	1
(d)	2	1	4	3

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

195. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (व्यक्ति)	**सूची-II (संबंधित कार्य/पद)**
A. डी०के० कार्वे	1. कलकत्ता में कन्या विद्यालय की स्थापना
B. जे०ई०डी० बेथुन	2. सचिव, विडो री-मैरिज एसोसिएशन
C. ईश्व चन्द्र विद्यासागर	3. बाल विवाह विरुद्ध संघर्ष प्रारंभ करना
D. बी०एम० मालाबारी	3. कलकत्ता में संस्कृत कॉलेज के प्राचार्य

कूटः

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	1	2	4	3
(c)	1	2	3	4
(d)	2	1	4	3

196. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही सुमेलित है?

(a) सनातन धर्म रक्षिणी सभा – कलकत्ता

(b) राधास्वामी सत्संग – लाहौर

(c) देव समाज – बनारस

(d) भारत धर्म महामण्डल – दिल्ली

197. निम्नलिखित में से किसने चिन्तामणि भट्ट द्वारा रचित संस्कृत ग्रन्थ 'शुक सप्तति' का फारसी में अनुवाद कर उसका नाम 'तुतिनामा' रखा?

(a) शिहाबुद्दीन-अल-उमरि

(b) ख्वाज़ा ज़िया-उद्दीन नख्शबि

(c) अमीर खुसरो

(d) अब्दुर रज़्ज़ाक

198. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर चुनिए।

सूची-I (समाचारपत्र/पत्रिका)	**सूची-II (प्रकाशन का स्थान)**
A. स्वदेश	1. आगरा
B. भारत बन्धु	2. अल्मोड़ा
C. सत्यवादी	3. हाथरस
D. शक्ति	4. गोरखपुर

कूटः

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	3	2	1	4
(c)	1	2	3	4
(d)	4	3	1	2

199. सिन्धु घाटी की सभ्यता के किस पुरास्थल से नाव के चित्र या मॉडल प्राप्त हुये हैं?

(a) मोहनजोदड़ो एवं लोथल

(b) धौलाबीरा एवं भगत्राव

(c) कालीबंगा और रोपड़

(b) हड़प्पा एवं कोटडिजी

200. प्रथम अन्तरिम राष्ट्रीय सरकार की घोषणा की गई थी

(a) 23 अगस्त 1946 को

(b) 25 अगस्त 1946 को

(c) 22 अगस्त 1946 को

(d) 24 अगस्त 1946 को

201. शेरशाह को अपनी वीरता से प्रभावित करने वाले जयता और कुम्पा किस स्थान से संबंधित थे?

(a) मारवाड़

(b) बुन्देलखण्ड

(c) मेवाड़

(d) मालवा

Delhi (H. O.) : 632, Ground Floor, Main Road Mukherjee Nagar | Ph. : 7011750058, 8826592062 9654349902

ANSWER
INDIAN HISTORY (2015-2022)

1. (d)	2. (d)	3. (c)	4. (b)	5. (c)	6. (d)	7. (*)	8. (b)	9.(c)	10. (d)
11. (a)	12. (b)	13. (a)	14. (c)	15. (a)	16. (b)	17. (b)	18. (d)	19. (b)	20.(a)
21. (c)	22. (d)	23. (c)	24. (b)	25. (d)	26. (b)	27. (c)	28. (c)	29. (b)	30. (c)
31. (c)	32. (b)	33. (a)	34. (a)	35. (b)	36. (c)	37. (d)	38. (c)	39. (a)	40. (c)
41. (a)	42. (c)	43. (a)	44. (a)	45. (b)	46. (a)	47. (a)	48. (c)	49. (b)	50. (a)
51. (d)	52. (c)	53. (b)	54. (b)	55. (a)	56. (c)	57. (b)	58. (c)	59. (b)	60. (a)
61. (d)	62. (c)	63. (b)	64. (c)	65. (c)	66. (a)	67. (a)	68. (b)	69. (b)	70. (d)
71. (c)	72. (c)	73. (a)	74. (c)	75. (b)	76. (c)	77. (b)	78. (d)	79. (a)	80. (d)
81. (c)	82. (b)	83. (c)	84. (b)	85. (a)	86. (a)	87. (d)	88. (c)	89. (a)	90. (a)
91. (a)	92. (d)	93. (a)	94. (b)	95. (c)	96. (a)	97. (c)	98. (d)	99. (b)	100. (d)
101. (a)	102. (c)	103. (d)	104. (c)	105. (b)	106. (c)	107. (c)	108. (b)	109. (d)	110. (d)
111. (b)	112. (b)	113. (*)	114. (d)	115. (b)	116. (a)	117. (b)	118. (b)	119. (a)	120. (c)
121. (c)	122. (b)	123. (b)	124. (d)	125. (a)	126. (b)	127. (a)	128. (c)	129. (c)	130. (c)
131. (b)	132. (b)	133. (d)	134. (a)	135. (a)	136. (b)	137. (a)	138. (b)	139. (c)	140. (c)
141. (a)	142. (c)	143. (d)	144. (c)	145. (a)	146. (c)	147. (d)	148. (c)	149. (d)	150. (b)
151. (a)	152. (b)	153. (a)	154. (d)	155. (a)	156. (c)	157. (b)	158. (d)	159. (b)	160. (a)
161. (a)	162. (a)	163. (b)	164. (b)	165. (b)	166. (b)	167. (a)	168. (c)	169. (d)	170. (d)
171. (a)	172. (d)	173. (d)	174. (a)	175. (b)	176. (b)	177. (c)	178. (a)	179. (d)	180. (d)
181. (d)	182. (b)	183. (a)	184. a)	185. (d)	186. (d)	187. (a)	188. (c)	189. (b)	190. (c)
191. (c)	192. (b)	193. (d)	194. (c)	195. (d)	196. (a)	197. (b)	198. (d)	199. (a)	200. (d)
201. (a)									

10 वर्षों का विश्वास

1600+ चयन

IAS GS World PCS
Committed To Excellence

Our Online Courses

- IAS
- BPSC
- MODULE Batch
- UPPCS
- CSAT
- UGC-NET
- RO/ARO
- सामान्य हिन्दी
- TGT/PGT

Features

- Affordable Fees
- Pre. Test Series
- Current Affairs
- Top Educators
- Mains Test Series
- PDF/Printed Notes

To Join us

Download the App

GS World IAS/PCS Institute

or

Visit us on : **gsworld.online**

For

Online Classes
&
IAS/ PCS Test Series

UPSC में चयनित हमारे संस्थान के सफल अभ्यर्थी...
I A S
GS World
P C S
Committed To Excellence
YAKSH CHAUDHARY
ADITYA RAJ
VIPIN KUMAR DWIVEDI
BHANU PRATAP SINGH
ANAND KUMAR SINGH
AMAN KUMAR JHA
ADITYA KUMAR JHA
DR. PAWAN KR. PRAJAPATI
NEHA MISHRA
VIKAS CHANDRA
GARIMA TRIPATHI
PINAK PANI DWIVEDI
AKASH KUMAR
AVINASH KR. GAUTAM
MANJU MEENA
HEMANT SATI
PREMSUKH DELU
DHAWAL JAISWAL
ASHUTOSH KUMAR
ANIRUDDH KUMAR
DEVENDRA DUTT YADAV
And many more...
UPPSC 2021
में हमारे सफल अभ्यर्थी
Atul Kr. Singh (SDM)
1st Rank
Abhishek Priyadarshi (SDM)
35th Rank
SDM
6th Rank Praveen Kr. Dwivedi SDM
8th Rank Vivek Kr. Singh SDM
10th Rank Mallika Nain SDM
12th Rank Sandhya Singh SDM
18th Rank Maseeha Najam SDM
20th Rank Poorva SDM
25th Rank Shivani Singh SDM
27th Rank Ravish Gupta SDM
33th Rank Nanci Singh SDM
39th Rank Abhishek Goshwami SDM
44th Rank Shreya SDM
48th Rank Sudhir Kumar SDM
51th Rank Jyoti Singh SDM
52th Rank Rashmi Lata SDM
Nayab Tehsildar
Rajeev Kr. Singh (NT)
Pragya Sachan (NT)
Vidit Kumar Tiwari (NT)
Sweta Mishra (NT)
Shivendra Kr. Kaundilya (NT)
Anirudha Pandey (NT)
Akanksha Paswan (NT)
Pushpa Yadav (NT)
Anil Kumar (NT)
Devesh Pandey (NT)
Dheeraj Kr. Patel (NT)
Sandeep Kumar (NT)
Principal
Sangeeta Chaudhary (Principal)
Vivek Kumar Singh (Principal)
O. P. Singh Yadav (Principal)
Rajan Singh (Principal)
Sunil Kumar (Principal)
Manoj Kumar (Principal)
Manoj Kr. Tiwari (Principal)
Visheshwar Singh (Principal)
Rubee Khatoon (Principal)
Shipra Saxena (Principal)
Manvendra Singh (Principal)
Abhishek Rajbhar (Principal)
Ratnesh Singh (Principal)
Pawan Kr Srivastava (Principal)
Nirbhay Singh (Principal)
Uday Prakash Srivastava (Principal)
Rakesh Kr. Medhana (Principal)
Dy. S.P. Vinita (Dy. S.P.)
Dy. S.P. Priyanka Yadav (Dy. S.P.)
Dy. S.P. Shivank Singh (Dy. S.P.)
Dy. S.P. Akshay Kumar (Dy. S.P.)
Sup.Jail Manjeev Vishvkarma (Sup. Jailor)
Sub. Registrar
Ravi Kant (Sub Regi)
Anand Kr. Shukla (Sub Regi.)
Peetam Singh (Sub Regi.)
Neha Kumari (Sub. Regi.)
200+ selection in UPPSC 2021
For Any Query : 9654349902
facebook.com/gsworld1
GS World IAS Institute
t.me/GSWorldIAS
gsworldias@gmail.com
Online कक्षा कार्यक्रम से जुड़ने के लिए GS World IAS/PCS Institute App Install करें
DELHI CENTRE
632, Ground Floor, Main Road,
Dr. Mukherjee Nagar,
Delhi-09
PRAYAGRAJ CENTRE
GS World House, Stainly Road,
Near Traffic Chauraha,
Prayagraj
LUCKNOW CENTRE
Hanumant Complex, L-III 87A,
Sector-D, Aliganj,
Lucknow